CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 23-03-2026 Zone: Mahanagar Edition: 1 Page: NBTMAJK1 User: cci Time: 03-22-2026 22:25 Color:

नई दिल्ली > सोमवार, 23 मार्च 2026 > चैत्र 2 शक संवत 1948 चैत्र शुक्ल पंचमी, विक्रम संवत 2083

WATCH GOD WATCHDOG

वर्ष 80, संख्या 68 > पेज 14 > मूल्य ₹5.00 या ₹10.00* द टाइम्स ऑफ इंडिया सहित
*मासिक खरीद पर ही लागू

www.nbt.in

NBT नवभारत टाइम्स

एनबीटी में विज्ञापन देने के लिए 18001205474 पर कॉल करें। नवभारत टाइम्स का अंक प्राप्त करने के लिए 18001200004 पर कॉल करें या subscribe.timesofindia.com पर जाएं।

आज मां स्कंदमाता की पूजा

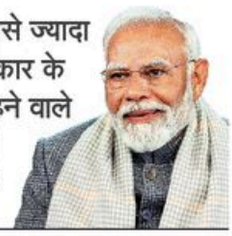

मोदी सबसे ज्यादा दिन सरकार के प्रमुख रहने वाले राजनेता

▶देखें अंदर

भारत की जनगणना 2027 CENSUS OF INDIA

गृह मंत्रालय भारत सरकार

हमारी जनगणना हमारा विकास

भारत की सबसे बड़ी जनभागीदारी प्रक्रिया जनगणना 2027 शुरू हो रही है
यह सिर्फ गणना नहीं... यह है विकसित भारत @2047 का आधार

जनगणना का पहला चरण

- मकानसूचीकरण एवं मकानों की गणना
- अप्रैल से सितंबर, 2026 - राज्य / संघ-राज्य क्षेत्र द्वारा चुनी हुई 30 दिन की अवधि में
- हर मकान की जानकारी दर्ज की जाएगी
- घर की स्थिति, सुविधाएँ और मूलभूत जानकारी संकलित की जाएगी

स्व-गणना कैसे करें?

स्व-गणना (Self-Enumeration)
ऑनलाइन (se.census.gov.in) पोर्टल पर जायें, तथा SE ID प्राप्त करें

प्रगणक (Enumerator) आपके घर आयें तो उनके साथ SE ID साझा करें

जनगणना से क्या लाभ?

- भविष्य की नीतियों का सटीक आधार
- संसाधनों का उचित वितरण
- सही जगह पर सही योजनाएँ
- बेहतर स्कूल, अस्पताल और सड़कें
- हर वर्ग और हर क्षेत्र का समुचित विकास

जनगणना बताती है — कहाँ ज़रूरत है, किसे मदद चाहिए, और देश को आगे कैसे बढ़ाना है

जनगणना का दूसरा चरण फरवरी, 2027 में

आपकी जानकारी पूरी तरह सुरक्षित

- जनगणना अधिनियम, 1948 के तहत गोपनीय रखी जाती है
- नाम और पहचान सार्वजनिक नहीं की जाती
- डेटा न टैक्स के लिए, न किसी जांच के लिए, सिर्फ राष्ट्र-निर्माण के काम आता है

आपका सहयोग जरूरी है

- जब प्रगणक (Enumerator) आएं, सही और पूरी जानकारी दें
- आपकी एक सही जानकारी आने वाले कई वर्षों की योजनाओं की दिशा तय करती है
- सही जानकारी दें, गर्व से भाग लें, देश के विकास में साथ चलें

चलो निभाएं अपनी ज़िम्मेदारी करें जनगणना में भागीदारी

CensusIndia2027

CBC 19108/13/0008/2526

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 23-03-2026 Zone: Mahanagar Edition: 1 Page: NBTMAH08 User: anil.rana@timesofindia.com Time: 03-22-2026 23:17 Color:

नवभारत टाइम्स • विचार

नवभारत टाइम्स । नई दिल्ली । सोमवार, 23 मार्च 2026

युद्ध उन लोगों को ठीक लगता है, जिन्होंने इसका दंश नहीं झेला है।

– डेसिडेरियस इरास्मस

बेक़ाबू होगी जंग

अमेरिका-इस्राइल और ईरान के बीच युद्ध की वजह से दुनिया के सामने पहले ही गंभीर ऊर्जा संकट खड़ा हो चुका है, ऐसे में एक-दूसरे के अहम रणनीतिक ठिकानों को निशाना बनाने की धमकियों से हालात और बिगड़ेंगे। इसका असर भी दिखने लगा है, डॉनल्ड ट्रंप के अल्टीमेटम के बाद ईरान ज्यादा आक्रामक ढंग से जवाब दे रहा है। ग्लोबल ऑयल-गैस सप्लाई चेन के लिए होर्मुज स्ट्रेट जरूरी है और इस पर नियंत्रण की होड़ के कारण जंग के बिल्कुल ही बेकाबू होने का डर पैदा हो गया है।

ट्रंप की नई धमकी

होर्मुज पर अल्टीमेटम । ईरान को लेकर अमेरिका और इस्राइल के प्लान कन्फ्यूजन से भरे लगते हैं। ट्रंप ने पहले तो कहा कि उन्हें होर्मुज से मतलब नहीं और जो देश यहां से तेल-गैस मंगाते हैं, वे आगे आकर जिम्मेदारी लें। फिर उन्होंने चेतावनी दी कि अगर ईरान ने 48 घंटे में होर्मुज नहीं खोला, तो उसके पावर प्लांट्स पर हमला किया जाएगा। ईरान ने भी धमकी दी है कि वह जवाब में खाड़ी में मौजूद एनर्जी और वॉटर साइट्स को निशाना बनाएगा।

दबाव में अमेरिका । ट्रंप की बदलती रणनीति और बयान बताते हैं कि उन पर दबाव बढ़ रहा है। एक तरफ घरेलू राजनीति का प्रेशर और दूसरी तरफ ग्लोबल एनर्जी क्राइसिस। लेकिन, जब लड़ाई इतनी खुल चुकी हो, तब धमकियां काम नहीं आतीं। खुद को मजबूत साबित करने के लिए ईरान ने ज्यादा आक्रामक ढंग से जवाब देना शुरू कर दिया है।

फैल रहा संघर्ष । ईरान ने इस्राइल के डिमोना और अराद शहरों को निशाना बनाया। यहीं पर न्यूक्लियर प्लांट है। फिर उसने डिएगो गार्सिया पर लंबी दूरी की मिसाइलें दागीं। यह बेहद चिंताजनक है कि संघर्ष फैलते हुए हिंद महासागर में मौजूद द्वीप तक पहुंच गया और इसका मतलब है कि यूरोप के प्रमुख शहर भी ईरानी हथियारों की रेंज में हैं। ऐसे में अमेरिका-इस्राइल अगर ईरान के पावर प्लांट्स को निशाना बनाते हैं, तो बदले का एक नया दौर शुरू हो सकता है, जिसे रोकना फिर किसी के लिए भी बेहद मुश्किल होगा।

पड़ोस तक असर । चिंता युद्ध के फैलने को लेकर ही नहीं, इसके संभावित परिणामों को लेकर भी है। पावर ग्रिड और दूसरे अहम रणनीतिक ठिकानों पर हमले से पूरी व्यवस्था ठप हो जाएगी। इसका सबसे ज्यादा असर पड़ेगा ईरान के आम लोगों पर, जो पहले ही तमाम परेशानियां झेल रहे हैं। इस तरह का कोई कदम आसपास के देशों पर भी असर डाल सकता है। ईरान कुछ बिजली इराक और पाकिस्तान को बेचता है। अच्छा होगा कि तुरंत युद्धविराम हो और दोनों पक्ष बातचीत की मेज पर आएं।

नश्तर

फिल्म और सिलिंडर

इन दिनों एक फिल्म यह तय कर रही है कि कौन देशभक्त है और कौन देशद्रोही। बहुत सीधा-सा तरीका है, जिसे फिल्म पसंद है, वह देशभक्त है और जो फिल्म की आलोचना कर रहा है वह पड़ोसी देश का टूरिज्म टर्नओवर बढ़ाने में योगदान देगा। फिल्म की खामियों, उसमें छिपे प्रोपेगैंडा के बारे में मैंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट लिख दिया तो एक सज्जन ने कहा कि तुम्हें 'पड़ोसी देश' चले जाना चाहिए। हालांकि उसने इतने सभ्य शब्दों में नहीं कहा था, फिर भी मैंने उससे पूछ लिया कि खर्चा कौन देगा? और आज कल युद्ध के माहौल में वीजा की भी दिक्कत होगी। इसके बाद से वह गायब है।

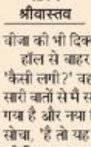

सौरभ श्रीवास्तव

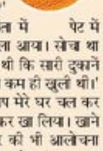

हॉल से बाहर निकलते वक्त एक युवक से मैंने पूछ लिया, 'कैसी लगी?' वह बोला, 'फिल्म शानदार है। उसमें दिखाई गई सारी बातों से मैं सहमत भी हूं, लेकिन मेरा गैस सिलिंडर खत्म हो गया है और नया मिल नहीं रहा, क्या करूं?' मैंने सोचा, 'है तो यह देशभक्त, लेकिन सिलिंडर की शिकायत कर रहा है, इसे किस श्रेणी में रखा जाए?' अपनी किंकर्तव्यविमूढ़ वाली हालत को छिपाते हुए मैंने कहा, 'घर में गैस नहीं है और आप फिल्म देखने चले आए?'

वह बोला, 'खाना कैसे बनाऊंगा, इस चिंता में पेट में गैस बन रही थी, इसलिए फिल्म देखने चला आया। सोचा था बाद में कुछ खा लूंगा। फिल्म इतनी लंबी थी कि सारी दुकानें बंद हो गईं। वैसे भी गैस की कमी के कारण कम ही खुली थीं।' मुझसे रहा नहीं गया, मैंने उससे कहा, 'आप मेरे घर चल कर कुछ खा लें।' घर में जो भी था, हमने बांटकर खा लिया। खाने के बाद वह फिल्म के साथ-साथ सरकार की भी आलोचना करने लगा। उसे लगा कि उसका ऐसा करना मुझे पसंद आएगा, पर मैंने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी तो वह शांत हो गया। सिर झुकाए उसने कहा, 'मैं वही ट्रोलर हूं, जो आपको पड़ोसी देश भेजने की बात कह रहा था।' मैंने बस इतना कहा, 'अकाउंट पर तस्वीर तो लगा लो।' अगले दिन सिलिंडर की फोटो लगी थी।

एकदा संकलन : रेनू सैनी

बोधा की रोटी

जब भगत सिंह लाहौर जेल में थे, वहां बोधा नाम का एक सफाई कर्मचारी था। उन दिनों देश में छुआछूत और जाति का भेदभाव चरम पर था। बोधा को भगत सिंह बहुत ही सम्मान से देखते और उन्हें 'बेबे' कहकर बुलाया करते। कई बार बोधा ने कहा कि वह निम्न कुल से है, इसलिए भगत सिंह जैसे उच्च कुल के क्रांतिकारी का इस तरह से उसे बुलाना उचित नहीं है। बोधा की बात सुनकर भगत सिंह मुस्कुरा कर बोलते, 'मेरी मां तो मेरा मल-मूत्र बचपन में साफ करती थी, लेकिन तुम तो बड़ों की गंदगी साफ करते हो। इस दृष्टि से तुम्हारा स्थान तो मेरी मां से भी ऊंचा हुआ न?' भगत सिंह बोधा का अंत तक सम्मान करते रहे। फांसी पर चढ़ने से पहले उन्होंने जेल प्रशासन से अनुरोध किया था कि उन्हें बोधा के हाथों से बनाई हुई रोटी खिलाई जाए। इस इच्छा को सुनकर बोधा फूट-फूट कर रो पड़े थे। इस प्रकार कम उम्र में ही भगत सिंह ने न केवल देश के लिए बलिदान दिया, बल्कि यह शिक्षा भी देकर गए कि मानवता सबसे बड़ी है। जाति-पांति, धर्म के बोध से ऊपर उठकर काम करना चाहिए।

क्या पीरियड्स लीव मिलनी ही चाहिए

आमने-सामने

छुट्टियां समाधान नहीं, कामकाज के माहौल को बेहतर बनाने की ज़रूरत

ऋतु सारस्वत

सुप्रीम कोर्ट ने हाल में मासिक धर्म अवकाश (menstrual leave) से जुड़ी एक याचिका पर सुनवाई की। कोर्ट ने कहा कि यह मुद्दा सरकार की नीति से जुड़ा है, इसलिए वह सीधे दखल नहीं देगा। सुनवाई के दौरान अदालत ने यह चिंता भी जताई कि अगर पीरियड्स लीव को कानून बनाकर अनिवार्य कर दिया गया, तो इससे महिलाओं के करियर पर खराब असर पड़ सकता है। उन्हें बड़ी जिम्मेदारियां नहीं दी जाएंगी। न्यायिक सेवाओं में भी उनके साथ भेदभाव हो सकता है।

राज्यों का उदाहरण । सुप्रीम कोर्ट ने ओडिशा, कर्नाटक और केरल जैसे राज्यों की इस मामले में 'स्वैच्छिक' पहल की तारीफ की। वहां राज्य सरकार के संस्थानों और विश्वविद्यालयों में छात्राओं को हर साल 60 दिनों तक का अवकाश दिया जाता है। निजी संस्थानों को भी इसके लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। हाल के वर्षों में यह नीति चर्चा में रही है। इसे महिलाओं के स्वास्थ्य और अधिकारों के लिए सकारात्मक कदम माना जा रहा है।

लीव के नुकसान

- महिला कर्मचारियों के साथ कार्यस्थल पर बढ़ सकता है भेदभाव
- उन पर भरोसा कम होगा, करियर पर असर पड़ेगा
- लैंगिक समानता लाने की गारंटी नहीं इस तरह की नीतियां

आंकड़े पूरे सही नहीं । हालांकि, इस विचार के समर्थन में दिए जाने वाले तर्क कई बार बढ़ा-चढ़ाकर पेश किए जाते हैं और पूरी तरह सही नहीं होते। अक्सर कहा जाता है कि मासिक धर्म के दौरान दर्द, थकान और सफाई की जरूरत के कारण छुट्टी मिलनी चाहिए। लेकिन फिर सवाल उठता है कि अगर मासिक धर्म को हम एक सामान्य जैविक प्रक्रिया मानते हैं, तो इसके लिए अनिवार्य छुट्टी क्यों? और अगर दर्द इतना ज्यादा है कि आराम जरूरी है, तो इसे सामान्य मानने के बजाय डॉक्टरी जांच जरूरी है।

स्वास्थ्य समस्या । American College of Obstetricians and Gynecologists का कहना है कि बहुत ज्यादा या असामान्य मासिक धर्म दर्द को सामान्य नहीं माना जाता। ये अंदरूनी स्वास्थ्य समस्या हो सकती हैं, इसलिए डॉक्टरों को दिखाना जरूरी है। इससे साफ है कि समाधान सिर्फ छुट्टी देना नहीं, कारण पहचान कर इलाज करना है।

भेदभाव को बढ़ावा । जूलियट हसार्ड और डॉ. लुईस डी. टोरेस की किताब 'Aligning Perspectives in Gender Mainstreaming' में प्रकाशित एक स्टडी बताती है कि पीरियड्स लीव जैसी नीतियां कभी-कभी कार्यस्थल पर महिलाओं के प्रति भेदभाव को दिखाती हैं और कई बार अनजाने में बढ़ा भी देती हैं। ऐसी लिंग-आधारित नीतियां यह धारणा मजबूत कर सकती हैं कि सभी महिलाएं पुरुषों से कमजोर, कम भरोसेमंद या ज्यादा महंगी कर्मचारी होती हैं।

गलत तर्क और धारणाएं । 'मेन्स्ट्रुअल मैटर्स' वेबसाइट की संस्थापक सैली किंग के अनुसार, दुनिया भर में लागू मासिक धर्म अवकाश नीतियां न तो महिलाओं के स्वास्थ्य में खास सुधार ला पाई हैं और न ही लैंगिक समानता को मजबूत कर पाई हैं। इसके समर्थक कहते हैं कि इससे महिलाओं की सेहत बेहतर होगी, मासिक धर्म से जुड़ी शर्म कम होगी और सामाजिक कलंक में कमी आएगी। साथ ही, लैंगिक समानता को बढ़ावा मिलेगा। लेकिन, स्पष्ट रूप से कभी नहीं बताया गया कि यह नीति इन लक्ष्यों को वास्तव में कैसे पूरा करेगी।

पूर्वाग्रह की भूमिका । सैली किंग कहती हैं, 'अब तक के अनुभव बताते हैं, यह जरूरी नहीं है कि मासिक धर्म अवकाश अपने बताए गए लक्ष्यों को सच में पूरा कर पाए।' जूली ए. नेल्सन ने अर्थशास्त्र के पारंपरिक मॉडलों में नारीवादी सिद्धांतों पर बहुत काम किया है। उनकी स्टडी 'The Power of Stereotyping and Confirmation Bias to Overwhelm Accurate Assessment' में बताया गया है कि महिलाओं को लेकर समाज की कई धारणाएं असल तथ्यों पर नहीं, बल्कि पुराने पूर्वाग्रहों पर आधारित होती हैं। यही वजह है कि कई बार नीतियां भी इन्हीं धारणाओं के असर में बनती हैं और बराबरी के असली लक्ष्य को कमजोर कर देती हैं।

वास्तविक समाधान । कुल मिलाकर, यह कहा जा सकता है कि मौजूदा मासिक धर्म अवकाश नीतियां अक्सर अपने लक्ष्य पूरे नहीं कर पातीं और कई बार कार्यस्थल पर महिलाओं के प्रति भेदभाव भी बढ़ा देती हैं। इसलिए असली समाधान सिर्फ छुट्टी देने में नहीं है। ज्यादा जरूरी यह है कि दफ्तरों में प्रजनन स्वास्थ्य को लेकर खुलकर बात हो, लोगों में सही जानकारी और जागरूकता बढ़े और जरूरत पड़ने पर महिलाओं को समय पर सही इलाज व सहूलियत मिल सके।

एक समान नीतियां । इसके साथ ही काम करने के तरीके को थोड़ा लचीला बनाया जाए, जिसमें हर कर्मचारी के हितों का ख्याल हो। छुट्टी देना आसान तरीका हो सकता है, पर हमें सिर्फ आसान दिखने वाली नीतियों पर नहीं रुकना चाहिए, बल्कि ऐसे व्यावहारिक और समझदारी भरे कदम उठाने चाहिए जो बिना किसी भेदभाव के सभी कर्मचारियों के लिए एक सुरक्षित, सहज और बेहतर काम का माहौल तैयार करें।

इस दर्द में महिलाएं ऑफ़िस पहुंच भी जाएं, तो काम कैसे कर पाएंगी

उपमा सिंह

मैं 12–13 साल की थी, जब पीरियड शुरू हुए। वह मेरी जिंदगी का सबसे खौफनाक हफ्ता था। इतना भयंकर दर्द कि शुरुआती दो दिन बिस्तर पर करवट बदलते और कराहते बीते। ब्लड प्रेशर कम, बेहोशी का आलम और आखिर में दर्द की दवा ही सहारा बनी। फिर यह खौफनाक हफ्ता हर महीने आने लगा। यकीन मानिए, तब इससे ज्यादा डरावनी चीज मेरे लिए कुछ नहीं थी। क्लास में सबसे ज्यादा अटेंडेंस वाली यह लड़की हर महीने एक-दो दिन 'एब्सेंट' रहने लगी। 10 साल बाद जब नौकरी में आई तब भी स्थिति कमोबेश ऐसी ही थी, मगर यहां हर महीने छुट्टी का ऑप्शन नहीं था। दर्द की दवा खाकर ऑफिस पहुंच जाती, लेकिन कई बार ऐसा हुआ कि पेन किलर का असर होने तक डेस्क से उठने तक की हिम्मत नहीं होती। एकाध बार तो बॉस ने खुद हालत देख घर भेज दिया।

असहनीय दर्द । आंकड़े बताते हैं कि दुनिया भर में हर महीने पीरियड से गुजरने वाली करीब 1.8 अरब महिलाओं और लड़कियों में से 70–80% मेरी ही तरह इस दौरान 'डिसमेनोरिया' यानी असहनीय दर्द से गुजरती हैं। 15% में दर्द इतना तेज होता है कि वे काम नहीं कर पातीं। इसके बावजूद, सर्वोच्च न्यायालय ने अनिवार्य मासिक धर्म अवकाश की मांग वाली जनहित याचिका खारिज कर दी। कोर्ट का तर्क है कि पीरियड्स लीव अनिवार्य करने से महिलाओं को कंपनियां नौकरी देना बंद कर देंगी।

बेकार का डर । लेकिन क्या वाकई मर्द और औरत इस मामले में बराबर हैं? अगर हां, तो उनके हिस्से भी तो आना चाहिए पीरियड का यह भयावह दर्द, वो हेवी ब्लीडिंग, जिंदगी के करीब 40 बरसों तक हर महीने। बिल्कुल यही तर्क कुछ वक्त पहले मैटरनिटी लीव को छह महीने किए जाने पर दिया जा रहा था, कि औरतों का करियर खत्म हो जाएगा, कंपनियां उन्हें जॉब देने से डरेंगी, भेदभाव बढ़ेगा। हालांकि अब सब उसे स्वीकार कर चुके हैं।

मानव व्यवहार । हम इंसान किसी भी नए बदलाव को R.A.M.A. यानी Resistance, Annoyance, Manage, Acceptance के प्रॉसेस के तहत ही अपनाते हैं। मतलब, जब भी नया बदलाव होता है, लोग पहले प्रतिरोध करते हैं, फिर उन्हें चिढ़ मचती है, धीरे-धीरे वे मैनेज करना सीख जाते हैं और आखिर में उसे अपना लेते हैं। पीरियड्स लीव को लेकर ऐसे कई उदाहरण हैं, जहां इसे लागू करने से प्रोडक्टिविटी घटी नहीं, बढ़ी ही है। Nike, Vodafone जैसी कंपनियों में वॉलंटरी 1–2 दिन की मेंस्ट्रुअल लीव की व्यवस्था के बाद महिला रिटेंशन 10–15% ज्यादा दिखा।

प्रेजेंटिज्म का नुकसान । खुद सोचिए न, लड़कियां/महिलाएं इस तकलीफ में ऑफिस आ भी जाएं तो क्या पूरी कार्यक्षमता से काम कर पाएंगी? तो भला महज प्रेजेंटिज्म (प्रेजेंट होना पर काम न कर पाना) से क्या फायदा? डेटा भी यही इशारा करते हैं। जैसे, नीदरलैंड की 32,748 महिलाओं पर 2019 में हुए BMJ Open अध्ययन में पाया गया कि 80.7% महिलाएं प्रेजेंटिज्म का शिकार होती हैं। अध्ययन बताता है कि इससे प्रति महिला 8.9 दिन की उत्पादकता हानि होती है यानी महिलाएं पीरियड के बावजूद काम पर जाती तो हैं, पर आउटपुट कम हो जाता है। एक स्टडी के मुताबिक, भारत में 54% महिलाएं पीरियड के दौरान छुट्टी लेती हैं। ऐसे में, क्या बेहतर नहीं कि ऑफिशली ही महीने में एक दिन छुट्टी का विकल्प दिया जाए?

इसलिए आराम जरूरी

- पीरियड में काम करने से कम होता है आउटपुट
- जहां छुट्टी मिल रही, वहां प्रोडक्टिविटी बढ़ी है
- कुछ कंपनियों और बिहार, कर्नाटक में लागू है मेंस्ट्रुअल लीव

लोगों के ताने । जिन देशों में यह ऑलरेडी लागू है, वहां भी औरतें स्टिग्मा, प्रिविलेज्ड कहे जाने के ताने आदि के चलते न के बराबर ही पीरियड्स लीव लेती हैं। मसलन, जापान में यह 1947 से लागू है, मगर उपयोग बमुश्किल 1–10% ही होता है। दक्षिण कोरिया में भी 2001 से हर महीने एक दिन लीव मिलती है, पर इस्तेमाल 10% से भी कम होता है।

उत्पादकता बढ़ी । इंडोनेशिया, स्पेन, जाम्बिया, ताइवान, केन्या जैसे देश भी अपनी महिलाओं को सपोर्ट करने के लिए हर महीने 1 से 2 दिन की लीव देते हैं। स्पेन और इंडोनेशिया में पेड लीव मिलती है। कहीं भी इसका नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ा, उल्टे लीव/वर्क फ्रॉम होम की सुविधा से महिलाओं का काम बेहतर हुआ। काम के प्रति उनकी लॉयल्टी बढ़ी। नतीजा बेहतर उत्पादकता के रूप में आया। यही वजह है कि भारत में जोमैटो, स्विगी जैसी कंपनियों ने भी अपने वर्क कल्चर को विमन फ्रेंडली बनाते हुए मेंस्ट्रुअल लीव व्यवस्था लागू की।

सरकार पर जिम्मेदारी । सुप्रीम कोर्ट ने पीरियड्स लीव के मामले में गेंद सरकार के पाले में डाल दी है। अब देखना यह है कि सरकार कोर्ट की सोच के साथ जाती है या अपने ही बिहार (जहां सरकारी नौकरी में 2 दिन/महीना की पेड पीरियड लीव 1992 से ही लागू है) और कर्नाटक (1 दिन/महीना की छुट्टी) जैसे राज्यों के नक्शेकदम पर चलती है, यह आने वाला वक्त बताएगा।

शिक्षा का लेवल सुधरा, मगर नहीं मिल रही नौकरी

अज़ीम प्रेमजी यूनिवर्सिटी की 'स्टेट ऑफ वर्किंग इंडिया 2026' रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत में 25 वर्ष से कम उम्र के लोगों के बीच बेरोजगारी बढ़ी है। शिक्षा बढ़ने के बावजूद नौकरी नहीं बढ़ रही। द. अफ्रीका में सबसे ज्यादा, कतर में सबसे कम बेरोजगारी है।

जनता जंक्शन इरफ़ान

सीरिया के इस शहर से कैसे छिन गया लोकतंत्र

मृत्युंजय राय

विचार विंडो

आनंद गोपाल की 'Days of Love and Rage: A Story of Ordinary People Forging a Revolution' ऐसी किताब है, जो आपको अंदर से हिला देगी। इसमें सीरियाई क्रांति के बारे में लिखा गया है। आनंद ने इस क्रांति को मानवीय संवेदना के साथ पेश किया है। क्रांति की इस कहानी को पेश करने के लिए आनंद ने सीरिया के शहर मनबिज को चुना है। यह पूरा किस्सा उन्होंने इसी शहर को केंद्र में रखकर पेश किया है। एक दशक के दौरान इस शहर ने तानाशाही, विद्रोह और गृह युद्ध सब देखा। आनंद बताते हैं कि जब यहां के आम लोगों ने भले ही कम वक्त के लिए शहर में लोकतंत्र की घोषणा की तो उसके बाद क्या हुआ। वह लिखते हैं कि किस तरह से शहर युद्ध, अलगाववाद और गैर-बराबरी का गवाह बना।

मनबिज सीरिया के उत्तर में स्थित एक शहर है। यहां ज्यादातर मजदूर वर्ग और मध्यवर्गीय लोग रहते हैं। शिक्षकों, ऐथलीटों और एक्टिविस्टों की अच्छी संख्या है। और इन्हीं लोगों ने बशर अल असद की हुकूमत के खिलाफ एक स्थानीय विद्रोह को इस कदर बड़ा बना दिया कि असद के हाथ से सत्ता जाती हुई दिखने लगी।

यह कहानी शुरू होती है 2010 के दशक के शुरुआती वर्षों से। तब मनबिज में लोगों के सड़कों पर उतरने और सरकारी आदेशों को ताक पर रखने से एक विद्रोह पनपता है। इसकी वजह से सुरक्षाबल को शहर से बाहर भागना पड़ता है। पूरा सरकारी अमला जब किसी काम का न रहे तो स्थानीय लोग शहर को चलाने की जिम्मेदारी अपने हाथों में लेते हैं। अदालतों, क्लिनिकों और निकायों का दायित्व उनके कंधों पर होता है। इन हालात में शहर में गणतंत्र पनपता है। यहां अस्थायी अदालतें लगती हैं। स्थानीय मीडिया लोकतांत्रिक मूल्यों पर चलता है। आर्ट फेस्टिवल होते हैं। लेकिन कुछ समय बाद ही बाहरी ताकतों और अंदरूनी संघर्षों की वजह से गणतंत्र बिखरने लगता है।

आनंद गोपाल की इस किताब में किसी उपन्यास सरीखे किरदार हैं। इसमें एक कवि के बारे में लिखा गया है, जो असद की सत्ता के खिलाफ विद्रोह में शामिल होते हैं। दो दोस्तों का किस्सा भी है, जिन्हें इस्लामिक राजनीति ने तोड़ रखा है। एक मां भी है, जो पितृसत्तात्मक नियमों को ताक पर रखती है। यहां एक मजदूर भी है, जो बराबरी के समाज के लिए अपना सब कुछ दांव पर लगा देता है।

आनंद गोपाल पहले मनबिज में लोगों की सत्ता स्थापित होने और उससे पनपे जोश को सामने रखते हैं। कैसे लोग पहले वहां खुफिया पुलिस के दफ्तरों पर धावा बोलते हैं। फिर आजाद मीडिया पनपता है। लोगों में यह भाव पनपता है कि मनबिज की सत्ता उनकी अपनी है। उन्हें ही इसका संचालन करना है। लेकिन यह सब छलावा साबित होता है। जल्द ही धोखेबाजी इस विद्रोह को कमजोर करने लगती है। आपसी झगड़े शुरू हो जाते हैं। आखिर में इस्लामिस्टों के दमन का सामना शहरवासियों को करना पड़ता है। जब ISIS और दूसरे चरमपंथी संगठन शहर में दाखिल होते हैं तो पुरानी दोस्ती टूटने लगती है। शहर के कुछ बाशिंदे आतंकवादी संगठनों के मूल्यों को अपना लेते हैं और अपने ही लोगों के खिलाफ हो जाते हैं। आनंद गोपाल बताते हैं कि मनबिज में ऐसे लोग भी सामने आते हैं जो नई व्यवस्था को अंदर से कमजोर करने लगते हैं।

कुछ समय बाद असद सरकार यहां अपनी सत्ता फिर से कायम कर लेती है। तब मनबिज के लोगों को अहसास होता है कि सिर्फ तानाशाह को उखाड़ फेंकने से ही आजादी हासिल नहीं हो जाती। तानाशाही खत्म होने के बाद नया अभिजात्य वर्ग अक्सर पुराने भ्रष्ट तरीकों और संस्थानों पर काबिज हो जाता है और वह उन्हें बनाए रखता है।

THE SPEAKING TREE

और पढ़ने के लिए देखें

www.speakingtree.nbt.in

आत्मा के जागरण का पावन अवसर है वासंतीय नवरात्र

सलिल पाण्डेय

वसंत का जन्म भले ही माघ शुक्ल पंचमी से माना जाता है, पर उसका पूर्ण यौवन चैत्र-वैशाख में प्रकट होता है। वसंत का स्वभाव ही पुराने को त्यागकर नई संभावनाओं को जन्म देना है। जिस प्रकार एक संत अपने मार्ग से गुजरते हुए सत्य, सदाचार और शालीनता की सुगंध बिखेरता है, उसी प्रकार वसंत भी प्रकृति और मनुष्य के अंतर्मन को पवित्र करता है। शीत, ग्रीष्म और वर्षा के बीच वसंत एक मधुर संतुलन है - न अधिक ताप, न अधिक शीत।

इसी वसंत के मध्य आता है वासंतीय नवरात्र। यह समय शक्ति की उपासना का, आत्म-शुद्धि का और नव-संकल्प का होता है। वसंत और वासंतीय नवरात्र मिलकर हमें यह सिखाते हैं कि जीवन में संतुलन आवश्यक है। अहंकार की तीव्र धूप और आलस्य की ठिठुरन, दोनों से ऊपर उठकर ही जीवन '24 कैरेट' सोने जैसा निर्मल बन सकता है। जब मन, बुद्धि, विवेक और कर्म में सामंजस्य स्थापित होता है, तब जीवन स्वयं वसंत बन जाता है।

'वसुधैव कुटुंबकम्' का संदेश भी इसी ऋतु में सार्थक प्रतीत होता है। पेड़-पौधे, नदियां, पर्वत और आकाश - सब हमारे हितैषी बन जाते हैं, क्योंकि हमारे पोषण में ये अपनी पूर्ण ऊर्जा लगा देते हैं। वसंत हमें यही स्मरण कराता है कि प्रकृति के साथ सामंजस्य ही सच्चा आध्यात्मिक पथ है। इसलिए वसंत ऋतु और वासंतीय नवरात्र केवल पर्व नहीं, आत्मा के जागरण और जीवन के नव-सृजन के पावन अवसर हैं।

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 23-03-2026 Zone: Mahanagar Edition: 2 Page: NBTMAH09 User: cci Time: 03-22-2026 23:31 Color:

वॉर अपडेट

बगदाद में US के सेंटर निशाना बने

इराक की राजधानी बगदाद में अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट स्थित अमेरिकी कूटनीतिक और लॉजिस्टिक केंद्र को रातभर हमला कर निशाना बनाया गया। अधिकारियों के मुताबिक, रॉकेट और ड्रोन के जरिए कम से कम 8 हमले किए गए पर कोई हताहत नहीं हुआ।

लेबनान के हमले में इस्राइली की मौत

लेबनान से दागे गए रॉकेट हमले में रविवार को इस्राइल में एक व्यक्ति की मौत हो गई। आपात सेवा के अनुसार मिसगाव आम क्षेत्र में एक वाहन पर रॉकेट गिरा, जिससे उसमें आग लग गई और चालक की मौके पर ही मौत हो गई। हिजबुल्लाह ने हमले की जिम्मेदारी ली है।

UAE ने 4 मिसाइलें 25 ड्रोन मार गिराए

यूएई ने रविवार को कहा कि उसके एयर डिफेंस सिस्टम ने ईरान की ओर से दागी गई 4 बैलिस्टिक मिसाइलें और 25 ड्रोन को इंटरसेप्ट कर नष्ट कर दिया। रक्षा मंत्रालय के अनुसार सभी खतरों को समय रहते रोक लिया गया और बड़े नुकसान से बचाव हुआ।

इस्राइली डिफेंस को ईरान ने दिया चकमा

पहली बार एटमी प्लांट के पास डिमोना-अराद पर मिसाइल से हमला, तेल अवीव और यरूशलम भी बने निशाना

■ एएफपी/एपी, यरूशलेम/तेहरान

ईरान ने शनिवार देर रात मिसाइल हमलों में इस्राइल के उन इलाकों को निशाना बनाया, जो देश के सबसे संवेदनशील परमाणु ढांचे के करीब माने जाते हैं। डिमोना और अराद जैसे शहर पहली बार हमलों के केंद्र में रहे। पहली बार ऐसा हुआ, जब ईरानी मिसाइलें इस इलाके में इस्राइली एयर डिफेंस सिस्टम को भेदने में कामयाब रहीं। इन हमलों में रिहायशी इलाकों में भारी तबाही देखने को मिली। वहीं होर्मुज स्ट्रेट को लेकर ट्रंप की धमकी के बाद तेल अवीव और यरूशलम को भी निशाना बनाया।

ईरान के हमलों में रिहायशी इलाकों में इमारतें ढहीं

इस्राइल बोला-तेहरान पर रातभर हवाई हमले: इस्राइली सेना ने कहा कि उसने रातभर तेहरान में कई हवाई हमले किए। जिनमें हथियार निर्माण इकाइयों, सैन्य और खुफिया मुख्यालयों को निशाना बनाया गया। ईरान के खुफिया मंत्रालय के मुख्यालय पर भी बम गिराए।

AFP
इस्राइल के अराद में ईरानी मिसाइल गिरने से बने गड्ढे का जायजा लेते सुरक्षा बल और राहत टीमें।

अराद में लोग बोले-खिड़की और दरवाजे उखड़े

अराद शहर में ईरानी मिसाइल गिरने के बाद तबाही का भारी मंजर देखने को मिला। रिहायशी इमारतों के बीच हुए इस धमाके में कई लोग घायल हो गए। जेरूसलम पोस्ट के मुताबिक, एक व्यक्ति ने बताया, अलर्ट के बाद हम शेल्टर में गए थे। कुछ देर बाद जोरदार धमाका हुआ, पूरा घर हिल गया। बाहर निकलने पर घर के खिड़की दरवाजे उखड़े नजर आए। सामान टूटकर बिखरा मिला। वहीं, राहतकर्मियों ने बताया, घायलों को अस्पताल भेजा गया, जहां कई की हालत गंभीर बनी हुई है। अधिकारियों के मुताबिक कम से कम तीन इमारतों को भारी नुकसान पहुंचा है।

अलर्ट के बाद शेल्टर में छिपे, फिर भी कई चपेट में

'लिटिल इंडिया' डिमोना क्यों अहम?

■ NBT रिपोर्ट

डिमोना इस्राइल का परमाणु केंद्र है। साथ ही भारतीय-यहूदी समुदाय की बड़ी आबादी के चलते इसे लिटिल इंडिया भी कहा जाता है। तुर्किये की अनादोलु न्यूज एजेंसी के अनुसार, ईरान के एक वरिष्ठ सैन्य अधिकारी ने कहा कि अगर अमेरिका और इस्राइल युद्ध बढ़ाते हैं, तो डिमोना रिएक्टर को निशाना बनाया जाएगा।

AFP
NBT Explainer
डिमोना में मिसाइल हमले के बाद निरीक्षण करते सुरक्षा बल।

Q सबसे सुरक्षित ठिकाना
डिमोना रिएक्टर को शिमोन पेरेस नेगेव न्यूक्लियर रिसर्च सेंटर कहा जाता है। यह इस्राइल के परमाणु कार्यक्रम की रीढ़ माना जाता है। यह दक्षिणी इस्राइल के नेगेव रेगिस्तान में स्थित है। परिसर करीब 36 वर्ग किलोमीटर में फैला है। करीब 2700 वैज्ञानिक और तकनीशियन काम करते हैं।

Q रिसर्च से हथियार तक
1950 के दशक में इस्राइल ने परमाणु कार्यक्रम शुरू किया और 1957 में फ्रांस की मदद से रिएक्टर बनाया। 1963 के आसपास यह चालू हुआ। डिमोना में इस्तेमाल हो चुके ईंधन को प्रोसेस कर प्लूटोनियम तैयार किया जाता है, जो परमाणु हथियार बनाने में इस्तेमाल होता है। 1967 तक अमेरिकी रिपोर्ट से संकेत मिल गए थे कि इस्राइल के पास परमाणु बम है।

Q गोपनीयता और विवाद
1986 में तकनीशियन मोर्देखाई वनुनु ने इस रिएक्टर से जुड़े कई राज उजागर किए थे। इसके बावजूद इस्राइल ने हमेशा अपने परमाणु हथियारों को लेकर अस्पष्ट नीति रखी है। इस्राइल ने परमाणु हथियार प्रतिबंध संधि पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं। SIPRI के अनुसार, उसके पास 80 से ज्यादा परमाणु हथियार हो सकते हैं।

Q सोनपापड़ी-भेलपूरी मिलती है
डिमोना को इस्राइल के 'लिटिल इंडिया' के नाम से जाना जाता है, जहां बड़ी संख्या में भारतीय-यहूदी समुदाय रहता है। करीब 30% आबादी भारतीय मूल की है और मराठी भाषा आम बोलचाल में इस्तेमाल होती है। दुकानों में सोनपापड़ी, गुलाब जामुन, पापड़ी चाट और भेलपुरी मिल जाती है।

रूस से तेल, US से LPG लेकर आए जहाज़

पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के बीच भारत को ईंधन की सप्लाई में राहत जारी

■ पीटीआई, मंगलुरु

पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के बीच भारत को ईंधन सप्लाई में राहत मिलने लगी है। रविवार को अमेरिका से LPG लेकर एक बड़ा कार्गो जहाज न्यू मंगलुरु पोर्ट पहुंचा, वहीं इससे पहले रूस से कच्चा तेल लेकर एक टैंकर भी यहां पहुंच चुका है।

अमेरिका के टेक्सास से चला जहाज 'पिक्सिस पायनियर' 16,714 मीट्रिक टन LPG लेकर रविवार को मंगलुरु पहुंचा। यह खेप ऐसे समय आई है जब घरेलू बाजार में गैस की आपूर्ति पर दबाव बना हुआ है। इससे पहले रूसी टैंकर 'एक्वा टाइटन' भी मंगलुरु तट पर पहुंचा, जो 7.7 लाख बैरल कच्चा तेल लेकर आया है। यह जहाज चीन जा रहा था, लेकिन रास्ता बदलकर इसे भारत भेजा गया है।

PTI
मंगलुरु के न्यू मैंगलोर पोर्ट पर रविवार को LPG की खेप लेकर पहुंचा जहाज।

इसलिए अहम है यह सप्लाई

पश्चिम एशिया में तनाव और होर्मुज स्ट्रेट पर खतरे के कारण सप्लाई बाधित होने की आशंका बढ़ गई थी। ऐसे में रूस से डायवर्ट हुए टैंकर और अमेरिका से आई LPG खेप ने तत्काल राहत दी है। माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में और जहाज पहुंचने से स्थिति और स्थिर हो सकती है।

देश में खाद्य-ऊर्जा सुरक्षा मजबूत

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: सरकारी सूत्रों के अनुसार, पश्चिम एशिया में तनाव के बावजूद देश की खाद्य और ऊर्जा सुरक्षा पूरी तरह मजबूत बनी हुई है। खरीफ 2026 के लिए उर्वरकों का पर्याप्त भंडार मौजूद है। यूरिया 62 लाख टन, डीएपी 25 लाख टन और एनपीके 56 लाख टन के स्तर पर है, जो पिछले साल से बेहतर है। घरेलू उत्पादन और समय रहते किए गए आयात से आपूर्ति सुचारु है। रूस, मोरक्को और सऊदी अरब से वैकल्पिक समुद्री मार्गों से आपूर्ति जारी है।

पूर्व FBI निदेशक का निधन, ट्रंप ने कहा- अच्छा हुआ

■ एपी, वॉशिंगटन: अमेरिका की संघीय जांच एजेंसी FBI के पूर्व निदेशक रॉबर्ट एस. मुलर-III का 81 वर्ष की उम्र में निधन हो गया।

मुलर ने 11 सितंबर 2001 के आतंकी हमलों के बाद FBI की कार्यप्रणाली में बड़ा बदलाव किया और एजेंसी का फोकस आतंकवाद रोकने पर केंद्रित किया। 2016 चुनाव में डॉनल्ड ट्रंप के अभियान और रूस के कथित संबंधों की जांच के लिए विशेष वकील बने, जिससे वे चर्चा में आए। निधन पर ट्रंप ने सोशल मीडिया पर कहा, अच्छा हुआ। अब वह निर्दोषों को नुकसान नहीं पहुंचा सकते। मुलर को उनकी सख्त कार्यशैली, अनुशासन और निष्पक्षता के लिए जाना जाता था। उन्होंने वियतनाम युद्ध में भी सेवा दी थी और बाद में सार्वजनिक जीवन को प्राथमिकता दी। वे 2016 चुनाव में डॉनल्ड ट्रंप के अभियान और रूस के कथित संबंधों की जांच के लिए विशेष वकील बने, जिससे वे चर्चा में आए। उनकी जांच रिपोर्ट अमेरिकी राजनीति में लंबे समय तक बहस का विषय बनी रही।

रॉबर्ट एस. मुलर

'नहीं छोड़ेंगे'... ईरान ट्रंप की डेडलाइन से भड़का

■ एएफपी, तेहरान

अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप की ओर से होर्मुज स्ट्रेट खोलने के लिए दी गई 48 घंटे की डेडलाइन के बाद ईरान ने कड़ी चेतावनी जारी की है। ईरान की सैन्य कमान 'खातम अल-अन्बिया' ने कहा कि यदि उसके ईंधन और ऊर्जा ढांचे को निशाना बनाया गया, तो वह पूरे क्षेत्र में अमेरिकी और उसके सहयोगियों के अहम इंफ्रास्ट्रक्चर पर हमला करेगा।

रिपोर्ट के अनुसार, बयान में कहा गया कि अमेरिका और क्षेत्र में उसके सहयोगियों की ऊर्जा, सूचना प्रौद्योगिकी और डीसैलिनेशन (समुद्री पानी को पीने योग्य बनाने वाले) संयंत्रों को वैध लक्ष्य माना जाएगा। बयान ऐसे समय आया है जब ट्रंप ने चेतावनी दी थी कि अगर ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट को जल्द नहीं खोला, तो अमेरिका उसके पावर प्लांट्स को "तबाह" कर देगा। होर्मुज वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के लिए बेहद अहम माना जाता है। ईरान ने पहले भी संकेत दिए थे कि वह अपने ऊर्जा हितों की रक्षा के लिए किसी भी हद तक जा सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि अमेरिका की चेतावनी और ईरान की इस प्रतिक्रिया ने क्षेत्रीय तनाव को और बढ़ा दिया है।

बोला- ऊर्जा ठिकानों पर हमला हुआ तो तगड़ा जवाब देंगे

FILE

IRGC के पास है कमान?

■ NBT रिपोर्ट: ईरान के नए सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई को लेकर रहस्य लगातार गहराता जा रहा है। पद संभालने के बाद से अब तक वह न तो सार्वजनिक रूप से सामने आए हैं और न ही उन्होंने कोई सीधा संबोधन किया है। ऐसे में सवाल उठ रहे हैं कि क्या वे वास्तव में सत्ता संभाल रहे हैं या फिर ईरान में फिलहाल इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (IRGC) ही नियंत्रण में है। खुफिया एजेंसियां इस बात का पता लगाने में जुटी हैं कि मोजतबा सुरक्षित हैं या नहीं और क्या वे शासन चला रहे हैं।

श्रीलंका में पेट्रोल और डीजल महंगा

■ आईएएनएस, कोलंबो: श्रीलंका सरकार ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों में 25 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी कर दी है। यह फैसला वैश्विक तेल कीमतों में तेजी और आपूर्ति दबाव के बीच लिया गया है। नई दरों के लागू होने से आम लोगों और परिवहन क्षेत्र पर सीधा असर पड़ने की आशंका है।

कतर: हेलिकॉप्टर क्रैश में 7 की मौत

■ आईएएनएस, इस्तांबुल: कतर में सैन्य हेलिकॉप्टर दुर्घटना में तुर्की के एक मेजर समेत 7 लोगों की मौत हो गई, जबकि पायलट लापता है। प्रारंभिक जांच में तकनीकी खराबी की आशंका जताई गई है। फिलहाल अमेरिका-इस्राइल और ईरान युद्ध को इससे नहीं जोड़ा गया है।

वायरल वॉर

बहरीन में धमाके की वजह हो सकती है अमेरिकी मिसाइल

9 मार्च को बहरीन के सित्रा इलाके में हुए धमाके में करीब 32 लोग घायल हो गए थे। शुरुआत में अमेरिका और बहरीन ने इसे ईरान के ड्रोन हमले का नतीजा बताया था, लेकिन अब नई रिपोर्ट में दावा किया गया है कि इस घटना में अमेरिकी पैट्रियट इंटरसेप्टर मिसाइल शामिल हो सकती है। विश्लेषकों के अनुसार मिसाइल हवा में फट गई, जिससे जमीन पर भारी नुकसान हुआ और कई इमारतों को भी क्षति पहुंची। हालांकि, अमेरिका और बहरीन अब भी इसे ड्रोन इंटरसेप्शन बता रहे हैं और आधिकारिक तौर पर किसी चूक से इनकार कर रहे हैं। लेकिन विशेषज्ञों द्वारा सवाल उठाने पर शक गहरा गया है।

फैक्ट चेक

हॉन्ग कॉन्ग की इमारत में आग का विडियो, इस्राइल का नहीं

सोशल मीडिया पर एक विडियो शेयर कर दावा किया गया कि यह ईरान के मिसाइल हमले के बाद इस्राइल के तेल अवीव का है। विडियो में जलती इमारतें और दमकल की गाड़ियां दिखाई देती हैं। जांच में सामने आया कि यह दावा भ्रामक है। यह वीडियो 2025 में हॉन्ग कॉन्ग के ताई पो इलाके में लगी भीषण आग का है, जिसका पश्चिम एशिया में जारी जंग से कोई संबंध नहीं है। विडियो को अलग-अलग भाषाओं में गलत दावे के साथ शेयर किया गया, जिससे भ्रम फैला। इस तरह, इस्राइल पर हमले से जोड़कर वायरल विडियो सही नहीं है।

कहां से आ सकते हैं केमिकल-दवाएं, हुई चर्चा

सुरक्षा पर कैबिनेट कमिटी की बैठक में पीएम ने लिया हालात का जायजा

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में युद्ध के चलते तेल-गैस का आयात प्रभावित होने के बीच पीएम नरेंद्र मोदी ने रविवार को निर्देश दिया कि मंत्रियों और सचिवों का एक समूह बनाया जाए, जो आयात से लेकर देश में आपूर्ति तक, सभी पहलुओं पर काम करे। सुरक्षा मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति की बैठक में पीएम ने निर्देश दिया कि सरकार के सभी विभाग ऐसे कदम उठाएं, जिससे लोगों को मौजूदा स्थिति में कम से कम असुविधा हो। केमिकल्स, दवाओं, पेट्रोकेमिकल्स और दूसरे इंडस्ट्रियल सेक्टरों के लिए जरूरी चीजों का पश्चिम एशिया के अलावा दूसरी जगहों से आयात हो सके, इसके उपायों पर भी चर्चा की गई। वहीं, होरमुज स्ट्रेट बंद होने से निर्यात पर पड़ रहे असर को देखते हुए इस पर भी मंथन हुआ कि दूसरी जगहों पर निर्यात किस तरह बढ़ाया जा सकता है।

PTI
पश्चिम एशिया में जंग से उपजे हालात पर प्रधानमंत्री ने रविवार को की चर्चा।

कैबिनेट सेक्रेटरी ने दी जानकारी

मीटिंग में कैबिनेट सेक्रेटरी ने वैश्विक स्थिति और उससे निपटने के उपायों के बारे में पीएम को जानकारी दी। उन्होंने खेती-बाड़ी, उर्वरकों, खाद्य सुरक्षा, पेट्रोलियम, बिजली, MSME, निर्यातकों से लेकर फाइनैंस और सप्लाई चेन तक, सभी क्षेत्रों के बारे में लिए कदमों का ब्योरा पेश किया। खाद्य पदार्थों से लेकर पेट्रोलियम उत्पादों तक का आकलन किया गया।

वरिष्ठ मंत्रियों के साथ भी की बैठक

पीएम ने एक दूसरी बैठक अन्य सीनियर मंत्रियों के साथ भी की। उसमें तेल एवं गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी, कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, स्वास्थ्य मंत्री जे पी नड्डा, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल, उपभोक्ता मामलों के मंत्री प्रह्लाद जोशी और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव उपस्थित थे। शिपिंग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल, बिजली मंत्री मनोहर लाल खट्टर, सिविल एविएशन मिनिस्टर राममोहन नायडू से भी पीएम ने जानकारी ली। एनएसए अजित डोभाल और पीएम के दो प्रिंसिपल सेक्रेटरी पी के मिश्र और शक्तिकांत दास भी बैठक में मौजूद थे।

क्या लगातार पांचवें हफ्ते भी गिरेगा बाज़ार?

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: लगातार चौथे हफ्ते गिरावट के साथ बंद होने के बाद होर्मुज स्ट्रेट को खुलवाने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप की धमकी और इसके जवाब में ईरान की चेतावनी से बना माहौल शेयर बाजार पर अगले सप्ताह हावी रह सकता है। क्रूड ऑयल के साथ निवेशकों की नजर मैन्युफैक्चरिंग और सर्विसेज के PMI आंकड़ों पर भी रहेगी। विशेषज्ञों का कहना है, बाजार नए लोअर बॉटम बनाने की राह पर है। निवेशकों को बड़े दांव लगाने से बचना चाहिए, लेकिन बड़ी गिरावट पर दमदार शेयरों को खरीदने का मौका भी बन सकता है। SAMCO सिक्योरिटीज के एनालिस्ट ओम मेहरा ने कहा, निफ्टी अहम मूविंग ऐवरेजेज से नीचे ट्रेड कर रहा है। चॉइस इक्विटी ब्रोकिंग के एनालिस्ट हितेश टेलर ने कहा, शेयर के चढ़ने पर उसे लपकने के बजाय बड़ी गिरावटों पर उन कंपनियों में पैसे लगाना ठीक हो सकता है।

पश्चिम एशिया में तनाव के चलते शकीरा का इंडिया कॉन्सर्ट टला

शकीरा

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: इंटरनेशनल पॉप स्टार शकीरा का भारत में होने वाला कॉन्सर्ट ईरान-इस्राइल तनाव के चलते पोस्टपोन कर दिया गया है। आयोजकों ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए यह फैसला लिया। इस शो की टिकटें 32,000 तक में बिकी थीं। अब सभी टिकट धारकों को पूरा रिफंड दिया जाएगा। नई तारीख बाद में घोषित की जाएगी। आयोजकों ने कहा कि मौजूदा हालात को देखते हुए यह फैसला जरूरी था।

महंगे हो सकते हैं हवाई किराये, सरकार की सीमा हटी

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: इस्राइल-अमेरिका और ईरान युद्ध के बीच आम लोगों पर असर डालने वाली एक और खबर सामने आ रही है। जानकारी के मुताबिक, सरकार घरेलू उड़ानों पर लगी एयरफेयर कैप हटाने की तैयारी में है। यदि ऐसा होता है तो 23 मार्च से भारतीय एयरलाइंस डोमेस्टिक फ्लाइट्स के किराए बाजार की मांग और आपूर्ति के आधार पर तय कर सकेंगी। हालांकि, नागर विमानन मंत्रालय की ओर से अभी तक कैप हटाने को लेकर आधिकारिक घोषणा नहीं हुई।

IDBI BANK
आईडीबीआई बैंक लिमिटेड
पंजीकृत कार्यालय: आईडीबीआई टॉवर, डब्ल्यूटीसी कॉम्प्लेक्स, कफ परेड, मुंबई-400005
(1) प्रीपेड भुगतान उपकरण / प्रीपेड कार्ड जारी करने और प्रबंधन (पीपीआईएस) के लिए होस्टेड समाधान को ऑनबोर्ड करने हेतु आरएफपी
(2) एंटी-डिस्ट्रिब्यूटेड डिनायल ऑफ सर्विस (Anti-DDoS) समाधान की खरीद, स्थापना, कार्यान्वयन और सहायता के लिए आरएफपी
(3) फ़ायरवॉल एनालाइज़र और चेंज मैनेजमेंट सॉल्यूशन की खरीद और रखरखाव के लिए आरएफपी
आईडीबीआई बैंक उपरोक्त समाधान हेतु पात्र बोलीदाताओं से सीलबंद बोली आमंत्रित करता है। विवरण के लिए कृपया बैंक की वेबसाइट https://www.idbi.bank.in (नोटिस और टेंडर) देखें।
नोट: उपरोक्त आरएफपी के संबंध में कोई और परिशिष्ट / सुधार / तारीखों का विस्तार / स्पष्टीकरण / बोलीदाताओं के प्रश्नों के उत्तर केवल बैंक की वेबसाइट पर पोस्ट किए जाएंगे। समाचार पत्रों में इस हेतु कोई अलग से अधिसूचना जारी नहीं की जाएगी। अतः बोलीदाताओं से अनुरोध है कि वे इस संबंध में स्वयं को अवगत रखने के लिए नियमित रूप से बैंक की वेबसाइट देखते रहें।

गर्मी के दिन!
अब घर में चाहिए
कैलास जीवन
मल्टिपर्पज् आयुर्वेदिक क्रीम

आँखों की जलन
गुनगुने पानीसे चेहरा और आँखें साफ कीजिए. रात को सोते समय कैलास जीवन आँखों की पलकों पर हलकासा लेप लगाकर रुई की पट्टी रखिए. आँखों की जलन से आराम पाइए और शान्त एवम् गहरी निंद्रा का अनुभव लिजिए.

कील-मुहाँसे
चेहरा गुनगुने पानीसे सेकने के बाद धोकर नरम मुलायम सूती कपडेसे सुखाकर कैलास जीवन हल्के हाथोंसे चेहरेपर लगाइए. कील-मुहाँसों की तकलीफ से राहत मिलेगी. चेहरा साफ, कांतिमान होकर निखर आएगा.

एडियोंका फटना
पाँव धोकर, कुछ देर तक गुनगुने पानी में रखिए, नरम बनने के बाद मुलायम सूती कपडे से सुखाएँ. फटी एडियों पर कैलास जीवन धीरेसे लगाएँ. मलना नही. कैलास जीवन त्वचामें घुल जाएगा और फटी एडियों पर असर करेगा. एडियाँ और पाँव की त्वचा साफ, मुलायम बन जाएगी.

बवासीर / फिशर्स
एक चम्मच कैलास जीवन में उतनी ही मात्रा पीसी शक्कर मिला कर रोज रात (२१ दिनों तक) सेवन किजिए तथा प्रतिदिन २-३ बार उस जगह पर लगाइए. बवासीर, फिशर्स से राहत मिलेगी. परहेज आवश्यक.

हाथ पाँव और आँखों की जलन, मुहाँसे, मुँह के छाले, एड़ियों का फटना, कटना, जलना, झुलसना, डायपर-नॅपी रॅश आदि के लिए गुणकारी।
विकार अनेक, इलाज एक... आज ही खरीदिए।
Also available on amazon Flipkart netmeds.com
Available in: 20g Tube, 30g, 60g, 120g, 230g Bottle
Manufacturer: ASUM, Pune. 020-24486865 | Customer Care: Prashant: 91300 26070 | asumkj@gmail.com | www.asum.com
Distributor: Delhi: Gopal Stores: 9810524934, Noida: Ajay Medical: 0120-2527981
Seelampur: Agarwal Ayurvedic: 9711251291, Saraswati Vihar: Saraswati Ayu: 27058720
Motinagar: Ishar Dass & Sons: 9313519596, Con. Circle: Nath: 9899441605,
Gaziabad - Vaishali: Shri Krishna Ayurved: 9873603747
Khan Market: Preet Medicos: 9899659582, Gurgaon: Vashishth Medical: 9873321179
Faridabad: Laxmi Ayurvedic: 9810083760
Also Available at Chandni Chowk, Bhagirath Palace, Khari Baoli.

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 23-03-2026 Zone: Mahanagar Edition: 1 Page: NBTMAH10 User: cci Time: 03-22-2026 23:09 Color:

नवभारत टाइम्स NBT Delhi Times OF INDIA masala mix
MONDAY, MARCH 23, 2026 ADVERTORIAL, ENTERTAINMENT, PROMOTIONAL FEATURE

@katrinakaif

मलाइका अरोड़ा ने कहा, 'सोशल मीडिया ट्रोलिंग से निपटना आसान नहीं'

मैं ज़िंदगी के कुछ पलों को थामना चाहती हूं: कटरीना

बैंग बैंग के एक सीन में रितिक और कटरीना

कटरीना कैफ ने एक इंटरव्यू में अपने करियर और जिंदगी के अनुभवों को लेकर बात की। उन्होंने बताया कि 20 साल से ज्यादा के फिल्मी सफर ने उन्हें बहुत कुछ सिखाया है, खासतौर पर खुद को समझना और समय की अहमियत। कटरीना कहती हैं, 'कुछ ऐसे पल हैं जिन्हें मैं बस थाम लेना चाहती हूं। किसी नॉस्टेल्जिया के लिए नहीं, बल्कि आभार जताने के लिए। जिंदगी के कुछ दौर चुनौतीपूर्ण रहे, लेकिन उन्होंने मुझे धैर्य सिखाया और खुद को बेहतर समझने में मदद की।' उन्होंने आगे कहा 'पहले जिंदगी बस आगे बढ़ते रहने और ज्यादा हासिल करने के बारे में थी। लेकिन अब मैं इस बात को लेकर ज्यादा सजग हूं कि मैं अपना समय किन लोगों के साथ बिताती हूं।'

'रितिक रोशन का अनुशासन जबरदस्त'

इस दौरान उन्होंने रितिक रोशन के साथ काम करने का अनुभव भी साझा किया। उन्होंने बताया कि कैसे रितिक के लिए उनके अंदर इज्जत और बढ़ गई। बकौल कटरीना, 'रितिक का अनुशासन और फोकस देख मेरी उनके प्रति इज्जत और बढ़ गई है। उनके साथ काम करना बहुत सहज और स्वाभाविक लगता है।'

> पहले जिंदगी बस आगे बढ़ते रहने और ज्यादा हासिल करने के बारे में थी, लेकिन अब मैं इस बात को लेकर ज्यादा सजग हूं कि मैं अपना समय किन लोगों के साथ बिताती हूं। बैलंस मेरे लिए जरूरी हो गया है

रशियन फाइटर्स के साथ ऐक्शन करेंगे शाहरुख

शाहरुख खान इन दिनों फिल्म किंग की शूटिंग कर रहे हैं। मगर अब इस फिल्म के लिए वह रूस के दमदार फाइटर्स से लड़ते नजर आएंगे।

खबर है कि शाहरुख आने वाले दिनों में फिल्म के लिए एक फाइट सीक्वेंस शूट करेंगे जिसमें वह रूसी फाइटर्स से भिड़ेंगे। इस धमाकेदार एक्शन सीन में वह लगभग 10 रूसी फाइटर्स से फाइट करेंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह सीन मुंबई की किसी लोकेशन में शूट होगा और फिल्म की टीम ने पुरानी खंडहर जैसी जगह पर एक बड़ा सेट बनाया है। फिल्म से जुड़े एक सूत्र ने बताया, 'यह फिल्म के लिए प्लान किए गए सबसे बड़े ऐक्शन सीन्स में से एक है। इसके लिए स्टंट्स को रियलिस्टिक रखा गया है और स्टंट आर्टिस्ट कुछ हफ्तों से इसकी तैयारी कर रहे हैं।'

नवाज़ को नहीं किस्मत पर भरोसा

@nawazuddin._siddiqui

नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने कहा है कि करियर बनाने में किस्मत का कोई खास रोल नहीं होता। असली ताकत मेहनत, ट्रेनिंग और लगातार प्रैक्टिस में होती है। एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा, 'मैं इस पेशे में बहुत प्रैक्टिस के साथ आया हूं और हर ऐक्टर से कहता हूं कि किस्मत पर कम और प्रैक्टिस पर ज्यादा भरोसा करें। ट्रेनिंग और वर्कशॉप बहुत जरूरी है।' उन्होंने किस्मत के भरोसे रहने वाली सोच को भी चुनौती दी। उनका कहना है, 'मैंने कई बड़े ऐक्टर्स और डायरेक्टर्स से सुना है कि किस्मत बहुत जरूरी होती है। लेकिन मैं कहता हूं कि किस्मत काम नहीं करती। मेरे लिए तो बिल्कुल नहीं। मुझे किस्मत पर जीरो पर्सेंट भरोसा है।' नवाज के मुताबिक, 'किस्मत को ज्यादा महत्व देना लोगों को गलत दिशा में ले जा सकता है। इससे लोग मेहनत करना छोड़ सकते हैं। अगर आप किस्मत की बात करते हैं, तो इसका मतलब है कि आपको प्रैक्टिस की जरूरत नहीं है। आप आराम से सोते रहें और सब कुछ अपने आप मिल जाएगा, ऐसा नहीं होता। अगर किसी को प्रेरित करना है, तो उसे ट्रेनिंग और शिक्षा के लिए कहें।'

> मैंने कई बड़े ऐक्टर्स और डायरेक्टर्स से सुना है कि किस्मत बहुत जरूरी होती है, लेकिन मैं कहता हूं कि किस्मत काम नहीं करती

NBT कम्युनिटी कनेक्ट

सतलुज के तट से विदा हुआ 'नलवाड़ी', दिलों में बसी यादें

हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर की आन-बान और शान का प्रतीक ऐतिहासिक 'नलवाड़ी मेला' अपने सात दिनों के गौरवशाली सफर के बाद आज संपन्न हो रहा है। सतलुज के तट पर आस्था, मनोरंजन और भाईचारे की, जो गूंज पिछले एक सप्ताह से सुनाई दे रही थी, वह आज अपनी सुनहरी यादों के साथ विदा ले रही है।

ऐतिहासिक विरासत
इसकी शुरुआत 1889 में डब्ल्यू. गोल्डस्टीन ने किसानों को उन्नत नस्ल के बैल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से की थी।

व्यापारिक महत्व
यह उत्तर भारत के सबसे बड़े पशु मेलों में से एक है, जो ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देता है।

आध्यात्मिक आकर्षण
इस वर्ष सतलुज नदी के तट पर हुई भव्य 'महा-आरती' मेले का मुख्य आकर्षण और नई पहचान बनी।

खेल और साहस
ऐतिहासिक लुहणु मैदान में होने वाला विशाल 'दंगल' (कुश्ती) पूरे देश के पहलवानों को यहां खींच लाता है।

सांस्कृतिक मेल
मेले की सांस्कृतिक संध्याओं में स्थानीय लोक कलाकारों और नामी पंजाबी गायकों के संगम ने आधुनिकता और परंपरा का अनूठा मेल पेश किया।

गढ़वाल हितैषिणी सभा की वार्षिक बैठक 29 मार्च को

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली:** दिल्ली-एनसीआर में उत्तराखंडी समाज की अस्मिता और संस्कृति का प्रतीक सबसे पुरानी संस्था 'गढ़वाल हितैषिणी सभा' अपनी सक्रियता का एक और वर्ष पूरा करने जा रही है।

सभा आगामी 29 मार्च को पंचकुइयां रोड स्थित गढ़वाल भवन में अपनी महासमिति की वार्षिक बैठक का आयोजन करेगी। महासचिव पवन कुमार मैठाणी ने जानकारी देते हुए बताया कि इस महत्वपूर्ण बैठक के दौरान बीते एक वर्ष में किए गए तमाम सामाजिक, सांस्कृतिक और प्रशासनिक कार्यों की विस्तृत प्रगति रिपोर्ट साझा की जाएगी। इसके साथ ही, संस्था की अंतरिम वित्तीय रिपोर्ट भी महासमिति के सदस्यों के अवलोकन के लिए पेश की जाएगी। महासमिति की इस वार्षिक बैठक का आयोजन सुबह दस बजे गढ़वाल भवन भागीरथी सभागार में होगा।

मासिक साहित्यिक संगोष्ठी में रमेश चंद जोशी को दिया गया साहित्य सम्मान

जौनसार क्षेत्र के वरिष्ठ साहित्यकार हैं रमेश चंद जोशी

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली:** फूलदेई के पावन अवसर पर गढ़वाल भवन, दिल्ली में मासिक साहित्यिक संगोष्ठी संपन्न हुई, जिसमें जौनसार क्षेत्र के वरिष्ठ साहित्यकार रमेश चंद जोशी को चौथा 'साहित्य सम्मान' प्रदान किया गया। बता दें कि ये मासिक संगोष्ठी गढ़वाली पत्रकार जगमोहन सिंह रावत 'जगमोरा' की ओर से की जा रही हैं। मासिक साहित्यिक संगोष्ठी में विगत दिसंबर में कमल रावत को उनके सुप्रसिद्ध 'देवलगढ़' उपन्यास के लिए, जनवरी में डॉ० कुसुम भट्ट को उनके 'भैरु मंडाण' मुखौटा नाट्य संस्कृति में उत्कृष्ट कार्य के लिए और फरवरी में कृपाल सिंह शीला को उनके साहित्य के साथ-साथ विज्ञान में नवाचार एवं विकिरणीय, अल्मोड़ा में गिरे कौशिक के संरक्षण एवं संवर्धन में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए सम्मानित किया गया।

13वें विश्व भोजपुरी सम्मेलन का आगाज़

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

द्वारका सेक्टर 8 के दादा देव मेला ग्राउंड में शनिवार को 13वें विश्व भोजपुरी सम्मेलन का रंगारंग आगाज हो गया। इस दो दिवसीय सम्मेलन के पहले दिन सांस्कृतिक कार्यक्रम और काव्य प्रस्तुतियां प्रमुख आकर्षण रहीं। सम्मेलन का औपचारिक उद्घाटन पूर्व लोकसभा अध्यक्ष श्रीमती मीरा कुमार के कर कमलों से हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे ने की। इस अवसर पर पूर्व सांसद महाबल मिश्रा मौजूद रहे। सम्मेलन के बारे में अपने विचार रखते हुए मीरा कुमार ने भोजपुरी भाषा को बिहार की आन-बान-शान बताया और इस विश्व भोजपुरी सम्मेलन के माध्यम से भोजपुरी भाषी लोगों को एक मंच पर लाने की सराहना की।

कार्यक्रम के आयोजक पूर्वांचल एकता मंच दिल्ली के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवजी सिंह ने बताया कि 13वें विश्व भोजपुरी सम्मेलन का मकसद 25 करोड़ से ज्यादा लोगों द्वारा बोली जाने वाली दुनिया की सबसे मीठी भाषा को संविधान की 8वीं अनुसूची में शामिल करवाना और भोजपुरी भाषी लोगों को एक मंच पर लाना है। इस दौरान केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान भी मौजूद रहे। सम्मेलन के बारे में उन्होंने कहा कि हमें भोजपुरी भाषा और संस्कृति पर गर्व है, भोजपुरी खाली भाषा नहीं है हमारी पहचान है। भोजपुरी को भारत की समृद्ध भाषाओं में से एक बताते हुए चिराग पासवान ने उसके संरक्षण और प्रचार की बात कही।

इस दो दिवसीय सम्मेलन के पहले दिन सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रमुख आकर्षण रहे

- सम्मेलन का उद्घाटन पूर्व लोकसभा अध्यक्ष मीरा कुमार ने किया, भोजपुरी को बताया बिहार की शान
- इस दौरान केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कहा कि हमें भोजपुरी भाषा और संस्कृति पर गर्व है

इसके साथ ही उन्होंने कहा कि जल्द ही यह भाषा संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल होगी

सम्मेलन में दिल्ली के बिजवासन से विधायक कैलाश गहलोत के अलावा विश्व भोजपुरी सम्मेलन के अध्यक्ष अजीत दुबे, वीर कुंवर सिंह फाउंडेशन के अध्यक्ष निरमल कुमार सिंह मौजूद रहे। इनके अलावा पटना यूनिवर्सिटी के कुलपति अजय कुमार सिंह, वरिष्ठ साहित्यकार प्रो गुरुचरण सिंह और डॉ. हरेंद्र सिंह के अलावा भोजपुरी भाषा से जुड़ी देश-विदेश की तमाम महान हस्तियों ने शिरकत की।

NBT जन्मदिन मुबारक

HAPPY BIRTHDAY HAPPY BIRTHDAY

आप भी भेज सकते हैं देश की जानी-मानी हस्तियों को जन्मदिन की बधाई। बस इस QR कोड को स्कैन करें और विश करें।

23 मार्च

कंगना रनौत
23 मार्च 1987 को जन्मी कंगना रनौत हिमाचल प्रदेश के मंडी से BJP सांसद और अभिनेत्री हैं। उनके नाम 4 नेशनल फिल्म अवॉर्ड और पद्म श्री सम्मान है। 'क्वीन' और 'तनु वेड्स मनु' जैसी सफल फिल्में उन्होंने दी हैं। अपनी फिल्म 'इमरजेंसी' के जरिए निर्देशन में भी सक्रिय हैं।
@kanganaranaut @KanganaTeam

संजय सिंह
23 मार्च 1972 को जन्मे संजय सिंह आम आदमी पार्टी (AAP) के संस्थापक सदस्य और राज्यसभा सांसद हैं। वह AAP की सर्वोच्च नीति निर्धारक इकाई (PAC) के सदस्य हैं और उत्तर प्रदेश के पार्टी प्रभारी भी हैं।
@sanjaysinghaap @SanjayAzadSIN

स्मृति ईरानी
23 मार्च 1976 को जन्मी स्मृति ने 2019 में अमेठी से राहुल गांधी को हराकर बड़ा उलटफेर किया था। वे मोदी सरकार में शिक्षा, सूचना-प्रसारण और कपड़ा मंत्री रह चुकी हैं। वे 1998 में मिस इंडिया की फाइनलिस्ट भी रही थीं।
@smritiiraniofficial @smritiirani

26 मार्च

प्रकाश राज
26 मार्च 1965 को जन्मे प्रकाश राज 5 नेशनल अवॉर्ड जीत चुके दिग्गज कलाकार हैं। 'सिंघम' और 'वॉन्टेड' के विलेन के तौर पर मशहूर हैं। सामाजिक कार्यकर्ता और फिल्म निर्माता भी हैं।
@joinprakashraj @prakashraaj

27 मार्च

राम चरण
27 मार्च 1985 को जन्मे राम चरण ऐक्टर चिरंजीवी के बेटे हैं। 'RRR' के गाने 'नाटू नाटू' को ऑस्कर मिलने के बाद उन्हें ग्लोबल फेम मिला। 'मगधीरा', 'रंगस्थलम' जैसी फिल्में भी राम ने दी हैं।
@alwaysramcharan @AlwaysRamCharan

28 मार्च

अक्षय खन्ना
फिल्म धुरंधर में अपनी ऐक्टिंग के लिए अक्षय खन्ना ने खूब तारीफें बटोरी हैं। 28 मार्च 1975 को जन्मे अक्षय खन्ना ने 'बॉर्डर' और 'ताल' जैसी फिल्में दी हैं।

29 मार्च

अदिति अशोक
29 मार्च 1998 को जन्मी गोल्फर अदिति लेडीज यूरोपियन टूर और लेडीज प्रोफेशनल गोल्फ एसोसिएशन (LPGA) टूर में खेलने वाली भारत की पहली महिला गोल्फर हैं।
@aditigolf @aditigolf

24 मार्च

इमरान हाशमी
24 मार्च 1979 को जन्मे इमरान हाशमी ने 'मर्डर' और 'जन्नत' सफल फिल्में दी हैं। उन्होंने अपने बेटे की कैंसर से जंग पर 'द किस ऑफ लाइफ' नाम की किताब भी लिखी है।
@therealemraan @emraanhashmi

कुणाल पांड्या
24 मार्च 1991 को जन्मे कुणाल पांड्या ऑलराउंडर क्रिकेटर हैं। वह IPL में मुंबई इंडियंस के साथ तीन बार चैंपियन रहे, फिलहाल RCB के सीनियर खिलाड़ी हैं।
@krunalpandya_official @krunalpandya24

नव भारत की प्रेरणा NBT GOOD न्यूज़
11
www.nbt.in
। नवभारत टाइम्स । नई दिल्ली ।
सोमवार, 23 मार्च 2026

विचार

मुस्कान एक ऐसी भाषा है जिसे हर दिल समझता है। यह न केवल आपके मन को शांत करती है बल्कि दूसरों के जीवन में भी खुशी और उम्मीद की नई रोशनी भर देती है। – रवीन्द्रनाथ टैगोर

उम्मीद का फैक्ट

दुनिया में भारत मिलेट्स का सबसे बड़ा उत्पादक

AI Image

भारत दुनिया में मिलेट्स (मोटे अनाज) का सबसे बड़ा उत्पादक देश है। कम लागत और बदलते मौसम की मार सहने की ताकत रखने वाला यह अनाज न सिर्फ किसानों के लिए फायदेमंद है, बल्कि सेहत का भी खजाना है। पूरी दुनिया में उगाए जाने वाले कुल मिलेट्स में सबसे बड़ा हिस्सा आज भारत का ही है।

38.4% है भारत का योगदान दुनिया भर के कुल मिलेट्स उत्पादन में, जो दुनिया में सबसे ज्यादा है

- 2024-25 में देश में कुल 180.15 लाख टन मिलेट्स का उत्पादन हुआ है, यह पिछले साल के मुकाबले 4.43 लाख टन ज्यादा है।
- भारत के अंदर मिलेट्स उगाने के मामले में राजस्थान सबसे ऊपर (नंबर-1) है। इसके बाद अन्य राज्यों का नंबर आता है।
- मिलेट्स प्रोटीन, विटामिन से भरपूर और पूरी तरह 'ग्लूटेन फ्री' होता है। इससे शुगर (डायबिटीज) के मरीजों को बहुत फायदा मिलता है। इसकी अहमियत देखकर ही संयुक्त राष्ट्र (UN) ने 2023 को 'अंतरराष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष' घोषित किया था।

सोर्स: PIB की रिपोर्ट

2 घंटे का डिजिटल ब्रेक, बिना डिस्टर्बेंस पढ़ सकते हैं बच्चे, सरकार ने पूरे राज्य से इस फॉर्मूले पर अमल की अपील की

बजा सायरन, टीवी-मोबाइल बंद

बच्चों के सपनों को सींचने के लिए एक गांव ने दिखाया रास्ता

■ बसवराज मगाहल्ली, मृत्युंजय यल्लापुरमठ

हावेरी/बेलगावी: बेलगावी जिले के हलगा गांव में हर शाम ग्राम पंचायत कार्यालय से एक सायरन बजता है, जो लोगों को टीवी बंद करने और मोबाइल फोन अलग रखने का संकेत देता है। यह संकेत दो घंटे के 'डिजिटल डिटॉक्स' यानी एक सामूहिक जिम्मेदारी बन चुका है।

पिछले दिसंबर में एक पहल के रूप में शुरू हुई यह प्रथा दो महीने से ज्यादा समय से चल रही है और इसमें लोगों की अच्छी भागीदारी देखने को मिल रही है। पंचायत अधिकारियों का कहना है कि 80% से ज्यादा घर इस नियम का पालन कर रहे हैं। हलगा ग्राम पंचायत के सचिव जोसेफ फर्नांडिस ने कहा, स्टूडेंट डिजिटल उपकरणों से दूर समय का सही उपयोग कर रहे हैं, जबकि माता-पिता भी पढ़ाई पर ज्यादा ध्यान देने लगे हैं। यह कोशिश ऐसे समय में सामने आई है जब क्लास 10 के स्टूडेंट्स को SSLC परीक्षा की तैयारी में मदद के लिए मार्च और अप्रैल के दौरान शाम 7 बजे से 9 बजे तक दो घंटे के डिजिटल डिटॉक्स की अपील पूरे राज्य में समान रूप से लागू नहीं हो पाई है। उदाहरण के लिए, हावेरी तालुक के कई गांवों में यह सिर्फ एक सलाह बनकर रह गई है, जिसका जमीन पर ज्यादा असर नहीं दिखता।

हाल ही में देविहोसूर गांव के दौरे के दौरान, उस समय के दौरान कोई खास बदलाव नहीं दिखा। एक स्टूडेंट अपने कमरे में पढ़ाई कर रही थी, जबकि उसके पिता पास में ही मोबाइल पर जोर से बात कर रहे थे। गांव के एक अन्य घर में, एक स्टूडेंट बंद कमरे में पढ़ रहा था, जबकि उसकी मां लिविंग रूम में टीवी सीरियल देख रही थी और कह रही थी कि कम आवाज से उसे कोई परेशानी नहीं होगी। कब्बूर गांव में कुछ युवक छत पर मोबाइल फोन पर लाइव ICC T20 वर्ल्ड कप देख रहे थे। उनका कहना था कि बाहर मोबाइल इस्तेमाल करने से घर के अंदर पढ़ने वालों पर असर नहीं पड़ेगा। हलगा गांव ने जो रास्ता दिखाया है, वह उम्मीद की एक किरण है। अब सवाल यह है कि क्या बाकी इलाके भी बच्चों के लिए यह त्याग कर पाएंगे?

TOI

फोकस का समय
बेलगावी जिले के हलगा गांव में बच्चे टीवी बंद करके पढ़ाई करते हुए

'लोगों का साथ ज़रूरी'

अधिकारियों ने माना है कि यह डिजिटल डिटॉक्स अभियान पूरी तरह से जनता की भागीदारी पर निर्भर है। हावेरी के DDPI मोहन दंडिन ने कहा, यह कोई आदेश नहीं है। हमने सिर्फ माता-पिता से अनुरोध किया है कि वे SSLC परीक्षा में जिले के बेहतर परिणाम के लिए सहयोग करें। माता-पिता अगर खुद से मोबाइल और टीवी बंद करें, तो यह बच्चों की पढ़ाई के लिए बेहतर है। शिग्गांव के BEO एमबी अंबिग ने कहा कि माता-पिता से प्रतिक्रिया कम हो रही है। एक शिक्षा विशेषज्ञ ने कहा, जब परिवार सामान्य तरीके से ही चलता रहता है, तो स्टूडेंट्स को ध्यान भटकने से अकेले ही लड़ना पड़ता है।

IIT मद्रास की ई-ट्यूशन पहल, अब 10 हज़ार और बच्चों तक पहुंचेगी पढ़ाई

■ NBT रिपोर्ट, चेन्नै

AI image

तमिलनाडु के ग्रामीण इलाकों में पढ़ने वाले बच्चों के लिए अच्छी खबर है। IIT Madras अपनी मुफ्त डिजिटल शिक्षा पहल 'विद्या शक्ति' के जरिए अब 10 हजार और छात्रों तक पहुंचने की तैयारी में है।

दरअसल, गांवों में पढ़ने वाले बच्चों को स्कूल के बाद पढ़ाई में आने वाली दिक्कतों का समाधान तुरंत नहीं मिल पाता। इसी कमी को दूर करने के लिए IIT मद्रास ने यह ऑनलाइन प्लेटफॉर्म शुरू किया, जहां बच्चे घर बैठे गणित, विज्ञान और अंग्रेजी पढ़ सकते हैं।

इस पहल को अच्छी प्रतिक्रिया मिलने के बाद अब अगले शैक्षणिक सत्र में 100 नए ग्रामीण इंटरएक्टिव सेंटर भी खोले जाएंगे। यहां छात्र ऑनलाइन क्लास के जरिए अपने सवाल पूछ सकेंगे और कठिन विषयों को आसानी से समझ पाएंगे।

पढ़ाई को और बेहतर बनाने के लिए वर्चुअल रियलिटी और AI तकनीक का भी इस्तेमाल किया जाएगा। शिक्षक बच्चों को समझाने के लिए नए तरीके अपनाएंगे, जिससे पढ़ाई रोचक और आसान बने।

आने वाले समय में बच्चों की लिखने की क्षमता पर खास ध्यान दिया जाएगा। शिक्षक सवाल बोलकर बताएंगे और छात्र अपने जवाब लिखेंगे। इसके बाद कॉपियों की फोटो लेकर AI के जरिए मूल्यांकन किया जाएगा। इससे छात्रों की प्रगति पर नजर रखना आसान होगा।

IIT मद्रास का लक्ष्य इस पहल को और बड़ा बनाना है। फिलहाल यह कार्यक्रम देशभर के करीब 7 लाख छात्रों तक पहुंच चुका है। आने वाले समय में इसे 11 लाख बच्चों तक और 10 राज्यों के 11 हजार स्कूलों तक ले जाने की योजना है। कुल मिलाकर, यह पहल गांवों के बच्चों के लिए नई उम्मीद लेकर आई है। अब दूर-दराज के इलाकों में रहने वाले छात्र भी शहरों जैसी पढ़ाई का लाभ उठा सकेंगे।

घुमड़ते घाघरे और खनकते सुर

PTI

रंगीलो राजस्थान की छटा। जयपुर के ऐतिहासिक त्रिपोलिया बाजार में शनिवार को 'गणगौर' पर्व की धूम रही। सिर पर मंगल-कलश धरे, लोक-कलाकारों ने जब अपनी जादुई प्रस्तुति दी, तो पूरी गुलाबी नगरी अपनी सदियों पुरानी संस्कृति के रंगों में सराबोर हो उठी।

दो साल में गिनिस रेकॉर्ड, अब जागरूकता की आवाज़

Ashok.Adepal@timesofindia.com

■ **अहमदाबाद:** पर्व ठक्कर का जन्म एक ऐसी बीमारी के साथ हुआ था, जिसमें चलना-फिरना भी मुश्किल होता है (क्लबफुट)। लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी और दो साल की उम्र से पहले ही गिनिस वर्ल्ड रेकॉर्ड बना लिया। छोटी उम्र में कई मेडिकल दिक्कतों का सामना करने के बावजूद, पर्व ने 50 से ज्यादा गाने रिकॉर्ड किए हैं। आज वह क्लबफुट के बारे में जागरूकता फैलाने वाले ग्लोबल एंबेसडर भी हैं और एक उभरते हुए सिंगर हैं। 14 अप्रैल 2019 को, जब पर्व सिर्फ करीब दो साल के थे, उन्होंने 'पर्व- द वंडर सिंगर' नाम का अपना डेब्यू एल्बम रिकॉर्ड किया। इस 50 मिनट के एल्बम में सात मंत्र थे। इसके लिए उन्हें 'एल्बम रिलीज करने वाले सबसे कम उम्र के गायक' के रूप में गिनिस वर्ल्ड रेकॉर्ड मिला। उसी दिन उनके परिवार ने 'पर्व फ्यूजन बैंड' भी बनाया।

पर्व के माता-पिता, डॉ. कृपेश ठक्कर और पूजा ठक्कर को गर्भावस्था के पांचवें महीने में पता चला कि उनके बच्चे को क्लबफुट है।

TOI

क्लबफुट बीमारी की जागरूकता के ग्लोबल एंबेसडर है पर्व ठक्कर

जन्म के बाद ही पैरों पर चढ़ा प्लास्टर

2017 में जन्मे पर्व का इलाज बचपन से ही शुरू हो गया था, ताकि उन्हें आगे चलकर कोई बड़ी दिक्कत न हो। करीब दो साल तक उनके पैरों पर भारी प्लास्टर चढ़ाया गया, जिसे हर हफ्ते बदला जाता था। यह प्रक्रिया दर्दनाक थी। उनके पिता बताते हैं कि वह दर्द से रोते थे, लेकिन उसी से उनकी आवाज भी मजबूत होती गई।

ग्रैमी के लिए भेजा है एल्बम...

परिवार को लगा कि भारत में क्लबफुट के लिए कोई ग्लोबल एंबेसडर नहीं है, इसलिए उन्होंने पर्व के संगीत को इसी मकसद से जोड़ा। जब पर्व 4 साल के थे, तब हंगामा म्यूजिक भी इस पहल से जुड़ा। हाल ही में परिवार ने 'साउंड ऑफ सनातनः वॉल्यूम 1' नाम का एल्बम ग्रैमी अवॉर्ड के लिए भेजा है। इससे पर्व सबसे कम उम्र के भारतीय बन सकते हैं, जो इस स्तर तक पहुंचे हैं।

दर्द से राहत के लिए संगीत का सहारा

उन्हें शांत करने के लिए माता-पिता ने संगीत का सहारा लिया। पर्व डेढ़ साल की उम्र में ही सही सुर पकड़ने लगे थे। अब 8 साल के पर्व 50 से ज्यादा गाने रिकॉर्ड कर चुके हैं। वह अपने बैंड के साथ गाते हैं और शास्त्रीय संगीत की ट्रेनिंग भी ले रहे हैं। उनके पिता और बहन भी उनके साथ गाते हैं, जबकि उनकी मां उनकी दिनचर्या और रिकॉर्डिंग का ध्यान रखती हैं।

T&C available at your nearest dealership. Creative visualization. Images used are for illustration purposes only. For details on safety features (including airbags), refer owner's manual. NEXA dealers exclusively provide all offers, which vary by model and variant. Offers are subject to availability of stock. ^Ex. showroom Price of ₹ 10.77 lakh, Consumer Offer (-) ₹ 25 000, Additional Booking Offer (-) ₹ 10 000, Exchange Bonus (-) ₹ 35 000, Upgrade Bonus (-) ₹ 20 000, Key Corporate Offer (-) ₹ 10 000, aCRM Offer (-) ₹ 3 000 = ₹ 9.74 lakh. The actual effective price mentioned may vary based on the customer's eligibility, profile, and applicable offers at the time of purchase. Offer valid on Grand Vitara Sigma Variant. Maruti Suzuki may withdraw offers without notice. Offer valid till limited period. Features and accessories shown may not be part of the standard fitment. 'EMI @ Rs 8 999' is a scheme illustration for upgrade from Brezza to Grand Vitara Sigma variant. Balloon Finance EMI is calculated @ 9.5% rate of interest; Balloon EMI is 30% of the total loan amount and loan tenure of 5 years. Balloon Finance Scheme provided by select financiers.

NBT AI टाइम मशीन

आज है विश्व मौसम विज्ञान दिवस

आज विश्व मौसम विज्ञान दिवस है। आज ही के दिन 1950 में 'विश्व मौसम विज्ञान संगठन' (WMO) की स्थापना हुई थी। इसका मकसद मौसम, जलवायु परिवर्तन और जल संसाधनों के प्रति वैश्विक जागरूकता बढ़ाना है। यह दिवस मौसम संबंधी सटीक जानकारी और पूर्व चेतावनी प्रणालियों के महत्व को बताता है, जिससे प्राकृतिक आपदाओं से जान-माल की रक्षा की जा सके।

NBT

Front Page-2

नवभारत टाइम्स | नई दिल्ली

सोमवार, 23 मार्च 2026

AI देगा बेहद सटीक मौसम अनुमान

ChatGPT के मुताबिक, भविष्य में मौसम विज्ञान बेहद उन्नत हो चुका होगा। AI और सुपर कंप्यूटर रियल टाइम और बेहद सटीक भविष्यवाणी देंगे। सैटेलाइट, ड्रोन और सेंसर पूरी धरती का लाइव डेटा जुटाएंगे, जिससे हर इलाके, यहां तक कि एक गली का मौसम अलग-अलग बताया जा सकेगा। चक्रवात, बाढ़ और हीटवेव जैसी आपदाओं का पता हफ्तों पहले लग जाएगा। मौसम विज्ञान तब सिर्फ अनुमान नहीं, बल्कि इंसानों की सुरक्षा और सुविधा का मजबूत साधन बन जाएगा।

AI Images

NBT Gen She

भीड़ का हिस्सा बनना उसकी फितरत नहीं। वह आज की नारी है, वह 'Gen She' है। IRA 2026 बिना दिखावे के। बिना किसी बनावट के। अपनी शर्तों पर जीने वाली निडर लड़कियां। सुंदरता अब किसी की मोहताज नहीं। हुनर और सौंदर्य की मिसाल बनें। आज ही रजिस्टर करें। व्हाट्सएप नंबर -7003990071

हार्ट फेल के हर तीसरे मरीज की आय घटी, 10 में 7 का बीमा नहीं

Hemwati.Rajaura1
@timesofindia.com

■ **नई दिल्ली:** भारत में हार्ट फेल्योर (दिल की गंभीर बीमारी) से जूझ रहे मरीजों पर इलाज का खर्च भारी पड़ रहा है। देश के 21 सरकारी अस्पतालों में 1,859 मरीजों पर हुई स्टडी में खुलासा हुआ है कि 10 में से करीब 7 मरीजों के पास कोई हेल्थ इंश्योरेंस नहीं है। इसके चलते इलाज का ज्यादातर खर्च उन्हें अपनी जेब से उठाना पड़ रहा है। जिससे उनकी आर्थिक स्थिति पर गहरा असर पड़ रहा है।

स्टडी के मुताबिक, मरीजों को औसतन हर साल करीब 1.06 लाख खर्च करने पड़ते हैं, जो कुल स्वास्थ्य खर्च का 92.6% है। यानी इलाज का लगभग पूरा खर्च खुद मरीज को वहन करना पड़ रहा है। इस आर्थिक दबाव का असर सीधे उनकी आमदनी पर भी दिख रहा है। करीब 32.3% मरीजों और 36.2% परिवारों ने बताया कि उनकी मासिक आय में पिछले एक साल के दौरान गिरावट आई है।

AI Image

92.6% कुल स्वास्थ्य खर्च का खुद वहन करते हैं मरीज

36.2% परिवारों की मासिक आय में पिछले एक साल में गिरावट आई

17.7% परिवारों को कर्ज लेने, बचत खत्म करने या संपत्ति बेचने जैसी मजबूरी झेलनी पड़ी।

संपत्ति बेचने तक की नौबत

स्थिति तब और गंभीर हो जाती है जब इलाज के लिए लोगों को अतिरिक्त संसाधनों का सहारा लेना पड़ता है। स्टडी में पाया गया है कि 37.7% परिवारों को अत्यधिक स्वास्थ्य खर्च का सामना करना पड़ा, जबकि 17.7% परिवारों को कर्ज लेने, बचत खत्म करने या अपनी संपत्ति तक बेचने जैसी मजबूरी झेलनी पड़ी।

बीमा से हल्की राहत

हालांकि, जिन मरीजों के पास हेल्थ इंश्योरेंस था, उनकी स्थिति अपेक्षाकृत बेहतर रही। बीमा धारकों में अत्यधिक खर्च का प्रतिशत 30.8% रहा, जबकि बिना बीमा वाले में यह आंकड़ा 40.3% तक पहुंच गया। इसी तरह कर्ज या मजबूरी में खर्च करने के मामले में बीमाधारकों में 13.6% रहे, जो बिना बीमा वालों के 18.9% से कम है।

'लंबे इलाज से बढ़ता जाता है वित्तीय भार'

विशेषज्ञों ने कहा, हार्ट फेल्योर जैसी बीमारियों में लंबे इलाज की जरूरत से खर्च लगातार बढ़ता है। ऐसे में स्वास्थ्य बीमा और सरकारी सहायता नहीं बढ़ाई गई तो यह आर्थिक बोझ और भी गंभीर सामाजिक समस्या बन सकता है। यह स्टडी ग्लोबल हार्ट जर्नल में 12 मार्च को छपी। इसमें पीजीआई चंडीगढ़ और संजय गांधी अस्पताल लखनऊ समेत देशभर के अलग-अलग राज्यों के 21 अस्पतालों के मरीजों का सर्वे शामिल किया गया। त्रिवेंद्रम के चित्रा तिरुनाल मेडिकल कॉलेज के डॉक्टर पी जीमन इसके प्रमुख लेखक हैं।

अब फोटो छपवाने का मौका भी

खबरों का ज्ञान

रोज की खबरों पर कितनी पैनी नजर है, आजमाएं

1. **मणिपुर के सीएम कौन है, जिन्होंने कुकी-जो काउंसिल के प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की?** A. एन.बीरेन सिंह B. हिमंता बिस्वा सरमा C. युमनाम खेमचंद
2. **प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सबसे ज्यादा दिनों तक सरकार प्रमुख रहने का किसका रेकॉर्ड तोड़ा?** A. पवन कुमार चामलिंग B. नीतीश कुमार C. नवीन पटनायक
3. **पूर्व JDU नेता के. सी. त्यागी ने कौन सी पार्टी जॉइन की?** A. RJD B. RLD C. BJP
4. **जेफ बेजोस की पूर्व पत्नी मैकेंजी स्कॉट ने 42 मिलियन डॉलर किस यूनिवर्सिटी को दिए हैं?** A. हार्वर्ड B. येल C. एलिजाबेथ सिटी स्टेट यूनिवर्सिटी
5. **CAPF बिल में IG की कितनी पोस्ट IPS से भरे जाने का प्रावधान है?** A. 10% B. 30% C. 50%

कल के जवाब

A1 B. ओमेद A2 B. पेइचिंग A3 C. भूटान A4 C. भारत A5 A. BSF जैसे अर्धसैनिक बल

लकी विनर्स

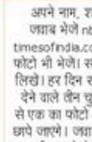

1. राजीव श्रीवास्तव, लखनऊ
2. मुकुंद लाल, दिल्ली
3. परमजीत सिंह भाटिया, दिल्ली

ऐसे भेजें अपने जवाब

अपने नाम, शहर के साथ जवाब भेजें nbtreader@timesofindia.com पर, साथ में फोटो भी भेजें। सब्जेक्ट में KKG लिखें। हर दिन सभी सही जवाब देने वाले तीन चुनिंदा रीडर्स में से एक का फोटो और दो के नाम छापे जाएंगे। जवाब आज के पेपर की खबरों में ही छिपे हैं।

मणिपुर शांति की ओर, पहली बार बातचीत को आए कुकी

■ पीटीआई, इंफाल

मणिपुर के मुख्यमंत्री युमनाम खेमचंद सिंह ने गुवाहाटी में कुकी जो काउंसिल के एक प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। बताया, मणिपुर के मुख्यमंत्री ने शनिवार शाम गुवाहाटी में कुकी जो काउंसिल के प्रतिनिधिमंडल के साथ बंद कमरे में एक बैठक की। सीएम ने कहा, मुलाकात राज्य में शांति बहाल करने और मैतेई और कुकी समुदायों के बीच भरोसे को फिर कायम करने की दिशा में एक अच्छी शुरुआत है।

मणिपुर सरकार ने शुक्रवार को कुकी जो काउंसिल के सदस्यों को जातीय संघर्ष से प्रभावित राज्य में शांति और सामान्य हालात बहाल करने के उपायों पर चर्चा के लिए एक बैठक में न्योता दिया था।

कुकी जो काउंसिल के अध्यक्ष को लिखे एक पत्र में मुख्यमंत्री के सचिव ने खेमचंद के राज्य में सामान्य स्थिति बहाल करने से संबंधित मुद्दों पर विचार-विमर्श करने के लिए शनिवार को गुवाहाटी में काउंसिल के सदस्यों के साथ बैठक करने के अनुरोध को दोहराया।

कुकी नेता बोले- ये गतिरोध तोड़ने की कोशिश: इस बीच, कुकी जो काउंसिल ने रविवार को जारी एक बयान में कहा, पहली बार मुख्यमंत्री युमनाम खेमचंद सिंह के नेतृत्व वाली मणिपुर सरकार ने असम के गुवाहाटी में कुकी-जो काउंसिल (KZC) के नेताओं के साथ बैठक की। बयान में कहा गया है कि बैठक शाम सात बजे शुरू हुई और लगभग एक घंटे 45 मिनट तक चली।

इसमें कहा गया है, मैतेई और कुकी-जो समुदायों के बीच लगभग तीन साल के संघर्ष के बाद पहली बैठक के रूप में यह बातचीत मुख्य रूप से गतिरोध तोड़ने की एक कोशिश थी।

FILE

मणिपुर में मई 2023 से जातीय हिंसा जारी है। हजारों लोगों को विस्थापित होना पड़ा।

'समाधान तक बफर जोन अहम'

KZC ने यह भी कहा कि राजनीतिक समाधान होने तक बफर जोन को सुरक्षित बनाए रखना अहम है और क्षेत्र में स्थायी और लंबे समय तक की शांति तय करने के लिए जारी सस्पेंशन ऑफ ऑपरेशंस (SOO) बातचीत के समाधान में तेजी लाने की जरूरत है।

'शांति के लिए पीड़ितों को न्याय मूल शर्त'

बयान के अनुसार, KZC प्रतिनिधिमंडल ने कई अहम मुद्दे उठाए, जिन्हें मुख्यमंत्री ने ध्यान से सुना। इनमें प्रमुख थे कुकी और तांगखुल समुदायों के बीच जारी तनाव को कम करने की तत्काल जरूरत और किसी भी सार्थक शांति और सुलह प्रक्रिया के लिए एक मूलभूत शर्त के रूप में संघर्ष के पीड़ितों के लिए न्याय तय करना।

CM खेमचंद ने कहा, बातचीत शांति की दिशा में अच्छी शुरुआत

मुख्यमंत्री ने कहा, बातचीत शांति की दिशा में अच्छी शुरुआत है। सबसे दुखद है कि विस्थापित लोग अपने पैतृक घरों में वापस नहीं लौट पा रहे। सिंह ने कहा, उनकी वापसी के लिए सबसे अहम बात दोनों समुदायों के बीच भरोसे को फिर से कायम करना है। केंद्रीय बल कब तक कुछ स्थानों पर आबादी की सुरक्षा करते रह सकते हैं? जरूरत इस बात की है कि समुदाय संघर्ष को भूलकर भरोसे पर काम करें। उन्होंने बताया कि दोनों पक्षों के विस्थापितों की अपने-अपने स्थानों पर वापसी का मुद्दा बातचीत में शामिल था। उन्होंने कहा कि कम से कम हमें एक अच्छी शुरुआत तो करनी ही चाहिए।

कुकी नेता बोले, बीरेन होते तो हम नहीं आते

KZC के अध्यक्ष हेनलियानथांग थानलेट ने कहा, अगर बीरेन सिंह सीएम होते तो हम बैठक में शामिल नहीं होते। नई सरकार बनने से हम आए। राज्य में एक साल के राष्ट्रपति शासन के बाद फरवरी में नई सरकार बनने पर KZC ने कुकी-जो-हमार समुदाय के उन विधायकों का बहिष्कार घोषित किया था, जिन्होंने नई सरकार में शामिल होने का फैसला किया था। शनिवार की बैठक के बाद थानलेट ने कहा, बैठक में कोई प्रस्ताव या समझौता नहीं हुआ। हमने अपनी मांगों पर चर्चा की और शायद उन पर चर्चा के लिए और बैठकें होंगी।

क्यूबा फिर अंधेरे में डूबा

AP

क्यूबा में एक हफ्ते में दूसरी बार ब्लैकआउट हुआ, जिससे करीब 1 करोड़ आबादी अंधेरे में रहने को मजबूर है।

US के तेल आयात को ब्लॉक करने से देश में बिजली प्लांट ठप पड़ गए हैं। हालांकि रविवार सुबह तक राजधानी हवाना के कुछ हिस्सों में बिजली बहाल हो सकी।

2024 से अब तक सात बार देशव्यापी ब्लैकआउट हो चुके हैं। हालात तब और बिगड़े जब 9 जनवरी के बाद से क्यूबा में तेल आयात नहीं हुआ, जिससे बिजली और पर्यटन क्षेत्र पर असर पड़ा है।

सूडान के अस्पताल पर हमला, 64 की जान गई

■ **एपी, काहिरा:** सूडान के पश्चिमी दारफुर क्षेत्र में पिछले हफ्ते एक अस्पताल पर हुए हमले में कम से कम 64 लोगों की मौत हो गई, जिनमें 13 बच्चे हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने रविवार को यह जानकारी दी।

बताया, अल दईन टीचिंग अस्पताल पर शुक्रवार को हुए हमले में 89 लोग घायल भी हुए और अस्पताल बंद हो गया है। सूडान में 2023 से सेना और अर्धसैनिक बल रैपिड सपोर्ट फोर्स (RSF) के बीच संघर्ष जारी है। इस हमले के लिए RSF ने सेना को जिम्मेदार ठहराया है, जबकि सेना ने आरोपों से इनकार किया है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, इस युद्ध में अब तक 40,000 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है।

FILE

अब तक 40 हजार मौतें हुई हैं

पाक के स्कूल में सिख स्टूडेंट से मारपीट

■ **NBT रिपोर्ट:** पाकिस्तान के फैसलाबाद जिले में एक ईसाई स्कूल में अमृतधारी सिख छात्रा के साथ कथित मारपीट का मामला सामने आया है। TOI की रिपोर्ट के अनुसार, छात्रा ने ईसाई प्रार्थना में हिस्सा लेने से इनकार किया तो उसका जबरन दुपट्टा/पगड़ी हटाया गया और उसे पीटा गया।

छात्रा की मां ने आरोप लगाया कि स्कूल स्टाफ ने उसकी बेटी को लात-घूंसों से मारा। उन्होंने बताया कि बच्ची अस्थमा से पीड़ित है, लेकिन जब उसकी बहन मदद के लिए आई तो शिक्षकों ने उसे रोक दिया और कहा कि वह बहाना कर रही है। सिख समुदाय के संगठन 'सिख ब्रदरहुड इंटरनेशनल' ने घटना की निंदा करते हुए दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

AI Image

दुपट्टा, पगड़ी हटाने का आरोप।

SPEED News

करीब 350 करोड़ रु. दान किए जेफ बेजोस

की पूर्व पत्नी मैकेंजी स्कॉट ने। उन्होंने ये पैसे एलिजाबेथ सिटी स्टेट यूनिवर्सिटी को दिए।

बांग्लादेश में बस-ट्रेन की टक्कर में 12 जानें

चली गईं और 20 लोग घायल हो गए। हादसा एक क्रॉसिंग पर हुआ, वहां कोई गेटमैन मौजूद नहीं था।

आधे से ज्यादा देशों के स्कूलों ने फोन पर

बैन लगा दिया है। यूनेस्को की रिपोर्ट के मुताबिक, ध्यान में कमी, साइबरबुलिंग पर चिंताएं इसकी वजह है।

जंग के बाद नेवी ने बढ़ा दी थी तैनाती

इंडियन नेवी को मिलेगा एक और वॉरशिप 'तारागिरी'

Poonam.Pandey
@timesofindia.com

■ **नई दिल्ली :** पश्चिम एशिया में जंग के बीच इंडियन नेवी को एक और वॉरशिप मिलने जा रहा है। 3 अप्रैल को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की मौजूदगी में नेवी में स्टील्थ फ्रिगेट तारागिरी कमिशन होगा। ये प्रोजेक्ट-17 A क्लास का चौथा वॉरशिप है। 6670 टन का ये वॉरशिप मेक इन इंडिया की स्प्रिट और शिप बिल्डिंग में भारत की काबिलियत का भी उदाहरण है। बताया गया कि इस फ्रिगेट में पुराने फ्रिगेट के डिजाइन से मुकाबले काफी बदलाव किए गए हैं।

नेवी पश्चिम एशिया में जंग छिड़ने के बाद होर्मुज जलडमरूमध्य (स्ट्रेट) के ईस्ट में अपनी तैनाती बढ़ाई है। ओमान की खाड़ी एरिया में नेवी के तीन से ज्यादा वॉरशिप तैनात हैं।

रडार को भी देगा चकमा: नया वॉरशिप ज्यादा स्लीक है, जिसकी वजह से ये रडार की पकड़ में कम आएगा। स्टेल्थ होने की वजह से ये छिपकर प्रभावी तरीके से ऑपरेट कर सकता है। नेवी के प्रवक्ता कैप्टन विवेक मधवाल ने कहा कि इस शिप का 75 पर्सेंट से ज्यादा हिस्सा स्वदेशी है और ये दिखाता है कि भारत में औद्योगिक नेटवर्क काफी मजबूत हो गया है। ये वॉरशिप कंबाइंड डीजल या गैस प्रपल्शन सिस्टम से चलता है और इसकी रफ्तार तेज है, ये लंबे वक्त तक ऑपरेशन करने में सक्षम है।

> **75 पर्सेंट से ज्यादा हिस्सा स्वदेशी है शिप का**

हर तरह के मिशन के लिए तैयार: इसे हर तरह के समुद्री मिशन के लिए तैयार किया गया है। इस वॉरशिप में आधुनिक और ताकतवर हथियार लगे हैं। इसमें सुपरसोनिक सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइलें, मध्यम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलें और पनडुब्बियों से निपटने के लिए खास सिस्टम है। इन सभी को एक आधुनिक कॉम्बैट मैनेजमेंट सिस्टम से जोड़ा गया है, जिससे ये किसी भी खतरे का तुरंत और सटीक जवाब दे सकता है।

छत्तीसगढ़ में रोपवे टूटा, 300 फुट नीचे गिरी ट्रॉली, महिला की मौत

■ भाषा, महासमुंद

छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले में खल्लारी माता मंदिर के पास रविवार सुबह एक बड़ा हादसा हो गया। पहाड़ी से नीचे उतर रही रोपवे ट्रॉली का केबल टूटने से ट्रॉली करीब 200-300 फुट नीचे गिर गई। हादसे में आकृती सतकार (28) की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि छह लोग घायल हो गए।

एसडीएम नमिता मारकोले के अनुसार सुबह करीब 10 बजे ट्रॉली में सात लोग सवार थे, हालांकि शुरुआती जानकारी में आठ यात्रियों की बात सामने आई थी। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना नवरात्रि के दौरान हुई, जब मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ रहती है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने दुख जताते हुए जांच के आदेश दिए हैं। कहा, दुर्घटना की जानकारी मिलते ही संबंधित अधिकारियों को घायलों के बेहतर इलाज के लिए जरूरी निर्देश दे दिए गए हैं।

लगभग 1,100 फुट की ऊंचाई पर स्थित इस पहाड़ी मंदिर तक पहुंचने के लिए श्रद्धालु आमतौर पर रोपवे सेवा का इस्तेमाल करते हैं, जबकि करीब 900 सीढ़ियां चढ़कर भी मंदिर तक पहुंचा जा सकता है।

PTI

हादसे के समय ट्रॉली में सात श्रद्धालु सवार थे। बाकी 6 घायल हो गए।

पाक में नमाज़ के बाद लश्कर कमांडर की हत्या

■ NBT रिपोर्ट

पाकिस्तान के लाहौर में आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के कमांडर बिलाल आरिफ सराफी की कथित तौर पर उसके ही परिवार के सदस्यों ने हत्या कर दी। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, ईद की नमाज के बाद शनिवार को उसे चाकू मारकर और गोली चलाकर मौत के घाट उतारा गया। बताया जा रहा है कि यह घटना मुरीदके इलाके में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान नष्ट किए गए लश्कर मुख्यालय के पास हुई। हत्या के पीछे की सटीक वजह अभी साफ नहीं है, लेकिन खुफिया सूत्र इसे पारिवारिक विवाद से जोड़कर देख रहे हैं। मामले में शामिल लोगों को हिरासत में ले लिया गया है।

FILE

बिलाल आरिफ सराफी

पूर्व पाक राजनयिक का विवादित बयान: भारत में पाक उच्चायुक्त रह चुके अब्दुल बासित ने एक इंटरव्यू में कहा, अगर अमेरिका पाकिस्तान पर हमला करता है, तो इस्लामाबाद को दिल्ली और मुंबई पर हमला करना चाहिए। इस बयान की रविवार को बीजेपी ने निंदा की।

हरिद्वार में मवेशी ले जा रहे युवक से मारपीट

■ **NBT रिपोर्ट, देहरादून:** हरिद्वार में मवेशी ले जा रहे युवक को गोरक्षकों ने बीच रास्ते रोककर अपनी कार में जबरन बैठाया और मारपीट की। घटना का विडियो सामने आने के बाद पुलिस ने 5 कथित गोरक्षकों को हिरासत में लिया है। बताया जा रहा है कि आरोपियों ने ही घटना का विडियो बनाकर सोशल मीडिया पर अपलोड किया था। गोरक्षकों का आरोप है कि युवक मवेशियों को काटने के लिए ले जा रहा था।

> **पुलिस ने 5 कथित गोरक्षकों को हिरासत में ले लिया**

ग्रैजुएट जवानों का अफसर बनना आसान

अब चार नहीं, सिर्फ डेढ़ साल की ट्रेनिंग ही काफी होगी

Poonam.Pandey
@timesofindia.com

■ **नई दिल्ली:** सेना में ऑफिसर्स की कमी पूरी करने के लिए एक तरफ शॉर्ट सर्विस कमिशन को आकर्षक बनाने पर जोर है, वहीं जवान से ऑफिसर बनने की राह भी आसान की गई है। सेना में सीधे ऑफिसर के तौर पर कमिशन होते हैं, साथ ही जवानों के पास भी ऑफिसर बनने का मौका होता है। जवान लिखित परीक्षा, फिर एसएसबी पास करके ऑफिसर बन सकते हैं। आर्मी कैडेट कॉलेज (एसीसी) देहरादून में इनकी ट्रेनिंग होती है। पहले 12 वीं पास जवान और ग्रैजुएट जवानों की चार साल ट्रेनिंग होती थी। तीन साल एसीसी और एक साल आईएमए देहरादून में ट्रेनिंग होती थी। 12 वीं पास जवान के लिए तो अभी वही प्रक्रिया है लेकिन जो ग्रैजुएट हैं, उन्हें अब चार साल की बजाय कुल डेढ़ साल की ट्रेनिंग करनी होगी। इससे सेना में ऑफिसर्स के खाली पद जल्दी भरेंगे।

FILE

12वीं पास जवान के लिए प्रक्रिया वही, 4 साल की ट्रेनिंग जरूरी

SSB का स्टेज 1 हटाया, सीधा स्टेज 2

सेना में सिपाही, नायक, हवलदार भी अफसर बनते हैं। एसीसी के अलावा परमानेंट कमिशन स्पेशल लिस्ट और स्पेशल कमिशन ऑफिसर के जरिए ये अफसर बन सकते हैं। एसीसी में जवान ही जाते हैं। परमानेंट कमिशन स्पेशल लिस्ट और स्पेशल कमिशन अफसर के लिए ज्यादा उम्र के सैनिक भी अप्लाई कर सकते हैं। इनके लिए एसएसबी का स्टेज वन हटा दिया गया है और ये सीधे स्टेज-टू में पहुंच सकते हैं।

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 23-03-2026 Zone: NBTWealth Edition: 1 Page: NBTWD1 User: cci Time: 03-21-2026 21:54 Color:

नई दिल्ली / एनसीआर > 23-29 मार्च 2026 > वर्ष 2, संख्या 12 > पेज 6 > मूल्य ₹6.00

मार्केट आग का दरिया तो है, लेकिन डूबना क्यों है?
शेयर मार्केट में उतार-चढ़ाव तो होना ही है, लेकिन इस जोखिम को कम जरूर किया जा सकता है। यहां जानें सही रणनीति...
देखें PG-3

NBT नवभारत टाइम्स Wealth

हेल्थ इंश्योरेंस क्लेम क्यों होता है रिजेक्ट?
आप सोचते हैं कि केवल आपकी गलती से ही क्लेम रिजेक्ट होता है, तो ऐसा नहीं है। अस्पताल भी जिम्मेदार हो सकता है।
देखें PG-4

आपकी बात

NBT Wealth आपको कैसा लगता है, इसमें क्या पसंद आता है और क्या नहीं, आप और किन विषयों पर लेख पढ़ना चाहते हैं? आप कॉल करके अपनी बात नोट करा सकते हैं। आपका संदेश संपादक तक पहुंच जाएगा।

कॉल करें 011-4978 0064
आज दिन में 11 बजे से 12 बजे तक

अंदर देखें ये खास स्टोरी

अब तो सोना-चांदी भी फिसल रहे, फिर क्या करें?

ऑलटाइम हाई के बाद गोल्ड और सिल्वर में आई तेज गिरावट ने निवेशकों को दुविधा में डाल दिया है। पश्चिम एशिया के तनाव, महंगे कच्चे तेल, मजबूत डॉलर और ऊंची ब्याज दरों ने इन धातुओं पर दबाव बढ़ाया है। हालांकि निकट अवधि में उतार-चढ़ाव जारी रह सकता है, लेकिन विशेषज्ञ इसे लंबी अवधि के निवेशकों के लिए मौका मानते हैं। सही असेट एलोकेशन, चरणबद्ध निवेश और SIP के जरिए निवेशक जोखिम कम कर सकते हैं। रणनीति यह होनी चाहिए कि एकमुश्त निवेश से बचते हुए गिरावट का फायदा उठाकर धीरे-धीरे निवेश बढ़ाया जाए। जानें एक्सपर्ट क्या सुझाव देते हैं...

देखें PG-2

ऑनलाइन ठगी में डूबे पैसे वापस कैसे पाएं, यहां जानें

ऑनलाइन ठगी के मामलों में तेजी के बीच RBI ने ग्राहकों को राहत देने के लिए नया प्रस्ताव रखा है। इसके तहत 50,000 रुपये तक के डिजिटल फ्रॉड पर 85% या अधिकतम 25,000 रुपये तक मुआवजा मिल सकेगा। हालांकि यह सुविधा जीवन में सिर्फ एक बार मिलेगी और 5 दिनों के भीतर शिकायत करना जरूरी होगा। बैंक 30 दिनों में जांच पूरी करेंगे। अगर गलती बैंक की पाई जाती है तो पूरा पैसा वापस मिल सकता है। इस कदम का मकसद डिजिटल लेन-देन को सुरक्षित बनाना है, लेकिन ग्राहकों को सतर्क रहना अभी भी बेहद जरूरी है। यहां जानें कि क्या है मुआवजे का सिस्टम, कैसे पाएं मुआवजा...

देखें PG-2

काम की खबरें

AI Image

नॉमिनी के लिए सिर्फ नाम और रिश्ता बताना जरूरी

SEBI ने डीमैट अकाउंट और म्यूचुअल फंड फोलियो में नॉमिनेशन प्रक्रिया आसान बनाने का प्रस्ताव दिया है। अब नॉमिनी के लिए सिर्फ नाम और निवेशक से रिश्ता जरूरी होगा, बाकी जानकारी वैकल्पिक रहेगी। नए खातों में नॉमिनेशन डिफॉल्ट विकल्प होगा और पुराने खातों के लिए निवेशकों को SMS-ईमेल भेजकर सूचित किया जाएगा। साथ ही, नॉमिनी की अधिकतम संख्या बढ़ाकर 4 करने का प्रस्ताव है। नया सिस्टम ऑनबोर्डिंग (खाता खोलने की प्रक्रिया) को सरल और तेज बनाएगा।

PF से HRA तक... एक से बदलेंगे आयकर नियम

CBDT ने नए इनकम टैक्स नियम जारी कर दिए हैं। ये 1 अप्रैल से लागू होंगे। कई नियमों को सरल बनाया गया है, जिससे टैक्स फाइल करना आसान होगा और रिफंड भी जल्दी मिलेगा। HRA पर ज्यादा टैक्स छूट मिलेगी, खासकर बड़े शहरों में। PF और ग्रैच्युटी के फॉर्म बदलेंगे। किरायेदार-मकान मालिक के रिश्ते का खुलासा जरूरी होगा। नकद जमा-निकासी, प्रॉपर्टी, गाड़ी खरीद, होटल बिल जैसे बड़े खर्चों पर PAN जरूरी होगा।

चेहरा पहचानकर रुकेगी ठगी? RBI का प्रस्ताव

भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) एटीएम और बैंक शाखाओं में सुरक्षा बढ़ाने के लिए AI आधारित फेशियल रिकॉग्निशन (चेहरा पहचानने वाली तकनीक) लगाने पर विचार कर रहा है। इसके लिए बैंकों से सुझाव मांगे गए हैं, खासकर उन क्षेत्रों के लिए जहां फ्रॉड के मामले ज्यादा हैं। अंतिम फैसला पब्लिक सेक्टर और प्राइवेट दोनों बैंकों की क्षमता को देखने के बाद लिया जाएगा। बैंकों को इस महीने के अंत तक अपना जवाब भेजना है। यह तकनीक धोखाधड़ी रोकने में मदद कर सकती है। हालांकि लागत, हार्डवेयर अपग्रेड और प्राइवेसी नियम जैसी चुनौतियां भी हैं।

संतुलित रणनीति अपनाकर बचा सकते हैं अपना पैसा

युद्ध की आग से कैसे बचाएं पोर्टफोलियो?

एक्सपर्ट्स के साथ समझें

कार्तिक झवेरी, Transcend Capital के फाउंडर, CEO और फाइनेंशल प्लानर

राहुल घोष, Octanom Tech और Hedged.in के फाउंडर और CEO

वी के विजयकुमार, जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के चीफ इन्वेस्टमेंट स्ट्रैटेजिस्ट

रवि सिंह, मास्टर कैपिटल सर्विसेज के चीफ रिसर्च ऑफिसर

सुधा श्रीमाली
Sudha.Shrimali@timesofindia.com

पश्चिम एशिया में बढ़ते युद्ध और जियो-पॉलिटिकल तनाव ने शेयर बाजार में अस्थिरता बढ़ा दी है, जिससे निवेशकों के पोर्टफोलियो पर दबाव दिख रहा है। ऐसे माहौल में घबराहट के बजाय संतुलित रणनीति, विविधीकरण और अनुशासित निवेश ही नुकसान से बचाने और भविष्य के रिटर्न को सुरक्षित रखने का सबसे प्रभावी तरीका बन सकता है।

अमेरिका, इस्राइल और ईरान के बीच बढ़ते संघर्ष के चलते तेजी से बदल रहे जियो-पॉलिटिकल टेंशन का खामियाजा रिटेल निवेशकों को भी उठाना पड़ रहा है। युद्ध की आग में हर दिन अपने पोर्टफोलियो को जलते देख निवेशकों की चिंता बढ़ने लगी है। भू-राजनीतिक तनावों के कारण भारतीय इक्विटीज में अनुमान से कहीं ज्यादा गिरावट आई है, और निफ्टी अपने हाल के शिखर 26,350 के करीब से काफी नीचे गिर गया। बाजार में वोलैटिलिटी यानी उतार-चढ़ाव जारी है। कभी बाजार वैल्यू बाइंग के बूते एक दिन में एक हजार अंक से ज्यादा चढ़ जाता है, तो दूसरे दिन इतना गिर जाता है कि निवेशक टूट जाते हैं। बाजार के इस वीर इफेक्ट पैटर्न को देखते हुए निवेशकों के मन में सबसे बड़ा सवाल यही है कि वे अपने पोर्टफोलियो को कैसे सुरक्षित रखें और नुकसान से कैसे बचें। जानकारों का मानना है कि घबराहट में फैसले लेने की बजाय संतुलित रणनीति अपनाना जरूरी है, जिससे जोखिम कम किया जा सके और लंबे समय में बेहतर रिटर्न की संभावना बनी रहे।

चिंता से उबरने के लिए समय पर रणनीति इसलिए भी जरूरी हो चली है क्योंकि निफ्टी लगभग 23,200 के स्तर पर पहुंचने के बाद वैल्यू बाइंग से कुछ सुधरकर 23,777.80 अंक पर आ गया है, लेकिन जो एनालिस्ट टेक्निकल पैटर्न, वैल्यूएशन और ऐतिहासिक व्यवहार पर नजर रखते हैं, वे इसकी 21,000-22,000 के जोन की संभावित जगह बता रहे हैं। क्योंकि कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव, विदेशी निवेश और ग्लोबल रिस्क की भावना से पैदा होने वाली अस्थिरता के निकट भविष्य में भी बने रहने की संभावना है।

क्यों टूट रहा स्टॉक मार्केट?

स्टॉक मार्केट में गिरावट की बड़ी वजह कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल और वैश्विक अनिश्चितता है। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के चीफ इन्वेस्टमेंट स्ट्रैटेजिस्ट वी के विजयकुमार के मुताबिक, ब्रेंट क्रूड 115 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंचने से दुनिया भर की अर्थव्यवस्थाओं पर दबाव बढ़ा है। अगर पश्चिम एशिया में तनाव लंबे समय तक बना रहता है और तेल महंगा रहता है, तो भारत जैसे बड़े तेल आयातक देशों की अर्थव्यवस्था पर इसका सीधा निगेटिव असर पड़ेगा। इससे महंगाई बढ़ने और ग्रोथ पर असर पड़ने की आशंका भी बढ़ जाती है। इसके अलावा डॉलर के मुकाबले रुपये की कमजोरी और विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली भी बाजार पर दबाव बना रही है। यही कारण है कि भारतीय शेयर बाजार में गिरावट का दौर जारी है और निवेशकों में चिंता का माहौल बना हुआ है।

युद्ध और जियो-पॉलिटिकल तनाव से बाजार में उतार-चढ़ाव बढ़ा है, लेकिन घबराने की जरूरत नहीं। संतुलित रणनीति, विविधीकरण, SIP और सही असेट एलोकेशन अपनाकर निवेशक नुकसान कम कर सकते हैं और लंबी अवधि में बेहतर रिटर्न के मौके बना सकते हैं।

'SIP और सही रणनीति से बढ़ाएं निवेश'

Octanom Tech और Hedged.in के फाउंडर और CEO राहुल घोष ने कहा, "उतार-चढ़ाव इक्विटी मार्केट और म्यूचुअल फंड निवेश का स्वाभाविक हिस्सा है। गिरावट के समय घबराकर निवेश निकाल लेने से अक्सर नुकसान पक्का हो जाता है, न कि पूंजी सुरक्षित रहती है। इक्विटी में मजबूत बैलेंसशीट और लंबी अवधि की ग्रोथ वाली कंपनियों पर ध्यान देना चाहिए। करेक्शन के दौरान अच्छी क्वालिटी के शेयर सस्ते वैल्यूएशन पर मिलते हैं, जिससे धीरे-धीरे निवेश बढ़ाकर भविष्य में बेहतर रिटर्न हासिल किया जा सकता है।

राहुल घोष का कहना है कि म्यूचुअल फंड निवेशकों के लिए, खासकर जो SIP के जरिए निवेश करते हैं, उनके लिए यही बेहतर है कि वे अपनी निवेश रणनीति पर कायम रहें। मार्केट में गिरावट आने पर निवेशकों को 'रुपी कॉस्ट एवरेजिंग' का फायदा मिलता है, जिससे उनके लंबे समय के रिटर्न बेहतर हो सकते हैं। अपनी असेट एलोकेशन की समीक्षा करना भी बहुत जरूरी है। यह पक्का कर लें कि आपका पोर्टफोलियो अभी भी आपकी जोखिम उठाने की क्षमता और निवेश की समय-सीमा के हिसाब से ही है।

क्या आपने पोर्टफोलियो को सक्रिय रूप से 'हेज' किया है?

राहुल घोष का मानना है कई समझदार निवेशक ऐसे अनिश्चित समय में पोर्टफोलियो को 'हेज' (Hedge) करते हैं, ताकि नुकसान का जोखिम कम हो सके। हेज का मतलब है निवेश को इस तरह बैलेंस करना कि बाजार गिरने पर भी पूरा पैसा प्रभावित न हो। यह तरीका खासकर युद्ध जैसे भू-राजनीतिक घटनाक्रमों के दौरान उतार-चढ़ाव से बचाव करने में मदद करता है और सुनिश्चित करता है कि कुल CAGR सुरक्षित रहे। अनुशासन, विविधीकरण और लॉन्ग टर्म नजरिया- ये तीनों ही वेल्थ क्रिएशन के शक्तिशाली उपाय बने हुए हैं।

'अलग सेक्टर पर अलग असर'

बाजार के सभी हिस्से जियो-पॉलिटिकल तनाव पर एक जैसी प्रतिक्रिया नहीं देते हैं। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें और सप्लाई में रुकावटें अक्सर एनर्जी प्रोड्यूसर्स और डिफेंस से जुड़े कुछ व्यवसायों को फायदा पहुंचाती हैं, जबकि एविएशन और शिपिंग जैसे सेक्टरों को ज्यादा ईंधन लागत और होर्मुज जलडमरूमध्य जैसे मार्गों से जुड़े लॉजिस्टिकल जोखिमों से दबाव झेलना पड़ सकता है। इनके हिसाब से सेक्टर एक्सपोजर को एडजस्ट करने से पोर्टफोलियो की अस्थिरता कम हो सकती है।

डिफेंसिव सेक्टर, विविधीकरण पर ज़ोर

मास्टर कैपिटल सर्विसेज के चीफ रिसर्च ऑफिसर रवि सिंह का कहना है कि जैसे-जैसे अनिश्चितता बढ़ती है, विविधीकरण और सेक्टर संतुलन और भी अहम हो जाते हैं। सिंह ने अपेक्षाकृत स्थिर क्षेत्रों में निवेश फैलाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा, 'डिफेंस, एनर्जी, पावर और घरेलू खपत जैसे सेक्टरों में निवेश से पोर्टफोलियो संतुलित करने में मदद मिल सकती है। ग्लोबल अनिश्चितताओं के दौरान अक्सर तेजी से करेक्शन होते हैं, लेकिन स्थिति स्पष्ट होने पर बाजार फिर से संभल जाते हैं।' ऐसे दौर में घबराहट में की गई बिकवाली से अक्सर वैल्यू खत्म हो जाती है, खासकर उन लंबे समय के निवेशकों के लिए जो कम कीमतों पर बाजार से निकल जाते हैं और फिर से बाजार में आने के लिए संघर्ष करते हैं। मौजूदा स्थिति में 5 मुख्य क्षेत्रों- पावर, एनर्जी, डिफेंस, इंफ्रास्ट्रक्चर, कैपिटल गुड्स में व्यवस्थित दृष्टिकोण अपनाने की जरूरत है। ग्लोबल जोखिमों को ध्यान में रखते हुए सेक्टर में निवेश समायोजित करें। बोनान्ज़ा पोर्टफोलियो की रिसर्च एनालिस्ट खुशी मिस्त्री ने भी पोर्टफोलियो को स्थिर करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा, 'कुछ डिफेंसिव शेयरों को शामिल करने से पोर्टफोलियो को स्थिर रखने में मदद मिल सकती है। घरेलू मांग और आवश्यक उपभोग से जुड़े क्षेत्र वैश्विक झटकों के प्रति कम संवेदनशील होते हैं, जिससे मंदी के दौरान वे अपेक्षाकृत अधिक मजबूत बने रहते हैं। लार्ज-कैप शेयरों पर ध्यान केंद्रित करें।

उतार-चढ़ाव मार्केट का हिस्सा, घबराएं नहीं!

निवेशकों की दुविधा इसलिए भी बढ़ी

वी के विजयकुमार का कहना है कि शेयर बाजार के पोर्टफोलियो में नुकसान की भरपाई सोने-चांदी में निवेश से होती नहीं दिख रही। ईरान, अमेरिका और इस्राइल के बीच बढ़ते सैन्य तनाव ने पूरी दुनिया के बाजारों को हिला दिया है। आमतौर पर ऐसे संकट के समय निवेशक सोने और चांदी को सुरक्षित निवेश मानते हुए इनकी खरीद बढ़ा देते हैं, जिससे कीमतों में तेजी आती है। लेकिन इस बार बाजार का ट्रेंड उल्टा दिखाई दे रहा है। युद्ध के बावजूद सोने और चांदी की कीमतों में उम्मीद के मुताबिक उछाल नहीं आया, बल्कि हाल के दिनों में इन पर दबाव देखा गया है। इससे निवेशक हैरान हैं और बाजार की चाल को समझने की कोशिश कर रहे हैं।

क्या करें निवेशक?

Transcend Capital के फाउंडर और CEO और फाइनेंशल प्लानर कार्तिक झवेरी कहते हैं, 'यह पहली बार नहीं है, और न ही यह आखिरी बार है कि युद्ध जैसी किसी घटना के कारण पोर्टफोलियो में गिरावट आई हो। लेकिन कुछ चीजें हैं जो आप तुरंत कर सकते हैं:

1. **घबराएं नहीं और जल्दबाजी में आकर शेयर बेचें नहीं।**
2. 10 से 20% की गिरावट के बाद बाजार हमेशा वापसी करता है। युद्ध के लगभग एक साल बाद, आप हमेशा देखेंगे कि शेयर बाजार ने अच्छा रिटर्न दिया है... 20-30% से भी ज्यादा।
3. अगर आपके पास अतिरिक्त कैश है, तो निवेश करना बहुत अच्छा विचार है।
4. अगर आपको एहसास होता है कि आपने किसी की 'टिप्स' पर या खराब कंपनियों के शेयर खरीद लिए हैं, तो अब उन्हें बेचने का समय आ गया है। अच्छे शेयर खरीदें और उस नुकसान का फायदा उठाकर उसे भविष्य के मुनाफे के साथ एडजस्ट करें।
5. किसी भी वैश्विक घटना के बाद नए सेक्टर उभरकर सामने आते हैं। सुनिश्चित करें कि आपने उन सेक्टरों में भी अच्छा-खासा निवेश किया हुआ है।
6. पावर, एनर्जी, डिफेंस, इंफ्रास्ट्रक्चर, कैपिटल गुड्स जैसे नए सेक्टर उभरकर कर सामने आने की संभावना है।

'बॉन्ड को बनाएं बचाव का साधन'

मौजूदा माहौल में बॉन्ड एक प्रभावी बचाव का साधन हो सकते हैं। विश्लेषकों का कहना है कि अल्पकालिक टिकाऊ बॉन्ड में निवेश से इक्विटी की अस्थिरता को कम करने और पोर्टफोलियो को संतुलित करने में मदद मिल सकती है। निकट भविष्य में बाजार में अस्थिरता बनी रह सकती है। हालांकि, ऐतिहासिक रुझान बताते हैं कि जब स्थिरता लौटती है, तो ऐसे दौर अक्सर रिटर्न के अगले चक्र के लिए आधार तैयार करते हैं। निवेशकों के लिए प्राथमिकता यह अनुमान लगाना नहीं है कि बाजार का सबसे निचला स्तर (bottom) ठीक कहां होगा, बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि जब चक्र बदले, तो वे उसमें हिस्सा लेने के लिए तैयार स्थिति में हों।

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 23-03-2026 Zone: NBTWealth Edition: 1 Page: NBTWD2 User: cci Time: 03-21-2026 22:24 Color:

निवेशक जितना डिजिटल गोल्ड खरीदते हैं, कंपनी उतनी ही मात्रा का असली सोना सुरक्षित रखती है

डिजिटल गोल्ड के लिए क्यों दिख रही दीवानगी?

अभिषेक मिश्र
Abhishek.Mishra1@timesofindia.com

सोने में निवेश का पारंपरिक तरीका तेजी से बदल रहा है। डिजिटल गोल्ड की लोकप्रियता बढ़ती जा रही है। खासकर, 25 से 35 साल आयु के युवा निवेशकों को यह काफी रास आ रहा है। हालांकि SEBI आगाह कर चुका है कि डिजिटल गोल्ड रेगुलेटेड नहीं है। इसके बावजूद इसको लेकर दीवानगी हैरान करती है।

वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल ने बताया कि पिछले साल 2025 में भारत में डिजिटल गोल्ड की खरीद 69% बढ़कर 13.5 टन तक पहुंच गई। यह आंकड़ा सिर्फ एक ट्रेंड नहीं, बल्कि निवेशकों के व्यवहार में हो रहे बड़े बदलाव की ओर इशारा करता है। डिजिटल गोल्ड की सबसे बड़ी खासियत है कि इसे ऑनलाइन खरीदा जा सकता है और फिजिकल डिलिवरी जैसा कोई झंझट भी नहीं होता है। सर्टिफाइड फाइनेंशल प्लानर (CFP) और दि रिचनेस अकादमी के संस्थापक तरेश भाटिया बताते हैं कि डिजिटल प्लैटफॉर्म के जरिये मामूली रकम में भी आप इसमें निवेश कर सकते हैं। यह भी एक कारण है कि निवेश पसंद करने वाले युवाओं के बीच यह आकर्षक विकल्प बन गया है।

ऑप्टिमा मनी मैनेजर्स के मैनेजिंग डायरेक्टर और मुख्य कार्याधिकारी पंकज मथपाल का भी यही कहना है। उन्होंने बताया कि आसानी से निवेश होने के साथ-साथ निवेशक यूनिट्स बेचकर सोना खरीद सकते हैं। इससे इसमें निवेश करना आकर्षक लगता है। पंकज के मुताबिक, गोल्ड ETF और गोल्ड ETF फंड ऑफ फंड बेहतर विकल्प हैं। ये अत्यधिक रेगुलेटेड उत्पाद माने जाते हैं और इन पर मिलने वाला लाभ डिजिटल गोल्ड जैसा ही होता है।

चार्टर्ड अकाउंटेंट मनीष कुमार सिन्हा डिजिटल गोल्ड में निवेश को सुरक्षा के नजरिये से सही बताते हैं। मनीष का कहना है कि फिजिकल गोल्ड के मुकाबले डिजिटल गोल्ड अधिक सुरक्षित है, क्योंकि इसके खोने, चोरी होने का भय नहीं। सोने के आभूषण या बिस्किट खरीदने के लिए आपको जूलरी शॉप पर जाना पड़ेगा। मगर, डिजिटल गोल्ड आप घर बैठे ही खरीद सकते हैं। मनीष ने कहा, 'निवेशक जितना सोना खरीदते हैं, कंपनी उतनी ही मात्रा का असली सोना उनके सुरक्षित वॉल्ट में रखती है। यानी निवेशक के पास भले ही सोना फिजिकल रूप में न हो, लेकिन उसके नाम पर उतनी ही मात्रा में वास्तविक सोना सुरक्षित रखा जाता है।'

तरेश बताते हैं कि सोने की बढ़ती कीमतों के कारण आज 1 ग्राम सोना आपको 15-17 हजार रुपये के बीच मिलता है। यानी अगर आप जूलरी शॉप पर जाकर खरीदारी करना चाहते हैं, तो कम से कम इतनी जेब ढीली करनी पड़ेगी। लेकिन, डिजिटल गोल्ड में ऐसा नहीं है। आप चाहें तो 100 रुपये का भी डिजिटल गोल्ड खरीदकर निवेश कर सकते हैं।

टैक्स के मोर्चे पर भी ठीक

चार्टर्ड अकाउंटेंट मनीष कुमार सिन्हा सोने की कीमतों में हाल के वर्षों में आई जबरदस्त तेजी को भी एक प्रमुख कारण मानते हैं। उनके मुताबिक, पिछले साल सोने ने 70% से ज्यादा का रिटर्न दिया, जिससे खुदरा निवेशकों को खासा आकर्षित किया है। लेकिन, तरेश टैक्स के मोर्चे पर भी डिजिटल गोल्ड को बेहतरीन निवेश मानते हैं। तरेश का कहना है कि अगर आप एक गोल्ड कॉइन लेते हैं, तो कीमत पर 3% GST लगता है। मगर, गोल्ड ETF खरीदने पर या गोल्ड म्यूचुअल फंड में निवेश करने पर तुरंत किसी तरह का टैक्स नहीं भरना पड़ता है। हालांकि, तरेश आगाह करते हैं कि कोई तत्काल आयकर नहीं लगता, लेकिन फंड का एक्सपेंस रेश्यो लागू होता है और ETF में निवेशकों को ब्रोकरेज देना पड़ सकता है।

SGB भी बेहतर विकल्प

तरेश भाटिया सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड (SGB) में भी निवेश की सलाह देते हैं। उनके मुताबिक, SGB लेते वक्त टैक्स नहीं चुकाना पड़ता है। आमतौर पर ये सरकार जो कीमत तय करती है, उस पर जारी होते हैं और कभी-कभार ऑनलाइन खरीदारी पर ग्राहकों को 50 रुपये प्रति ग्राम तक की छूट मिल जाती है। लेकिन, मनीष का कहना है कि अगर आप 24 महीने से अधिक समय तक डिजिटल गोल्ड अपने पास रखते हैं तो यह लॉन्ग टर्म कैपिटल असेट बन जाता है। फिर इसे बेचने पर होने वाले मुनाफे को लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन (LTCG) माना जाता है। आपकी दूसरी इनकम चाहे कितनी भी हो, इस मुनाफे पर आपको 12.5% टैक्स चुकाना होता है। 24 महीने से कम में बेचने पर यह शॉर्ट टर्म असेट होता है और STCG आपकी कुल इनकम में जोड़ दिया जाता है। उस पर आपकी इनकम टैक्स स्लैब के हिसाब से टैक्स लगता है।

5 से 10% तक रखना सही

मनीष सुझाते हैं कि गोल्ड को 24 महीने बाद ही बेचना चाहिए। इससे टैक्स कम हो जाएगा और अगर रकम बड़ी है, तो आप कैपिटल गेन पर टैक्स छूट का दावा भी कर सकेंगे। लेकिन, तरेश का कहना है कि निवेशकों को अपने पोर्टफोलियो में गोल्ड इन्वेस्टमेंट का हिस्सा 5 से 10% तक रखना चाहिए। उनका मानना है कि यह महंगाई के समय सुरक्षा देता है। उन्होंने कहा कि कई बार देखा गया है कि आर्थिक अनिश्चितता के दौरान गोल्ड में निवेश पोर्टफोलियो को स्थिर बनाता है और संतुलन बरकरार रखने में मदद करता है। लेकिन, वह इसे मुख्य निवेश के रूप में देखना उचित नहीं कहते हैं।

कहते हैं एक्सपर्ट

ETF का ऑप्शन

डिजिटल गोल्ड आकर्षक है, लेकिन गोल्ड ETF और फंड ऑफ फंड ज्यादा सुरक्षित और रेगुलेटेड विकल्प हैं, जिनमें निवेशकों को समान लाभ मिल सकता है।
-पंकज मथपाल, MD & CEO, ऑप्टिमा मनी मैनेजर्स

सुरक्षा अहम

डिजिटल गोल्ड फिजिकल सोने से ज्यादा सुरक्षित है। चोरी या नुकसान का जोखिम नहीं रहता और निवेशक के नाम पर वास्तविक सोना सुरक्षित वॉल्ट में रखा जाता है।
-मनीष कुमार सिन्हा, CA

संतुलित निवेश

डिजिटल गोल्ड आसान, सस्ता और टैक्स के लिहाज से बेहतर विकल्प है। निवेशकों को अपने पोर्टफोलियो में 5-10% हिस्सा ही गोल्ड में रखना चाहिए।
-तरेश भाटिया, CFP

सोने-चांदी से एग्जिट करें या नहीं?

फिसलते जा रहे गोल्ड और सिल्वर, क्या करें निवेशक?

अखिलेश प्रताप सिंह
Akhilesh.Singh1@timesofindia.com

ऑलटाइम हाई के बाद गोल्ड-सिल्वर में तेज गिरावट ने निवेशकों को उलझन में डाल दिया है। सवाल है कि बने रहें, बेचें या गिरावट में नया निवेश करें।

इस साल जनवरी में ऑलटाइम हाई लेवल छूने के बाद गोल्ड करीब 15% गिर चुका है। चांदी भी उसी समय के अपने सबसे ऊंचे शिखर से करीब 40% नीचे आ चुकी है। गिरावट जारी है। ऐसे में सोने-चांदी से एग्जिट करना है, इसमें बने रहना है या और पैसा लगाना है, ऐसे कई सवाल उठ रहे हैं।

भारतीय बाजार में 29 जनवरी को चांदी 404500 रुपये प्रति किग्रा के लेवल पर चली गई थी। गोल्ड ने भी 183000 रुपये प्रति 10 ग्राम का ऑल टाइम हाई बनाया था। चांदी अब 240000 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ चुकी है, वहीं सोना 152000 रुपये पर है।

क्यों गिर रहा भाव?

ईरान पर अमेरिका और इस्राइल के हमले से वैश्विक अनिश्चितता और बढ़ गई है। फिर भाव नीचे क्यों आ रहे हैं?

- पश्चिम एशिया में युद्ध से क्रूड ऑयल और नैचरल गैस में उछाल आया। कच्चे तेल का भाव युद्ध शुरू होने के बाद से 50% और गैस का 30% उछल चुका है। इससे महंगाई बढ़ना तय है।
- अमेरिका के केंद्रीय बैंक यूएस फेड ने हालिया मीटिंग में महंगाई बढ़ने का डर जताया, साथ ही यह संकेत भी दिया कि आने वाले कुछ महीनों में भी रेट घटने का चांस नहीं बन रहा। इंग्लैंड, जापान सहित दूसरे देशों के केंद्रीय बैंकों का भी यही रुख है।
- यूएस फेड के कड़े रुख से अमेरिकी ट्रेजरी बॉन्ड्स पर यील्ड साढ़े 4 प्रतिशत के करीब पहुंच गया, जो इसका लगभग 7 महीनों का हाई लेवल है। जब इस तरह का ज्यादा और रिस्क फ्री रिटर्न का मौका बनने लगता है, तो बड़े निवेशक गोल्ड से पैसा निकालने लगते हैं और बॉन्ड्स की ओर मुड़ जाते हैं।
- डॉलर में मजबूती भी एक वजह है। तेल-गैस के दाम बढ़ने से डॉलर की डिमांड बढ़ी है। डॉलर इंडेक्स 100 के करीब पहुंच गया है। डॉलर में मजबूती से सोने की डिमांड प्रभावित होती है क्योंकि रुपये जैसी दूसरी करंसी में सोना खरीदना महंगा होने लगता है।
- चांदी औद्योगिक मांग के चलते बढ़ रही थी। डॉलर और इंफ्लेशन के पहलू ने इसको लपेटे में ले लिया।

LKP सिक्योरिटीज के VP जतीन त्रिवेदी ने कहा, 'सेंटिमेंट नरम है क्योंकि मैक्रो इंडिकेटर्स अनफेवरेबल हैं। इंटरेस्ट रेट ऊंचे स्तरों पर बने रहने के आसार हैं। क्रूड में भी तेजी है, जिससे इंफ्लेशन बढ़ने का डर है। इससे निकट भविष्य में गोल्ड के चढ़ने की गुंजाइश कम हो गई है।'

आगे क्या होगा?

कोटक सिक्योरिटीज के कमोडिटी एंड करंसी रिसर्च हेड अनिंद्य बनर्जी ने कहा, 'निकट भविष्य में गोल्ड में तेजी की गुंजाइश भले कम हो, लंबी अवधि के निवेशकों के लिए मौजूदा प्राइस लेवल्स अच्छे हैं। डी-डॉलराइजेशन, डी-ग्लोबलाइजेशन जैसे स्ट्रक्चरल फैक्टर बने हुए हैं, जिनसे गोल्ड-सिल्वर को सपोर्ट मिलेगा। एनर्जी प्राइसेज जिस तरह बढ़ रही हैं, उनसे वैश्विक स्तर पर ऊंची महंगाई, कम ग्रोथ का रिस्क है, जिसके चलते केंद्रीय बैंकों को महंगाई से निपटने के बजाय ग्रोथ को सहारा देने पर फोकस करना पड़ सकता है और वे ब्याज दरें घटाएंगे। यह बात गोल्ड और सिल्वर के हक में जाएगी।'

निवेश का मौका है?

पिछले साल इसी समय के आसपास गोल्ड ₹88500 पर था। अब 152000 पर है। पिछले साल चांदी 103000 प्रति किग्रा के करीब थी। अब भी 2 लाख 40 हजार पर है। कोटक सिक्योरिटीज के बनर्जी ने कहा, 'निवेशकों को शॉर्ट टर्म प्राइस मूवमेंट पर ध्यान देने के बजाय असेट अलोकेशन के हिसाब से खरीदारी करनी चाहिए। 3-4 साल के नजरिए के साथ खरीदारी करें। गोल्ड-सिल्वर में 20-25% तक हिस्सा रख सकते हैं। जितना निवेश करना हो, उसका करीब 30% हिस्सा सीधे खरीद में लगा सकते हैं। 50% हिस्से से SIP करें। 20% हिस्सा कैश में रखें, जो तेज गिरावट के समय निवेश के काम आ सके। जब तक एनर्जी क्राइसिस है, ऐसी गिरावट के दौर आते रहेंगे।'

ऑनलाइन ठगी में 50,000 रुपये तक डूबने पर यूं मिल सकता है ₹25,000 तक मुआवज़ा

राजेश मिश्र
Rajesh.Mishra@timesofindia.com

ऑनलाइन ठगी के बढ़ते मामलों के बीच रिजर्व बैंक (RBI) ने ग्राहकों को राहत देने के लिए नया प्रस्ताव पेश किया है। अब डिजिटल फ्रॉड में 50,000 रुपये तक के नुकसान पर आंशिक मुआवजा मिल सकेगा, जिससे पीड़ितों को आर्थिक सुरक्षा मिलेगी और डिजिटल लेन-देन पर भरोसा मजबूत होने की उम्मीद है।

ऑनलाइन ठगी का शिकार होने वालों के लिए RBI एक बड़ी राहत लेकर आया है। अगर ऑनलाइन बैंकिंग में धोखाधड़ी से 50,000 रुपये तक डूब जाते हैं, तो अब उसका मुआवजा मिल सकता है। भले ही गलती आपकी लापरवाही से हुई हो। RBI के प्रस्ताव के मुताबिक, ऐसे ग्राहकों को उनके कुल नुकसान का 85% या 25,000 रुपये (जो भी कम हो) वापस मिल सकते हैं। हालांकि, कोई ग्राहक पूरे जीवनकाल में इस सुविधा का लाभ एक बार ही उठा पाएगा। 5 दिन के भीतर रिपोर्ट करना जरूरी होगा। इन नियमों का मुख्य उद्देश्य इंटरनेट बैंकिंग, मोबाइल पेमेंट और कार्ड के जरिए होने वाले डिजिटल लेन-देन में ग्राहकों की सुरक्षा को बढ़ाना है। ये निर्देश 1 जुलाई 2026 से होने वाले इलेक्ट्रॉनिक बैंकिंग लेनदेन पर लागू होंगे।

क्या है प्रस्ताव?

आरबीआई के नए ड्राफ्ट नियमों के मुताबिक, अगर ऑनलाइन बैंकिंग में धोखाधड़ी (फ्रॉड) की वजह से आपके पैसे डूब जाते हैं, तो आपको इसका हर्जाना मिल सकता है। अगर आपका कुल नुकसान 50,000 रुपये तक का है, तो आपको उस रकम का 85% हिस्सा या 25,000 रुपये वापस मिल सकते हैं। इनमें से जो भी रकम कम होगी, वही आपको दी जाएगी। यह सुविधा किसी भी ग्राहक को उसकी पूरी जिंदगी में सिर्फ एक ही बार मिलेगी, बशर्ते बैंक आपकी धोखाधड़ी की शिकायत की जांच कर उसे सही पाए। अगर धोखाधड़ी बैंक की लापरवाही या किसी तीसरे पक्ष की गलती की वजह से होती है, तो ग्राहक की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी और उसे पूरा पैसा वापस मिलेगा। RBI के आंकड़ों के मुताबिक, धोखाधड़ी के करीब 65% मामले ऐसे होते हैं जिनमें डूबी हुई रकम 50,000 रुपये से कम होती है।

क्या करना होगा?

मुआवजा तभी मिलेगा जब बैंक की इंटरनल पॉलिसी के तहत साबित हो जाए कि नुकसान असली है। पीड़ित को फ्रॉड होने के 5 दिनों के भीतर बैंक और नैशनल साइबर क्राइम हेल्पलाइन (1930) में इसकी रिपोर्ट करनी होगी। शिकायत मिलने के बाद, बैंकों को उसकी जांच करनी होगी। जिम्मेदारी तय करनी होगी और 30 दिनों के भीतर ग्राहक को जवाब देना होगा।

कब मानी जाएगी लापरवाही?

बैंक की लापरवाही तब मानी जाएगी जब वह जरूरी सुरक्षा सिस्टम लगाने, ट्रांजैक्शन अलर्ट भेजने या फ्रॉड रिपोर्ट करने की सुविधा देने में फेल होगा। वहीं, ग्राहक की लापरवाही तब मानी जाएगी जब वह पिन (PIN), पासवर्ड या ओटीपी (OTP) जैसी जानकारियां दूसरों के साथ साझा करेगा या फ्रॉड की रिपोर्ट करने में देरी करेगा।

क्या है मुआवज़े का सिस्टम?

29,412 रुपये से कम के नुकसान पर 85% मुआवजा मिलना है। RBI 65% हिस्सा देगा। ग्राहक का बैंक और जिस बैंक में पैसा गया है, वे 10-10% देंगे। वहीं, ₹29,412 से 50,000 के बीच के नुकसान के लिए RBI 19,118 रुपये देगा। इसके अलावा दोनों बैंक 2,941-2,941 रुपये का योगदान देंगे।

कब तक चलेगा?

RBI का कहना है कि प्रस्तावित सिस्टम लागू होने की तारीख से एक साल तक चलेगा। फिर समीक्षा होगी। मकसद है कि धीरे-धीरे मुआवजे का पूरा बोझ बैंक उठाए और RBI का योगदान खत्म हो जाए। नियामक ने इस ड्राफ्ट पर 6 अप्रैल 2026 तक लोगों से सुझाव मांगे हैं।

मुख्य नियम समझें

- **अधिकतम मुआवजा:** 25,000 रुपये (या नुकसान का 85%, जो भी कम हो)।
- **नुकसान की सीमा:** 50,000 रुपये तक के फ्रॉड कवर होंगे।
- **सिर्फ एक बार:** यह सुविधा पूरे जीवनकाल में सिर्फ एक बार मिलेगी, हर साल नहीं।
- **सीमा क्यों :** ताकि ग्राहक हमेशा सतर्क रहें और बार-बार एक जैसी गलती करने से बचें।
- **रिपोर्टिंग टाइम:** फ्रॉड के 5 दिनों के भीतर।
- **बैंक की डेडलाइन:** शिकायत पर 30 दिनों में जवाब देना होगा।
- **लागू होने की तारीख:** 1 जुलाई 2026।
- **फ्रॉड का आंकड़ा:** 65% फ्रॉड 50,000 रुपये से कम के होते हैं।
- **हेल्पलाइन नंबर:** 1930 (नैशनल साइबर क्राइम हेल्पलाइन)।

क्या है मुआवज़े का गणित?

मुआवजा नुकसान के 85% या 25,000 रुपये, जो भी कम हो, उतना मिलेगा। जैसे ₹50,000 के नुकसान पर 25,000 रुपये मिलेंगे, जबकि 20,000 रुपये के नुकसान पर 17,000 रुपये (85%) पूरे वापस मिल जाएंगे।

आपके सभी फंड्स ग्रीन, तो भी रीबैलेंसिंग ज़रूरी!

सुरभि खन्ना
NBTwealth@timesofindia.com

म्यूचुअल फंड्स का सही मिश्रण चुनना और यह जानना कि कब री-बैलेंस करना है, लंबी अवधि में दौलत बनाने में अहम भूमिका निभा सकता है। सही असेट एलोकेशन, पोर्टफोलियो की समीक्षा और समय पर बदलाव बेहद जरूरी है।

ज्यादातर निवेशक म्यूचुअल फंड में पैसा लगाते समय अच्छे फंड चुनने पर ध्यान देते हैं, लेकिन असली समझदारी समय-समय पर पोर्टफोलियो की समीक्षा (रिव्यू) और संतुलन (रीबैलेंस) करने में है। सही समय पर बदलाव करने से लंबे समय में बेहतर रिटर्न और कम जोखिम दोनों हासिल किए जा सकते हैं। उदाहरण के लिए, निवेशक इरिन का पोर्टफोलियो फिलहाल अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। उनके पास HDFC Children's Fund, UTI Nifty 50 Index Fund, SBI Contra Fund और Canara Robeco Small Cap Fund जैसे फंड हैं और सभी में मुनाफा है। अब वह सोच रही है कि कहां प्रॉफिट बुक करें और कहां नए SIP शुरू करें।

मार्केट एक्सपर्ट हर्षवर्धन रूंगटा के अनुसार, इरिन ने लंपसम निवेश से अच्छा कॉर्पस बनाया है। उन्होंने बताया कि SIP और लंपसम के लिए अलग-अलग फोलियो की जरूरत नहीं होती, दोनों एक ही फंड में किए जा सकते हैं। पोर्टफोलियो की समीक्षा में सबसे बड़ी कमी मिडकैप एक्सपोजर की पाई गई। मौजूदा फंड अच्छे हैं, लेकिन संतुलन के लिए लार्जकैप, मिडकैप और स्मॉलकैप का सही अनुपात जरूरी है। इसी कारण सलाह दी गई कि Canara Robeco Small Cap Fund से धीरे-धीरे कुछ निवेश निकालकर मिडकैप या मल्टीकैप फंड में लगाया जा सकता है। यानी सिर्फ मुनाफा कमाना ही काफी नहीं, बल्कि पोर्टफोलियो का संतुलन बनाए रखना भी उतना ही जरूरी है। सही रीबैलेंसिंग से जोखिम घटता है और भविष्य में बेहतर रिटर्न की संभावना बढ़ती है।

(यहां कुछ फंड्स के नाम आर्टिकल को समझाने के लिए हैं। यह निवेश की सलाह नहीं है।)

SEBI ने हाल ही में पेश की है MF की नई कैटिगरी

लाइफसाइकल फंड आपके लिए सही है?

इस फंड की दिक्कतें क्या है?

- **फंड मैनेजर की मनमर्जी:** इस फंड में मैनेजर को पूरी छूट होती है कि वह शेयरों (इक्विटी) या बॉन्ड्स (डेट) के अंदर पैसा कहां और कैसे लगाए।
- **मुनाफे में कमी का डर:** शेयरों में निवेश समय के साथ अपने आप कम होता जाता है।
- **एक ही लाठी से सबको हांकना:** यह फंड एक तय फॉर्मूले पर चलता है। यह सबके लिए एक जैसा नियम लागू कर देता है।
- **बाजार के मौकों का फायदा नहीं:** फंड मैनेजर अपनी मर्जी से बदलाव करके उसका फायदा नहीं उठा सकता।

संकेत धनोरकर
Sanket.Dhanorkar
@timesofindia.com

लाइफसाइकल फंड निवेश को आसान बनाने का दावा करते हैं, जहां असेट एलोकेशन और जोखिम प्रबंधन अपने आप होता है। लेकिन यह सुविधा निवेशक की पसंद और लचीलापन भी सीमित कर सकती है। ऐसे में सवाल है कि क्या ये फंड वाकई स्मार्ट समाधान हैं या एक तय ढांचे में बंधा विकल्प।

SEBI ने म्यूचुअल फंड स्कीमों के क्लासिफिकेशन में बदलाव करते हुए हाल ही में एक नई कैटिगरी पेश की है- लाइफसाइकल फंड। इंडस्ट्री के जानकार और असेट मैनेजमेंट कंपनियां (AMC) इसे निवेश को आसान बनाने वाला कदम मान रही हैं, लेकिन यह सवाल भी उठ रहा है कि क्या ये फंड निवेशकों की जरूरतों को बेहतर तरीके से पूरा करेंगे या उनके विकल्प सीमित कर देंगे।

लाइफसाइकल फंड पारंपरिक म्यूचुअल फंड्स से अलग होते हैं। ये ओपन-एंडेड टारगेट-डेट फंड होते हैं, जिनकी एक तय मच्योरिटी डेट होती है। इनकी अवधि आमतौर पर 5 से 30 साल के बीच होती है, जो 5-5 साल के अंतराल में तय की जाती है।

खुद एडजस्ट होता है

इन फंड्स की सबसे खास बात यह है कि इनमें निवेश का बंटवारा (असेट एलोकेशन) समय के साथ अपने आप बदलता रहता है। जैसे-जैसे मच्योरिटी नजदीक आती है, यह फंड धीरे-धीरे इक्विटी से पैसा निकालकर ज्यादा सुरक्षित विकल्पों, जैसे डेट इंस्ट्रूमेंट्स में शिफ्ट करता है। इसे 'ग्लाइड पाथ' कहा जाता है। उदाहरण के तौर पर, अगर फंड की बची अवधि 15 साल से ज्यादा है, तो इसमें 65-95% तक इक्विटी हो सकती है। जैसे ही यह अवधि घटकर 10-15 साल होती है, इक्विटी एक्सपोजर 65-80% रह जाता है। इसी तरह, 5-10 साल की बची अवधि में इक्विटी 50-65% तक सीमित हो जाती है। 3-5 साल और 1-3 साल के दौरान यह क्रमशः 35-50% और 20-35% तक आ जाती है। जब मच्योरिटी में एक साल से कम समय बचता है, तो इक्विटी एक्सपोजर घटकर 5-20% रह जाता है। इस तरह यह फंड समय के साथ जोखिम कम करते हुए निवेश को लक्ष्य के करीब सुरक्षित बनाने की कोशिश करता है।

पारंपरिक म्यूचुअल फंड्स से कितना अलग?

लाइफसाइकल फंड पारंपरिक सॉल्यूशन-ओरिएंटेड म्यूचुअल फंड्स से अलग है, जो एक स्थिर (स्टैटिक) असेट एलोकेशन अपनाते हैं। इस फंड का ग्लाइड-पाथ मैकेनिज्म निवेशकों को तय समय में लक्ष्यों को पाने में मदद करने के लिए बनाया गया है। यह इंसानी भावनाओं को हटाता है, जो गलत फैसलों की वजह बनते हैं। Wealthy.in के को-फाउंडर आदित्य अग्रवाल कहते हैं, 'पोर्टफोलियो रीबैलेंसिंग को ऑटोमेट करके और धीरे-धीरे जोखिम कम करके यह फंड उतार-चढ़ाव के समय भावनात्मक फैसलों के असर को कम करने में मदद करता है।'

'ग्लाइड पाथ' को समझें: लाइफसाइकल फंड का सबसे बड़ा फायदा यह है कि जैसे-जैसे आपके लक्ष्य (जैसे रिटायरमेंट या बच्चों की शादी) का समय नजदीक आता है, यह फंड अपने आप आपके जोखिम को कम करता जाता है। इसे 'ग्लाइड पाथ' (Glide Path) कहते हैं।

कुछ हद तक टैक्स समस्या का भी समाधान

लाइफसाइकल फंड रीबैलेंसिंग से जुड़े टैक्स की समस्या को आसान बनाते हैं। जब निवेशक खुद इक्विटी से डेट में शिफ्ट करते हैं, तो कैपिटल गेन टैक्स देना पड़ता है, लेकिन इन फंड्स में रीबैलेंसिंग अंदर ही होती है, इसलिए टैक्स मच्योरिटी पर ही लगता है। इससे लंबे समय में कंपाउंडिंग का फायदा बढ़ता है। हालांकि, 1 साल, 2 साल और 3 साल के अंदर एग्जिट पर क्रमशः 3%, 2% और 1% तक एग्जिट लोड लगता है।

इसमें क्या बेहतर है?

- **तय समय की बचत:** लाइफसाइकल फंड निवेश को आसान और व्यवस्थित बनाने के लिहाज से कई मायनों में बेहतर माने जाते हैं। सबसे पहले, यह फंड एक तय मच्योरिटी डेट के साथ आते हैं, जैसे 10, 20 या 30 साल, जिससे निवेशक को साफ पता रहता है कि उसका लक्ष्य कब पूरा होगा। इससे प्लानिंग करना आसान हो जाता है और निवेश एक निश्चित दिशा में चलता है।
- **ऑटोमैटिक मैनेजमेंट:** इनकी दूसरी बड़ी खासियत ऑटोमैटिक मैनेजमेंट है। जैसे-जैसे मच्योरिटी की तारीख करीब आती है, फंड अपने आप निवेश को इक्विटी से हटाकर सुरक्षित विकल्पों, जैसे डेट इंस्ट्रूमेंट्स में शिफ्ट कर देता है। इससे निवेशक को बार-बार पोर्टफोलियो देखने या बदलाव करने की जरूरत नहीं पड़ती।
- **इमोशन-फ्री इन्वेस्टिंग:** अक्सर निवेशक डर या लालच में गलत फैसले ले लेते हैं, लेकिन यह फंड एक तय रणनीति पर चलता है, जिससे ऐसे भावनात्मक निर्णयों का असर कम हो जाता है। यह उम्र, लाइफ स्टेज के हिसाब से जोखिम को कम करता है।
- **टारगेट बेस्ड प्लानिंग:** कोई खास लक्ष्य है (जैसे बच्चों की पढ़ाई), तो यह उसे निश्चित समय सीमा में पूरा करने में मदद करता है।
- **बड़ा टैक्स फायदा:** सबसे बड़ी खूबी यह है कि फंड के अंदर जब पैसा एक जगह से दूसरी जगह (जैसे शेयर से बॉन्ड में) शिफ्ट होता है, तो उस पर कोई टैक्स नहीं लगता। आपको टैक्स सिर्फ अंत में मच्योरिटी पर देना होता है, जिससे आपका पैसा ज्यादा तेजी से बढ़ता है।

किसे इसमें निवेश करना चाहिए?

लाइफसाइकल फंड का मुख्य उद्देश्य ज्यादा रिटर्न कमाना नहीं, बल्कि निवेश लक्ष्य को सुरक्षित करना है। जो निवेशक ज्यादा निश्चित परिणाम चाहते हैं, जिनके पास सलाहकार की मदद नहीं है या जो व्यवहारिक गलतियां करते हैं, उनके लिए यह फायदेमंद है। वहीं, जो निवेशक असेट एलोकेशन पर ज्यादा नियंत्रण चाहते हैं, लंबे समय तक ज्यादा इक्विटी में रहना चाहते हैं या बाजार के हिसाब से बदलाव करना चाहते हैं, उनके लिए पारंपरिक इक्विटी या हाइब्रिड फंड ज्यादा उपयुक्त हो सकते हैं।

जोखिम खत्म न समझें

लाइफसाइकल फंड असेट एलोकेशन को अपने आप एडजस्ट करता है, लेकिन यह जोखिम मुक्त नहीं है। यानी कुछ सवाल अभी भी बने हुए हैं।

- लाइफसाइकल फंड को अलग-अलग सेगमेंट के अंदर निवेश करने में काफी आजादी मिलती है। यानी फंड मैनेजर इक्विटी हिस्से में लार्ज-कैप पर ज्यादा ध्यान दे सकता है या मिड और स्मॉल कैप में ज्यादा निवेश कर सकता है। इसी तरह, बॉन्ड हिस्से में भी अवधि (ड्यूरेशन) के जोखिम की कोई तय सीमा नहीं है। टोनवड़ी कहते हैं, 'स्पष्ट आंतरिक एलोकेशन नियमों की कमी AMC को पूरी तरह से खुली छूट देती है। 20-30 साल के निवेश वाले प्रोडक्ट के लिए यह एक गंभीर चिंता है।'
- ग्लाइड पाथ मैकेनिज्म लंबी अवधि में वेल्थ क्रिएशन को सीमित कर सकता है। अगर इक्विटी एक्सपोजर जल्दी कम कर दिया जाता है, तो बाद के वर्षों में बाजार के अच्छे प्रदर्शन का पूरा फायदा नहीं मिल पाता। Finnovate के को-फाउंडर नेहल मोटा के अनुसार, 'असल में, ज्यादातर वेल्थ क्रिएशन बाद के वर्षों में होता है, जब कंपाउंडिंग का असर सबसे ज्यादा होता है। ऐसे में बाद के समय में इक्विटी से बाहर निकलने से यह फायदा खत्म हो जाता है।' Systematic Withdrawal Plan (SWP) जैसी व्यवस्था धीरे-धीरे निकासी के लिए बेहतर मानी जाती है, जिसमें कुछ हिस्सा निवेशित रहता है और निवेशक धीरे-धीरे पैसा निकालता है।
- फॉर्मूला पर आधारित एलोकेशन लाइफसाइकल फंड को काफी कठोर (रिजिड) बना सकता है। मोटा के अनुसार, 'लाइफसाइकल फंड एक रेडीमेड प्रोडक्ट है, जो लोगों की जोखिम लेने की क्षमता और जोखिम उठाने की इच्छा के बीच के फर्क को नहीं समझता। उदाहरण के लिए, 40 साल के दो लोगों का लक्ष्य अगर 10 साल दूर है, तो उनकी जोखिम क्षमता अलग हो सकती है, लेकिन लाइफसाइकल फंड उन्हें एक जैसा ही मानेगा।'
- तय ग्लाइड पाथ फंड को बाजार में आने वाले अस्थायी मौकों का फायदा उठाने नहीं देता। जबकि वित्तीय सलाहकार लंबे समय से इसी तरह की रणनीति अपनाते आ रहे हैं, जिसमें लक्ष्य नजदीक आने पर समय-समय पर पोर्टफोलियो रीबैलेंसिंग और SWP का इस्तेमाल किया जाता है। अग्रवाल कहते हैं, 'मुख्य अंतर लचीलापन है। लाइफसाइकल फंड एक तय ग्लाइड पाथ का पालन करते हैं, जो बाजार की स्थिति के बावजूद लागू रहता है। वहीं सलाहकार बाजार के वैल्यूएशन या चक्र के हिसाब से इक्विटी कम करने का समय और गति बदल सकते हैं।'

SMART STATS

1 Top 5 SIPs

Top 5 equity schemes based on 10-year SIP returns

Scheme	Return
Quant Small Cap Fund(G)	21.53
Nippon India ETF Nifty PSU Bank BeES	19.87
Kotak Nifty PSU Bank ETF	19.83
ICICI Pru Infrastructure Fund(G)	19.78
Nippon India Small Cap Fund(G)	19.71

18 March 2016 to 18 March 2026 — % ANNUALISED RETURNS As on: 19 March 2026

2 Top 5 SWPs

Top 5 conservative hybrid scheme based on 3-year return

Scheme	Return
Parag Parikh Conservative Hybrid Fund-Reg(G)	11.42
ICICI Pru Regular Savings Fund-Reg(G)	9.92
SBI Conservative Hybrid Fund-Reg(G)	9.74
DSP Regular Savings Fund-Reg(G)	9.69
Kotak Debt Hybrid Fund(G)	9.55

SWP: SYSTEMATIC WITHDRAWAL PLAN — % ANNUALISED RETURNS AS ON 19 March 2026

किसका, कैसा रिटर्न?

यहां अलग-अलग कैटिगरी में रिटर्न के आधार पर अधिक रिटर्न देने वाले टॉप 5 और कम रिटर्न वाले फिसड्डी 5 फंड्स की सूची है, ताकि निवेशक समझ सकें कि किन फंड्स का कैसा प्रदर्शन रहा है।

Equity: Large Cap 3-year returns

अव्वल		फिसड्डी	
Nippon India Large Cap Fund(G)	17.63	PGIM India Large Cap Fund(G)	10.05
DSP Large Cap Fund-Reg(G)	16.76	LIC MF Large Cap Fund-Reg(G)	10.88
ICICI Pru Large Cap Fund(G)	16.67	UTI Large Cap Fund-Reg(G)	11.63
WOC Large Cap Fund-Reg(G)	16.57	Sundaram Large Cap Fund-Reg(G)	11.66
Bandhan Large Cap Fund-Reg(G)	16.39	Axis Large Cap Fund-Reg(G)	11.87

Equity: Flexi Cap 3-year returns

अव्वल		फिसड्डी	
Bank of India Flexi Cap Fund-Reg(G)	21.11	Samco Flexi Cap Fund-Reg(G)	1.40
HDFC Flexi Cap Fund(G)	20.12	UTI Flexi Cap Fund-Reg(G)	9.18
Motilal Oswal Flexi Cap Fund-Reg(G)	20.03	Shriram Flexi Cap Fund-Reg(G)	9.93
ITI Flexi Cap Fund-Reg(G)	19.96	PGIM India Flexi Cap Fund-Reg(G)	12.01
Invesco India Flexi Cap Fund-Reg(G)	18.74	SBI Flexicap Fund-Reg(G)	12.27

Equity: Mid Cap 3-year returns

अव्वल		फिसड्डी	
Invesco India Midcap Fund-Reg(G)	25.50	PGIM India Midcap Fund-Reg(G)	12.68
Nippon India Growth Mid Cap	25.17	Taurus Mid Cap Fund-Reg(G)	14.75
WOC Mid Cap Fund-Reg(G)	25.13	Quant Mid Cap Fund(G)	15.37
ICICI Pru Midcap Fund(G)	24.61	SBI Midcap Fund-Reg(G)	15.85
Edelweiss Mid Cap Fund-Reg(G)	24.51	UTI Mid Cap Fund-Reg(G)	16.61

Equity: Small Cap 3-year returns

अव्वल		फिसड्डी	
Bandhan Small Cap Fund-Reg(G)	28.39	Tata Small Cap Fund-Reg(G)	11.45
ITI Small Cap Fund-Reg(G)	23.08	SBI Small Cap Fund-Reg(G)	12.42
Invesco India Smallcap Fund-Reg(G)	22.99	PGIM India Small Cap Fund-Reg(G)	13.60
Mahindra Manulife Small Cap	22.35	Kotak Small Cap Fund(G)	13.71
Nippon India Small Cap Fund(G)	19.65	ICICI Pru Smallcap Fund(G)	14.67

Hybrid: Aggressive 3-year returns

अव्वल		फिसड्डी	
BOI Mid & Small Cap Equity & Debt	18.30	PGIM India Aggressive Hybrid Equity	9.83
ICICI Pru Equity & Debt Fund(G)	18.14	HDFC Hybrid Equity Fund(G)	10.12
JM Aggressive Hybrid Fund-Reg(G)	16.07	HDFC Hybrid Equity (Adjusted)	10.12
Bandhan Aggressive Hybrid Fund	15.65	Tata Aggressive Hybrid Fund	10.44
UTI Aggressive Hybrid Fund-Reg(G)	15.62	Groww Aggressive Hybrid Fund	10.82

ANNUALISED RETURNS IN %, As on: 19 March 2026

पश्चिम एशिया की टेंशन के बीच किधर जा रहा शेयर बाज़ार?

विशेषज्ञों के मुताबिक, लोअर बॉटम बनाने की राह पर निफ्टी

अखिलेश प्रताप सिंह
Akhilesh.Singh1
@timesofindia.com

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और कच्चे तेल की कीमतों में उछाल ने शेयर बाजार की चाल को अनिश्चित बना दिया है। विशेषज्ञों का मानना है कि निकट भविष्य में अभी वोलैटिलिटी बनी रह सकती है।

पश्चिम एशिया में तेल-गैस के अहम ठिकानों पर हमले के चलते कच्चे तेल में उछाल ने मार्केट को नर्वस कर दिया है। पिछले हफ्ते तीन दिनों से चल रही बढ़त के बाद गुरुवार को सेंसेक्स और निफ्टी 3% से ज्यादा गिर गए। यह करीब दो साल में किसी एक दिन में आई सबसे बड़ी गिरावट रही। शुक्रवार को कुछ बढ़त दिखी, लेकिन बाजार साप्ताहिक गिरावट के साथ बंद हुआ। विशेषज्ञों का कहना है कि इस सप्ताह भी भू-राजनीतिक तनाव और क्रूड ऑयल का मामला अहम रहेगा। उनका कहना है कि मौजूदा गिरावट में लंबी अवधि के निवेश के लिए सोच-समझकर दांव लगाया जा सकता है।

शुक्रवार को निफ्टी 112 पॉइंट चढ़कर 23114 पर बंद हुआ था। हालांकि इसने 0.16% की साप्ताहिक गिरावट दर्ज की। वहीं, इंडिया VIX 22 से ऊपर रहने से अनिश्चितता ज्यादा होने का संकेत मिल रहा है। अब नए सप्ताह में पश्चिम एशिया के घटनाक्रम के अलावा भारत और अमेरिका में PMI से जुड़े डेटा, जापान और ब्रिटेन में महंगाई के आंकड़े, यूएस फेडरल रिजर्व के चेयरमैन जेरोम पावेल की कमेंट्री पर भी बाजार की नजर रहेगी।

जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के रिसर्च हेड विनोद नायर ने कहा, "तनाव घटने के संकेतों, ऑयल एंड गैस इंफ्रास्ट्रक्चर पर हमलों को लेकर संयम की बातों से कुछ स्थिरता दिखी, लेकिन ओवरऑल सेंटिमेंट सतर्कता वाला ही है।'

SAMCO सिक्योरिटीज के डेरिवेटिव्स रिसर्च एनालिस्ट धूपेश धमेजा ने कहा, निफ्टी का टेक्निकल स्ट्रक्चर कमजोर है। 23400-23600 का अनफिल्ड गैप मजबूत रेजिस्टेंस बना हुआ है, जिससे ऊपर जाना मुश्किल है। जब तक इंडेक्स इससे ऊपर नहीं निकलता, तब तक बिकवाली का दबाव रहेगा।

क्या है आसार?

HDFC सिक्योरिटीज के सीनियर टेक्निकल रिसर्च एनालिस्ट विनय रजनी ने कहा, "टेक्निकली निफ्टी के डेली चार्ट पर दोजी कैंडलस्टिक बनाने से एक बुलिश रिवर्सल का संकेत मिल रहा है। हालांकि इसके लिए इंडेक्स को 22930 के हालिया सपोर्ट लेवल से ऊपर रहना होगा। आने वाले दिनों के लिए ऊपर की ओर 23378 और 23868 पर रेजिस्टेंस दिख रहा है।'

क्या करें निवेशक?

HDFC सिक्योरिटीज के सीनियर टेक्निकल रिसर्च एनालिस्ट नागराज शेट्टी ने कहा, "डेली चार्ट पर लोअर टॉप और बॉटम का बेयरिश पैटर्न बना हुआ है। निफ्टी इस पैटर्न का नया लोअर बॉटम बनाने की राह पर है। फिलहाल ट्रेंड कमजोरी का है और कोई भी उछाल बिकवाली का मौका बन सकता है। 22900 अंकों से नीचे जाने पर निकट भविष्य में निफ्टी 22500 की ओर जा सकता है। वहीं, 23380 पर रेजिस्टेंस दिख रहा है।'

मार्केट आग का दरिया तो है, लेकिन इसमें डूब जाना ज़रूरी भी तो नहीं

रमेश तिवारी
Ramesh.Tiwari
@timesofindia.com

मार्केट की गिरावट अक्सर निवेशकों को डराकर गलत फैसले लेने पर मजबूर कर देती है, लेकिन यही समय समझदारी दिखाने का होता है। बिना रणनीति के निवेश या घबराहट में निकासी दोनों नुकसानदेह हैं। सही संतुलन, धैर्य और प्लानिंग से ही सुरक्षित राह बनाई जा सकती है।

जब स्टॉक मार्केट धड़ाम हो रहा हो तो कोई सलाह दे सकता है कि यही खरीदारी का गोल्डन मौका है। कई लोग इस सलाह के बाद एकमुश्त बड़ी रकम निवेश कर देते हैं। सोशल मीडिया पर कोई डरा भी सकता है। वो कहेगा- देखा, कहता था ना कि ये सब जुआ है। इसे सुन कोई घाटे में भी निवेश बेचकर निकल जाए। पता नहीं क्यों, स्टॉक मार्केट में गिरावट आते ही सबसे पहले उसी पैसे को निकालने की जरूरत महसूस होती है, जो बाजार में लगा हो। जिसका नुकसान हुआ, वो इसे खुद तक सीमित नहीं रखता। वो सैकड़ों और लोगों को बताएगा कि शेयर बाजार बहुत बुरी चीज है। इन्हीं कारणों से स्टॉक मार्केट की पहुंच देश की बड़ी आबादी तक नहीं पहुंच पाई।

कोविड काल के बाद निवेशकों की चाल बदली है। उन लोगों की कमी नहीं, जिन्हें लगता है कि बाजार में बस बने रहना है, लॉन्ग टर्म में अच्छे रिटर्न की गारंटी मिल जाएगी। हालांकि इतिहास में दिखा है कि लंबी अवधि में बाजार ऊपर जरूर जाता है, लेकिन इसकी गारंटी नहीं। यही वजह है कि आम आदमी के लिए जितना जरूरी SIP के जरिये धीरे-धीरे निवेश करना है, उतना ही जरूरी उस निवेश से धीरे-धीरे निकलना भी है। अगर लक्ष्य के करीब कोई बड़ी गिरावट आए तो सारा मुनाफा खत्म हो सकता है।

समय-समय पर अपने पोर्टफोलियो की जांच करें और उसे लक्ष्य के हिसाब से बदलना जरूरी है। लक्ष्य करीब आने से काफी पहले से थोड़ी-थोड़ी मात्रा में अपना पैसा इक्विटी से हटाकर एफडी या डेट फंड में लगाने की जरूरत होती है। वैसे, एफडी को कुछ समय से बहुत बोरिंग बताया जाने लगा था। फिनफ्लुएंसर ये बताने लगे कि पैसा कहीं भी जमा कर लेना, लेकिन फिक्स्ड डिपॉजिट मत करना। ये ठीक है कि आज निवेश के ढेर सारे ऑप्शन हैं। स्टॉक्स, क्रिप्टो, फ्यूचर एंड ऑप्शंस, रियल एस्टेट और गोल्ड। टैक्स के बाद एफडी का रिटर्न काफी कम रह जाता है। लेकिन रिटर्न कितना भी कम रहे, पूरे पोर्टफोलियो में एफडी की मौजूदगी जरूरी है। ये

इतिहास गवाह है कि बाजार का रिटर्न अनिश्चित होता है। इक्विटी का जोखिम कम करने के लिए इसे समय देना बहुत जरूरी है, इसीलिए इसे लंबी अवधि के लिए कहा जाता है। लक्ष्य बहुत दूर हो तो भी इक्विटी में अपना सारा पैसा लगाना गलती हो सकती है।

सेफ है और इसके वापस मिलने की गारंटी है। किसी निवेश पर कितना रिटर्न मिल रहा है, ये अहम है। इमरजेंसी में इसे ही सबसे पहले हासिल किया जा सकता है।

एक तरफ कहा जाता है कि महंगाई को मात देने के लिए इक्विटी में निवेश करना जरूरी है, दूसरी तरफ इसमें गारंटी नहीं है। फिर आम इंसान क्या करे? आम इंसान को ये समझना है कि निवेश तो करना है, लेकिन आंख बंद करके नहीं। नदियों में बाढ़ देखकर इंसान ने नदी पार करना नहीं छोड़ा। पुल बनाने की तकनीक निकाली। इसी तरह हमें जोखिम कम करने की जरूरत होती है। साथ ही ये समझना पड़ता है कि रिस्क फिर भी है, इसलिए उतना ही पैसा लगाना चाहिए जिसे डूबने पर दर्द न हो। कई निवेशक बाजार के टॉप और बॉटम का इंतजार करते हैं। वो इस बात को पचा नहीं पाते हैं कि सटीक टॉप और बॉटम पकड़ना असंभव है। इसके बजाय निवेश में विविधता पर ध्यान देना ज्यादा फायदेमंद होता है। क्या बाजार में घुसने या निकलने का ये सही समय होगा, ज्यादातर लोगों के सवाल यही होते हैं। किसी एक समय को ध्यान में रखकर निवेश नहीं किया जा सकता। बाजार में गिरावट देखकर बहुत से लोग SIP बंद कर देते हैं। नई ऊंचाई छूने पर SIP चालू कर देते हैं। यह लंबी अवधि में वेल्थ बनाने में मदद नहीं करेगा। स्टडी किए बिना पैसा लगाना भी बड़ी भूल है। एक अच्छे वित्तीय सलाहकार की जरूरत हमेशा से रही है। जो लोग खुद स्टडी कर इन्वेस्ट करते हैं, गिरावट के वक्त उनके SIP बंद करने की शंका ज्यादा होती है। अगर कंपनी के फंडामेंटल्स को समझना मुश्किल है तो सीधे स्टॉक खरीदने की जगह सही कैटिगरी के म्यूचुअल फंड की सहायता ली जा सकती है।

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 23-03-2026 Zone: NBTWealth Edition: 1 Page: NBTWD4 User: cci Time: 03-21-2026 21:54 Color:

अस्पताल की गलती भी बन सकती है रोड़ा

हेल्थ इंश्योरेंस क्लेम क्यों होता है रिजेक्ट?

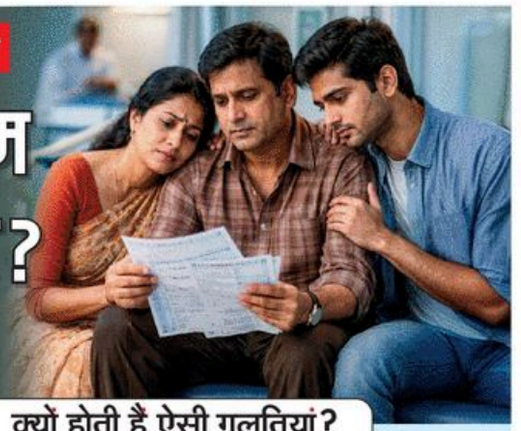

हेल्थ इंश्योरेंस क्लेम हमेशा आपकी गलती से रिजेक्ट नहीं होता। कई बार यह अस्पताल की एक छोटी-सी गलती का नतीजा होता है। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि आप कुछ नहीं कर सकते। सही दस्तावेज, डॉक्टर का प्रमाण और लगातार प्रयास से आप अपना क्लेम वापस पा सकते हैं।

प्रीति कुलकर्णी
Preeti.Kulkarni
@timesofindia.com

कई बार सब कुछ सही होने पर भी क्लेम अटक जाता है। क्योंकि कई मामलों में इसकी वजह मरीज की गलती नहीं, अस्पताल के रेकॉर्ड में हुई गलती होती है।

डिस्चार्ज समरी को ध्यान से पढ़ें और सुनिश्चित करें कि सभी बीमारियां सही लिखी गई हैं।

हेल्थ इंश्योरेंस आज के समय में हर परिवार की जरूरत बन चुका है। लोग इस भरोसे के साथ पॉलिसी लेते हैं कि बीमारी या इमरजेंसी के समय आर्थिक बोझ कम हो जाएगा। लेकिन कई बार ऐसा होता है कि सब कुछ सही होने के बावजूद क्लेम रिजेक्ट हो जाता है। हैरानी की बात यह है कि कई मामलों में इसकी वजह मरीज की गलती नहीं, बल्कि अस्पताल के रेकॉर्ड में हुई छोटी-सी गलती होती है।

मुंबई के पार्थ नागदा के मामले से इस समस्या को समझा जा सकता है। साल 2025 में पार्थ के पिता को दिल की बीमारी होने पर अस्पताल में भर्ती कराया गया। परिवार को पूरा भरोसा था कि उनका फैमिली फ्लोटर प्लान खर्च कवर कर लेगा लेकिन क्लेम रिजेक्ट हो गया। कारण बताया गया कि मरीज ने 'क्रॉनिक किडनी डिजीज' यानी लंबे समय से किडनी की बीमारी की जानकारी पहले नहीं दी थी।

असल में उनके पिता को पहले किडनी की कोई गंभीर बीमारी नहीं थी। भर्ती होने के दौरान डॉक्टर ने केवल क्रिएटिनिन लेवल ज्यादा पाया और शक के तौर पर 'CKD?' लिखा था। लेकिन अस्पताल की डिस्चार्ज समरी में इसे पक्की बीमारी के रूप में दर्ज कर दिया गया। यही गलती क्लेम रिजेक्शन की वजह बन गई।

काफी प्रयास, डॉक्टर के स्पष्टीकरण पत्र और सोशल मीडिया पर मामला उठाने के बाद इंश्योरेंस कंपनी ने क्लेम दोबारा खोला। यहां तक कि डॉक्टर से नोटराइज्ड लेटर (नोटरी द्वारा प्रमाणित पत्र) भी लिया गया, तब जाकर क्लेम पास हुआ।

दिल्ली के मनीष श्रीवास्तव को भी ऐसी ही परेशानी का सामना करना पड़ा। उनकी पत्नी को घुटने में सूजन और बुखार के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया था। दिल्ली में इलाज हुआ और क्लेम भी मिल गया। लेकिन जब आगे इलाज के लिए लखनऊ में क्लेम किया गया, तो उसे रिजेक्ट कर दिया गया।

कारण यह था कि दिल्ली अस्पताल की डिस्चार्ज समरी में 'HTN' लिखा था, जिसका मतलब हाइपरटेंशन (उच्च रक्तचाप) होता है। जबकि उनकी पत्नी को कभी यह समस्या थी ही नहीं। इंश्योरेंस कंपनी ने इसे प्री-एक्जिस्टिंग डिजीज यानी पहले से मौजूद बीमारी मान लिया और क्लेम खारिज कर दिया।

क्यों होती हैं ऐसी गलतियां?

- इंश्योरेंस कंपनियां क्लेम पास करते समय अस्पताल के डॉक्यूमेंट पर पूरी तरह निर्भर रहती हैं। अगर मेडिकल रेकॉर्ड में कोई बीमारी दर्ज है, तो उसे सही मान लिया जाता है।
- समस्या यह है कि अस्पतालों में काम का दबाव ज्यादा होता है और डॉक्टरों से कभी-कभी एंट्री में गलती हो जाती है। कई बार शक वाली बीमारी को पक्की बीमारी की तरह लिख दिया जाता है या मरीज की मेडिकल हिस्ट्री गलत दर्ज हो जाती है।
- इसके अलावा, मरीज और उनके परिजन अक्सर मेडिकल डॉक्यूमेंट को ध्यान से पढ़ते नहीं हैं। कठिन भाषा और तकनीकी शब्दों के कारण वे समझ नहीं पाते कि क्या लिखा है। यही लापरवाही बाद में बड़ी समस्या बन जाती है।

कौन-सी गलतियां असर डालती हैं?

अस्पताल के रेकॉर्ड की कई गलतियां क्लेम को प्रभावित करती हैं।

- टाइपिंग की साधारण गलती भी बड़ा असर डाल सकती है। उदाहरण के लिए, किसी बीमारी की अवधि गलत लिख दी जाए तो उसे पुरानी बीमारी मान लिया जाता है।
- कई बार डॉक्टर शक वाली बीमारी को कन्फर्म के रूप में लिख देते हैं, जबकि जांच पूरी नहीं हुई होती।
- कभी-कभी मरीज की हिस्ट्री में ऐसी बीमारी जोड़ दी जाती है जो उसे कभी थी ही नहीं।
- कुछ मामलों में बीमारी की अवधि बढ़ाकर लिख दी जाती है, जैसे 2 की जगह 6 साल। इससे कंपनी इसे प्री-एक्जिस्टिंग डिजीज मान लेती है।

पॉलिसी लेते समय सही जानकारी दें

- पॉलिसी लेते समय सभी बीमारियों की सही जानकारी देना जरूरी है।
- अगर आप जानकारी छिपाते हैं, तो भविष्य में वही चीज क्लेम रिजेक्शन का कारण बन सकती है।
- अस्पताल में हर दस्तावेज ध्यान से पढ़ना, समझना जरूरी है।

प्री-एक्जिस्टिंग डिजीज समझें

प्री-एक्जिस्टिंग डिजीज का मतलब है ऐसी बीमारी जो पॉलिसी लेने से पहले से मौजूद हो। अगर आपने पॉलिसी लेते समय किसी बीमारी की जानकारी नहीं दी और बाद में वह रेकॉर्ड में आ जाती है, तो इंश्योरेंस कंपनी इसे जानकारी छिपाना मानती है। यही वजह है कि अस्पताल की गलत एंट्री भी कई बार 'जानकारी छिपाने' के रूप में देखी जाती है और क्लेम रिजेक्ट हो जाता है।

भर्ती होते समय क्या करें?

- मरीज भर्ती हो, तो डॉक्टर की बनाई शुरुआती रिपोर्ट जरूर देखें। इसमें मरीज की स्थिति और हिस्ट्री होती है।
- कोई गलत जानकारी दिखे, तो तुरंत सुधार कराएं।
- मरीज के सभी पुराने मेडिकल रेकॉर्ड, टेस्ट रिपोर्ट और प्रिस्क्रिप्शन अपने साथ रखें और डॉक्टर को दिखाएं।
- मरीज बोलने की स्थिति में है, तो वह खुद डॉक्टर को अपनी मेडिकल हिस्ट्री बताएं।

डिस्चार्ज के समय क्या देखें?

- ध्यान रखें कि डिस्चार्ज समरी सबसे महत्वपूर्ण दस्तावेज होती है, क्योंकि इंश्योरेंस कंपनी उसी के आधार पर फैसला लेती है।
- इसे ध्यान से पढ़ें और सुनिश्चित करें कि सभी बीमारियां सही लिखी गई हैं।
- अगर कोई शब्द समझ में न आए, तो डॉक्टर या अस्पताल स्टाफ से तुरंत पूछें।
- कहीं, कोई भी गलत जानकारी पता चलने पर उसी समय उसे ठीक करवाएं। बाद में सुधार करवाना मुश्किल हो सकता है।

क्लेम रिजेक्ट हो जाए तो?

क्लेम गलत वजह से रिजेक्ट हो तो डॉक्टर से क्लैरिफिकेशन लेटर या करेक्शन लेटर लें, जिसमें साफ लिखा हो कि पहले की एंट्री गलत थी। इस पत्र के साथ क्लेम दोबारा सबमिट करें। कुछ मामलों में इंश्योरेंस कंपनी नोटराइज्ड लेटर मांग सकती है। फिर भी क्लेम पास नहीं होता, तो कंपनी के शिकायत निवारण विभाग में लिखित शिकायत करें।

कहां करें शिकायत?

आप इंश्योरेंस ओम्बड्समैन (बीमा लोकपाल) के पास जा सकते हैं। यह संस्था बीमा से जुड़े विवादों को सुलझाती है। इसके अलावा, आप उपभोक्ता अदालत का भी सहारा ले सकते हैं।

रेकॉर्ड रखना जरूरी

मेडिकल हिस्ट्री को रखना जरूरी है। डायग्नोस्टिक लैब्स की वेबसाइट और ऐप पर पुराने टेस्ट रिपोर्ट सेव रहते हैं। अगर डॉक्टर गलत बीमारी लिख देता है, तो आप अपने पुराने रिपोर्ट दिखाकर उसे गलत साबित कर सकते हैं।

सैलरी और पर्क्स की इनकम पर छूट न्यू रेजीम में मिलती है?

टैक्स, इंश्योरेंस या निवेश को लेकर कोई भी सवाल आपके मन में है, तो हमें भेजिए। हमारे एक्सपर्ट उसका सटीक, आसान और भरोसेमंद जवाब, हर हफ्ते इसी कॉलम में देंगे।

सुशील अग्रवाल
NBTwealth
@timesofindia.com

Q नया इनकम टैक्स एक्ट 2025 अप्रैल से लागू हो रहा है। क्या असेसमेंट ईयर 2026-27 का रिटर्न नए एक्ट और रूल्स के हिसाब से भरा जाएगा? - सुरेश शर्मा, गाजियाबाद

नहीं। नया एक्ट 1 अप्रैल 2026 से होने वाली इनकम पर लागू होगा। वित्त वर्ष 2025-26 में कमाई गई आय, जिस पर असेसमेंट ईयर 2026-27 में टैक्स लगेगा, वह अभी भी इनकम टैक्स एक्ट 1961 के तहत ही टैक्स होगी। इसका सीधा मतलब है कि असेसमेंट ईयर 2026-27 का इनकम टैक्स रिटर्न पुराने फॉर्म और नियमों के अनुसार ही भरा जाएगा।

Q ओल्ड रेजीम में सैलरी और पर्क्स की इनकम पर मिलने वाली छूट क्या नए रेजीम में भी मिलती है? - कपिल गुप्ता, गुड़गांव

इनकम टैक्स के ओल्ड रेजीम में स्टैंडर्ड डिडक्शन यानी निश्चित कटौती 50,000 रुपये तक मिलती है, जबकि न्यू रेजीम में यह 75,000 रुपये तक है। हालांकि, हाउस रेंट अलाउंस (HRA), लीव ट्रैवल असिस्टेंस (LTA) और प्रोफेशनल टैक्स जैसी छूट नए रेजीम में नहीं मिलती है। जहां तक पर्क्स (Perquisites) यानी अतिरिक्त सुविधाएं का सवाल है, तो उनके वैल्यूएशन पर इनकम टैक्स के रेजीम बदलने का कोई असर नहीं पड़ता है। उदाहरण के तौर पर, यदि आपको कंपनी की ओर से कार मिली है और उसके निजी उपयोग पर 1800 रुपये या 2400 रुपये प्रति माह के हिसाब से टैक्स लगता है, तो यह नियम दोनों रेजीम में समान रहेगा। इसी तरह रेंट-फ्री एकोमोडेशन और मेडिकल पर्क्स में भी कोई बदलाव नहीं होता।

(लेखक चार्टर्ड अकाउंटेंट और टैक्स विषयों के जानकार हैं।)

अपने सवाल ई-मेल करें

पर्सनल फाइनैंस से जुड़ा कोई भी सवाल आपके मन में है, कोई बात आपको समझ नहीं आ रही है तो हमें बताएं। सब्जेक्ट में 'Wealth QA' लिखें और ई-मेल करें NBTwealth@timesofindia.com पर। हां, ई-मेल में अपना और शहर का नाम लिखना न भूलें।

किस असेट पर कैसे लगता है टैक्स, जानें

अधिकतर पर LTCG 12.5%

यह टेबल बजट 2024 के बाद अलग-अलग निवेश (Assets) पर लगने वाले कैपिटल गेन टैक्स को दर्शाती है। सामान्य समान है कि डेट फंड को छोड़कर अधिकतर संपत्तियों पर LTCG अब 12.5% है। जिन संपत्तियों पर STT का भुगतान किया जाता है, उन पर STCG 20% है, जबकि बिना STT वाली संपत्तियों पर स्लैब दरों के अनुसार टैक्स लगता है।

निवेश का प्रकार	LTCG के लिए होल्डिंग पीरियड	STCG टैक्स रेट	LTCG टैक्स रेट
इक्विटी MFs, ETFs और शेयर	12 महीने से ज्यादा	20%	12.5%*
गोल्ड ETFs	12 महीने से ज्यादा	स्लैब रेट	12.5%
REITs/InVITs	12 महीने से ज्यादा	20%	12.5%
लिस्टेड बॉन्ड्स	12 महीने से ज्यादा	स्लैब रेट	12.5%
डेट म्यूचुअल फंड			
1 April 2023 से पहले खरीदा हो	24 महीने से ज्यादा	स्लैब रेट	12.5%
1 April 2023 के बाद खरीदा हो	NA	स्लैब रेट	स्लैब रेट
गोल्ड MFs, फिजिकल गोल्ड, ओवरसीज MFs, FOFs	12 महीने से ज्यादा	स्लैब रेट	12.5%
फॉरेन इक्विटी, इंटरनैशनल ETFs	12 महीने से ज्यादा	स्लैब रेट	12.5%
रियल एस्टेट	12 महीने से ज्यादा	स्लैब रेट	

रियल एस्टेट पर खास नियम

- 23 जुलाई 2024 के बाद खरीदः 12.5%
- 23 जुलाई 2024 के पहले खरीदः बिना इंडेक्सेशन के 12.5% या इंडेक्सेशन के साथ 20% में से जो भी कम हो।

शेयर बाजार, म्यूचुअल फंड में निवेश करने वाले टैक्स बचाकर बढ़ा सकते हैं रिटर्न

टैक्स हार्वेस्टिंग का फॉर्म्युला यूं आजमाएं

सुदेश रंजन
Sudesh Ranjan
@timesofindia.com

शेयर बाजार और म्यूचुअल फंड में निवेश करने वालों के लिए टैक्स हार्वेस्टिंग एक स्मार्ट रणनीति है, जिससे कानूनी तरीके से टैक्स कम किया जा सकता है। यह न केवल टैक्स बचाने में मदद करती है, बल्कि निवेश पोर्टफोलियो को संतुलित रखते हुए लंबे समय में रिटर्न को भी बेहतर बनाती है।

टैक्स बचाने के लिए शेयर बेचते और खरीदते समय लगने वाले ट्रांजैक्शन चार्जेस और एग्जिट लोड का हिसाब जरूर लगाएं।

शेयर बाजार और म्यूचुअल फंड में निवेश करने वाले निवेशकों के लिए टैक्स हार्वेस्टिंग (Tax Harvesting) बेहद कारगर रणनीति है। इसका इस्तेमाल करके निवेशक कानूनी तरीके से टैक्स कम कर सकते हैं और साथ-साथ अपने निवेश पोर्टफोलियो को भी संतुलित रख सकते हैं। खासकर वित्त वर्ष के अंत (जनवरी-मार्च) में यह रणनीति काफी चर्चा में रहती है। शेयर बाजार में निवेश करना सिर्फ सही स्टॉक चुनने के बारे में नहीं है, बल्कि इस बात पर भी निर्भर करता है कि आप अपने टैक्स को कितनी चतुराई से मैनेज करते हैं।

क्या है टैक्स हार्वेस्टिंग?

'टैक्स हार्वेस्टिंग' आयकर नियमों के भीतर रहकर किया गया वित्तीय प्रबंधन है। टैक्स हार्वेस्टिंग मुख्य रूप से दो प्रकार की होती है- टैक्स-लॉस हार्वेस्टिंग (Tax-Loss Harvesting) और टैक्स-गेन हार्वेस्टिंग (Tax-Gain Harvesting)। इसका मुख्य उद्देश्य आयकर अधिनियम के प्रावधानों का लाभ उठाकर 'कैपिटल गेन्स टैक्स' (Capital Gains Tax) की देनदारी को न्यूनतम करना है।

1 टैक्स-लॉस हार्वेस्टिंग

- जब आप किसी शेयर या म्यूचुअल फंड को उसके खरीद मूल्य से कम पर बेचते हैं, तो आपको 'कैपिटल लॉस' होता है।
- **रणनीति:** अपने पोर्टफोलियो में मौजूद उन स्टॉक्स को बेचना जो वर्तमान में घाटे में हैं। इस घाटे को आप उसी साल हुए मुनाफे (Capital Gains) के सामने 'सेट-ऑफ' (Adjust) कर सकते हैं।
- मान लें, इस साल ₹2 लाख का मुनाफा हुआ, लेकिन आपके पोर्टफोलियो में कुछ ऐसे शेयर हैं जिनमें 50,000 रुपये का घाटा दिख रहा है। अगर आप उन्हें बेच देते हैं, तो आपको केवल 1.5 लाख रुपये पर ही टैक्स देना होगा।

2 टैक्स-गेन हार्वेस्टिंग

- यह विशेष रूप से 'लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन्स' (LTCG) के लिए निवेशकों के बीच काफी पॉपुलर है।
- इक्विटी निवेश पर एक वित्तीय वर्ष में 1.25 लाख रुपये तक का LTCG टैक्स-फ्री होता है।
- यदि आपका मुनाफा 1.25 लाख रुपये से कम है, तो आप उन शेयर्स को बेचकर तुरंत वापस खरीद सकते हैं। इससे आपका प्रॉफिट 'बुक' हो जाता है और आपकी खरीद लागत (Cost of Acquisition) बढ़ जाती है, जिससे भविष्य में भारी टैक्स से बचा जा सकता है।

विशेषता	लॉन्ग टर्म (LTCG)	शॉर्ट टर्म (STCG)
समय सीमा	12 महीने से अधिक (इक्विटी)	12 महीने से कम (इक्विटी)
टैक्स दर	12.5% (1.25 लाख की छूट के बाद)	20%
लॉस एडजस्टमेंट	केवल LTCG मुनाफे से एडजस्ट होगा	STCG और LTCG दोनों से हो सकता है

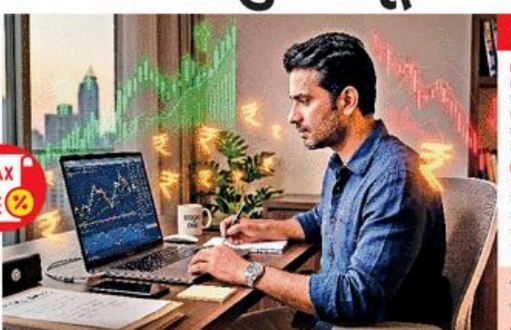

क्या सावधानी बरतें?

- **एग्जिट लोड और ब्रोकरेज:** शेयर बेचते, खरीदते समय ट्रांजैक्शन चार्जेस और एग्जिट लोड का हिसाब जरूर लगाएं। कहीं ऐसा न हो कि टैक्स बचाने की तुलना में खर्च ज्यादा हो जाए।
- **वॉश सेल्स (Wash Sales):** इसके नियम सख्त नहीं हैं, लेकिन टैक्स बचाने के ही उद्देश्य से तुरंत शेयर खरीद लेना कभी-कभी जांच का विषय बन सकता है। निवेश के नजरिए को प्राथमिकता दें।
- **लॉस कैरी फॉरवर्ड:** यदि घाटा इस साल के मुनाफे से ज्यादा है, तो आप इस घाटे को अगले 8 वित्तीय वर्षों तक कैरी फॉरवर्ड कर सकते हैं।

ऐसे काम करती है टैक्स हार्वेस्टिंग

सही समय पर सही कदम उठाकर आप टैक्स बचा सकते हैं, भविष्य की टैक्स देनदारी कम कर सकते हैं और पोर्टफोलियो को बेहतर बना सकते हैं। एक पोर्टफोलियो के जरिए देखते हैं कि टैक्स लॉस हार्वेस्टिंग और टैक्स गेन हार्वेस्टिंग कैसे काम करती है। *मान लीजिए, वित्त वर्ष 2025-26 के अंत में आपके पास निम्नलिखित निवेश हैं।*

निवेश	निवेश राशि	वैल्यू स्थिति (गेन-लॉस)	कैटिगरी
Stock A	₹5,00,000	₹ 7,50,000+₹2,50,000	लॉन्ग टर्म (1yr+)
Stock B	₹2,00,000	₹ 1,50,000-₹50,000	शॉर्ट टर्म (<1yr)
Stock C	₹1,00,000	₹ 80,000-₹20,000	लॉन्ग टर्म (1yr+)

बिना टैक्स हार्वेस्टिंग के (बिना प्लानिंग के)

यदि आप केवल Stock A को बेचकर अपना मुनाफा बुक करते हैं, तो आपकी टैक्स देनदारी इस प्रकार होगी:

- **LTCG:** 2,50,000
- **छूट (Exemption):** 1,25,000
- **टैक्स योग्य राशि:** 2,50,000-1,25,000 = 1,25,000
- **टैक्स (12.5% की दर से):** 15,625

टैक्स-गेन हार्वेस्टिंग (भविष्य में बचत)

अगर मुनाफा 1.25 लाख रुपये ही हो, तो आप शेयर बेचकर तुरंत दोबारा खरीद सकते हैं। इससे यह मुनाफा टैक्स-फ्री बुक हो जाता है और खरीद कीमत बढ़ जाती है, जिससे भविष्य में बेचने पर टैक्स कम देना पड़ता है।

टैक्स हार्वेस्टिंग की स्मार्ट प्लानिंग

- अब आप घाटे वाले स्टॉक्स (Stock B और Stock C) को भी बेच देते हैं ताकि मुनाफा कम दिखाया जा सके।
- **टैक्स-लॉस हार्वेस्टिंग:** आप 50,000 (STCG Loss) और 20,000 (LTCG Loss) का घाटा बुक करते हैं।
- **नया नेट प्रॉफिट:** 2,50,000 (मुनाफा) - 50,000 (लॉस) - 20,000 (लॉस) = ₹1,80,000
- **टैक्स योग्य राशि:** 1,80,000 -1,25,000 छूट = ₹55,000
- **नया टैक्स (12.5%):** ₹6,875
- **आपकी सीधी बचत:** ₹8,750

विशेष टिप्स

- **पुनः निवेश (Re-investment):** घाटे वाले शेयर बेचने के बाद खाली न बैठें। उसी पैसे को तुरंत किसी अच्छे फंड या स्टॉक में लगा दें ताकि मार्केट की तेजी न छूटे।
- **शॉर्ट टर्म लॉस की ताकत:** शॉर्ट टर्म कैपिटल लॉस (STCL) को शॉर्ट टर्म और लॉन्ग टर्म दोनों मुनाफे से एडजस्ट किया जा सकता है। यह आपके लिए 'ब्रह्मास्त्र' की तरह है।

किन निवेशकों के लिए सबसे फायदेमंद?

- लंबी अवधि के निवेशक
- रिटायरमेंट प्लानिंग करने वाले
- उच्च टैक्स स्लैब वाले लोग
- जिनका बड़ा पोर्टफोलियो है

ध्यान रखने वाली जरूरी बातें

- बार-बार ट्रेडिंग करने से ब्रोकरेज और अन्य लागत बढ़ सकती है।
- बाजार गिरा तो दोबारा खरीद महंगी या सस्ती हो सकती है।
- नियम समय-समय पर बदल सकते हैं।
- टैक्स बचत के लिए खराब निवेश पकड़े न रखें।
- यानी सिर्फ टैक्स नहीं, कुल निवेश रणनीति देखना जरूरी है।

क्या आप भी यही जानना चाहते हैं?

Q क्या टैक्स हार्वेस्टिंग पूरी तरह कानूनी है?
हां, यह आयकर नियमों के अनुसार पूरी तरह वैध है।

Q क्या हर साल किया जा सकता है?
हां, हर वित्त वर्ष में टैक्स-फ्री सीमा का उपयोग किया जा सकता है।

Q क्या छोटे निवेशकों के लिए भी उपयोगी है?
बिल्कुल, खासकर लंबे समय के निवेश में।

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 23-03-2026 Zone: NBTWealth Edition: 1 Page: NBTWD5 User: cci Time: 03-21-2026 21:54 Color:

कमर्शल रियल एस्टेट का नया दौर

प्रीमियम ऑफिस स्पेस की मांग में ज़ोरदार तेज़ी

प्रीमियम ऑफिस स्पेस की बढ़ती मांग निवेशकों के लिए भी बड़ा अवसर बनकर उभर रही है। कमर्शल रियल एस्टेट में बढ़ती लीजिंग, ग्लोबल कंपनियों की एंट्री और टेक-एनेबल्ड इंफ्रास्ट्रक्चर इस सेगमेंट को मजबूत बना रहे हैं। अगर आप लंबी अवधि का निवेश सोच रहे हैं, तो प्रीमियम ऑफिस स्पेस और REITs जैसे विकल्प बेहतर और स्थिर रिटर्न देने में मददगार साबित हो सकते हैं।

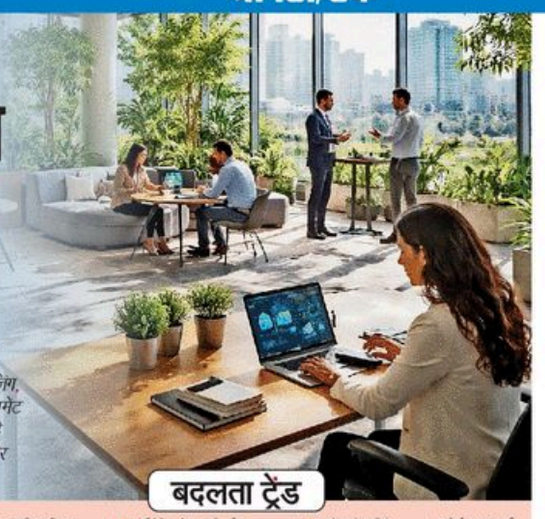

लोकेश के. भारती
Lokesh.Bharti@timesofindia.com

भारत में प्रीमियम ऑफिस स्पेस की मांग तेजी से बढ़ रही है, जहां कंपनियां अब सिर्फ जगह नहीं, बल्कि हाई-टेक, ग्रीन और वेलनेस-फोकस्ड वर्कस्पेस चाहती हैं। बदलते वर्क कल्चर और ग्लोबल कंपनियों की एंट्री के चलते कमर्शल रियल एस्टेट सेक्टर एक नए और उन्नत दौर में प्रवेश कर चुका है।

ऑफिस प्रॉपर्टी ज्यादातर जगहों पर रेजिडेंशल प्रॉपर्टी से महंगी होती है। ऑफिस प्रॉपर्टी कमर्शल होने की वजह से इसके रेट भी अलग होते हैं। यही वजह है कि अब रियल एस्टेट बाजार तेजी से एक नए दौर में प्रवेश कर रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार, देश का कुल ऑफिस स्पेस स्टॉक जल्द ही 100 करोड़ वर्ग फुट के आंकड़े को पार करने वाला है। यह न सिर्फ भारत की आर्थिक मजबूती का संकेत है, बल्कि फॉरेन इन्वेस्टर्स की बढ़ती जबर्दस्त दिलचस्पी को भी दर्शाता है।

■ **इंटीग्रेटेड टेक पार्क:** 2026-27 के दौरान आने वाले नए ऑफिस स्पेस का लगभग 65-68% हिस्सा इंटीग्रेटेड टेक्नोलॉजी पार्कों में विकसित होगा। यह एक बड़ा बदलाव है क्योंकि 2024-25 में इनकी हिस्सेदारी महज 54-58% थी। दरअसल, इंटीग्रेटेड टेक पार्क ऐसे मॉडर्न एरिया होते हैं, जहां ऑफिस स्पेस के साथ-साथ कर्मचारियों के लिए कैफेटेरिया, जिम, ग्रीन एरिया, हेल्थ की सुविधाएं और भी कई मॉडर्न सुविधाएं एक ही जगह उपलब्ध होती हैं। यह ट्रेंड इस बात का भी संकेत है कि कंपनियां अब सिर्फ ऑफिस नहीं, बल्कि एक होलिस्टिक एनवायरनमेंट चाहती हैं।

■ **ऑफिस लीजिंग और सप्लाई:** 2025 भारत के ऑफिस मार्केट के लिए एक ऐतिहासिक वर्ष रहा। कुल 83.1 मिलियन वर्ग फुट ऑफिस स्पेस की लीजिंग हुई। यह लगातार तीसरा साल है जब रेकॉर्ड बना। वहीं 58.9 मिलियन वर्ग फुट नई सप्लाई आई जो पिछले वर्ष की तुलना में 10% ज्यादा है। इससे साफ है कि भारत में कंपनियों का विस्तार तेजी से हो रहा है और ऑफिस स्पेस की मांग लगातार बढ़ रही है।

■ **ग्रीन बिल्डिंग्स:** आज के समय में एनवायरनमेंट स्टेबलिटी एक ऑप्शन नहीं, बल्कि जरूरत बन चुकी है। दरअसल, 2025 में 87% ऑफिस प्रोजेक्ट्स ग्रीन-सर्टिफाइड थे। सच तो यह है कि ग्रीन बिल्डिंग्स न सिर्फ एनर्जी की सेविंग होती है, बल्कि एंप्लाइज की सेहत और उनकी प्रोडक्टिविटी को भी बेहतर बनाती हैं। ऐसा माना जा रहा है कि आने वाले समय में यह ट्रेंड और मजबूत होगा।

■ **ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स (GCCs):** अगर हालिया स्थिति को देखें तो यह बिलकुल साफ है कि भारत में मल्टीनैशनल कंपनियों द्वारा स्थापित Global Capability Centers (GCCs) ऑफिस स्पेस की मांग को तेजी से बढ़ा रहे हैं। 2025 में कुल लीजिंग का 39% हिस्सा GCCs का था लेकिन अब ऐसा नहीं है। हकीकत यह है कि रिसर्च ऐंड डिवेलपमेंट आधारित GCCs की ग्रोथ 2020 से अब तक 1.3 गुना ज्यादा रही है। यह दर्शाता है कि भारत अब सिर्फ बैक-ऑफिस ऑपरेशन्स का केंद्र नहीं रहा, बल्कि इनोवेशन और प्रोडक्ट डिवेलपमेंट का भी हब बनता जा रहा है।

बदलता ट्रेंड

■ भारत का ऑफिस रियल एस्टेट सेक्टर 2026 में एक ऐतिहासिक मुकाम पर खड़ा है। 1 बिलियन वर्ग फुट का सफर सिर्फ सफर नहीं, बड़ी उपलब्धि है।

■ इंटीग्रेटेड टेक पार्क, ग्रीन बिल्डिंग, AI-रेडी इंफ्रास्ट्रक्चर और GCCs की बढ़ती भूमिका संकेत देती है कि ऑफिस स्पेस स्मार्ट, टिकाऊ, हाई टेक होगा।

■ आने वाले वर्षों में भारत न सिर्फ एशिया बल्कि पूरी दुनिया के लिए कॉर्पोरेट और इनोवेशन हब के रूप में उभरेगा।

सोर्स: CBRE की ताजा रिपोर्ट India Office Market Outlook 2026 के अनुसार

ग्रेड A+ ऑफिस स्पेस की बढ़ी मांग

2026-27 में आने वाले ऑफिस स्पेस का लगभग 45% हिस्सा Grade A+ कैटिगरी का होगा। दरअसल, ग्रेड A+ ऑफिस स्पेस में शानदार सुविधाएं मिलती हैं। मसलन: हाई-एंड डिजाइन और क्वालिटी वाला इन्फ्रास्ट्रक्चर, स्मार्ट टेक्नॉलजी, बेहतर एयर क्वालिटी और वेलनेस फैसिलिटीज आदि। इन सभी बातों को देखने से यह साफ हो जाता है कि मार्केट में सिर्फ डिमांड में बढ़ोतरी नहीं हुई है, बल्कि प्रीमियम कमर्शल प्रॉपर्टी की मांग भी बढ़ी है। अब तो स्थिति और आगे बढ़ रही है। आर्टिफिशल इंटेलिजेंस यानी AI की जरूरत भी ऐसी प्रॉपर्टी में खूब महसूस की जा रही है। इसलिए टेक्नॉलजी और AI-रेडी इंफ्रास्ट्रक्चर की मांग भी काफी बढ़ी है। आज कंपनियां सिर्फ चार दीवारों वाला ऑफिस नहीं चाहतीं। वे ऐसे वर्कस्पेस चाहती हैं जो AI और डेटा एनालिटिक्स को सपोर्ट करें। स्मार्ट बिल्डिंग टेक्नॉलजी से लैस हों। एंप्लाइज के अनुभव को बेहतर बनाएं। सच तो यह है कि जैसे-जैसे AI, ऑटोमेशन और डेटा इंजिनियरिंग का उपयोग बढ़ेगा, वैसे-वैसे टेक-एनेबल्ड ऑफिस स्पेस की मांग भी बढ़ेगी।

वेलनेस और फ्लेक्सिबिलिटी

आने वाले समय में ऑफिस स्पेस का डिजाइन सिर्फ काम के लिए नहीं, बल्कि एंप्लाइज के फिजिकल और मेंटल हेल्थ को ध्यान में रखकर किया जाएगा। इसमें शामिल होंगे ओपन स्पेस और ग्रीन एरिया के साथ कुदरती रोशनी और वेंटिलेशन यानी सूरज की रोशनी और हवादार कमरे, फिटनेस सुविधाएं भी।

ऑफिस स्पेस की मांग आगे भी

करीब 65% GCC कंपनियां 2027 तक अपने ऑफिस स्पेस को 10% या उससे ज्यादा बढ़ाने की योजना बना रही हैं। इसका मतलब है कि आने वाले वर्षों में ऑफिस स्पेस की मांग बनी रहेगी। प्रीमियम और टेक-एनेबल्ड ऑफिस की जरूरत और बढ़ेगी। भारत में जॉब के नए अवसर भी बढ़ेंगे।

दिल्ली-NCR समेत इन शहरों का शानदार प्रदर्शन

दिल्ली-NCR, बेंगलुरु, मुंबई और हैदराबाद ने 2025 में कुल ऑफिस लीजिंग का लगभग 75% हिस्सा अपने नाम किया। इन शहरों में बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर, टैलेंट पूल और कनेक्टिविटी की वजह से कंपनियां निवेश करना पसंद कर रही हैं।

दिल्ली-NCR
देश की राजधानी होने के साथ-साथ एक बड़ा कॉर्पोरेट हब भी बन चुका है। गुरुग्राम और नोएडा जैसे इलाकों से ऑफिस स्पेस, मेट्रो कनेक्टिविटी और एक्सप्रेसवे नेटवर्क ने कंपनियों को खूब भाया है। यहां फाइनैंस, आईटी, ई-कॉमर्स और कंसल्टिंग सेक्टर तेजी से बढ़ रहे हैं। इंटरनैशनल कनेक्टिविटी भी बड़ा प्लस है।

बेंगलुरु
यह भारत की टेक कैपिटल है। यह आईटी और स्टार्टअप का सबसे बड़ा सेंटर भी है। यहां दुनियाभर की टेक कंपनियों और स्टार्टअप इकोसिस्टम की दमदार उपस्थिति है। इंजिनियरिंग टैलेंट, इनोवेशन-फ्रेंडली माहौल और रिसर्च-ड्रिवन कल्चर इसे खास बनाते हैं। ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स (GCCs) के लिए यह सबसे पसंदीदा शहर है।

मुंबई
भारत की फाइनैंशल कैपिटल। बैंकिंग, फाइनैंस, मीडिया और कॉर्पोरेट हेडक्वार्टर का अहम केंद्र है। यहां बड़े-बड़े मल्टीनैशनल कंपनियों के हेड ऑफिस स्थित हैं, जिससे प्रीमियम ऑफिस स्पेस की मांग हमेशा बनी रहती है। शहर का मजबूत बिजनेस नेटवर्क, पोर्ट कनेक्टिविटी और इंटरनैशनल एक्सपोर्ट इसे ग्लोबल बिजनेस के लिए आइडियल बनाते हैं।

हैदराबाद
चार मीनार वाला शहर हैदराबाद आज तेजी से उभरता हुआ आईटी और बिजनेस हब है, जो कम लागत और बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर का संतुलन प्रदान करता है। यहां मुंबई और बेंगलुरु जैसे शहरों की तुलना में जीवन जीने का खर्च कम है। यही वजह है कि कई कंपनियां इसे नए विस्तार के लिए चुन रही हैं।

गाजियाबाद में मौका

प्रस्तावित क्रिकेट स्टेडियम के पास टाउनशिप प्लान

अखण्ड प्रताप सिंह
AkhandPratap.Singh@timesofindia.com

गाजियाबाद में प्रस्तावित क्रिकेट स्टेडियम के पास 'एरोसिटी थीम' पर एक आधुनिक टाउनशिप विकसित करने की योजना है, जिसमें आवास, व्यापार, होटल और खेल सुविधाएं एक साथ मिलेंगी। यह प्रोजेक्ट शहर को नया आर्थिक केंद्र बनाने के साथ रोजगार और निवेश के बड़े अवसर भी पैदा करेगा।

आज के दौर में शहरी विकास केवल कंक्रीट के जंगल खड़ा करने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक ऐसी जीवनशैली विकसित करने के बारे में है जहां काम, खेल और आराम एक ही छत के नीचे मिल सकें। इसी विजन को साकार करने के लिए प्रस्तावित नए क्रिकेट स्टेडियम के आसपास 'एरोसिटी थीम' पर आधारित एक भव्य एकीकृत टाउनशिप (Integrated Township) विकसित करने की योजना तैयार की गई है। यह परियोजना न केवल शहर के बुनियादी ढांचे को वैश्विक पहचान देगी, बल्कि भविष्य के आर्थिक हब के रूप में भी उभरेगी।

रेजिडेंशल और कमर्शल हब: इस टाउनशिप का मुख्य आकर्षण यहां का उच्च स्तरीय आवासीय परिसर होगा, जहां आधुनिक सुविधाओं से लैस अपार्टमेंट और विला बनाए जाएंगे। इसके साथ ही, व्यापारिक गतिविधियों को गति देने के लिए अत्याधुनिक कमर्शल कॉम्प्लेक्स का निर्माण किया जाएगा। यह कॉम्प्लेक्स बड़े कॉर्पोरेट घरानों और स्टार्टअप्स के लिए एक आदर्श कार्यस्थल बनेगा, जिससे शहर की व्यावसायिक प्रोफाइल में इजाफा होगा।

पार्किंग और ट्रैफिक मैनेजमेंट: बढ़ती जनसंख्या और वाहनों के दबाव को देखते हुए इस टाउनशिप को पूरी तरह 'स्मार्ट' बनाया जा रहा है। यहां वाहनों की भीड़ को नियंत्रित करने के लिए विशाल मल्टीलेवल पार्किंग की व्यवस्था होगी। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि पूरी टाउनशिप में स्मार्ट ट्रैफिक प्रबंधन प्रणाली लागू की जाएगी, जिसमें AI आधारित सेंसर और कैमरों का उपयोग किया जाएगा ताकि सुचारू यातायात सुनिश्चित हो सके।

■ खेल अकादमी भी

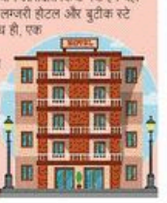

केवल मनोरंजन ही नहीं, बल्कि प्रतिभा को निखारने पर भी इस परियोजना का विशेष ध्यान है। टाउनशिप के भीतर एक विश्वस्तरीय खेल अकादमी स्थापित की जाएगी, जो स्थानीय युवाओं को पेशेवर प्रशिक्षण देगी। इसके अतिरिक्त, एक समर्पित संस्थागत क्षेत्र (Institutional Area) भी विकसित किया जाएगा, जिसमें उच्च शिक्षा केंद्र और कौशल विकास संस्थान शामिल होंगे, जो भविष्य की कार्यक्षमता को तैयार करेंगे।

■ होटल और शॉपिंग ज़ोन

स्टेडियम के पास होने से यहां खेल प्रेमियों और पर्यटकों की भारी आवाजाही की उम्मीद है। इसे देखते हुए, टाउनशिप में होटल और हॉस्पिटैलिटी क्षेत्र के लिए विशेष स्थान आरक्षित किया गया है। यहां अंतरराष्ट्रीय स्तर के लग्जरी होटल और बुटीक स्टे की सुविधा होगी। साथ ही, एक विस्तृत रिटेल और शॉपिंग जोन विकसित किया जाएगा, जहां वैश्विक ब्रैंड्स के शोरूम, फूड कोर्ट और मल्टीप्लेक्स एक ही परिसर में उपलब्ध होंगे।

■ निवेश और अवसर

विशेषज्ञों के अनुसार, एरोसिटी प्रोजेक्ट क्षेत्र के लिए गेम चेंजर साबित हो सकता है। इससे रियल एस्टेट, रिटेल और हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में बड़े निवेश आएंगे। साथ ही, निर्माण, होटल मैनेजमेंट और आईटी जैसी फील्ड्स में हजारों स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के नए अवसर भी बनेंगे।

MacBook Neo है खास

ऐपल के किफायती मैकबुक में कितना दम

गैजेट गुरु
भव्य भारद्वाज
NBTwealth@timesofindia.com

कम बजट में प्रीमियम लैपटॉप की तलाश करने वालों के लिए ऐपल ने MacBook Neo के रूप में एक दिलचस्प विकल्प पेश किया है। मजबूत परफॉर्मेंस, बेहतर डिजाइन और MacOS के अनुभव के साथ यह डिवाइस पारंपरिक विंडोज लैपटॉप्स को कड़ी टक्कर देता नजर आता है।

भारत में 60 से 70 हजार रुपये का बजट लैपटॉप मार्केट का वो ग्रे जोन रहा है, जहां ढंग का विंडोज लैपटॉप ढूंढना मुश्किल होता है। हालांकि ऐपल ने MacBook Neo के साथ इस सेगमेंट का गणित बदल दिया है। 70 हजार रुपये की शुरुआती कीमत और आईफोन वाली A18 Pro चिपसेट के साथ आने वाला यह लैपटॉप पहली नजर में अपने किसी भी प्रीमियम या फ्लैगशिप सिबलिंग (MacBook Pro/Air) से कमतर नहीं लगता।

एक अनुभवी मैक यूजर के तौर पर मैं इसके एस्थेटिक डिजाइन, रॉक-सॉलिड बिल्ड और ब्राइट डिस्प्ले से प्रभावित हुआ हूं। ऐपल ने इस बजट में वो परफॉर्मेंस देने की कोशिश की है जिसकी उम्मीद लंबे समय से यूजर्स को विंडोज लैपटॉप्स में थी। हालांकि, सिक्के का दूसरा पहलू भी है। बजट और ऐपल जब एक ही वाक्य में इस्तेमाल हों, तो कुछ बदलाव दिखते हैं। आइए गहराई से समझते हैं।

iPhone के चिपसेट से ताकत दिखाता Macbook Neo: इस बात पर लंबे समय से सहमति है कि iPhones में ऐपल बेहद दमदार चिपसेट इस्तेमाल करती है। इसका सबूत अब Macbook Neo में सामने आया है। Neo में iPhone 16 Pro Max की A18 Pro चिपसेट है और यह चिप एक लैपटॉप को बेहद स्मूद और पावरफुल परफॉर्मेंस देने के काबिल बना सकती है। रोजमर्रा के इस्तेमाल के अलावा बेंचमार्क्स में भी यह बात नजर आती है। Macbook Neo का Geekbench सिंगल कोर स्कोर Macbook के M1, M2 और यहां तक कि M3 मॉडल्स से बेहतर आया। मल्टी कोर स्कोर भी Macbook के M1 मॉडल से बेहतर मिला।

यही वजह है कि MacBook Neo की फुर्ती ने मुझे हैरान कर दिया। मैंने इसमें दर्जनों टैब्स के साथ हैवी ब्राउजिंग के अलावा ऐप्स को ताबड़तोड़ स्विच करके देखा और यह मशीन किसी मंझे हुए खिलाड़ी की तरह हर टास्क को संभाल लेती है। बेसिक फोटो और विडियो एडिटिंग के दौरान भी इसका रिस्पॉन्स स्मूद रहा। हालांकि MacBook Neo पर हैवी एडिटिंग मुश्किल पैदा कर सकती है लेकिन उस काम के लिए इसे बनाया ही नहीं गया है।

■ *70 हजार में प्रीमियम परफॉर्मेंस, MacBook Neo ने मार्केट का गणित बदला*

■ *दमदार चिपसेट, और MacOS के साथ Neo विंडोज लैपटॉप्स को टक्कर देता है*

MacBook Neo का प्रीमियम डिजाइन

MacBook Neo का प्रीमियम डिजाइन इस बजट के विंडोज लैपटॉप्स के मुकाबले आकर्षक है। यह दिखने में MacBook Pro या Air M4 का छोटा वर्जन लगता है। इसकी मोटाई 1.27 CM है, जो MacBook Air से थोड़ी ज्यादा और MacBook Pro से कम है। इसके राउंड कॉर्नर इसे पकड़ने में आरामदायक और पोर्टेबल बनाते हैं। नए कलर्स इसे अलग पहचान देते हैं। कम कीमत के बावजूद ऐपल ने क्वालिटी से समझौता नहीं किया है। बैलेंस्ड हिंज की मदद से इसे एक उंगली से आसानी से खोल सकते हैं, जो इसकी बेहतरीन इंजीनियरिंग को दिखाता है।

विंडोज यूजर्स के लिए हो सकता है अलग अनुभव

MacBook Neo में 13 इंच की LCD डिस्प्ले है, जो 60Hz रिफ्रेश रेट और 500 निट्स ब्राइटनेस के साथ आती है। इस बजट में यह स्क्रीन काफी ब्राइट और प्योर आउटपुट देती है, हालांकि बेजल्स थोड़े बड़े लगते हैं। 1 बिलियन कलर्स सपोर्ट से विजुअल क्वालिटी बेहतर दिखती है। इसमें 1080p HD वेबकैम मिलता है, जो विडियो कॉल और मीटिंग के लिए ठीक है। विंडोज यूजर्स के लिए यह नया अनुभव हो सकता है, लेकिन iPhone यूजर्स को कंटिन्यूटी फीचर्स का बड़ा फायदा मिलेगा। हालांकि गेमिंग के लिए यह सही विकल्प नहीं है।

किसे लेना चाहिए?

अगर आप ऐसा लैपटॉप चाहते हैं, जो बिना अटके काम करे और लंबे समय तक इस्तेमाल किया जा सके, तो Macbook Neo आपके लिए है। यह उन लोगों के लिए डिजाइन हुआ है जो लैपटॉप की बैटरी खत्म हो जाने के डर से मुक्ति चाहते हैं। स्टूडेंट डिस्काउंट के साथ अगर आप इसे 60 हजार रुपये तक खरीद पाएं, तो फिलहाल मार्केट में इसका कोई तोड़ नहीं है। मैं इसे 5 में से 4.5 स्टार देता हूं।

पावर यूजर रखें इन बातों का ध्यान

Macbook Neo 8GB रैम के साथ आता है और पावर यूजर्स को यह कम महसूस हो सकती है। Neo में रैम बढ़ाने का कोई ऑप्शन नहीं है, लेकिन नॉर्मल यूजर के लिए 8GB रैम काफी रहेगी। कुछ बदलाव डिजाइन में भी हैं। इसके 512GB वाले वेरिएंट में ही टच आईडी बटन मिलेगा, जो महंगा आएगा। एक दिक्कत यह भी हो सकती है कि Macbook Neo में बिना बैकलाइट वाला कीबोर्ड और एक फोर्सटच ट्रैकपैड नहीं मिलता। यह छूने और क्लिक करने में विंडोज लैपटॉप्स जैसा लगेगा लेकिन MacOS के सभी स्मार्ट जेस्चर्स को भी सपोर्ट करेगा। Macbook Neo में साइड फेसिंग स्पीकर्स मिलते हैं, जो वेब सीरीज या शो देखते समय डायलॉग सुनने के लिए ठीक हैं, लेकिन म्यूजिक के मामले में यह फ्लैट लग सकते हैं। यानी इस मामले में इससे ज्यादा उम्मीद न करें। Macbook Neo आपको 9-10 घंटे का बैकअप निकाल कर दे सकता है लेकिन इसके साथ ऐपल 20W वाला चार्जर देता है, जो चार्जिंग में समय लेता है।

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 23-03-2026 Zone: Mahanagar Edition: 1 Page: NBTMAJK2 User: cci Time: 03-22-2026 23:26 Color:

सनराइजर्स हैदराबाद की आक्रामक बल्लेबाजी देखना मजेदार है, लेकिन इस तरह की बैटिंग से IPL जीतने में मदद नहीं मिलेगी। टीम की बोलिंग कमजोर है। गेंदबाज ही आपको ट्रॉफी जिताते हैं।
- रॉबिन उथप्पा, पूर्व क्रिकेटर, भारतीय टीम

14 शतक बने थे साल 2024 में हुए IPL सीजन में। लीग के किसी एक एडिशन में यह सर्वाधिक शतकों का रेकॉर्ड है

स्पोर्ट्स QUIZ

इस पेज पर छपी खबरों में ही इन सवालों का जवाब है।

1. इंडियन प्रीमियर लीग में सबसे बड़े टोटल का रेकॉर्ड किस टीम के नाम है?
A) सनराइजर्स हैदराबाद B) कोलकाता नाइटराइडर्स C) चेन्नै सुपरकिंग्स D) गुजरात टाइटंस
2. पाकिस्तान सुपर लीग 2026 का पहला मैच कब खेला जाएगा?
A) 26 मार्च B) 28 मार्च C) 30 मार्च D) 31 मार्च

कल के जवाब
1.C) 6 2.A) जोफ्रा आर्चर

लकी WINNER

1. आराध्या राजपूत, उत्तम नगर, दिल्ली
2. नवीता जायसवाल, सेक्टर-71, नोएडा
3. दीपिका तायपोंपरी, मीरा रोड, मुंबई

आप अपने जवाब हमें **9319282367** पर अपने नाम, तस्वीर और शहर/गांव के नाम के साथ वॉट्सऐप करें। एक 'लकी विनर' का नाम और तस्वीर हम कल के अंक में छापेंगे। दो अन्य विजेताओं के नाम भी प्रकाशित होंगे।

बंद दरवाज़ों के पीछे होंगे पाकिस्तान सुपर लीग के मैच

■ **एजेंसियां, लाहौर:** पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (PCB) ने संडे को कहा कि ईरान-अमेरिका-इस्राइल युद्ध के कारण क्षेत्र में तनाव को देखते हुए पाकिस्तान सुपर लीग (PSL) का पहला चरण दर्शकों के बगैर होगा। बोर्ड के प्रमुख मोहसिन नकवी ने कहा कि PSL का यह सीजन कराची और लाहौर में ही खेला जाएगा। उन्होंने कहा, 'PSL इंटरनेशनल ब्रैंड और हमारा गौरव है। यह लीग 26 मार्च से ही होगी, लेकिन दर्शकों को स्टेडियम में आने की अनुमति नहीं रहेगी।' PSL के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सलमान नसीर ने पाकिस्तान में PSL के आयोजन को लेकर किसी तरह की सुरक्षा आशंकाओं को खारिज किया। नकवी ने कहा, 'क्षेत्र के हालात को देखते हुए खर्च कम करने के नजरिए से यह कदम उठाया गया है। विदेशी खिलाड़ी आज रात से यहां पहुंच रहे हैं।'

वॉर का असर!

PCB प्रमुख मोहसिन नकवी

2 मैदानों तक सीमित हुए पाकिस्तान सुपर लीग 2026 के मैच

ओपनिंग सेरेमनी भी रद्द: लीग पर यह फैसला आठ फ्रैंचाइजी के साथ एक लंबी बैठक और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के साथ परामर्श के बाद लिया गया। पाकिस्तान सरकार की ओर से पेट्रोल-डीजल की आपूर्ति को सख्ती से नियंत्रित किया जा रहा है। संसाधनों को बचाने के लिए ओपनिंग सेरेमनी को भी रद्द कर दिया गया है।

शनाका ने भी दिया झटका

PSL को एक और करारा झटका लगा जब श्रीलंका के कप्तान और ऑलराउंडर दासुन शनाका ने IPL में चोटिल सैम कुरन की जगह राजस्थान रॉयल्स से जुड़ने का फैसला किया। इससे पहले जिम्बाब्वे के तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजराबानी ने मुस्ताफिजुर रहमान की जगह KKR का हिस्सा बनने के लिए इस्लामाबाद यूनाइटेड के साथ करार तोड़ा था। टीम के एक सूत्र ने बताया, 'PSL के साथ औपचारिकताएं पूरी होने के बाद दासुन IPL करार पर हस्ताक्षर करेंगे। यह औपचारिकता मात्र है। वह गुवाहाटी में टीम से जुड़ेंगे।' रॉयल्स के हेड कोच श्रीलंका के पूर्व कप्तान कुमार संगकारा हैं।

दासुन शनाका PSL छोड़कर IPL खेलेंगे

IPL 2026 POWER स्टैट्स

बैटिंग पैराडाइज

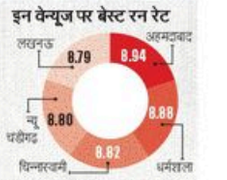

आक्रामक बल्लेबाजी के दौर को देखते हुए वह दिन दूर नहीं, जब IPL में 300 रनों का जादुई आंकड़ा पार हो जाएगा। पिछले 18 सीजन्स में बने एक दर्जन 250+ स्कोर्स में से 10 तो केवल पिछले दो वर्षों में आए हैं। पिच के मिजाज और बाउंड्री के आकार को देखते हुए यह संभव है कि आगामी सीजन में चिन्नास्वामी में 300 का टोटल बन जाए। एक नजर IPL में 'बैटिंग पैराडाइज' बन चुके मैदानों पर:

यहां बने हाईएस्ट स्कोर

चिन्नास्वामी	SRH 287/3
राजीव गांधी	SRH 286/6
अरुण जेटली	SRH 278/3
राजीव गांधी	SRH 277/3
विशाखापत्तनम	KKR 272/7

इन ग्राउंड्स पर सर्वाधिक सिक्स

यहां लगती है बाउंड्रीज ज्यादा

इन वेन्यूज पर बेस्ट रन रेट

नोट: आंकड़े उन मैदानों के हैं, जिन्हें अगले सीजन में भी मेजबानी मिली है

पिछले सीजन प्लेऑफ तक पहुंची थी गुजरात

टाइटंस को टाइटल दिला पाएंगे टॉप-3!

IPL 2026 **5 दिन बाकी** काउंटडाउन

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली:** इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) के पिछले सीजन में गुजरात टाइटंस (GT) का प्रदर्शन अच्छा रहा था। नए सीजन से पहले फ्रैंचाइजी ने अपने कोर खिलाड़ियों को रिटेन किया और कुछ स्मार्ट खरीदारी कर एक मजबूत स्क्वॉड तैयार किया। टाइटंस ने नीलामी से पहले 20 खिलाड़ियों को रिटेन करके संकेत दिया कि उन्हें पिछले सीजन के अपने खिलाड़ियों पर पूरा भरोसा है।

टॉप ऑर्डर में 'रन मशीन': टाइटंस के पास टॉप-3 में शुभमन गिल, साई सुदर्शन और जोस बटलर हैं। पिछले सीजन में टीम के 70% से ज्यादा रन इन तीनों ने ही बनाए थे और इस सीजन भी यही टाइटंस की बैटिंग की रीढ़ होंगे। गिल टीम को स्थिरता देते हैं, बटलर मैच जिताने वाली ताकत देते हैं और सुदर्शन पारी संभालते हैं। ये त्रिदेव ऐसे हैं जो टारगेट सेट भी कर सकते हैं और चेज के दौरान पूरे मैच पर कंट्रोल भी हासिल कर सकते हैं।

प्रैक्टिस सेशन के दौरान कप्तान शुभमान गिल और जोस बटलर

9 विकेट निकाले थे मोहम्मद सिराज ने पिछले साल पावरप्ले में। यह दूसरे सर्वाधिक थे। तीन बोलर्स ने इस दौरान 10-10 विकेट निकाले थे

43 विकेट निकाले थे जेसन होल्डर ने साल 2025 में 42 टी20 मैचों में। यहां वह सबसे आगे रहे थे

पिछले सीजन GT के टॉप-3

	सुदर्शन	गिल	बटलर
इनिंग्स	15	15	14
रन	759	650	538
ऐवरेज	54.21	50.00	59.78
स्ट्राइक रेट	156.17	155.88	163.03
50/100	6/1	6/0	5/0
हाईएस्ट	108*	93*	97*

ऑलराउंडर्स की भरमार टीम में

NBT Lens खबरों के अंदर की बात

गुजरात टाइटंस के पास राशिद खान, वॉशिंगटन सुंदर, साई किशोर, ग्लेन फिलिप्स और जेसन होल्डर जैसे शानदार ऑलराउंडर हैं, जो टीम टीम को संतुलन और लचीलापन देते हैं। मिडल ऑर्डर में कोई ऐसा नाम नहीं जिस पर नाजुक स्थिति में भरोसा किया जा सके। फिलिप्स, शाहरुख खान हैं, लेकिन मैच फिनिश करने का इनका रेकॉर्ड खास नहीं रहा है।

तीन विदेशी बैटर्स पर बहुत निर्भर है लखनऊ: बालाजी

■ **एजेंसियां, नई दिल्ली:** भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व तेज गेंदबाज लक्ष्मीपति बालाजी ने लखनऊ सुपर जायंट्स के टॉप ऑर्डर में विदेशी बल्लेबाजों पर बहुत ज्यादा निर्भर होने को लेकर चिंता जताई है। पंत की कप्तानी में टीम सातवें पायदान पर रही थी। बालाजी ने कहा, 'लखनऊ का टॉप ऑर्डर मिचेल मार्श, एडेन मार्करम और निकोलस पूरन की मौजूदगी में काफी मजबूत दिख रहा है। उन्होंने पिछले सीजन में कई मौकों पर टीम को अच्छी शुरुआत दी और विरोधी टीम से बेहतर बल्लेबाजी की। लखनऊ निश्चित रूप से अपने तीन विदेशी बल्लेबाजों पर बहुत ज्यादा निर्भर है। टीम के पास बडोनी, समद और शाहबाज अहमद जैसे खिलाड़ी हैं, जो योगदान दे सकते हैं।'

IPL एक्सपर्ट्स की राय

पूर्व फास्ट बोलर एल बालाजी

किंग्स सही दिशा में: इरफान

पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान का कहना है कि नीलामी में समझदारी भरे और साहसिक फैसले लेने के बाद पंजाब किंग्स अब 'सही दिशा में आगे बढ़ रही है' जिससे खिताब के लिए उसका लंबा इंतजार खत्म होने की उम्मीदें बढ़ गई हैं।

भारत में कमिंस के लिए 'अंतिम मौका'!

■ **एजेंसियां, मेलबर्न:** क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (CA) ने संडे को अपना 2026-27 का इंटरनैशनल कैलेंडर जारी किया। उसे जनवरी से मार्च तक भारत में होने वाली पांच टेस्ट मैच की सीरीज की बॉर्डर-गावसकर ट्रॉफी से पहले तैयारी के लिए बहुत कम समय मिलेगा। अगले साल भारत के खिलाफ होने वाली पांच टेस्ट मैचों की सीरीज पैट कमिंस की 'उम्रदराज टीम' के लिए निर्णायक साबित हो सकती है। ऑस्ट्रेलिया को दिसंबर और मार्च के बीच 14 सप्ताह के अंदर 10 टेस्ट मैच खेलने हैं। CA ने कहा, 'यह दौरा कमिंस, स्टीव स्मिथ, मिचेल स्टार्क, हेजलवुड और लियोन जैसे खिलाड़ियों के लिए आखिरी चुनौती होगी।'

ऑस्ट्रेलिया का कार्यक्रम

ऑस्ट्रेलियाई टेस्ट कैप्टन कमिंस

ऑस्ट्रेलिया का टेस्ट शेड्यूल

अगस्त 2026: बांग्लादेश के खिलाफ दो होम टेस्ट मैच
अक्टूबर 2026: साउथ अफ्रीका के खिलाफ तीन टेस्ट मैच (विदेश में)
दिसंबर 2026-जनवरी 2027: न्यूजीलैंड के खिलाफ चार होम टेस्ट
जनवरी-मार्च 2027: भारत के खिलाफ पांच टेस्ट मैच (विदेश में)
मार्च 11-15, 2027: इंग्लैंड के खिलाफ 150वीं वर्षगांठ का होम टेस्ट
जून-अगस्त 2027: इंग्लैंड से पांच टेस्ट की एशेज सीरीज (विदेश में)

डुप्लांटिस ने चौथी बार जीता खिताब

6.25 मीटर जंप के साथ पोल वॉल्ट का गोल्ड जीता अर्मांड डुप्लांटिस ने

■ **एपी, टोरुन (पोलैंड):** अर्मांड डुप्लांटिस ने 6.25 मीटर की कूद लगाकर लगातार चौथी बार वर्ल्ड इंडोर चैंपियनशिप्स जीती, जो कि एक साल पहले नानजिंग में उनके पिछले रेकॉर्ड से 10 सेंटीमीटर अधिक है। डुप्लांटिस ने 6.10, 6.15 और फिर 6.25 मीटर कूद लगाई। ग्रीस के इमैनुअल करालिस से उन्हें कड़ी टक्कर मिली जिन्होंने 6.05 मीटर कूद लगाई और लगातार दूसरे वर्ष उपविजेता रहे।

वर्ल्ड इंडोर ऐथलेटिक्स चैंपियनशिप्स 2026

फटाफट खबरें

केर का वर्ल्ड रेकॉर्ड

■ **वेलिंगटन:** न्यूजीलैंड की कप्तान अमेलिया केर ने एक वर्ल्ड रेकॉर्ड बनाया है। उन्होंने टी20I (मेंस और विमिंस दोनों) में लगातार 10वें मैच में 30 रन से अधिक का स्कोर बनाया है। इस प्रदर्शन से न्यूजीलैंड ने साउथ अफ्रीका को पांचवें टी20I में हराकर पांच मैचों की सीरीज में 3-1 की बढ़त ले ली।

डाफी ने जीता खिताब

■ **नूंह:** साउथ अफ्रीका के गोल्फर एमजे डाफी ने आखिरी राउंड में 69 स्कोर करके तीन लाख डॉलर इनामी राशि का डीपी वर्ल्ड ओपन गोल्फ का खिताब जीत लिया। डाफी ने अमेरिका के डारेड हैक और भारत के सप्तक तलवार को एक शॉट से हराया।

सातवें पर रही दीक्षा

■ **गोल्ड कोस्ट:** भारत की दीक्षा डागर और हिताशी बख्शी ऑस्ट्रेलियन विमिंस पीजीए गोल्फ चैंपियनशिप में टॉप-10 में रहीं। दीक्षा संयुक्त सातवें स्थान पर रहीं।

बायर्न के कदम खिताब की ओर

■ **एजेंसियां, बर्लिन:** इंग्लैंड के स्टार खिलाड़ी हैरी केन ने एक बार फिर गोल किया जिससे बायर्न म्यूनिख ने यूनियन बर्लिन को 4-0 से हराकर 14 वर्षों में अपना 13वां बुंडेसलीगा फुटबॉल टूर्नामेंट का खिताब जीतने की दिशा में एक कदम और आगे बढ़ाया। केन ने हाफ टाइम के बाद जर्मनी की इस लीग के वर्तमान सीजन में अपना 31वां गोल दागा। अभी इस लीग में सात राउंड का खेल होना बाकी है और ऐसे में केन के पास रॉबर्ट लेवांडोस्की के एक सीजन में सर्वाधिक 41 गोल करने का रेकॉर्ड तोड़ने का मौका है। बायर्न की तरफ से सर्गे ग्नाब्री ने दो गोल किए।

फुटबॉल कॉर्नर

31वां गोल दागा सीजन का केन ने

लिवरपूल, चेल्सी मुश्किल में

लिवरपूल: लगातार खराब प्रदर्शन के कारण लिवरपूल और चेल्सी के लिए प्रीमियर लीग फुटबॉल टूर्नामेंट का खिताब तो दूर की कौड़ी बनता ही जा रहा है। लिवरपूल को इस सीजन में प्रीमियर लीग में 10वीं जबकि चेल्सी को 10 दिनों में लगातार चौथी हार का सामना करना पड़ा है। शनिवार को ब्राइटन ने लिवरपूल पर 2-1 से जीत दर्ज की। इसके कुछ घंटों बाद चेल्सी को एवर्टन ने 3-0 से हरा दिया।

सा.अफ्रीका ने की सीरीज में बराबरी

■ **एजेंसियां, वेलिंगटन:** कॉनर एस्टरहुइजेन (57 रन, 36 बॉल) के इंटरनैशनल करियर की पहली फिफ्टी और स्पिनर्स के शानदार प्रदर्शन से साउथ अफ्रीका ने चौथे टी20I में न्यूजीलैंड को 19 रन से हरा दिया। इसके साथ ही पांच मैचों की सीरीज में 2-2 की बराबरी हासिल कर ली। साउथ अफ्रीका ने पांच विकेट पर 164 रन बनाए। कीवी टीम 18.5 ओवर्स में 145 रन पर सिमट गई।

कॉनर एस्टरहुइजेन

सिनर ने कर ली जोकोविच के एक रेकॉर्ड की बराबरी

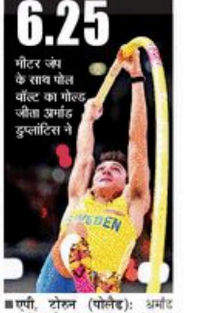

■ **एजेंसियां, मियामी:** यानिक सिनर ने मियामी ओपन टेनिस के पहले राउंड में डामिर जुम्हुर को 6-3, 6-3 से हराया। सिनर ने बीते नवंबर में पैरिस मास्टर्स और इंडियन वेल्स में खिताबी जीत के बाद अब एटीपी मास्टर्स-1000 इवेंट्स में लगातार 24 सेट जीतकर दिग्गज नोवाक जोकोविच के रेकॉर्ड की बराबरी की। इंडियन वेल्स के सेमीफाइनलिस्ट अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने भी मेंस सिंगल्स के पहले राउंड में मार्टिन डैम को 6-2, 6-4 से आसानी से हराया। इस दशक में एटीपी मास्टर्स-1000 लेवल पर ज्वेरेव की यह 103वीं जीत है।

मियामी ओपन टेनिस

ज्वेरेव भी दूसरे राउंड में

12 राशियां और आपका दिन

ARIES 21 Mar - 19 Apr
राशि स्वामी मंगल, कुंभ राशि पर शनि के साथ एकादश भाव में आ चुका है। चंद्रमा आज द्वितीय भाव में होने से घर के लिए जरूरी वस्तुओं में वृद्धि होगी। अतिव्यस्त दिनचर्या या किसी रिश्तेदार के कारण थोड़ा मानसिक तनाव मिल सकता है। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें।

TAURUS 20 Apr - 19 May
आज के दिन राशि का स्वामी शुक्र द्वादश भाव में और राहु कुंभ राशि का होकर दशम राज्य भाव में होने से जीविका के क्षेत्र में चल रहे प्रयास फलीभूत होंगे। राजनीतिक सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति उदासीन न रहें। अन्यथा परेशानी उठानी पड़ सकती है। वाणी पर संयम रखें। विरोधी परास्त होंगे।

GEMINI 21 May - 21 Jun
आज राशि से द्वादश भाव में चंद्रमा मन को संतोष देने वाला है। भाग्य भाव में बुध के होने से व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। किसी कार्य के संपन्न होने से आपके स्वभाव एवं वर्चस्व में वृद्धि होगी। ससुराल पक्ष से थोड़ा तनाव मिल सकता है। मैत्री संबंध मधुर होंगे।

CANCER 22 Jun - 22 July
आज राशि स्वामी चंद्र दशम भाव में कोष वृद्धि का संकेत दे रहा है। दांपत्य जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। शारीरिक व मानसिक क्लेश मिल सकता है। इसलिए व्यर्थ बोलने से बचें और विवाद में न पड़ें। परीक्षा की दिशा में किया गया श्रम सार्थक होगा। विरोधी परास्त होंगे।

LEO 23 July - 22 Aug
दशम भाव का चंद्रमा और सप्तम घर में कुंभ राशि का राहु आज प्रभाव प्रताप को बढ़ाने वाला है, रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। दूसरों के सहयोग लेने में सफल होंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। प्रियजन भेंट संभव है।

VIRGO 23 Aug - 22 Sep
आज के दिन नवम भाव में चंद्रमा शुभ व्यय, कीर्ति की वृद्धिकारक है। व्यावसायिक दिशा में सफलता मिलेगी। खान-पान में संयम रखें। अन्यथा कष्ट पड़ सकते हैं। अकस्मात व्यय का सामना करना पड़ सकता है। विरोधियों का पराभव होगा। रोजगार के क्षेत्र में सफलता मिलेगी।

LIBRA 23 Sep - 22 Oct
राशि स्वामी शुक्र-मीन राशि का होकर सप्तम भाव में और एकादश भाव में चंद्रमा के प्रभाव से राजनीतिक दिशा में किए गए प्रयास फलीभूत होंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किसी अभिन्न मित्र से मिलने की संभावना है। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। अष्टम चंद्रमा के कारण स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें, नियमित योग आपके लिए हितकारी होगा।

SCORPIO 23 Oct - 21 Nov
आज के दिन राशि स्वामी मंगल के कुंभ राशि पर होने और सप्तम भाव में चंद्रमा होने से पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। शासन सत्ता का सहयोग रहेगा। रुका हुआ कार्य संपन्न होगा। किसी मूल्यवान वस्तु के खोने व चोरी की संभावना है। इसलिए सतर्कता बरतें। फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें।

SAGITTARIUS 22 Nov - 21 Dec
आज के दिन देवगुरु मिथुन राशि पर और चंद्रमा सप्तम प्रमुख त्रिकोण स्थान में चल रहे हैं। इसलिए आर्थिक दिशा में सफलता मिलेगी। वाणी की सौम्यता आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि करेगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। खान-पान में संयम बरतें। ससुराल पक्ष और मित्रों से लाभ होगा।

CAPRICORN 22 Dec - 19 Jan
आपकी राशि से द्वितीय राहु और राशि का स्वामी शनि पराक्रम स्थान तृतीय में होने के कारण व्यावसायिक योजना को बल मिलेगा। जल्द इसे कार्यरूप में बदल पाएंगे। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। विरोधी परास्त होंगे।

AQUARIUS 20 Jan - 18 Feb
आज चतुर्थ प्रमुख केंद्र भाव में वृष राशि का चंद्रमा होने के फलस्वरूप बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलने की संभावना है। आर्थिक दिशा में किए प्रयास सफल होंगे। खान-पान पर संयम रखें। झगड़ा विवाद से बचें। राशि में स्थित शनि और मंगल कठिन कार्यों को भी आसान बना देंगे।

PISCES 19 Feb - 20 Mar
आज के दिन राशि स्वामी बृहस्पति चतुर्थ सुख मित्र भाव में राज्य मान-प्रतिष्ठा वृद्धि कारक है। रोजगार के क्षेत्र में चल रहे प्रयास फलीभूत होंगे। राजनीतिक सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति उदासीन न रहें। वाणी पर संयम रखें और व्यर्थ के विवाद से स्वयं को बचाएं। आज पराक्रम भाव का गुरु आपको साहसिक निर्णय लेने के लिए प्रेरित करेगा, जो भविष्य में लाभदायक सिद्ध होंगे।

क्या कहते हैं आपके नंबर

(23 मार्च - 29 मार्च 2026)

(आचार्य नंदिता पांडे)

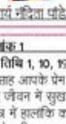

● **मूलांक 1**
(जन्म तिथि 1, 10, 19, 28)
इस सप्ताह आपके प्रेम संबंध में सुखद अनुभव रहेंगे व जीवन में सुख शांति महसूस होगी। कार्यक्षेत्र में हालांकि कष्ट बढ़ सकते हैं और ऐसा लगेगा कि लाइफ में आपको वह सब नहीं मिल रहा है जिसके आप हकदार हैं। इस सप्ताह भावनात्मक कारणों की वजह से व्यय अधिक रहेंगे।

● **मूलांक 2**
(जन्म तिथि 2, 11, 20, 29)
आर्थिक मामलों में समय अनुकूल होगा एवं हो सकता है कि आपको किसी की मदद भी मिल जाए। इस सप्ताह निवेशों द्वारा धन प्राप्ति के अच्छे संयोग बन रहे हैं। प्रेम संबंध में आपसी प्रेम सुदृढ़ होता जाएगा और लाइफ में खुशियां दस्तक देंगी।

● **मूलांक 3**
(जन्म तिथि 3, 12, 21, 30)
इस सप्ताह आपके कार्यक्षेत्र में उन्नति होगी। सप्ताह की शुरुआत में ही आपको अपने प्रोजेक्ट से संबंधित सुखद समाचार मिल सकता है। प्रेम संबंध में बेहतर होंगे और आप अपने जीवनसाथी के साथ पार्टी मूड में रहेंगे।

● **मूलांक 4**
(जन्म तिथि 4, 13, 22, 31)
आपके कार्यक्षेत्र में बदलाव नजर आएंगे एवं किसी नए प्रोजेक्ट की तरफ रुझान भी अधिक रहेगा। आर्थिक मामलों में भी आपके निवेश करने के पैटर्न में बदलाव दिखाई देते हैं और नए निवेशों की तरफ रुझान रहेगा।

● **मूलांक 5**
(जन्म तिथि 5, 14, 23)
इस सप्ताह सोच समझकर किसी भी निर्णय पर पहुंचेंगे तो ज्यादा बेहतर होगा। प्रेम संबंध में रोमांस की धीरे-धीरे एंट्री होगी। आर्थिक मामलों में धन वृद्धि प्राप्त करने के लिए आपको अपनी तरफ से मेहनत करनी पड़ेगी।

● **मूलांक 6**
(जन्म तिथि 6, 15, 24)
कार्यक्षेत्र में कोई दो प्रोजेक्ट आपको काफी लुभावने लगेंगे एवं उनकी तरफ रुझान भी बढ़ेगा। हालांकि, इनमें से किसी एक पर ही आप अमल कर पाएंगे, आपको अपनी अंतरात्मा की आवाज को सुनकर निर्णय लेना चाहिए तभी बेहतर परिणाम सामने आएंगे।

● **मूलांक 7**
(जन्म तिथि 7, 16, 25)
इस सप्ताह किसी नए प्रोजेक्ट के द्वारा सफलता हासिल होगी एवं उन्नति के मार्ग प्रशस्त होते जाएंगे। आर्थिक मामलों में हालांकि कष्ट रहेगा और खर्च बढ़ सकते हैं। कोर्ट कचहरी के मामले आपको विपरीत परिणाम दे सकते हैं।

● **मूलांक 8**
(जन्म तिथि 8, 17, 26)
आर्थिक मामलों में समय अनुकूल होता जाएगा एवं धन वृद्धि के संयोग भी बनेंगे। बिजनेस ट्रिप्स आपके लिए शुभ संयोग लेकर आ रही हैं और आर्थिक उन्नति के आसार नजर आ रहे हैं।

● **मूलांक 9**
(जन्म तिथि 9, 18, 27)
इस सप्ताह के कार्य क्षेत्र में उन्नति रहेगी एवं सप्ताह की शुरुआत में ही कोई सुखद समाचार आपको अपने प्रोजेक्ट से संबंधित मिल सकता है। आर्थिक मामलों में उन्नति की योग बन रहे हैं और धीरे धीरे सुधार भी होता जाएगा।

सुडोकू

							2	
9		4	5					
	1		7	8				9
		3			2		6	4
			1		9			
7	6		3			2		
2				1	8		7	
					7	3		1
	7							

कल के सुडोकू का जवाब

1	6	3	5	4	8	7	2	9
7	4	2	9	1	3	8	6	5
5	8	9	2	6	7	4	1	3
4	5	6	3	2	9	1	7	8
9	7	8	4	5	1	6	3	2
2	3	1	7	8	6	5	9	4
3	9	5	6	7	4	2	8	1
6	1	4	8	9	2	3	5	7
8	2	7	1	3	5	9	4	6

TELEVISION big magic

09:00	[illegible]
10:00	[illegible]
11:00	रुद्र के रक्षक
12:00	चक्रधारी अजेय कृष्णा
12:30	हम पांच
13:00	रुद्र के रक्षक
13:30	[illegible]
14:00	चक्रधारी अजेय कृष्णा
15:00	लिटिल कृष्णा
17:00	[illegible]
19:00	चक्रधारी अजेय कृष्णा

कल का पंचांग

(मंगलवार, 24 मार्च 2026)

राष्ट्रीय मिति चैत्र 3, शक संवत 1948, चैत्र शुक्ल, षष्ठी, मंगलवार, विक्रम संवत 2083। सौर चैत्र मास प्रविष्टे 11, शव्वाल 4, हिजरी 1447 (मुस्लिम), तद अनुसार अंग्रेजी तारीख 24 मार्च 2026 ई.। सूर्य उत्तरायण, उत्तर गोल, वसंत ऋतु। राहु काल अपराह्न 3 बजे से 4 बजकर 30 मिनट तक। षष्ठी तिथि शाम 4 बजकर 8 मिनट तक के बाद सप्तमी तिथि का आरंभ। रोहिणी नक्षत्र शाम 7 बजकर 5 मिनट तक के बाद मृगशिरा नक्षत्र का आरंभ। प्रीति योग सुबह 9 बजकर 8 मिनट तक के बाद आयुष्मान योग का आरंभ। तैतिल करण शाम 4 बजकर 8 मिनट तक के बाद वणिज करण का आरंभ। चंद्रमा अगले दिन सुबह 6 बजकर 17 मिनट तक वृष के बाद मिथुन राशि पर संचार करेगा। आज के व्रत त्योहार श्री (लक्ष्मी) पंचमी, नाग पंचमी, हय-व्रत।

जन्मदिन की शुभकामनाएं

यह वर्ष चांदी के पाद से प्रवेश कर रहा है। वर्ष का स्वामी मंगल बुध ग्रह बने हैं। मंगल भूमि का स्वामी, युद्ध प्रिय, साहसी, अग्रणी, सुव्यवस्थापक ग्रह है। जिसको बुध का सानिध्य बौद्धिक गुणों वाला, कुशल व्यापारी भी बना देता है। मार्च शेष से अप्रैल तक घरेलू सुख साधन, वाहन, मकान प्राप्ति के प्रबल योग हैं। मई से जून में अकारण शत्रु उत्पन्न होंगे, पर बाद में उनका मान मर्दन भी हो जाएगा। इस वर्ष जुलाई, अगस्त और सितंबर में किसी मांगलिक कार्य का अनुष्ठान अथवा प्रतिष्ठावर्धक कार्य भी आपके परिवार में होंगे। अक्टूबर से नवंबर में रोग ऋण से मुक्ति मिलेगी और निकट संबंधी आपके इर्द-गिर्द घूमेंगे। दिसंबर से जनवरी 2027 में व्यर्थ की भागदौड़ में स्थायी व अस्थायी व्यापार का विस्तार एवं धार्मिक स्थानों पर पर्यटन का योग है। फरवरी से मार्च तक सहयोग आपके पुरुषार्थ को उजागर करेगा। विद्यार्थी के लिए वर्ष उत्तम है। भाग्य का उदय धन कर्म कीर्ति की वृद्धि, शत्रु पिशाचों का दमन, प्रबल से प्रबल विरोधियों के होने पर भी अंत में सर्वत्र विजय, विभूति, सफलता की प्राप्ति हर्ष मंगलमय परिवर्तन और मनोरथ सिद्धि होगी।

-आचार्य कृष्ण दत्त शर्मा

मार्केट वोलैटिलिटी क्या है और इससे कैसे निपटें?

रिजु मेहता
Riju.Mehta
@timesofindia.com

फाइनैंशल मार्केट में कीमतें हमेशा एक जैसी नहीं रहतीं। इसी उतार-चढ़ाव को मार्केट वोलैटिलिटी (Market Volatility) या बाजार में उतार-चढ़ाव कहते हैं। यह निवेशकों के लिए जोखिम का संकेत भी होता है।

मार्केट वोलैटिलिटी निवेश का एक सामान्य हिस्सा है, इससे पूरी तरह बचा नहीं जा सकता। लेकिन सही समझ, धैर्य और रणनीति के साथ इसे संभाला जा सकता है। घबराकर फैसले लेने के बजाय लंबी अवधि के लक्ष्य पर ध्यान देना ही समझदारी है। वोलैटिलिटी का मतलब है किसी शेयर, इंडेक्स या असेट की कीमत में एक तय समय के दौरान होने वाला उतार-चढ़ाव। अगर कीमतें तेजी से ऊपर-नीचे होती हैं, तो इसे हाई वोलैटिलिटी कहा जाता है। वहीं, अगर कीमतें ज्यादा नहीं बदलतीं, तो इसे लो वोलैटिलिटी माना जाता है। सीधे शब्दों में, जितनी ज्यादा वोलैटिलिटी होगी, उतना ज्यादा जोखिम होगा।

वोलैटिलिटी को आमतौर पर स्टैण्डर्ड डिविएशन (Standard Deviation) से मापते हैं। यह औसत से फर्क मापने का तरीका है। यह बताता है कि किसी असेट की कीमत अपने औसत मूल्य से कितनी दूर जा रही है। ज्यादा डिविएशन मतलब ज्यादा उतार-चढ़ाव और कम डिविएशन यानी स्थिर कीमत।

बेसिक बातें

मार्केट में उतार-चढ़ाव क्यों?

मार्केट वोलैटिलिटी के पीछे कई कारण होते हैं, जो देश और दुनिया दोनों से जुड़े हो सकते हैं।

1. ग्लोबल घटनाएं: युद्ध, महामारी या आर्थिक फैसले बाजार को प्रभावित करते हैं। जैसे कोविड, रूस-यूक्रेन, ईरान-इस्राइल जंग।

2. राजनीतिक कारण: सरकार, चुनाव या नीतियों में बदलाव अनिश्चितता पैदा करते हैं, जिससे बाजार प्रभावित होता है।

3. आर्थिक कारण: महंगाई, ब्याज दर या केंद्रीय बैंक के फैसले भी बाजार को ऊपर-नीचे कर सकते हैं।

4. मार्केट से जुड़े कारण: कंपनी के नतीजे, बड़े ऐलान, सेक्टर में बदलाव भावना को प्रभावित करते हैं, जिससे कीमतें बदलती हैं।

उतार-चढ़ाव कैसे संभालें?

मार्केट में उतार-चढ़ाव देखकर घबराना स्वाभाविक है, लेकिन कुछ आसान रणनीतियों से इसे संभाला जा सकता है।

1. डायवर्सिफिकेशन: अपने पैसे को एक ही जगह लगाने के बजाय अलग-अलग असेट में निवेश करें। जैसे शेयर, बॉन्ड, गोल्ड आदि। इससे एक जगह नुकसान होने पर दूसरी जगह से संतुलन बना रहता है।

2. सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट: नियमित निवेश करते रहना बेहतर होता है। SIP के जरिए आप अलग-अलग समय पर निवेश करते हैं, जिससे औसत कीमत पर खरीद होती है और जोखिम कम होता है।

3. रीबैलेंसिंग: समय-समय पर पोर्टफोलियो बैलेंस करना जरूरी है। शेयर ज्यादा बढ़ गए, तो कुछ हिस्सा निकालकर सुरक्षित असेट में लगाएं। इससे जोखिम तय सीमा में रहता है।

शादी के 20-30 साल बाद तलाक: महिलाओं के लिए फाइनैंशल तैयारी क्यों है ज़रूरी?

रिजु मेहता
Riju.Mehta
@timesofindia.com

40 और 50 की उम्र में तलाक के मामले बढ़ रहे हैं, लेकिन इसके साथ सबसे बड़ी चुनौती फाइनैंशल सुरक्षा की होती है। सही तैयारी, जागरूकता और प्लानिंग के बिना यह फैसला मुश्किल हो सकता है। जानिए कैसे महिलाएं तलाक के बाद अपने भविष्य को सुरक्षित बना सकती हैं।

भारत में शादी के वर्षों बाद तलाक के मामले बढ़ रहे हैं। पहले जहां लोग किसी भी हाल में शादी बचाने की कोशिश करते थे, वहीं अब 40 और 50 की उम्र में भी महिलाएं गलत या असंतुष्ट रिश्तों से बाहर निकलने का फैसला ले रही हैं। इसे 'ग्रे डिवोर्स' (Grey Divorce) कहा जाता है। लेकिन इस फैसले के साथ सबसे बड़ी चुनौती होती है फाइनैंशल (वित्तीय) सुरक्षा की।

55 साल की मेघा अग्रवाल ने 29 साल की शादी के बाद तलाक लिया। उनके पास न कोई स्थिर आय थी और न ही उनके नाम कोई बड़ी बचत या संपत्ति थी। फिर भी उन्होंने गुजारा भत्ता (Alimony) लेने से मना कर दिया और अलग जीवन चुन लिया। यह उदाहरण बताता है कि अब महिलाएं सिर्फ समाज के दबाव में रिश्ते नहीं निभा रहीं, बल्कि अपनी शर्तों पर जीवन जीने का फैसला कर रही हैं।

'लेट एज' तलाक क्यों?

1. आर्थिक आत्मनिर्भरता: आज की महिलाएं पहले की तुलना में ज्यादा पढ़ी-लिखी और कमाने वाली हैं। उनके पास अपनी आय होती है, जिससे वे खुद को संभाल सकती हैं। यही आत्मनिर्भरता उन्हें गलत रिश्ते से बाहर आने की हिम्मत देती है।

2. बच्चों के बड़े होने का इंतजार: कई महिलाएं पहले बच्चों की जिम्मेदारी पूरी होने का इंतजार करती हैं। जब बच्चे पढ़-लिखकर या शादी करके अपने जीवन में आगे बढ़ जाते हैं, तब वे अपना फैसला लेती हैं।

3. रिश्तों में दूरी और मतभेद: समय के साथ भावनात्मक दूरी आ जाती है। पहले लोग समाज के डर से साथ रहते थे, लेकिन अब सोच बदल रही है।

4. धोखा और घरेलू हिंसा: महिलाएं मानसिक या शारीरिक उत्पीड़न को सहन नहीं करना चाहतीं। ऐसे मामलों में भी देर से तलाक के फैसले बढ़े हैं।

पैसे का मैनेजमेंट सबसे बड़ी चुनौती

तलाक सिर्फ भावनात्मक नहीं, बल्कि आर्थिक झटका भी होता है। खासकर तब, जब महिला के पास खुद की आय या संपत्ति नहीं हो।

ध्यान रखने वाली अहम बातें

- **अपने नाम पर निवेश:** MF या PPF जैसे निवेश अपने नाम पर करें।
- **जॉइंट अकाउंट:** जॉइंट अकाउंट में "either or survivor" क्लॉज होता है, यानी दूसरा व्यक्ति पूरा पैसा निकाल सकता है। इसलिए अलग अकाउंट रखना ज्यादा सुरक्षित है।
- **घर अपने नाम पर:** अगर घर खरीद रही हैं, तो कोशिश करें कि आप 'फर्स्ट ओनर' (मुख्य मालिक) हों। इससे आपको टैक्स और स्टांप ड्यूटी में भी फायदा मिल सकता है।
- **हेल्थ इंश्योरेंस:** उम्र बढ़ने के साथ मेडिकल खर्च भी बढ़ता है। इसलिए पर्याप्त हेल्थ कवर बहुत जरूरी है।

फाइनैंशल झटकों से कैसे बचें?

आपसी सहमति से तलाक बेहतर

संभव हो, तो 'म्यूचुअल कंसेंट' (Mutual Consent) यानी आपसी सहमति से तलाक लें। इससे समय, पैसा और मानसिक तनाव तीनों कम होते हैं। कोर्ट केस कई साल तक चल सकते हैं और खर्च भी बहुत बढ़ जाता है।

एकमुश्त या मासिक गुजारा भत्ता?

अलिमनी की एकमुश्त रकम टैक्स-फ्री होती है, जबकि मासिक भुगतान पर टैक्स लग सकता है। साथ ही, मासिक भुगतान में अनियमितता का खतरा भी रहता है।

हेल्थ और लाइफ इंश्योरेंस जरूरी

अगर पहले फैमिली फ्लोटर (परिवार बीमा योजना) था, तो अब अलग हेल्थ इंश्योरेंस लेना जरूरी है। अगर बच्चों की जिम्मेदारी है, तो लाइफ इंश्योरेंस भी लेना चाहिए, ताकि भविष्य सुरक्षित रहे।

खुद को स्किल्ड बनाएं

अगर नौकरी या आय का स्रोत नहीं है, तो नई स्किल सीखें। आप पार्ट टाइम काम, छोटा बिजनेस या हॉबी को भी कमाई का जरिया बना सकती हैं।

आय हो या नहीं, तलाक से पहले तैयारी जरूरी

अगर आपकी आय नहीं है: आपके पास आय का स्रोत नहीं है, तो आपको पूरी तरह अलिमनी पर निर्भर रहना पड़ सकता है। इसलिए पति की आय और निवेश की जानकारी रखें।

- संपत्ति और बैंक अकाउंट के बारे में जानें।
- अपने अधिकारों के लिए सबूत जुटाएं।
- अपनी संपत्ति का रेकॉर्ड रखें।
- गहनों, स्त्रीधन का रेकॉर्ड रखें।
- बिल और फोटो सुरक्षित रखें।
- खुद की कमाई का स्रोत बनाएं।

अगर आप पहले से कमाती हैं: कई महिलाएं सोचती हैं कि वे फाइनैंशली इंडिपेंडेंट (आर्थिक रूप से स्वतंत्र) हैं, लेकिन असलियत अलग हो सकती है। अगर आपकी सालाना आय 5-6 लाख रुपये है, लेकिन खर्च 20 लाख रुपये है, तो आप पूरी तरह सुरक्षित नहीं हैं।

तलाक के दौरान क्या ध्यान रखें?

- आपसी सहमति नहीं है, तो केस 5-10 साल तक चल सकता है। इसलिए पैसे की व्यवस्था रखें।
- भारत में अलिमनी के लिए 50-50 संपत्ति का नियम नहीं है। कोर्ट आपकी आय, जरूरत और जीवन स्तर देखकर फैसला करती है।
- आपको यह सुनिश्चित करना चाहिए कि रहने के लिए घर मिले, रोजमर्रा खर्च के लिए पर्याप्त पैसा मिले, बच्चों की पढ़ाई और शादी के लिए अलग फंड हो।
- आप बड़ा घर संभाल नहीं सकतीं, तो वह आपके लिए बोझ बन सकता है। मेंटेनेंस और टैक्स का खर्च भी ध्यान में रखें।

काम की तारीखें

इन IPOs में मौका

IPO (Initial Public Offering) वह प्रक्रिया होती है, जिसके तहत कोई निजी कंपनी पहली बार आम लोगों को अपने शेयर बेचती है और शेयर बाजार में लिस्टेड कंपनी बन जाती है। IPO के बाद कंपनी के शेयर स्टॉक एक्सचेंज पर ट्रेड होने लगते हैं और आम निवेशक भी उसमें हिस्सेदारी ले सकते हैं।

AI Image

- **Sai Parenteral's Ltd.** 24-27 मार्च (₹372-₹392)
- **Powerica Ltd.** 24-27 मार्च (₹375-₹395)
- **Amir Chand Jagdish Kumar (Exports) Ltd.** 24-27 मार्च (₹201-₹212)
- **Central Mine Planning & Design Institute Ltd.** 24 मार्च तक (₹163-₹172)
- **Vivid Electro. Ltd.** 25-30 मार्च (₹528-₹555)

एलिस श्रोएडर ने लिखी है जाने-माने निवेशक वॉरेन बफेट की दास्तान

बफेट का वैल्यू इन्वेस्टिंग मंत्र बड़े काम का

किताब लाजवाब

मृत्युंजय राय
Mrityunjay.Ray
@timesofindia.com

ओरेकल ऑफ ओमाहा कहे जाने वाले वॉरेन बफेट (Warren Buffett) के दुनिया के सबसे जाने-माने निवेशक बनने की दास्तान एलिस श्रोएडर ने 'The Snowball: Warren Buffett and the Business of Life' में लिखी है। असल में यह किताब बफेट की जीवनी है, जिसे लिखने की सहमति उन्होंने एलिस को दी थी।

एलिस श्रोएडर की किताब 'The Snowball: Warren Buffett and the Business of Life' वॉरेन बफेट के बारे में है। इस किताब में एलिस बताती हैं कि नेब्रास्का में रहने वाले वॉरेन का किस तरह से वैल्यू इन्वेस्टिंग पर भरोसा बढ़ा और कैसे दुनिया के सर्वाधिक अमीरों में जगह बनाई।

एलिस लिखती हैं कि बचपन से ही बफेट को नंबरों और बिजनेस में दिलचस्पी थी। 6 साल की उम्र में उन्होंने कोका कोला के 6 पैक 25 सेंट्स में खरीदे और उसे मोहल्ले के दूसरे बच्चों को बेचकर मुनाफा कमाया। 9 साल की उम्र में वह घर-घर जाकर पत्रिकाएं बेचा करते थे और 11 साल की उम्र में उन्होंने पहली बार कोई शेयर खरीदा। उनके पिता हावर्ड बफेट अमेरिकी कांग्रेस के सदस्य थे और स्टॉकब्रोकिंग का काम करते थे।

12 साल की उम्र से जब वॉरेन ने न्यूजपेपर डिलिवरी का काम शुरू किया तो साथ ही बचत करना भी। इससे साल भर पहले तक उनकी कुल बचत 120 डॉलर हो चुकी थी, जो आज के हिसाब से हजारों डॉलर है। एलिस बताती हैं कि कम उम्र से काम करने से वॉरेन को कैश फ्लो, ग्राहकों को साथ बनाए रखने और चक्रवृद्धि दर की अहमियत समझ आई।

'वॉरेन बफेट ने न्यूजपेपर डिलिवरी का काम शुरू किया तो साथ ही बचत करना भी। इससे साल भर पहले उनकी कुल बचत 120 डॉलर हो चुकी थी।'

फिल फिशर का प्रभाव

जब वह व्हार्टन में पढ़ने गए तो उन्हें वहां की पढ़ाई पसंद नहीं आई। उन्हें किताबी विश्लेषण से रियल वर्ल्ड एनालिसिस अधिक पसंद था। इसके बाद कोलंबिया यूनिवर्सिटी में वह बेंजामिन ग्राहम के स्टूडेंट बने। ग्राहम से वॉरेन ने वैल्यू इन्वेस्टिंग सीखी और वह उन्हें अपना गुरु भी मानते हैं। ग्राहम तब स्टूडेंट्स को बताते थे कि शेयर बाजार में ऐसे स्टॉक्स खरीदने चाहिए, जो असल कीमत से कम पर मिल रहे हों। वह इसे इंट्रिंसिक वैल्यू कहते थे। ग्राहम का कहना था कि ऐसे शेयर खरीदने पर निवेशकों को मार्जिन ऑफ सेफ्टी मिलती है। यानी इस तरीके से निवेश करने पर स्टॉक्स में नुकसान होने की आशंका नहीं रहती।

ग्राहम यह भी कहते थे कि अगर कोई शेयर बाजार में पिटा हुआ है और निवेशक को उससे कम पैसा बनाने

वॉरेन बफेट का मानना है कि असली कमाई समय के साथ होती है। सही वैल्यू पर खरीदे गए अच्छे बिजनेस में लंबे समय तक निवेश करना ही सफलता का मूल मंत्र है।

की गुंजाइश भी दिख रही है तो उसमें निवेश करना चाहिए। ग्राहम के इस तरह के निवेश वाले तरीके को सिगार बट इन्वेस्टिंग का नाम दिया गया था। हालांकि, बफेट ने शुरुआती वर्षों में ही इस तरीके के निवेश से तौबा कर ली। उस दौर में फिलिप फिशर भी बड़े निवेशक थे। फिशर ग्रेथ स्टॉक्स की पहचान करते और उन्हें कुछ दशकों तक अपने पास रखने में यकीन करते थे। बफेट को उनकी सोच ने बहुत प्रभावित किया और उन्होंने भी कई कंपनियों में बड़ी हिस्सेदारी ली और उसे दशकों तक बनाए रखा। बफेट कहते रहे हैं कि इस तरह के निवेश का तरीका कई लिहाज से अच्छा होता है। एक तो इसमें शेयर खरीदने का खर्च कम होता है क्योंकि आप इस तरह का खर्च बार-बार नहीं उठाते। फिर कैपिटल गेन के लिहाज से भी ऐसे सौदे अच्छे होते हैं। किसी शेयर पर कैपिटल गेन तभी देना पड़ता है, जब आप उसे बेचते हैं। अगर आप कोई शेयर दशकों तक अपने पास रखते हैं तो इसका मतलब है कि आप उस दौरान कैपिटल गेन टैक्स भी बचाते हैं।

ओमाहा लौटे, पार्टनरशिप की

बफेट कुछ समय तक ग्राहम की कंपनी के लिए काम करने के बाद ओमाहा लौट आए और स्टॉक इन्वेस्टमेंट के लिए अपनी पार्टनरशिप कंपनी लॉन्च की। 1962 तक उनके फंड ने अमेरिकी बेंचमार्क इंडेक्स डाओ जोंस को आउटपरफॉर्म किया। इस दौरान बफेट की पार्टनरशिप ने सालाना 30% का रिटर्न दिया। इसके बाद 1962 में उन्होंने एक नाकाम टेक्सटाइल कंपनी बर्कशायर हैथवे खरीदी। हालांकि इसके बिजनेस को वह मुनाफे में लाने में असफल रहे। आखिर में 1985 में उन्होंने टेक्सटाइल बिजनेस बंद कर दिया। इसके बाद उन्होंने कंपनी को निवेश का माध्यम बनाया। इंश्योरेंस सेक्टर में बर्कशायर हैथवे के जरिये उन्होंने काफी निवेश किया। इससे जो प्रीमियम मिलता, उसका इस्तेमाल वह और निवेश के लिए करते। 1988 में उन्होंने कोका कोला, 1976 में GEICO, 1973 में वॉशिंगटन पोस्ट जैसी कंपनियों में निवेश किया, जिससे उन्हें लॉन्ग टर्म में काफी फायदा हुआ। वह 1999 के टेक्नॉलजी बुलबुले में नहीं फंसे। साल 2000 के बाद बफेट ने रेलरोड में निवेश किया।

चार्ली मंगर का बड़ा असर रहा

1978 में चार्ली मंगर ने बर्कशायर हैथवे जॉइन की। उनके आने के बाद बफेट के निवेश का तरीका बदला। दोनों ने See's Candy और नेब्रास्का फर्नीचरमार्ट जैसी कंपनियों में निवेश का फैसला किया, जिससे काफी कैश फ्लो हासिल होता था। 2025 तक बर्कशायर हैथवे का मार्केट कैप 600 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया था। 99 साल की उम्र में चार्ली मंगर का निधन हो गया और उसके कुछ ही छोटे वॉरेन ने भी अपना उत्तराधिकारी चुनकर किसी भी तरह की अनिश्चितता दूर कर दी है। बफेट ने ग्रेग एबेल को अपना उत्तराधिकारी बनाया है और आज भी वह ग्रुप के लिए सक्रियता से काम कर रहे हैं।

NBT Wealth

साप्ताहिक आर्थिक भविष्यफल

(23 मार्च-29 मार्च 2026)

नन्दिता पाण्डेय
NBTwealth
@timesofindia.com

मेष (22 मार्च-21 अप्रैल)

सप्ताह की शुरुआत से धन लाभ के अच्छे मौके बनेंगे और आप समझदारी से निवेश कर लाभ कमा सकते हैं। इस सप्ताह आप आपकी बातचीत और व्यवहार से भी आय बढ़ाने में सफल होंगे। सप्ताह के अंत में खर्च बढ़ सकते हैं, खासकर घर या वाहन पर। मां की सेहत का ध्यान रखें। डेटा, एआई, बैंकिंग, इंश्योरेंस, शिक्षा और सोना-चांदी से जुड़े कामों में लाभ के योग बन रहे हैं।

वृषभ (22 अप्रैल-21 मई)

इस सप्ताह आपकी समझदारी और मेहनत से आय में लगातार सुधार होगा। सही निवेश से अच्छा फायदा मिल सकता है और पीआर स्किल्स भी काम आएंगी। शेयर मार्केट से भी लाभ के संकेत हैं। इस सप्ताह आपके लिए सोलर पावर, हेल्थ इंडस्ट्री, ऑप्टिकल इंडस्ट्री, सर्जिकल इक्विपमेंट्स, IT, फार्मा, ऑयल-पेट्रोलियम, इंडस्ट्री, मीडिया, फैशन, गारमेंट, जेम्स स्टोन इंडस्ट्री से विशेष धन लाभ के योग बन रहे हैं।

मिथुन (22 मई-21 जून)

सप्ताह की शुरुआत में खर्च बढ़ सकते हैं, इसलिए निवेश सोच-समझकर करें। बुधवार के बाद स्थिति सुधरेगी और आय के नए अवसर बनेंगे। आपकी बोलने की कला और समझदारी से लोगों को प्रभावित कर लाभ मिलेगा। इस सप्ताह बैंकिंग इंडस्ट्री, इंश्योरेंस इंडस्ट्री, शिक्षा का क्षेत्र, AI इंडस्ट्री, होटल इंडस्ट्री, फैशन इंडस्ट्री, क्रिएटिव फील्ड्स, मीडिया, परफ्यूम इंडस्ट्री से विशेष धन लाभ प्राप्त होगा।

कर्क (22 जून-21 जुलाई)

सप्ताह की शुरुआत में धन लाभ के अच्छे योग हैं और मेहनत का फल मिलेगा। पैतृक संपत्ति या प्रॉपर्टी से भी लाभ हो सकता है। बीच में खर्च बढ़ सकते हैं, लेकिन अंत में स्थिति फिर बेहतर होगी और निवेशों से फायदे में रहेंगे। इस सप्ताह आपको होटल इंडस्ट्री, गारमेंट इंडस्ट्री, मीडिया इंडस्ट्री, खाद्य पदार्थ, कंज्यूमर इंडस्ट्री, परफ्यूम इंडस्ट्री, जेम्स स्टोन इंडस्ट्री, सोलर पावर, गैस इंडस्ट्री, हेल्थ इंडस्ट्री से विशेष धन लाभ होने के आसार हैं।

सिंह (22 जुलाई-21 अगस्त)

सप्ताह की शुरुआत में वरिष्ठों की सलाह लेकर निवेश करना लाभकारी रहेगा। प्रोजेक्ट्स से भी आय बढ़ेगी। सप्ताह के अंत में शेयर मार्केट या प्रॉपर्टी से लाभ मिल सकता है, लेकिन खर्च भी बढ़ सकते हैं। शुक्रवार के बाद खर्च पर नियंत्रण रखें। इस सप्ताह जेम्स स्टोन, मीडिया, गारमेंट, कंज्यूमर, FMCG, होटल-रेस्तरां, खाद्य पदार्थ, डिफेंस, इलेक्ट्रॉनिक्स इंडस्ट्री से विशेष फायदे होंगे।

कन्या (22 अगस्त-21 सितंबर)

सप्ताह की शुरुआत से ही स्थितियां अनुकूल रहेंगी और बिजनेस ट्रिप से फायदा मिलेगा। थोड़ा दान-पुण्य करने से भाग्य मजबूत होगा। वरिष्ठों की सलाह से निवेश लाभ देगा। सप्ताह के अंत में प्रॉपर्टी से लाभ मिल सकता है। इस सप्ताह बैंकिंग, इंश्योरेंस, सोना-चांदी, शिक्षा, AI, क्लीनिंग एजेंट्स, इवेंट मैनेजमेंट, मोबाइल कंप्यूटर्स, टेलिकॉम, होटल लाइन, खाद्य पदार्थ, FMCG, परफ्यूम, फैशन और मीडिया इंडस्ट्री से लाभ होगा।

तुला (22 सितंबर-21 अक्टूबर)

सप्ताह की शुरुआत में खर्च ज्यादा हो सकते हैं, इसलिए सतर्क रहें। बुधवार से भाग्य साथ देगा और आय के मौके बढ़ेंगे। यात्रा लाभदायक रहेगी और आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। सप्ताह के अंत में सुख-समृद्धि बढ़ेगी। इस सप्ताह डेयरी प्रोडक्ट्स, IT, मोबाइल, कम्प्यूटर्स, टेलिकॉम, सोलर पावर, होटल, मीडिया, गारमेंट, फैशन, परफ्यूम, FMCG, कंज्यूमर गुड्स इंडस्ट्री से विशेष धन लाभ हो सकता है।

वृश्चिक (22 अक्टूबर-21 नवं.)

सप्ताह की शुरुआत में जीवनसाथी या साझेदारी से धन लाभ मिल सकता है। बुधवार-गुरुवार को खर्च बढ़ सकते हैं, लेकिन शुक्रवार से स्थिति सुधरेगी और अचानक लाभ के योग बनेंगे। सप्ताह के अंत में बिजनेस से जुड़े फैसले फायदे देंगे। इस सप्ताह आपको डिफेंस सेक्टर, इलेक्ट्रॉनिक गुड्स, स्पोर्ट्स सेक्टर, हेल्थ इंडस्ट्री, सोलर पावर, डेयरी प्रोडक्ट्स, हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट, ट्रेडिंग के जरिए विशेष धन लाभ प्राप्त हो सकता है।

धनु (22 नवंबर-21 दिसंबर)

सप्ताह की शुरुआत में आय के नए रास्ते खुलेंगे और कर्ज से राहत मिल सकती है। मेहनत का अच्छा फल मिलेगा और साझेदारी के काम से लाभ के असार हैं। जीवनसाथी से भी आर्थिक सहयोग मिल सकता है। सप्ताह के अंत में खर्च बढ़ सकते हैं, खासकर स्वास्थ्य या किसी आकस्मिक कारण से। बैंकिंग, शिक्षा, टेलिकॉम, हेल्थ, फार्मा और डिफेंस सेक्टर से लाभ की संभावना है।

मकर (22 दिसंबर-21 जनवरी)

सप्ताह की शुरुआत में आर्थिक स्थिति बेहतर होगी और अचानक लाभ भी मिल सकता है। बीच में उन्नति के संकेत हैं और कर्ज से राहत मिलेगी। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। सप्ताह के अंत में साझेदारी के निवेश लाभ देंगे। इस सप्ताह आपको IT, मोबाइल, टेलिकॉम, कम्प्यूटर, टेक्नॉलजी, होटल, गारमेंट, परफ्यूम, FMCG, मीडिया, IT, फार्मा, केमिकल, ऑयल-पेट्रोलियम इंडस्ट्री से विशेष धन लाभ होगा।

कुंभ (22 जनवरी-18 फरवरी)

सप्ताह की शुरुआत में खर्च बढ़ सकते हैं, खासकर घर और वाहन पर। बुधवार के बाद स्थिति सुधरेगी और मानसिक शांति मिलेगी। सप्ताह के अंत में आय बढ़ेगी और नए स्रोत खुलेंगे। शेयर मार्केट या सट्टा से भी लाभ मिल सकता है। डिफेंस, इलेक्ट्रॉनिक्स, सोलर, हेल्थ, मीडिया और फैशन सेक्टर में फायदे के संकेत हैं।

मीन (19 फरवरी-21 मार्च)

सप्ताह की शुरुआत में धन लाभ के अच्छे संकेत हैं और नेटवर्किंग से फायदा मिलेगा। इस सप्ताह नए निवेश लाभकारी रहेंगे। बीच में खर्च बढ़ सकते हैं, इसलिए सतर्क रहें। सप्ताह के अंत में अचानक लाभ के योग बनेंगे। शेयर मार्केट या सट्टा से भी फायदा हो सकता है। बैंकिंग, इंश्योरेंस, मैन्युफैक्चरिंग, होटल, फूड और मीडिया सेक्टर में लाभ मिलेगा।

(लेखिका ऐस्ट्रो-टैरो रीडर, आध्यात्मिक गुरु और लाइफ कोच हैं।)

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 23-03-2026 Zone: Mahanagar Edition: 2 Page: NBTMAHFP User: cci Time: 03-22-2026 23:27 Color:

नई दिल्ली > सोमवार, 23 मार्च 2026 > चैत्र 2 शक संवत 1948 चैत्र शुक्ल पंचमी, विक्रम संवत 2083
WATCH GOD WATCHDOG
वर्ष 80, संख्या 68 > पेज 14 > मूल्य ₹5.00 या ₹10.00* द टाइम्स ऑफ इंडिया सहित www.nbt.in
*मासिक खरीद पर ही लागू

NBT नवभारत टाइम्स

एनबीटी में विज्ञापन देने के लिए 18001205474 पर कॉल करें। नवभारत टाइम्स का अंक प्राप्त करने के लिए 18001200004 पर कॉल करें या subscribe.timesofindia.com पर जाएं।

ग्लोबल पॉप स्टार शकीरा का इंडिया कॉन्सर्ट टला

▸p9

ज़िंदगी के कुछ पलों को थामना चाहती हूं: कटरीना

▸p10

जेफ बेजोस की पत्नी रही मैकेंजी स्कॉट ने किया रेकॉर्ड दान ▸▸ पेज 12

CAPF के लिए आज राज्यसभा में आएगा बिल, अधिकारी नही संतुष्ट ▸▸ पेज 6

पूर्व JDU नेता के. सी. त्यागी ने RLD का थामा दामन ▸▸ पेज 6

ट्रंप की चेतावनी: 48 घंटे में होर्मुज़ खोले ईरान, वर्ना पावर प्लांट बर्बाद कर देंगे

इस्राइल के एटमी ठिकाने के पास ईरान ने दागीं मिसाइलें

Israel

■ एपी, काहिरा

ईरान ने शनिवार देर रात से रविवार तक इस्राइल को निशाना बनाया। शनिवार को दो इलाकों पर मिसाइल से हमले किए गए। हमले इस्राइल के न्यूक्लियर रिसर्च सेंटर के पास हुए। रविवार को तेल अवीव और यरूशलम पर ईरान के हमले हुए। हमलों में 300 लोग घायल हो गए। इस्राइली सेना ने कहा कि उसने भी तेहरान में जवाबी हमला किया।

डिमोना और अराद शहरों पर गिरीं ईरान की मिसाइलों को इस्राइली सेना रोक नहीं सकी। यह पहली बार था कि न्यूक्लियर सेंटर के आसपास के क्षेत्र में ईरानी मिसाइलें इस्राइल की एयर डिफेंस सिस्टम को पार करने में सफल रहीं। डिमोना, न्यूक्लियर सेंटर से 20 किलोमीटर दूर है। अराद की दूरी करीब 35 किलोमीटर है। इस्राइल के पीएम बेन्यामिन नेतन्याहू ने कहा कि ईरान यूरोप तक हमला कर सकता है। हालांकि, ब्रिटेन ने इसका खंडन किया।

प्लांट पर हमला हुआ तो होर्मुज पूरी तरह बंद होगा: ईरान

इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने चेताया कि ईरान 48 घंटे के भीतर होर्मुज जलडमरूमध्य को पूरी तरह नहीं खोलता है तो उसके पावर प्लांट को नेस्तनाबूद कर देंगे। ईरान ने कहा कि पावर प्लांट को निशाना बनाया गया तो होर्मुज के रास्ते को पूरी तरह से बंद कर दिया जाएगा। ▸▸ पेज 9

AP

ईरान ने हमले में इस्राइल के डिमोना (बाएं) को निशाना बनाया। लेबनान ने भी इस्राइल पर हमला किया (ऊपर)

वॉर अपडेट्स

- कतर में हुए मिलिट्री हेलिकॉप्टर क्रैश में 7 लोग मारे गए। जान गवाने वालों में से 3 तुर्किये के नागरिक थे।
- सऊदी अरब ने ईरान के सैन्य प्रतिनिधि और दूतावास के कई कर्मचारियों को देश छोड़ने का आदेश दिया।
- इराक में बगदाद एयरपोर्ट पर अमेरिकी राजनयिक ठिकाने को निशाना बनाकर शनिवार रात भर में 8 हमले हुए।
- अमेरिका ने ईरान में अमेरिकी जमीनी सैनिकों की संभावित तैनाती के लिए योजना तैयार की।
- श्रीलंका ने पेट्रोल और डीजल की कीमतें 25% तक बढ़ाईं।

पेजेशकियान बोले, विरोधी हताशा में हैं

मैं अराद में हूं। यहां किसी की भी जान नहीं गई। इस संघर्ष में हम जीत रहे हैं। दुश्मन को कुचल रहे हैं।
-बेन्यामिन नेतन्याहू, पीएम, इस्राइल

होर्मुज दुश्मनों के लिए बंद: ईरान

कई देशों के जहाज फंसे हैं।

ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान ने रविवार को कहा, 'भय से देश को मिटाने का भ्रम हताशा को दर्शाता है। धमकियां और आतंक हमारी एकता को मजबूत करते हैं। होर्मुज जलडमरूमध्य उन लोगों को छोड़कर सभी के लिए खुला है, जो हमारे खिलाफ हैं। हम युद्ध के मैदान में बेबुनियाद धमकियों का दृढ़ता से सामना करते हैं।' अंतर्राष्ट्रीय समुद्री संगठन में ईरान ने कहा कि सुरक्षा के लिए सरकार की अनुमति से विदेशी जहाज होर्मुज से होकर जा सकते हैं।

सुरक्षा पर कैबिनेट कमिटी ने लिया जायज़ा

PM का निर्देश, जंग के असर से बचाएं

पश्चिम एशिया की स्थिति से पूरी दुनिया पर असर पड़ा है। सभी विभाग ऐसे कदम उठाएं, जिससे लोगों को मौजूदा स्थिति में कम से कम असुविधा हो।
-नरेन्द्र मोदी, पीएम

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में युद्ध के चलते तेल-गैस का आयात प्रभावित होने के बीच पीएम नरेन्द्र मोदी ने रविवार को निर्देश दिया कि मंत्रियों और सचिवों का एक ग्रुप बनाया जाए, जो आयात से लेकर देश में आपूर्ति तक सभी पहलुओं पर काम करे।

सुरक्षा मामलों की कैबिनेट कमिटी की मीटिंग में पीएम ने निर्देश दिया कि सभी विभाग ऐसे कदम उठाएं, जिससे लोगों को मौजूदा स्थिति में कम से कम असुविधा हो। पश्चिम एशिया की स्थिति से पूरी दुनिया पर असर पड़ा है और ऐसी हालत में सभी प्रयास किए जाने चाहिए, जिससे युद्ध के प्रभावों से लोगों को बचाया जा सके। राज्य सरकारों के साथ तालमेल के साथ कदम उठाने को भी कहा, जिससे जरूरी चीजों की जमाखोरी और कालाबाजारी न हो। LPG, LNG और कच्चे तेल की सप्लाई सुनिश्चित करने के लिए फौरी कदमों के अलावा लंबी अवधि के उपायों पर मंथन हुआ। खाड़ी देशों के अलावा दूसरी जगहों से भी उर्वरक, केमिकल्स, दवा, पेट्रोकेमिकल्स और कई जरूरी चीजें लाने पर मीटिंग में बात हुई। ▸▸ पेज 9

PNG आवेदन को तेज़ी से निपटाएं: सरकार

सरकार ने गैस वितरण को ठीक करने और आपूर्ति दबाव को कम करने के लिए कदम तेज कर दिए हैं। इसके तहत शहरों में पाइपलाइन गैस परियोजनाओं (CNG/PNG) के आवेदन तेजी से निपटाने को कहा गया है। कमर्शल LPG की आपूर्ति बढ़ाने का निर्देश दिया गया है।

रूस-US से तेल-गैस लेकर पहुंचे दो जहाज़

अमेरिका से LPG लेकर एक जहाज न्यू मैंगलोर बंदरगाह पहुंचा। अमेरिका के टेक्सास स्थित नीदरलैंड से यह जहाज रविवार सुबह पहुंचा। दूसरी ओर, रूसी क्रूड लेकर भी एक टैंकर पहुंचा। इसे चीन जाना था, लेकिन रूट बदलकर इसने भारत का रुख कर लिया। भारत पहुंचे इस जहाज का नाम 'एक्वा टाइटन' है।

फटाफट खबरें

फरसा बाबा हंगामा केस में 20 गिरफ्तार

मथुरा में फरसा बाबा की मौत के बाद हाइवे जाम और पथराव मामले में पुलिस ने कार्रवाई तेज की। अब तक 20 लोग गिरफ्तार किए गए। इस मामले में अब तक चार FIR दर्ज की गई हैं। 300 अज्ञात आरोपी बनाए गए हैं। पुलिस अन्य आरोपियों की पहचान में जुटी है। ▸▸ पेज 6

दिल्ली का बजट कल, सत्र आज से

दिल्ली विधानसभा का बजट सत्र आज से शुरू होकर 25 मार्च तक चलेगा। कल बजट पेश किया जाएगा। तीन दिनों तक चलने वाले इस सत्र में वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए सरकार अपने विकास और आर्थिक प्राथमिकताओं का खाका पेश करेगी। ▸▸ पेज 5

रोपवे ट्रॉली हादसे में महिला की जान गई

छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले में एक पहाड़ी मंदिर से नीचे उतरते समय रोपवे ट्रॉली के दुर्घटनाग्रस्त होने के कारण एक महिला की मौत हो गई और छह अन्य लोग घायल हुए। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने घटना पर दुख जताया और मामले की जांच के आदेश दिए। ▸▸ पेज 12

युवराज को इंसाफ का इंतजार

66 दिन बाद भी SIT रिपोर्ट नहीं

NBT नवभारत टाइम्स Wealth
क्या आपने NBT Wealth लिया?
पर्सनल फाइनैंस की खबरें आपकी भाषा हिंदी में।
हर सोमवार पढ़ें NBT Wealth
सिर्फ 6 रुपये में
अपने वेंडर से संपर्क करें या 18001205474 पर भी कॉल कर सकते हैं।
NBT Wealth आपको कैसा लगता है, इसमें क्या पसंद आता है और क्या नहीं? क्या और चाहते हैं आप? ऐसे विषयों पर आप कॉल करके अपनी बात नोट करा सकते हैं। आपका संदेश संपादक तक पहुंच जाएगा।
कॉल करें 011-4978 0064 पर आज दिन में 11 से 12 बजे तक

उग्रवादियों का असम पुलिस के कैंप पर हमला, चार घायल

■ पीटीआई, तिनसुकिया (असम)

असम के तिनसुकिया जिले में रविवार तड़के उग्रवादियों ने असम पुलिस कमांडो कैंप पर हमला कर दिया। इसमें चार सुरक्षाकर्मी घायल हो गए। एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार यह हमला करीब 2:30 बजे हुआ, जब हमलावरों ने कैंप पर कई रॉकेट प्रोपेल्ड ग्रेनेड (RPG) दागे। इनमें से पांच धमाके हुए। सुरक्षा बलों ने तुरंत जवाबी कार्रवाई की, जिससे कुछ देर तक गोलीबारी चली।

हमले को सात उग्रवादियों के एक समूह द्वारा अंजाम दिया गया माना जा रहा है, जो अंधेरे का फायदा उठाकर अरुणाचल प्रदेश की ओर भाग निकले। घायल चारों सुरक्षाकर्मियों को डिब्रूगढ़ स्थित असम मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत स्थिर बताई गई है। हमले की जिम्मेदारी ULFA(I) ने ली है। संगठन ने बयान जारी कर कहा कि 'ऑपरेशन बुनोनी' के तहत यह कार्रवाई असम पुलिस की लगातार कार्रवाई और पिछले साल कथित ड्रोन हमलों के जवाब में की गई। सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने घटना की निंदा करते हुए कहा कि दोषियों को पकड़ने के लिए असम पुलिस और सेना ने संयुक्त अभियान शुरू कर दिया है।

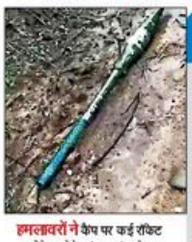

हमलावरों ने कैंप पर कई रॉकेट प्रोपेल्ड ग्रेनेड (RPG) दागे।

मणिपुर में भरोसे की नई शुरुआत

मणिपुर के सीएम वाई खेमचंद सिंह ने कहा कि कुकी-जो काउंसिल (केजेडसी) के साथ हुई बैठक शांति बहाली की 'अच्छी शुरुआत' है और बातचीत आगे बढ़ेगी। करीब तीन साल बाद पहली बार दोनों पक्षों में संवाद हुआ। इस दौरान राज्य से जुड़े कई मुद्दे और मणिपुर में स्थिरता बहाल करने के लिए सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों पर चर्चा हुई। सीएम ने कहा कि विस्थापितों की वापसी के लिए मैतेई और कुकी-जो समुदायों के बीच भरोसा बहाल करना सबसे जरूरी है। ▸▸ पेज 12

कुकी जो काउंसिल के साथ CM की मुलाकात

17 दिन बाद खुलासा

मालवीय नगर में बेटियों की हत्या के केस में मां अरेस्ट

■ अश्वनी शर्मा, नई दिल्ली: मालवीय नगर में 17 दिन पहले हुए डबल मर्डर केस में पुलिस ने मां सुनीता अरोड़ा को गिरफ्तार किया है। मनोवैज्ञानिक जांच और अस्पताल से छुट्टी के बाद सबूतों के आधार पर कार्रवाई हुई। 5 फरवरी को घर से राधिका (33) और मुनीश (28) के शव मिले थे। एक का गला दबाया गया, दूसरी के चेहरे पर तकिया रखा था। मौके पर फिनाइल की गोलियां भी मिलीं, जिससे आत्महत्या की कोशिश का संकेत मिला। मौके पर उनकी मां सुनीता अरोड़ा बेहोशी की हालत में मिलीं थी। पुलिस ने कहा कि पूछताछ में मां ने जुर्म कबूल किया। जांच में घरेलू कलह, आर्थिक दबाव और मानसिक तनाव को घटना की वजह माना जा रहा है। पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है। ▸▸ पेज 3

गुड़गांव: ऑल वुमन बाइक रैली में महिला सशक्तीकरण की झलक

- गुड़गांव में रविवार को एनबीटी की ओर से ऑल वुमन बाइक रैली आयोजित की गई। प्रदेश के यूएलबी मिनिस्टर विपुल गोयल मुख्य अतिथि रहे। रैली को हरी झंडी दिखाई।
- अलग-अलग क्षेत्रों में मुकाम हासिल कर चुकी महिलाओं को सम्मानित किया गया। गुड़गांव के अलावा दिल्ली-एनसीआर की 150 से अधिक महिलाओं ने हिस्सा लिया।
- रैली 10 किमी. एरिया में निकाली गई। रैली में महिलाओं ने न केवल पारंपरिक शृंगार किया बल्कि बाइकों को भी सजाया था। कई ने बाइक पर स्लोगन भी लिखा था। ▸▸ पेज 4

आत्महत्या केस में पूर्व मंत्री भुल्लर पर FIR

Nitin Sharma

विपक्षी दलों ने AAP सरकार के खिलाफ संयुक्त विरोध प्रदर्शन किया।

■ NBT न्यूज, चंडीगढ़

पंजाब में अमृतसर वेयरहाउसिंग जिला प्रबंधक गगनदीप सिंह रंधावा की आत्महत्या मामले में पुलिस ने पूर्व मंत्री लालजीत सिंह भुल्लर, उनके पिता सुखदेव भुल्लर और निजी सचिव दिलबाग सिंह पर केस दर्ज किया। रंधावा की पत्नी उपिंदर कौर की शिकायत पर आत्महत्या के लिए उकसाने और धमकी की धाराएं लगाई गईं। रंधावा ने भुल्लर पर प्रताड़ना का आरोप लगाया था। घटना के बाद कांग्रेस, अकाली दल और बीजेपी ने सीएम आवास घेराव का ऐलान किया। दबाव बढ़ने पर भुल्लर का इस्तीफा लिया गया। ▸▸ पेज 6

पंजाब में भुल्लर के पिता और निजी सचिव पर भी केस

आग से बचने के लिए छत से कूदे लोग, दो घायल

■ NBT रिपोर्ट, गुड़गांव: कादीपुर एरिया में शनिवार शाम ग्रॉसरी गोदाम में भीषण आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। आग तेजी से दूसरी मंजिल तक फैल गई और धुएं से घर में मौजूद करीब 8 लोगों का दम घुटने लगा। जान बचाने के लिए 4-5 लोग छत से कूद गए, जिससे दो लोग घायल हुए। सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। गनीमत रही कि कोई जनहानि नहीं हुई। ▸▸ पेज 4

गुड़गांव में ग्रॉसरी गोदाम में लगी भीषण आग

नया रेकॉर्ड बना: पीएम ने सिक्किम के पूर्व सीएम पवन कुमार चामलिंग का रेकॉर्ड तोड़ा

8931 दिन पूरे, मोदी सबसे ज्यादा दिन सरकार प्रमुख रहने वाले नेता

File Photo

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत में सबसे लंबे वक्त तक सरकार के प्रमुख रहने का रेकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। उन्होंने सिक्किम के पूर्व मुख्यमंत्री पवन कुमार चामलिंग का रेकॉर्ड तोड़ दिया है। पवन कुमार चामलिंग ने 8930 दिनों तक मुख्यमंत्री के रूप में काम किया। जबकि प्रधानमंत्री मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री कार्यकाल को मिलाकर 8931 दिन पूरे कर लिए हैं।

पीएम मोदी ने अपने मुख्यमंत्री काल के दौरान भी गुजरात के सबसे लंबे समय तक सीएम बने रहने का रेकॉर्ड बनाया था। गृहमंत्री अमित शाह ने एक्स पर लिखा है 'आज, पीएम मोदी ने सिक्किम के पूर्व सीएम पवन कुमार चामलिंग के 8,930 दिनों के रिकॉर्ड को तोड़ते हुए भारत में सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले सरकार के प्रमुख बन गए हैं।'

पीएम ने अपने मुख्यमंत्री काल के दौरान भी गुजरात के सबसे लंबे समय तक सीएम बने रहने का रेकॉर्ड बनाया था।

उपलब्धि पर मंत्रियों ने सराहा: रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बधाई देते हुए एक्स पोस्ट पर लिखा है कि पीएम मोदी भारत में सरकार का प्रमुख बनकर सेवा करने वाले नेता बन गए हैं। राष्ट्र और जनता के प्रति अटूट समर्पण ही पीएम की पहचान है। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने लिखा कि अथक सेवा और अडिग संकल्प से हासिल एक ऐतिहासिक उपलब्धि।

छावला का मामला

जिम पर कई राउंड फायरिंग, CCTV से जांच

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: द्वारका डिस्ट्रिक्ट के छावला में कंगनहेड़ी रोड स्थित 'अर्बन जिम' पर बदमाशों ने कई राउंड फायरिंग की। घटना के समय जिम बंद था, जिससे कोई जनहानि नहीं हुई।

संचालक हरीश कुमार के मुताबिक, सुबह जिम खोलने पहुंचे तो शटर और कांच के दरवाजे पर गोलियों के निशान मिले। मौके से तीन खाली कारतूस बरामद हुए। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने क्राइम और फरेंसिक टीम के साथ मामले में जांच शुरू की। CCTV में कुछ संदिग्ध गतिविधियां दिखी हैं, हालांकि फायरिंग का मकसद अभी स्पष्ट नहीं है। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। आरोपियों की पहचान की जा रही है। ▸▸ पेज 3

हैपी मॉर्निंग

टीचर: अगर मैं तुम्हें दो आम दूं और दो आम और दूं, तो कुल कितने आम हुए?
स्टूडेंट: पांच। टीचर: कैसे?
स्टूडेंट: सर, एक आम पहले से मेरे बैग में है।

मौसम

अधिकतम तापमान 29.5°
न्यूनतम तापमान 15.6°
सूर्यास्त सोमवार 6:34 | सूर्योदय मंगलवार 6:21
दिल्ली-एनसीआर में आज बादल छाए रहेंगे। बारिश के भी आसार।

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 23-03-2026 Zone: Mahanagar Edition: 1 Page: NBTMAH02 User: cci Time: 03-22-2026 22:48 Color:

इस साल भी पिछले साल की तरह परंपरा को आगे बढ़ाते हुए बजट सत्र के पहले दिन खीर सेरेमनी का आयोजन किया जा रहा है। -p5

हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर की आन-बान और शान का प्रतीक ऐतिहासिक 'नलवाड़ी मेला' आज संपन्न हो रहा है। -p10

165 रहा AQI संडे को। मुख्य प्रदूषक पीएम 2.5 रहा।

29.5 डिग्री रहा अधिकतम तापमान संडे को। आज दिल्ली में छाएंगे बादल, बारिश के आसार।

LPG सिलिंडर के संकट के बीच बढ़ गई कालाबाज़ारी...

10 दिन से नहीं जला चूल्हा, छिना कई परिवारों का रोज़गार

दिल्ली में अब बंद होने लगी हैं छोटी दुकानें

राजधानी में गैस सिलिंडर की किल्लत अब सिर्फ एक सप्लाई समस्या नहीं रह गई है, बल्कि यह हजारों परिवारों के पेट पर सीधा असर डाल रही है। पिछले 10 दिनों से सिलिंडर नहीं मिलने के कारण छोटे दुकानदारों के चूल्हे ठंडे पड़े हैं और उनके साथ काम करने वाले मजदूरों के घरों में भी संकट गहराता जा रहा है। दुकानदारों को अब खुद के साथ अपने कर्मचारियों का भी पेट भरना मुश्किल हो रहा है।

मजदूरों के परिवारों पर पड़ रहा है सीधा असर

न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी में वंदना कश्यप की दुकान पिछले 10 दिनों से बंद है।

Abhishek.Gautam1
@timesofindia.com

■ न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी में दुकान चलाने वाले वंदना कश्यप की आंखों में चिंता साफ झलक रही है। वह बताती हैं कि पिछले 10 दिन से दुकान बंद है और कमाई जीरो है। घर में आर्थिक दिक्कत अब बढ़ने लगी है।

सबसे बड़ी चिंता यह है कि मेरे यहां काम करने वाले दो मजदूर हैं, उनका घर कैसे चलेगा? सोचा कि सिलिंडर का कहीं से जुगाड़ करूं, लेकिन बाजार में खुलेआम 3-4 गुने दाम पर सिलिंडर मिल रहे हैं। ऐसे में इतने महंगा सिलिंडर खरीदने की हिम्मत नहीं है। वंदना बताती हैं कि उधार पर इलेक्ट्रिक स्टोव्स खरीदा है। बिजली की व्यवस्था करने में जुटी हूं।

वहीं, मयूर विहार फेज 3 में रेहड़ी पटरी कारोबारी बादाम सिंह बताते हैं कि सिलिंडर नहीं मिलने से दुकान कई दिन तक बंद करनी पड़ी, उस दौरान परिवार का पेट पालना मुश्किल होने लगा। जिसके बाद उन्होंने लकड़ी के सहारे अपनी दुकान खोली है। बादाम सिंह बताते हैं कि सिलिंडर की कालाबाजारी बढ़ गई है।

रेहड़ी-पटरी कारोबारी बादाम सिंह बताते हैं कि दुकान कई दिन तक बंद करनी पड़ी

स्ट्रीट वेंडर की दुकानें बंद हो रही हैं : हॉकर कमिटी

■ पश्चिम एशिया में चल रहे वॉर का असर भारत में तेजी से देखा जा रहा है। हॉकर जॉइंट एक्शन कमिटी (HJAC) जो भारत के स्ट्रीट विक्रेताओं का प्रतिनिधित्व करती है, उस कमिटी ने लाखों स्ट्रीट फूड विक्रेताओं की गंभीर स्थिति को उजागर किया।

कमिटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार बताते हैं कि सिलिंडर का संकट इतना बढ़ गया है कि स्ट्रीट वेंडर की दुकानें बंद हो रही हैं। कई कारोबारियों का रोजगार ठप हो गया है। परिवार और अपने कर्मचारियों का पेट पालना मुश्किल हो गया है। धर्मेंद्र बताते हैं कि सिलिंडर की किल्लत बढ़ती जा रही है। दुकानें बंद हो रही हैं।

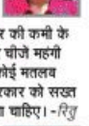

दुकानदार बोले: बाजार में खुलेआम 3-4 गुने दाम पर सिलिंडर मिल रहे, कैसे खरीदें?

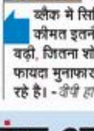

चाय से नमकीन तक के दाम बढ़े, जेब पर बोझ

■ राम त्रिपाठी, नई दिल्ली

सिलिंडर की किल्लत के चलते खाने-पीने की चीजों के बढ़े दामों पर लोगों की परेशानी बढ़ गई है। उनका कहना है कि कई आइटम्स के 100 फीसदी तक रेट बढ़ाना ठीक नहीं है। इससे जेब में बेवजह बोझ पड़ रहा है। लोगों का कहना है कि सिलिंडरों की महंगाई के आधार पर ही सामान की कीमत बढ़ाई जानी चाहिए, जो 1 या 2 फीसदी से अधिक नहीं होती है। मसलन 5 रुपये की एक कप चाय की कीमत 10 रुपये करने का क्या तुक है। खुदरा बाजार में नमकीन के रेट 20 फीसदी तक बढ़ा दिए गए हैं। लोगों का कहना है कि इसके खिलाफ सरकार को सख्त कदम उठाने की जरूरत है।

महंगाई को लेकर अफरातफरी मची हुई है। खाने की चीजों के दाम कई गुना बढ़ाना ठीक नहीं है। *-रेवती*

सिलिंडर की कमी के नाम पर चीजें महंगी करने का कोई मतलब नहीं है। सरकार को सख्त ऐक्शन लेना चाहिए। *-रितु*

ब्लैक में सिलिंडर की कीमत इतनी नहीं बढ़ी, जितना शोर है। फायदा मुनाफाखोर उठा रहे हैं। *-डीपी हांडा*

आयात पर निर्भरता और मुश्किल सफर के चलते पीएनजी के मुकाबले एलपीजी में सप्लाई ठप होने का डर ज्यादा!

PNG या LPG

जानिए समुद्र पार कर आपके घर तक कैसे पहुंचती है गैस?

Ashni.Dhaor
@timesofindia.com

■ भारत के करोड़ों घरों में सुबह की शुरुआत चाय के प्याले और जलते हुए चूल्हे से होती है, लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि उस चूल्हे तक पहुंचने वाली गैस का सफर कैसा होता है? आज हम बता रहे हैं कि कैसे ग्लोबल तनाव और आयात में कमी हमारी रसोई के बजट और सप्लाई पर असर डालती है।

भारत अपनी एलपीजी (LPG) जरूरतों का लगभग 60% हिस्सा आयात से पूरा करता है, जिसका 90% हिस्सा खाड़ी देशों से होकर आता है। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज जैसे संवेदनशील समुद्री रास्तों पर संकट के कारण जहाजों की आवाजाही में देरी हो रही है। यही कारण है कि घरेलू स्तर पर सिलिंडरों की किल्लत और 'पैनिक बुकिंग' का खतरा बढ़ रहा है।

दूसरी ओर, पीएनजी (PNG) यानी पाइप वाली नैचुरल गैस इस मुश्किल समय में एक बेहतर विकल्प बनकर उभरी है। हालांकि यह भी आंशिक रूप से आयातित एलएनजी (LNG) पर निर्भर है, लेकिन भारत का 24,000 किलोमीटर लंबा नैशनल गैस ग्रिड इसे सड़क के रास्ते या समुद्री बाधाओं से काफी हद तक सुरक्षित रखता है।

एक्सपर्ट का मानना है कि एलपीजी का घरेलू उत्पादन बढ़ाना हमारे लिए एक बड़ी चुनौती है, क्योंकि रिफाइनिंग के दौरान उससे सीमित मात्रा में ही प्रोपेन और ब्यूटेन मिल पाता है।

'जंग रुकी तो भी राहत नहीं, बाज़ार में लंबा असर तय'

■ राजेश पोद्दार, नई दिल्ली

व्यापारियों का कहना है की हालत इतने खराब हो चुके हैं कि यदि आज युद्ध रुक भी जाता है तो भी इसका असर लंबे समय तक घरेलू बाजार में देखने को मिलेगा। कारोबारियों का मानना है कि आने वाले दिनों में आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ सकता है।

नॉर्थ-वेस्ट दिल्ली इंडस्ट्रियल फेडरेशन के प्रधान सुनील गोयल के मुताबिक, मैन्युफैक्चरिंग से जुड़े व्यापारियों को समझ नहीं आ रहा कि किस रेट पर सामान मार्केट में उतारें। नरेला, बवाना, जहांगीरपुरी और वजीरपुर जैसे इंडस्ट्रियल एरिया में प्लास्टिक और अन्य मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स बड़ी संख्या में हैं। यहां छोटे से लेकर बड़े कारोबारी तक प्रभावित हो रहे हैं। कच्चे माल के दाम में 20 से 25 प्रतिशत तक बढ़ोतरी हो चुकी है, जिससे प्रोडक्शन कॉस्ट काफी बढ़ गई है। मंदी का माहौल व्यापारियों को परेशान कर रहा है।

लागत बढ़ी, छोटे से लेकर बड़े व्यापारियों पर असर

व्यापारियों का कहना है कि पहले कारोबार अपेक्षाकृत स्थिर और अनुमानित होता था, लेकिन अब हर व्यापार अंतरराष्ट्रीय घटनाओं से प्रभावित हो रहा है। नरेला में फुटवियर का काम करने वाले व्यापारी संजय मित्तल बताते हैं कि कुछ लोग जमाखोरी कर रहे हैं। जो सामान एक हफ्ते पहले 100 रुपये का था, अब 150 रुपये तक पहुंच गया है।

व्यापारियों के सामने सबसे बड़ी दिक्कत यह है कि महंगे रॉ मटेरियल के कारण प्रोडक्ट की कीमत बढ़ानी पड़ रही है, लेकिन उस रेट पर बिक्री नहीं हो रही। इससे नुकसान का खतरा बढ़ता जा रहा है। चीन से आनेवाले सस्ते प्रोडक्ट को लेकर भी चिंता बढ़ रही है। व्यापारियों को आशंका है कि इस वैश्विक तनाव का फायदा उठाकर चीन भारतीय बाजार में सस्ते प्लास्टिक फुटवियर और अन्य डेली यूज प्रोडक्ट की सप्लाई बढ़ा सकता है, जिससे लोकल इंडस्ट्री को बड़ा नुकसान हो सकता है।

74 सिलिंडर जब्त

सिलिंडर की कालाबाज़ारी में 3 अरेस्ट

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली : साउथ वेस्ट डिस्ट्रिक्ट की एंटी ऑटो थेफ्ट स्क्वॉड (AATS) ने महिपालपुर में एलपीजी सिलिंडर जमाखोरी और कालाबाजारी के बड़े रैकेट का भंडाफोड़ करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने मौके से 74 एलपीजी सिलिंडर समेत गैस ट्रांसफर उपकरण व एक गाड़ी बरामद की है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान कृष्णा (33), दिनेश साहू (46) और मिथिलेश (39) के रूप में हुई है। तीनों मूल रूप से बिहार के रहने वाले हैं। ये सभी पिछले कई वर्षों से दिल्ली में रह रहे थे और पिछले तीन साल से महिपालपुर इलाके में अवैध रूप से एलपीजी सिलिंडरों की सप्लाई और जमाखोरी में लिप्त थे।

डीसीपी अमित गोयल ने बताया कि एएटीएस के इंस्पेक्टर राम कुमार की देखरेख में टीम अवैध गतिविधियों पर नजर रखने के काम पर लगी थी। 21 मार्च को टीम को सूचना मिली कि महिपालपुर स्थित एक मकान में एलपीजी सिलिंडरों की अवैध जमाखोरी हो रही है। टीम ने छापा मारा।

तीन साल से महिपालपुर में सिलिंडरों की सप्लाई और जमाखोरी में लगे थे

17,000 करोड़ के बजट वाली MCD पर 15,592 करोड़ की देनदारी

छह नगर निगम में टॉप पर MCD, आबादी में भी, कर्ज़ के पहाड़ में भी

Rajesh.Saroha
@timesofindia.com

■ नई दिल्ली : दिल्ली नगर निगम आबादी और देनदारियों के मामले में सबसे आगे है। एमसीडी की अगर देश की छह म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन मुंबई, पुणे, अहमदाबाद, हैदराबाद और बेंगलुरु से तुलना की जाए, तो कोई भी कॉर्पोरेशन आसपास भी नहीं ठहरती। 17,000 करोड़ के बजट वाली एमसीडी पर 15,592 करोड़ की देनदारी है। इसमें से 50 पर्सेंट से अधिक देनदारी दिल्ली सरकार से लिए गए लोन के रूप में शामिल है। प्रति व्यक्ति आय के आंकड़े देखें, तो एमसीडी पांचवें नंबर पर आती है।

दिल्ली के 1483 वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल में से एमसीडी 1397.3 वर्ग किलोमीटर एरिया को कवर करती है। दिल्ली की आबादी करीब 2.26 करोड़ है। एमसीडी मुख्य रूप से कॉलोनियों में साफ सफाई, सड़कों की मेंटिनेंस, नालों की सफाई, कूड़ा कलेक्शन और प्रोसेसिंग, ठोस मलबे का निस्तारण और 15,000 से अधिक पार्कों के रखरखाव की जिम्मेदारी निभाती है। इसके अलावा, एमसीडी अपने 1500 से अधिक स्कूलों में 6.58 लाख बच्चों को प्राइमरी एजुकेशन देती है।

एमसीडी का इस फाइनेंशल ईयर का बजट 17,000 करोड़ रुपये है, जिसमें 15,592 करोड़ की देनदारी शामिल है।

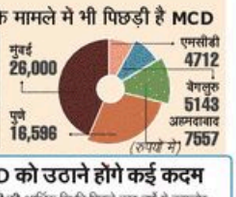

कैपिटा इनकम के मामले में भी पिछड़ी है MCD

NBT Lens खबरों के अंदर की बात

MCD को उठाने होंगे कई कदम

एमसीडी की आर्थिक स्थिति पिछले कुछ वर्षों में कमजोर रही है, जिसका मुख्य कारण सीमित राजस्व, बढ़ती देनदारियां और प्रशासनिक चुनौतियां हैं। इसे मजबूत करने के लिए कई स्तर पर सुधार जरूरी है। सबसे पहले, राजस्व बढ़ाने पर ध्यान देना होगा। प्रॉपर्टी टैक्स का दायरा बढ़ाकर, जीआईएस आधारित सर्वे के जरिए सभी संपत्तियों को टैक्स नेट में लाना चाहिए और टैक्स चोरी पर रोक लगानी होगी। प्रशासनिक सुधार और पारदर्शिता भी उतनी ही जरूरी है।

मार्च में मौसम का सरप्राइज़, आज छाएंगे बादल दोपहर बाद बारिश और तेज़ हवाओं के आसार

NBT 3 मिनट में पढ़ें

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

दिल्ली-एनसीआर में कुछ दिन पहले हुई बारिश से मौसम सुहाना बना हुआ है। सोमवार को एक बार फिर मौसम करवट बदल सकता है। मौसम विभाग के अनुसार 23 मार्च को बादल छाए रहेंगे। दोपहर बाद गरज और चमक के साथ दिल्ली-एनसीआर में कुछ जगहों पर बारिश के भी आसार हैं। इस दिन हवाएं भी तेज चलेंगी। जिनकी स्पीड 10 से 15 किमी प्रति घंटा हो सकती है। दिन में गर्मी और शाम को हल्की ठंड का अहसास हो सकता है।

मौसम विभाग की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, आने वाले दिनों में दिल्ली-एनसीआर में बारिश हो सकती है। दिल्ली में आने वाले कुछ दिनों तक आसमान आंशिक रूप से बादलों से ढका रहेगा। दिन चढ़ने के साथ बादल और घने हो सकते हैं, जिससे मौसम सुहावना बना रहेगा। कुछ इलाकों में न्यूनतम तापमान सामान्य से कम दर्ज किया जा सकता है, जिससे हल्की ठंडक का अहसास बना रहेगा। यह भी संभव है कि सोमवार को मौसम और ज्यादा बदल सकता है। 23 मार्च के बाद बारिश नहीं होगी, लेकिन आसमान में बादल छाए रह सकते हैं। 23 व 24 मार्च को अधिकतम तापमान 30 से 32 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया जा सकता है। 25 मार्च को गर्मी में थोड़ा इजाफा होगा। अधिकतम तापमान 31 से 33 डिग्री सेल्सियस होने का अनुमान है।

गरज और चमक के साथ कुछ जगहों पर बारिश के भी आसार

क्यों अचानक बदला मौसम : वैज्ञानिकों का कहना है कि अभी एक रेयर वेस्टर्न डिस्टरबेंस एक्टिव हुआ, हजार किलोमीटर की ट्रफ लाइन बनी और रेन बैंड एक्टिव हुआ जिसके असर से तेज हवाएं, आंधी, हल्की बारिश और तापमान में कमी आई। इससे गर्मी की शुरुआत कुछ धीमी पड़ी। मार्च में इस तरह से वेस्टर्न डिस्टरबेंस कुछ अलग था, लेकिन इसका पूर्वानुमान था। अब इस सिस्टम का असर थम हो चुका है तो हफ्ते-दस दिन में तापमान बढ़ जाएगा।

अप्रैल से गर्मी का अहसास होने लगेगा और पिछले साल की तरह अप्रैल-मई गर्म ही होंगे। यह वेस्टर्न डिस्टरबेंस दुर्लभ इसलिए कहा जा रहा है क्योंकि यह मार्च में आया। जनवरी में दो बार मौसम बदला, बर्फबारी हुई मगर फरवरी ब्लैंक रहा। अब हिमालय क्षेत्रों में बर्फबारी हुई है।

File Photo

कुछ दिन पहले हुई बारिश से दिल्ली में मौसम सुहाना बना हुआ है

यमुना में झाग पर ऐक्शन, ओखला CETP की मेंटिनेंस अब सरकार के हाथ

Sudama.Yadav
@timesofindia.com

■ नई दिल्ली : यमुना में कालिंदी कुंज और मदनपुर खादर के पास लगातार कई दिनों तक झाग की समस्या के बाद डीपीसीसी ने उन तमाम स्रोतों को खंगालना शुरू किया था, जहां से इंडस्ट्रियल वेस्ट यमुना में आ रहा था। पाया गया कि ओखला इंडस्ट्रियल एरिया से लगातार इंडस्ट्रियल वेस्ट यमुना में आ रहा है, जिससे झाग पैदा हो रही है। इसके बाद डीपीसीसी इंडस्ट्रियल वेस्ट को ट्रीट करने के लिए इस एरिया में जो कॉमन एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट (सीईटीपी) लगाया गया है, उसकी जांच की थी। इसके बाद इस प्लांट का ऑपरेशन व मेंटिनेंस डीपीसीसी ने दिल्ली सरकार के इंडस्ट्रीज विभाग को अपने हाथों में लेने को कहा है।

अफसरों के अनुसार, इंडस्ट्रियल एरिया के इंडस्ट्रियल वेस्ट को ट्रीट करने के लिए ज्यादातर क्षेत्रों में सीईटीपी लगाए गए हैं। इनका ऑपरेशन व मेंटिनेंस सीईटीपी सोसायटियों को सौंपा गया है। ओखला में 24 एमएलडी कैपेसिटी का सीईटीपी बनाया गया है और इस औद्योगिक एरिया के तमाम इंडस्ट्रियल वेस्ट को इसी सीईटीपी में ट्रीट कर यमुना में छोड़ा जाता है। मायापुरी में 12 एमएलडी, झिलमिल में 16.8 एमएलडी व बाकी इंडस्ट्रियल एरिया में भी इसी तरह से अलग-अलग कैपेसिटी के सीईटीपी लगाए गए हैं।

पिछले दिनों कालिंदी कुंज के पास यमुना में झाग की लगातार शिकायतों के बाद डीपीसीसी ने ओखला सीईटीपी की जांच की थी। अफसरों के अनुसार, डीपीसीसी ने काफी पहले सीईटीपी सोसायटी पर अनियंत्रित इंडस्ट्रियल वेस्ट को नाले में बहाने पर 1.30 करोड़ रुपये का जुर्माना भी लगाया था।

यमुना में कालिंदी कुंज के पास झाग की समस्या कई दिन से थी

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 23-03-2026 Zone: Mahanagar Edition: 1 Page: NBTMAH03 User: cci Time: 03-22-2026 22:56 Color:

बाइक में लगाई थी आग, 3 पकड़े

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली : विवेक विहार में बाइक में आग लगाने के आरोप में पुलिस ने तीन नाबालिगों को पकड़ा है। तीनों को बाल सुधार केन्द्र भेजे जाने की तैयारी की जा रही है। उनके

AI image

एक अन्य साथी की भी पता किया जा रहा है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि 30 वर्षीय राजेश ज्वाला नगर शाहदरा में रहते हैं। वह बैटरी रिक्शा चलाते हैं। उनका आरोप है कि 19 मार्च की रात को अपनी बाइक पास में ही गली में खड़ी की थी। 20 मार्च की तड़के करीब 3:50 पर उनके पड़ोसी ने उन्हें उठाया और बताया कि उनकी बाइक में आग लगा दी गई है। एसएचओ हरकेश गाबा के नेतृत्व में टीम ने सीसीटीवी फुटेज खंगाल तीनों को पकड़ा।

चाइल्ड पॉर्नोग्राफी में हुआ गिरफ्तार

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली : आनंद पर्वत पुलिस ने सोशल मीडिया से बच्चों का अश्लील विडियो डाउनलोड करने वाले एक शख्स को गिरफ्तार किया है, इसकी पहचान आनंद पर्वत निवासी

AI image

पंकज गोयल (40) के रूप में हुई है। सेंट्रल जिला डीसीपी रोहित राजबीर सिंह ने बताया कि नैशनल सेंटर फॉर मिसिंग एंड एक्सप्लॉइटेड चिल्ड्रन (NCMEC) की सूचना के बाद पुलिस ने मामला दर्ज किया। स्पेशल टीम में शामिल इंस्पेक्टर आदेश कुमार, हेड कॉन्स्टेबल जितेंद्र और हेड कॉन्स्टेबल श्रीपुराम ने आरोपी को पकड़ा।

चाकू दिखाकर लूट में दो पकड़े

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: चाकू के बल पर लूटपाट करने वाले दो आरोपियों को मयूर विहार पुलिस ने गिरफ्तार कर लूट गया मोबाइल और

AI image

चाकू बरामद किया है। आरोपियों की पहचान त्रिलोकपुरी के अमन उर्फ कड़ा (22) और फरमान (26) के तौर पर हुई है। ईस्ट जिले के डीसीपी राजीव कुमार ने बताया कि 19 मार्च को मयूर विहार में नाला रोड स्थित सीएनजी पंप के पास काजल नाम की महिला से इन्होंने मोबाइल स्नैचिंग की थी।

प्रॉपर्टी के नाम पर ठगी, अरेस्ट

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली : क्राइम ब्रांच ने चीटिंग समेत कई मामलों में वॉन्टेड बदमाश राहुल पासवान को कश्मीरी गेट इलाके से गिरफ्तार किया

AI image

गया है। वह दिल्ली छोड़कर भागने की फिराक में था। डीसीपी संजीव यादव के मुताबिक, राहुल बिहार के लखीसराय का रहने वाला है। लक्ष्मी नगर में भी इसका ठिकाना रहा है। इसे 3 फरवरी 2023 को थाना लक्ष्मी नगर के एक मामले में कोर्ट द्वारा भगोड़ा घोषित किया गया था।

बैंककर्मी से छीना मोबाइल फोन

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली : द्वारका नॉर्थ इलाके में बैंककर्मी से बाइक सवार बदमाश मोबाइल झपटकर भाग गए। पुलिस केस दर्ज कर जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार, शरत (22)

AI image

द्वारका सेक्टर-3 की सोसायटी में रहते हैं। वह जयपुर में जॉब करते हैं। बयान में उन्होंने बताया कि 20 मार्च को वह नैशनल अपार्टमेंट के आगे सिग्नल के पास पैदल जा रहे थे। तभी पीछे से आए बाइक सवार बदमाश हाथ से मोबाइल फोन झपटकर ले गए।

उत्तम नगर में हाई अलर्ट जारी, ईद के बाद भी सन्नाटा

■ अश्वनी शर्मा, नई दिल्ली

उत्तम नगर इलाके में ईद के दिन पुलिस ने कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सख्ती दिखाते हुए 100 से ज्यादा लोगों को हिरासत में लिया था। हालांकि देर रात सभी को छोड़ दिया गया, लेकिन इलाके में अब भी हाई अलर्ट जारी है। पुलिस की कड़ी निगरानी के चलते बाजारों में सन्नाटा पसरा हुआ है। वहीं, पुलिस का कहना है कि स्थिति अब सामान्य हो गई है। डीसीपी कुशल पाल सिंह के अनुसार, ईद के मौके पर किसी भी तरह की अव्यवस्था रोकने के लिए यह एहतियाती कार्रवाई की गई थी। उन्होंने बताया कि अब तक 16 लोगों को पकड़ा गया है, जिनमें तीन महिलाएं और दो नाबालिग शामिल हैं। इन सभी से पूछताछ जारी है।

> ईद के दिन 100 से ज्यादा लोग हिरासत में लिए गए, अब तक 16 लोग पकड़े गए हैं

पुलिस की सख्ती के कारण बाजार में आने वाले ग्राहकों की आवाजाही प्रभावित हो रही है

डीसीपी ने बताया कि पुलिस सिर्फ जमीनी स्तर पर ही नहीं, बल्कि सोशल मीडिया पर भी लगातार नजर बनाए हुए है। अब तक 200 से ज्यादा संदिग्ध सोशल मीडिया अकाउंट्स को ब्लॉक करवाने के लिए अनुरोध भेजा गया है, जिनमें से 70 से 80 अकाउंट्स ब्लॉक भी कराए जा चुके हैं। ये अकाउंट मुख्य रूप से इंस्टाग्राम और फेसबुक से जुड़े हैं।

उधर, उत्तम नगर थाने के बाहर भारी बैरिकेडिंग की गई है और आने-जाने के लिए अलग-अलग रास्ते बनाए गए हैं। हर व्यक्ति की सघन जांच की जा रही है।

हस्तसाल कॉलोनी और आसपास के बाजारों में कुछ दुकानें खुली हैं, जबकि कुछ पूरी तरह बंद हैं। सड़कों पर भी सामान्य दिनों की तुलना में काफी कम भीड़ है। दुकानदारों का कहना है कि पुलिस की सख्ती अभी भी जारी है, जिसके कारण ग्राहकों की आवाजाही प्रभावित हो रही है। वहीं, क्षेत्र के निवासी भी केवल जरूरी काम होने पर ही घरों से बाहर निकल रहे हैं।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पुलिस लगातार तीन टाइम अमन कमिटी के लोगों के साथ मीटिंग कर रही है। यह लोग घरों में जाकर भी लोगों से बातचीत कर रहे हैं। डीसीपी का कहना है कि किसी भी तरह की अफवाह या माहौल खराब करने की कोशिश करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

AAP ने की मुआवजे की मांग

आम आदमी पार्टी ने दिल्ली सरकार से उत्तम नगर में दलित युवक तरुण और वजीरपुर में इलेक्ट्रिशन की हत्या मामले में पीड़ित परिवारों को एक-एक करोड़ का मुआवजा और एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने की मांग की है। प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने कहा, ये हत्याएं सरकार की नाकामियों के चलते हुई हैं। सरकार ने यमुना में गिरकर हुई BJP कार्यकर्ता की मौत पर परिवार को मुआवजा और सरकारी नौकरी दे दी, लेकिन दलित परिवार से मिलने के लिए मुख्यमंत्री को अब तक समय तक नहीं मिला।

कार के बोनट पर कॉन्स्टेबल को लटकाकर दूर तक घसीटा

चेकिंग पॉइंट पर आरोपी के टक्कर मारने से बोनट पर गिर गए थे कॉन्स्टेबल

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

जनकपुरी इलाके में ट्रैफिक चेकिंग के दौरान एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। जांच के लिए रोके जाने पर गुस्साए कार ड्राइवर ने ट्रैफिक पुलिसकर्मी को टक्कर मार दी और उन्हें बोनट पर लटकाकर काफी दूर तक ले गया। घटना का विडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस महकमे में भी हड़कंप मच गया है। मौके पर मौजूद लोगों ने आरोपी को पकड़ने की कोशिश की, लेकिन वह कार छोड़कर फरार हो गया। तुरंत मामले की सूचना लोकल पुलिस को दी गई। जनकपुरी थाना पुलिस ने पुलिसकर्मी की शिकायत पर केस दर्ज कर आरोपी की तलाश कर रही है। घायल पुलिसकर्मी को प्राथमिक इलाज के बाद घर भेज दिया गया है।

पुलिस के मुताबिक, यह घटना शनिवार शाम करीब 5:52 बजे लाल साईं मार्ग स्थित भारती कॉलेज के पास हुई। ट्रैफिक पुलिस के सब-इंस्पेक्टर गुरदीप सिंह और कॉन्स्टेबल मोहन पाल ड्रंकन ड्राइविंग की चेकिंग कर रहे थे। इसी दौरान एक संदिग्ध सैंट्रो कार को रुकने का इशारा किया। पुलिस के अनुसार, निलेश कुमार ने गाड़ी रोकने के बजाय अचानक रफ्तार बढ़ा दी और भागने की कोशिश में सीधे कॉन्स्टेबल मोहन पाल को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि मोहन पाल उछलकर कार के बोनट पर जा गिरे। इसके बावजूद आरोपी ने गाड़ी नहीं रोकी। कॉन्स्टेबल बोनट पर लटके रहे और आरोपी काफी दूर तक कार भगाता रहा। इसके बाद अचानक ब्रेक लगाकर मोहन पाल को सड़क पर गिरा दिया। जिससे वह घायल हो गए। इस दौरान मौके पर मौजूद लोगों ने कार के सामने आकर उसे रुकवाया, लेकिन वह कार छोड़कर फरार हो गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल कॉन्स्टेबल को तुरंत प्राथमिक इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां से इलाज के बाद उन्हें छुट्टी दे दी गई। पुलिस ने आरोपी की कार को जब्त कर लिया है।

पुलिस अधिकारी के मुताबिक, आरोपी निलेश कुमार द्वारका के बागडोला गांव का रहने वाला है और घटना के समय नशे की हालत में था। उसके खिलाफ मोटर वीकल एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत चालान किया गया है। जिनमें नशे में ड्राइविंग, खतरनाक तरीके से गाड़ी चलाना, रेड लाइट जंप और सरकारी काम में बाधा डालना शामिल है। साथ ही ट्रैफिक पुलिसकर्मी की शिकायत के आधार पर उसके खिलाफ आगे की कानूनी कार्रवाई भी की जा रही है।

आरोपी काफी दूर तक पुलिसकर्मी को ले गया। अचानक ब्रेक मारा तो पुलिसकर्मी सड़क पर गिरकर हो गए जख्मी

सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ विडियो

डीसीपी ऑफिस के पास हुई इस वारदात का विडियो सोशल मीडिया पर रविवार को सुबह तेजी से वायरल हुआ। इस 9 सेकंड के वीडियो में आरोपी सफेद रंग की गाड़ी को तेज रफ्तार से चलाते हुए दिख रहा है, जबकि कॉन्स्टेबल बोनट पर लटके हुए हैं। कुछ ही दूर जाकर कॉन्स्टेबल बोनट से नीचे गिर जाते हैं और आरोपी गाड़ी लेकर आगे निकल गया। जहां लोगों ने उसे पकड़ने की कोशिश, लेकिन वह भाग गया। इस घटना ने एक बार फिर ट्रैफिक पुलिसकर्मियों की सुरक्षा पर सवाल खड़े कर दिए हैं। पुलिस फरार आरोपी की तलाश कर रही है।

मालवीय नगर में 17 दिन पहले हुआ था डबल मर्डर

बेटियों की हत्या के आरोप में पुलिस ने मां को किया अरेस्ट

■ अश्वनी शर्मा, नई दिल्ली

AI image

मालवीय नगर में 17 दिन पहले हुए दिल दहला देने वाले डबल मर्डर केस में कई खुलासे हुए हैं। पुलिस ने दो सगी बहनों की मौत के मामले में उनकी मां सुनीता अरोड़ा को गिरफ्तार किया है। तीन दिन पहले अस्पताल से छुट्टी और मनोवैज्ञानिक जांच के बाद पुलिस ने साक्ष्यों के आधार पर यह कार्रवाई की। शुरुआती जांच में सामने आया है कि लंबे समय से चल रहे घरेलू विवाद, तनाव और पारिवारिक परिस्थितियों ने इस खौफनाक वारदात को जन्म दिया।

पुलिस के मुताबिक, 5 फरवरी गुरुवार शाम करीब 6:10 बजे मालवीय नगर के एक ब्लॉक स्थित एक मकान में इस सनसनीखेज घटना की सूचना मिली थी। जब पुलिस मौके पर पहुंची तो घर का दरवाजा अंदर से बंद था। दरवाजा खोलकर अंदर दाखिल होने पर अलग-अलग कमरों में दो युवतियों राधिका अरोड़ा (33) और गुनीशा अरोड़ा (28) के शव मिले। राधिका के चेहरे पर तकिया रखा था, जबकि दूसरी का गला क्रेप बैंडेज से दबाया गया था। दोनों के हाथों पर कट के निशान भी पाए गए। मौके पर उनकी मां सुनीता अरोड़ा बेहोशी की हालत में मिली थीं, जिन्हें तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया।

जांच के दौरान घटनास्थल से फिनाइल की पीसी हुई गोलियां भी बरामद हुई थीं, जिससे आशंका जताई गई कि महिला ने बेटियों की हत्या के बाद खुदकुशी की कोशिश की। तीन दिन पहले अस्पताल से डिस्चार्ज होने के बाद पुलिस ने महिला से पूछताछ की, जिसमें उसने अपना अपराध स्वीकार किया।

सूत्रों के अनुसार, आरोपी महिला पिछले 8-9 साल से जॉइंट फैमिली में नहीं रहना चाहती थीं। वह पति पर अलग रहने का दबाव बना रही थी। वहीं, पति सुधांशु अरोड़ा का कपड़ों का कारोबार भी पिछले कुछ समय से ठीक नहीं चल रहा था। फरवरी 2023 में सुनीता की बड़ी बहन की मौत के बाद वह करीब ढाई साल तक मुंबई में बहन के घर रहीं और सितंबर 2025 में दिल्ली लौटीं।

पुलिस सूत्रों का कहना है कि छोटी बेटी गुनीशा एलएलबी करने के बावजूद नौकरी न मिलने से काफी परेशान थी। वह मानसिक तनाव में थी और कथित तौर पर घर में हो रहे झगड़ों के चलते अपनी मां से बार-बार मरने की बात कहती थी। वहीं, बड़ी बेटी राधिका 'स्पेशल' थी और घर पर ही रहती थी। लगातार बढ़ते तनाव और पारिवारिक कलह ने स्थिति को और गंभीर बना दिया।

शुरुआती जांच में यह भी सामने आया है कि महिला ने पहले बड़ी बेटी की गला दबाकर हत्या की और फिर छोटी बेटी को मार डाला। इसके बाद खुद फिनाइल की गोलियां खाकर आत्महत्या का प्रयास किया। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले में सभी पहलुओं से जांच की जा रही है। महिला से पूछताछ जारी है, हालांकि वह कई बार अस्वस्थता का हवाला देकर चुप हो जाती है। पुलिस अब इस बात की भी जांच कर रही है कि घटना के पीछे मानसिक स्थिति, पारिवारिक दबाव और अन्य कौन-कौन से कारण जिम्मेदार थे।

> घरेलू कलह और पारिवारिक तनाव की वजह से उठाया था कदम
>
> एम्स के मनोरोग विभाग में चल रहा है आरोपी मां का इलाज

छावला में जिम पर कई राउंड फायरिंग

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

AI image

द्वारका जिले के छावला इलाके में बदमाशों ने एक जिम पर कई राउंड फायरिंग की। हालांकि, घटना के समय जिम बंद था, इससे कोई जनहानि नहीं हुई। पुलिस ने मौके से तीन खाली कारतूस बरामद किए हैं और मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार, घटना कांगनहेड़ी रोड स्थित 'अर्बन जिम' की है। इस जिम के मालिक हरीश कुमार हैं। पुलिस को दी शिकायत में हरीश ने बताया कि 19 मार्च की रात करीब 10 बजे वह जिम बंद कर घर चले गए थे। हरीश ने बताया कि अगली सुबह करीब 4:45 बजे जब वह जिम खोलने पहुंचे तो उन्हें शटर के पास कांच बिखरा हुआ मिला। शटर उठाने में भी दिक्कत हो रही थी। पास जाकर देखने पर शटर में तीन जगह गोलियों के छेद नजर आए। वहीं, सड़क पर तीन खोखे भी पड़े मिले। शटर खोलकर अंदर जाने पर कांच का दरवाजा टूटा हुआ था और फर्श पर कांच फैला हुआ था। इसके बाद उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचना दी। खबर मिलते ही छावला थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की।

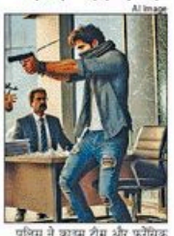

> एक सप्ताह पहले भी लॉरेंस बिश्नोई के नाम पर आई थी रंगदारी के लिए कॉल

पुलिस ने क्राइम टीम और फरेंसिक टीम को भी मौके पर बुलाया, जिन्होंने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए। शुरुआती जांच में आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों में कुछ संदिग्ध गतिविधियां सामने आई हैं। पुलिस का मानना है कि अज्ञात बदमाशों ने जिम को निशाना बनाकर फायरिंग की है। हालांकि, फायरिंग के पीछे का मकसद अभी साफ नहीं हो पाया है। वहीं, घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। स्थानीय लोग सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चिंता जता रहे हैं। फिलहाल पुलिस आरोपियों की पहचान करने में जुटी हुई है।

दिल्ली की खबरों के लिए टेलिग्राम पर फॉलो करें
t.me/nbtdilli

डिवाइडर से टेंपो की टक्कर, ड्राइवर की मौत

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली : बाबा हरिदास नगर इलाके में एक तेज रफ्तार टाटा एस टेंपो अनियंत्रित होकर डिवाइडर से भिड़ गया। घटना में टेंपो ड्राइवर की मौत हो गई। मृतक की पहचान पिंटू के रूप में हुई है। पुलिस ने टेंपो को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार 18 मार्च की रात करीब 8 बजे पीसीआर कॉल के जरिए सूचना मिली कि झिचाऊ रोड पर एक्सीडेंट हुआ है। पुलिस टीम जब झिचाऊ रोड पर पहुंची तो वहां एक क्षतिग्रस्त टाटा एस टेंपो खड़ा मिला। पूछताछ करने पर पता चला कि टेंपो डिवाइडर से टकरा गया था। घटना में टेंपो ड्राइवर गंभीर रूप से घायल हो गया था। उन्हें अस्पताल ले जाया गया है। पुलिस राव तुलाराम मेमोरियल अस्पताल पहुंची तो टेंपो ड्राइवर की मौत हो चुकी थी। जांच में उसकी पहचान पहचान पिंटू के रूप में हुई। पिंटू रघुबीर नगर इलाके में रहते थे। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बाबा हरिदास नगर का मामला, पुलिस ने टेंपो को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है

सर्च किया हॉस्पिटल का नंबर, 53 हज़ार की ठगी

ठगी के बाद पीड़ित शख्स ने साइबर क्राइम पोर्टल पर अपनी कंप्लेंट रजिस्टर्ड कराई है

NBT 2 मिनट में पढ़ें

Vishal.Sharma3
@timesofindia.com

■ नई दिल्ली : रोहिणी के एक शख्स को एक अस्पताल का नंबर ऑनलाइन सर्च करना महंगा पड़ा। पीड़ित ने एक नामी अस्पताल में एक डॉक्टर से अपॉइंटमेंट लेने के लिए ऑनलाइन उस हॉस्पिटल का नंबर सर्च किया। नंबर के जरिए जिससे संपर्क हुआ, उसने एक लिंक भेजकर पीड़ित को 10 रुपये जमा करने के लिए कहा। बाद में उनके बैंक खाते से हजारों रुपये निकाल लिए। पीड़ित को बाद में ठगी का अहसास हुआ। उन्होंने साइबर क्राइम पोर्टल पर अपनी कंप्लेंट रजिस्टर्ड कराई है।

पीड़ित के मुताबिक, उन्हें अपने एक बीमार रिश्तेदार के लिए दिल्ली में डॉक्टर की तलाश थी। पिछले हफ्ते उन्होंने अपॉइंटमेंट के लिए एक नामी अस्पताल का नंबर ऑनलाइन सर्च किया। सर्च में टॉप पर एक मोबाइल नंबर मिला। इस पर कॉल किया तो बताया गया कि वह वट्सऐप पर एक लिंक भेजेगा। उस पर 10 रुपये ट्रांसफर कर देना। इससे आपकी अपॉइंटमेंट कन्फर्म हो जाएगी। पीड़ित ने 10 रुपये पे कर दिए, लेकिन कुछ देर बाद एक अन्य मोबाइल नंबर से फोन आया और बताया गया कि भुगतान नहीं हुआ है। उसने बताया कि वह एक फाइल भेज रहा है, उसमें अपनी सारी जानकारी मुहैया कर दो। पीड़ित ने ऐसा ही किया। इसके बाद उनके खाते से 53 हजार रुपये निकल गए। पीड़ित ने इसकी शिकायत साइबर पोर्टल पर की। अब पुलिस जांच कर रही है।

AI image

इन बातों का रखें ध्यान

1. ध्यान से नंबर सर्च करें। ऑफिशियल वेबसाइट पर ही संपर्क करें
2. बिना जांच परख के नंबर सीधे डायल न करें।
3. किसी भी वेबसाइट पर जाने से पहले उसके यूआरएल (URL) को ठीक से वेरिफाई कर लें।
4. वेबसाइट के पेज पर सबसे नीचे Contact Us, Helpline या Support जैसे ऑप्शन पर संपर्क कर सकते हैं।
5. स्कैम होने पर 1930 नंबर पर कॉल करें, नजदीकी थाने में शिकायत दें, cybercrime.gov.in पर कंप्लेंट करें।

NBT ऑल वुमन बाइक रैली में दिखा महिला शक्ति का जोश, उम्र से परे दिखा जुनून

बाइक पर सवार शेरनियों ने भरी हुंकार तो गर्जना से गूंजा गुड़गांव

■ NBT न्यूज, गुड़गांव

मिलेनियम सिटी के सेक्टर-29 स्थित लेजर वैली पार्क में रविवार सुबह महिला शक्ति का अद्भुत नजारा देखने को मिला। NBT की ऑल वुमन बाइक रैली में बड़ी संख्या में महिलाएं हिस्सा लेने पहुंचीं। सुबह 6 बजे से ही पार्क में रौनक बढ़ने लगी। कई महिलाओं ने ऑन स्पॉट रजिस्ट्रेशन करवाया। बाइक पर सवार शेरनियों ने जैसे ही हुंकार भरी तो पूरा शहर उनकी गर्जना से गूंज उठा।

रंग-बिरंगी पोशाकों, सजी-धजी बाइक्स और जोश से भरी राइडर्स ने माहौल को उत्सव में बदल दिया। सुबह साढ़े 6 बजे से ही दिल्ली, नोएडा और गुड़गांव सहित आसपास के इलाकों से महिलाएं रैली में हिस्सा लेने पहुंचने लगीं। रजिस्ट्रेशन काउंटर पर जहां एक ओर औपचारिकताएं पूरी हो रही थीं तो वहीं दूसरी ओर महिलाएं सेल्फी लेतीं, आपस में बातचीत करतीं और अपने अनुभव साझा करती नजर आईं। कार्यक्रम की शुरुआत बॉलीवुड प्लेबैक सिंगर विशाल श्रीवास्तव की शानदार प्रस्तुति के साथ हुई, जिसने माहौल को और भी जोशीला बना दिया। इस दौरान महिला राइडर्स अपने अलग अंदाज में इस पल को एंजॉय करती दिखीं।

■ गुड़गांव ही नहीं, दिल्ली और नोएडा समेत आसपास के इलाकों से महिलाएं इस बाइक रैली में हिस्सा लेने पहुंचीं, सबका उत्साह देखते बन रहा था

नए भारत की बेटियां छू रही आसमान : विपुल गोयल

■ **NBT रिपोर्ट, गुड़गांव:** प्रदेश के यूएलबी मिनिस्टर विपुल गोयल ने कहा कि नए भारत की महिलाएं हर क्षेत्र में आसमान छू रही हैं। उनमें हिम्मत, आत्मविश्वास और कुछ कर दिखाने का जज्बा है। उन्होंने कहा कि 33 फीसदी आरक्षण के तहत साल 2029 में देश की संसद में भी महिला सांसदों की आवाज गूंजेगी। रविवार को सेक्टर-29 के लेजर वैली पार्क में NBT की ऑल विमिन बाइक रैली में बतौर मुख्य अतिथि उन्होंने लोगों को संबोधित करते हुए यह बात कही। इस मौके पर विपुल गोयल ने विभिन्न क्षेत्रों में मुकाम हासिल करने वाली महिलाओं को सम्मानित भी किया। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार महिला सशक्तिकरण की दिशा में तेजी से काम कर रही है। आज की महिलाएं पुरुषों के साथ हर क्षेत्र में कंधे से कंधा मिलाकर काम कर रही हैं। फिर चाहे सेना हो, उद्योग या स्पोर्ट्स हो या फिर अन्य कोई क्षेत्र, वे हर जगह अपनी पहचान बना रही हैं। आज की ऑल विमिन बाइक रैली भी महिला सशक्तिकरण को आगे बढ़ाने की दिशा में बड़ा कदम है।

मकान में लगी आग, जान बचाने को दूसरी मंज़िल से कूदे लोग

गुड़गांव के कादीपुर एरिया में शनिवार शाम हुआ हादसा, विडियो हुआ वायरल

■ NBT रिपोर्ट, गुड़गांव

कादीपुर एरिया में शनिवार शाम को उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब एक मकान के ग्राउंड फ्लोर पर बने ग्रोसरी के गोदाम में भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने दूसरी मंजिल को भी अपनी चपेट में ले लिया। धुएं के गुबार के कारण घर में मौजूद करीब 8 लोगों का दम घुटने लगा, जिसके बाद जान बचाने के लिए 4-5 लोग छत से नीचे कूद गए। इस हादसे में दो लोगों के पैरों में चोट आई है। वहीं, सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने कई गाड़ियों की मदद से आग पर काबू पाया। शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका जताई जा रही है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आग मकान के ग्राउंड फ्लोर पर बने ग्रोसरी स्टोर में लगी थी। इससे पहले कि लोग बचाव कार्य शुरू कर पाते कुछ ही देर में काला धुआं ऊपरी मंजिलों तक पहुंच गया। पहली मंजिल पर रह रहे लोगों को जब तक खतरे का अहसास हुआ, तब तक बाहर निकलने का रास्ता धुएं से भर चुका था। जान बचाने के लिए लोग छत की ओर भागे। सोशल मीडिया पर इस घटना का एक विडियो भी वायरल हुआ है। विडियो में नीचे खड़े लोग ऊपर फंसे लोगों को "कूदो-कूदो" चिल्लाते हुए सुनाई दे रहे हैं।

कुछ लोग पिछले हिस्से से कूद गए

आग लगने से घबराए कुछ लोग मकान के पिछले हिस्से से कूद गए, वहीं एक व्यक्ति ने पड़ोस की छत के सहारे नीचे उतरकर अपनी जान बचाई। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। गनीमत रही कि कोई जनहानि नहीं हुई, हालांकि मकान का काफी हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया है। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है, हालांकि शॉर्ट सर्किट की आशंका जताई जा रही है।

10 दिन पहले बसई में लगी थी आग

गर्मी बढ़ने के साथ ही आग लगने की घटनाएं लगातार हो रही हैं। करीब दस दिन पहले बसई एरिया में फिनाइल बनाने वाले कमरे में भीषण आग लगने से एक मजदूर की जिंदा जलकर मौत हुई थी। वहीं दो दिन पहले ही सेक्टर 28 के एक गेस्ट हाउस में आग लग गई थी। जिसमें करीब 5/6 लोग से अधिक लोग फंस गए थे, पुलिस व फायर ब्रिगेड की टीम ने समय पर पहुंचकर रेस्क्यू किया था।

सनातन धर्म मंदिर में नवरात्र उत्सव की धूम

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

चैत्र नवरात्र उत्सव के मद्देनजर संत नगर, ईस्ट आफ कैलाश स्थित सनातन धर्म मंदिर में श्री सनातन धर्म सभा की ओर से पहले नवरात्र से रोजाना सुबह दुर्गा स्तुति का पाठ और सांयकाल माता की चौकी का आयोजन किया जा रहा है। रविवार को चौथे दिन मां कूष्मांडा की पूजा अर्चना की गई। रंग बिरंगे फूलों से सजे मंदिर दरबार में प्रसिद्ध भजन गायिका निधि साहिल ने माता के भक्तों के बीच माता की भेंटों व भजनों से सबको मंत्रमुग्ध किया। इस मौके पर केंद्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा, प्रदेश बीजेपी के मीडिया प्रमुख प्रवीण शंकर कपूर, विधायक शिखा रॉय और निगम पार्षद अंजुम मंडल आदि शामिल हुए।

■ कार्यक्रम में माता की भेंटों और भजनों ने सबको मंत्रमुग्ध किया

■ उत्सव में केंद्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा, प्रदेश बीजेपी के मीडिया प्रमुख प्रवीण शंकर कपूर भी मौजूद रहे

ऑटोवाले की बहादुरी से पकड़े चोर, 5 फोन बरामद

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली:** लाजपत नगर पुलिस ने मोबाइल चोरी की वारदात में शामिल दो बदमाशों को पकड़ा है। आरोपियों की पहचान सोमवीर यादव (30) और कुणाल (26) के रूप में हुई है। उनके कब्जे से चोरी के पांच मोबाइल फोन बरामद हुए हैं। कुणाल पर चोरी और स्नैचिंग के 12 मामले पहले से दर्ज हैं। पुलिस के मुताबिक, 20 मार्च की देर रात ऑटो ड्राइवर विजय मंडल ने पुलिस को बताया कि एक युवक ने कस्तूरबा निकेतन पहुंचने पर यह वारदात की।

नजफगढ़ वॉर्ड में कई परियोजनाएं शुरू

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली:** नजफगढ़ वॉर्ड में 11.50 करोड़ रुपये की लागत से कई जनहितकारी परियोजनाओं का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर गोपाल नगर में एमडी रोड, पीपल वाली गली के निर्माण, मित्रांऊ और ढ़ांसा गांवों में गलियों और नालियों के निर्माण, पूरे नजफगढ़ वॉर्ड के निगम स्कूलों के सौंदर्यीकरण, 6 ओपन जिम और कई अन्य महत्वपूर्ण काम शुरू हुए। कार्यक्रम में निगम पार्षद नजफगढ़ तथा शिक्षा समिति के डिप्टी चेयरमैन अमित खरखड़ी, नजफगढ़ जोन की चेयरमैन सविता शर्मा, डिप्टी जोन चेयरमैन देवेंद्र डबास, मंडल अध्यक्ष पूनम यादव और सुनील कुमार सहित कई अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

11.50 करोड़ की लागत से कराए जाएंगे ये काम

ओला-उबर ड्राइवर आज भी हड़ताल पर

■ **NBT न्यूज, फरीदाबाद :** अगर आप कैब से सफर करते हैं, तो अगले 2-3 दिनों तक आपको परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। शहर में ओला और उबर से जुड़े ड्राइवरों ने अपनी मांगों को लेकर हड़ताल शुरू कर दी है, जो 23 मार्च तक जारी रहेगी। इस दौरान कैब सेवाएं प्रभावित रहेंगी। शनिवार को ड्राइवरों ने बदरपुर बॉर्डर पर प्रदर्शन किया था। उनका कहना है कि कंपनी उनकी सुरक्षा और पैसे बढ़ाए तभी वे काम पर लौटेंगे। हालांकि रविवार को ड्राइवरों ने कहीं पर शहर में प्रदर्शन तो नहीं किया लेकिन कैब बुक करने पर कई ड्राइवर बुकिंग नहीं ले रहे थे। हड़ताल के कारण लोगों को परेशानी हुई।

शनिवार से अपनी मांगों को लेकर बुकिंग नहीं ले रहे कैब वाले

मां दुर्गा का पांचवां रूप 'मां स्कंदमाता'

नवरात्र के पांचवें दिन दुर्गाजी के पांचवें स्वरूप मां स्कंदमाता की पूजा और अर्चना की जाती है। स्कंद शिव और पार्वती के दूसरे और षडानन (छह मुख वाले) पुत्र कार्तिकेय का एक नाम है। स्कंद की मां होने के कारण ही इनका नाम स्कंदमाता पड़ा। माना जाता है कि मां दुर्गा का यह रूप अपने भक्तों की सभी मनोकामनाओं की पूर्ति करता है और उन्हें मोक्ष का मार्ग दिखाता है। मां के इस रूप की चार भुजाएं हैं और इन्होंने अपनी दाएं तरफ की ऊपर वाली भुजा से स्कंद अर्थात् कार्तिकेय को पकड़ा हुआ है और इसी तरफ वाली निचली भुजा के हाथ में कमल का फूल है। बाईं ओर की ऊपर वाली भुजा में वरदमुद्रा है और नीचे दूसरा श्वेत कमल का फूल है। सिंह इनका वाहन है। क्योंकि यह सूर्यमंडल की अधिष्ठात्री देवी हैं इसलिये इनके चारों ओर सूर्य सदृश अलौकिक तेजोमय मंडल सा दिखाई देता है। सर्वदा कमल के आसन पर स्थित रहने के कारण इन्हें पद्मासना भी कहा जाता है। ऐसा विश्वास है कि इनकी कृपा से साधक के मन और मस्तिष्क में अपूर्व ज्ञान की उत्पत्ति होती है। माना जाता है कि कविकुल गुरु कालिदास ने इनकी ही कृपा से अस्ति, कश्चित् और वाग्विशेष इन तीन शब्दों के माध्यम से कुमार सम्भव, मेघदूत और रघुवंश अपनी इन तीन कालजयी रचनाओं की रचना की। मन की एकाग्रता के लिये भी इन देवी की कृपा विशेषरूप से फलदायी है। इनकी पूजा करने से भगवान् कार्तिकेय, जो पुत्ररूप में इनकी गोदी में विराजमान हैं, की भी पूजा स्वाभाविकरूप से हो जाती है।

स्कंदमाता के इस रूप की आराधना निम्न मंत्र से करनी चाहिये।

सिंहासनगता नित्यं, पद्माश्रितकरद्वया।
शुभदास्तु सदा देवी, स्कंदमाता यशस्विनी॥

अर्थात् सिंह पर सवार रहने वाली और अपने दो हाथों में कमल का फूल धारण करने वाली यशस्विनी स्कंदमाता हमारे लिये शुभदायी हों।

नवरात्र के चौथे दिन माता के कूष्मांडा स्वरूप की हुई पूजा

■ **NBT न्यूज, नई दिल्ली:** रविवार को मंदिरों में माता के कूष्मांडा स्वरूप की पूजा की गई। बड़ी भगत झंडेवालान मंदिर में माता का श्रृंगार, पूजन के साथ किया गया। आद्याकात्यायनी शक्तिपीठ मंदिर छतरपुर में अखंड रामायण पाठ में बड़ी संख्या में भक्तों ने भाग लिया। सिद्धपीठ कालकाजी मंदिर में महंत सुरेंद्र नाथ जी ने पूजन, श्रृंगार कराया।

वैष्णो दरबार नीलम माता मंदिर मधु विहार, फेज-टू में शतचंडी पाठ में सैकड़ों भक्तों ने भाग लिया। पंडित नरेंद्र कुमार शर्मा ने पूजा की। गंगेश्वर धाम करोलबाग, विवेकानंद योगाश्रम खुरेजी, सिद्ध शक्तिपीठ बालाजी धाम मंदिर त्रिनगर, प्राचीन संन्यास आश्रम शिव हनुमान मंदिर पंचकुइयां रोड, चिंता हरण मंदिर मानस मार्ग पटेल धाम चाणक्यपुरी व अन्य मंदिरों में भी पूजा हुई। बिड़ला मंदिर में स्वामी गिरिशानंदजी सरस्वती ने राम कथा सुनाई।

लक्ष्मी नगर में रथयात्रा: श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर, सुभाष चौक लक्ष्मी नगर की 17वीं वार्षिक रथयात्रा रविवार को धूमधाम से निकाली गई। इसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। महामंत्री अमित जैन के अनुसार यहां कल्याणमंदिर विधान भी आयोजित किया गया।

LG ने बंगला साहिब में मत्था टेका, जोड़ा सेवा की

■ जोड़ा सेवा में श्रद्धालुओं के जूते-चप्पलों की सफाई की, जिसे सिख परंपरा में विनम्रता का प्रतीक माना जाता है

■ संधू कॉलेज के दिनों में गुरुद्वारा सीसगंज साहिब में करते थे ये सेवा

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने रविवार को दूसरे सिख गुरु गुरु अंगद देव के ज्योति-जोत दिवस के अवसर पर गुरुद्वारा बंगला साहिब में मत्था टेका और जोड़ा सेवा कर विनम्रता का संदेश भी दिया। उन्होंने जोड़ा सेवा के तहत श्रद्धालुओं के जूते-चप्पलों की सफाई की, जिसे सिख परंपरा में विनम्रता का प्रतीक माना जाता है। जानकारी के अनुसार संधू लंबे समय से जोड़ा सेवा करते आ रहे हैं। वो कॉलेज की पढ़ाई के दौरान भी वे नियमित रूप से गुरुद्वारा सीसगंज साहिब जाते थे और सेवा करते थे। बाद में भारतीय विदेश सेवा (IFS) में चयन के बाद जब वे कस्तूरबा गांधी मार्ग स्थित सर्विसेज हॉस्टल में रहे, तब भी वे गुरुद्वारा बंगला साहिब में सेवा करते रहे। जानकारों का कहना है कि सिख परंपरा में सेवा करना विनम्रता सिखाने का एक तरीका है। आमतौर पर लोग 'कर सेवा' और 'लंगर सेवा' करते हैं, जबकि जोड़ा सेवा को सबसे साधारण सेवा माना जाता है। इसके बावजूद संधू छात्र जीवन से ही स्वेच्छा से यह सेवा करते आ रहे हैं।

LG संधू लंबे समय से जोड़ा सेवा करते आ रहे हैं

स्पीकिंग ट्री रिट्रीट

योग गुरु सुरक्षित गोस्वामी के सान्निध्य में

गंगा किनारे, हिमालय की गोद में आत्म अनुभव के योग, ध्यान, मौन और आध्यात्मिक जागरूकता का दिव्य संगम। चार दिवसीय इस रिट्रीट में होगा ऊर्जा, संतुलन और आंतरिक शांति का संचार। **योग गुरु सुरक्षित गोस्वामी** के मार्गदर्शन में यह यात्रा आपके जीवन को नया आयाम दे सकती है। स्वस्थ एकांत रहना और तीन वक्त का भोजन शामिल है।

स्थान परमार्थ निकेतन, ऋषिकेश

तिथि 27 से 30 मार्च 2026

शुल्क मात्र ₹12,999 प्रति व्यक्ति

सीटें सीमित हैं, आज ही पंजीकरण करें!

रजिस्ट्रेशन कराने के लिए नीचे दिए गए नंबर पर सुबह 10 बजे से शाम 7 बजे के बीच कॉल करें या अपनी डिटेल वट्सऐप पर भेजें।

9910475909

NBT नवभारत टाइम्स | रंगमंच Club

महिला के गले से छीना मंगलसूत्र

NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: जागरण से लौटते समय ईस्ट आजाद नगर रेड लाइट के पास बाइक सवार दो बदमाश स्कूटी सवार महिला के गले से मंगलसूत्र छीनकर फरार हो गए। पीड़िता के बयान पर कृष्णा नगर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

उत्तर मध्य रेलवे

क्रमांक:- झांसी/डब्ल्यू/टी/टेण्डर जनरल/05 दिनांक: 19.03.2026

ई-टेन्डरिंग निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिये मण्डल रेल प्रबन्धक/कार्य/झांसी निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन (ई-टेन्डरिंग) के माध्यम से खुली निविदा आमंत्रित करते हैं।

ई-निविदा सूचना संख्या: झांसी-इ.जी.-एन-2026-05, **कार्य का नाम:** इम्प्रूवमेंट ऑफ रोड सरफेस एवं प्रॉपर ड्रेनेज ऑन एलसीगेट नंबर 429, 442, 444, 445 अंदर एडीईएन/ग्वालियर सब-डिवीजन।

अनुमानित लागत : ₹ 2,15,27,489.25	**अमानत राशि:** ₹ 2,57,600.00
निविदा बन्द होने की तिथि: 10.04.2026 at 15:00 hrs.	
स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन/अवधि की तिथि : 06 माह।	

• निविदा दिनांक 10.04.2026 को 15:00 बजे तक ऑन लाईन जमा कर सकेंगे। • पूर्ण विवरण एवं निविदा को प्रस्तुति करने के लिए भारतीय रेल के वेब साइट www.ireps.gov.in पर देखें। 623/26 (MG)

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

आरोपित व्यक्ति कि उपस्थिति हेतु उद्घोषणा

(SEE SECTION 84 BNSS)

जबकि मेरे समक्ष यह शिकायत की गयी है कि पेशावरी लाल पुत्र श्री कर्म चन्द, पता- 14/25 प्रथम तल, तिलक नगर, नई दिल्ली **एवं** पता- 19/4 बी तिलक नगर, नई दिल्ली ने अपराध संख्या VIII/9/DZU/2015, धारा 8c, 23b,29 एन डी पी एस अधिनियम 1985 के तहत नारकोटिक्स कण्ट्रोल ब्यूरो, दिल्ली जोनल इकाई और इसे जारी किए गए गिरफ्तारी वारंट को वापस कर दिया है कि पेशावरी लाल पुत्र श्री कर्म चन्द नहीं पाया जा सकता है और मेरी संतुष्टि के लिए दिखाया गया है कि उक्त पेशावरी लाल पुत्र श्री कर्म चन्द, पता- 14/25 प्रथम तल, तिलक नगर, नई दिल्ली **एवं** पता- 19/4 बी तिलक नगर, नई दिल्ली फरार हो गया है (या छुप रहा है खुद उक्त वारंट कि तमिल से बचने के लिए)। एतत द्वारा उद्घोषणा कि जाती है कि पेशावरी लाल पुत्र श्री कर्म चन्द, पता- 14/25 प्रथम तल, तिलक नगर, नई दिल्ली **एवं** पता- 19/4 बी तिलक नगर, नई दिल्ली को दिनांक 30/04/2026 को उक्त शिकायत का उत्तर देने के लिए इस न्यायालय के समक्ष उपस्थित होना आवश्यक है।

By order
Shri Jitendra Pratap Singh
Spl. Judge, NDPS Act
Room No. 35, P Building, New Delhi

CBC 19126/11/0170/2526

'अटल स्वरांजलि' में याद किए गए पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी

■ **नई दिल्ली के** तालकटोरा स्टेडियम में 'अटल स्वरांजलि' कार्यक्रम आयोजित हुआ। इसमें पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को याद किया गया। डॉ. मुरली मनोहर जोशी की अध्यक्षता में हुए इस समारोह में केंद्रीय राज्य मंत्री पंकज चौधरी, गोपाल ठाकुर (सांसद), अश्विनी चौबे (पूर्व केंद्रीय मंत्री), सत्यनारायण जटिया (पूर्व केंद्रीय मंत्री), संजीव झा (विधायक) शामिल हुए। राष्ट्रकवि रामधारी सिंह 'दिनकर' स्मृति न्यास ने कार्यक्रम का आयोजन किया। राष्ट्र सेवा और संस्कृति के क्षेत्र में योगदान देने वाली कई हस्तियों को सम्मानित भी किया गया। 22 भाषाओं में काव्य प्रस्तुति भी हुई।

'टेस्ट ड्राइव' के बहाने हो जाता था फरार

■ **NBT रिपोर्ट, रोहिणी :** न पार्किंग से, न गली मोहल्ले और न सरे बाजार से। वो बढ़िया कपड़े पहनकर बाइक शोरूम पहुंचता। फेक आईडी दिखाता। इसके बाद टेस्ट ड्राइव के बहाने महंगी बाइक लेकर फरार हो जाता। गुरुग्राम से लेकर दिल्ली के बाइक शोरूम इस टेस्ट ड्राइव करने वाले की तलाश में थे। आखिरकार रोहिणी जिले की विजय विहार पुलिस ने आरोपी को दबोच लिया। आरोपी की पहचान हरियाणा के रेवाड़ी निवासी 29 वर्षीय पुनीत सतीजा के रूप में हुई है। इसके पास से शोरूम से फरार्टा भरके उड़ाई गई 6 बाइक रिकवर कर ली गई हैं। पुलिस को 3 और बाइक रिकवर करनी हैं। ये गुरुग्राम और दिल्ली के बाइक शोरूम को टारगेट बना रहा था।

गुरुग्राम से लेकर दिल्ली के बाइक शोरूम करता था टारगेट

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-प्रोक्यूरमेंट के माध्यम से निविदा आमंत्रण
मण्डल भंडार कार्यालय पूर्वोत्तर रेलवे, लखनऊ कृते भारत के राष्ट्रपति एवं उनकी ओर से ई प्रोक्यूरमेंट के माध्यम से निम्नलिखित सामग्री की आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। सामग्री का पूर्ण विवरण एवं नियम व शर्तें Website http://www.ireps.gov.in पर देखी जा सकती है।
क्र.सं. 1:- निविदा सं0: 60265360, खुलने की तिथि: 14.04.2026, सामग्री का विवरण: सप्लाई एवं इंस्टॉलेशन ऑफ ... सेंटर/मैस, मात्रा: 309 जदद, लगभग लागत: Rs. 7898338/-
नोट: उपरोक्त निविदा Website http://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध करा दी गई है। इच्छुक निविदादाताओं को सलाह दी जाती है कि अन्य स्रोत की निविदाएं निरंतर कराकर उक्त वेबसाइट से इलेक्ट्रॉनिक रूप से ही ई टेण्डर के लिए मैनुअल ऑफर स्वीकार नहीं किया जायेगा। अधिक जानकारी के लिए वेबसाइट www.ireps.gov.in देखें।
वरिष्ठ मण्डल सामग्री प्रबन्धक, लखनऊ
गुजाफि/एन-05

9 विधानसभा क्षेत्रों में तीन दिन हो सकती है पानी की किल्लत

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

चंद्रावल वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट के पास 600 एमएम की बैकवॉश लाइन फटने के कारण पंप हाउस में पानी भर गया है। जिसके चलते सभी इलेक्ट्रिकल व मैकेनिकल (ई एंड एम) उपकरण बंद हो गए हैं और पंपिंग कार्य पूरी तरह से ठप हो गया है। क्षतिग्रस्त बैकवॉश लाइन की मरम्मत के साथ-साथ पंप हाउस की बहाली का कार्य (ई एंड एम उपकरण, एचटी व एलटी पैनल, मोटर की मरम्मत) चल रहा है।

पंप हाउस को दोबारा चालू करने में लगभग 3 दिन का समय लग सकता है। ऐसे में चंद्रावल वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट से जिन इलाकों में पानी सप्लाई किया जाता है, उन इलाकों में सप्लाई बाधित रहेगी।

चंद्रावल ट्रीटमेंट प्लांट से 9 विधानसभा क्षेत्रों के करीब 96 वर्ग किमी एरिया में पानी सप्लाई की जाती है। ऐसे में सराय रोहिल्ला, गुलाबी बाग, नारायणा विहार, नेहरू नगर, बलजीत नगर, प्रेम नगर, पंजाबी बस्ती, सदर बाजार, करोल बाग, पहाड़गंज, पटेल नगर, झंडेवालान, बापा नगर, देव नगर, कश्मीरी गेट, आरके पुरम और तुर्कमान गेट इलाकों में पानी सप्लाई बाधित रहेगी। इसके अलावा सिविल लाइंस, हिंदू राव अस्पताल, कमला नगर, शक्ति नगर, करोल बाग, पहाड़गंज, एनडीएमसी एरिया, ओल्ड व न्यू राजेंद्र नगर, पटेल नगर, इंद्रपुरी, दिल्ली कैंट बोर्ड, वसंत विहार, आरके पुरम, मुनिरका, तिमारपुर, मलकागंज सहित कई इलाकों में पानी नहीं आएगा।

चंद्रावल वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट के पास बैकवॉश लाइन फटने से पंप हाउस पानी में डूबा

महानगर खेल

आप भी हमें अपनी खेल खबर और फोटो भेजिए nbtreader@timesofindia.gcom पर। सब्जेक्ट में लिखें Khel

नवीन, उदय कीउम्दा पारी

नवीन

नवीन लाकरा (92 रन, 12 चौके, 4 छक्के), उदय नेगी (79 रन, 7 चौके, 5 छक्के) और देव पराशर (3/28) के शानदार प्रदर्शन की बदौलत दय फ्रेंड्स क्लब (236/4) ने 7वें मजीद और जीवन बख्शी स्पोर्ट्स ओपन क्रिकेट टूर्नामेंट में शास्त्री फ्रेंड्स क्लब (235/9) को 6 विकेट से हरा दिया। शास्त्री फ्रेंड्स की ओर से कुशाग्र अग्रवाल (89 रन) और जसराज सिंह अरोरा (58 रन) ने अच्छी बल्लेबाजी की।

हर्षित, आयुष, अनिरुद्ध की फिफ्टी

हर्षित अनेजा (84 रन), आयुष त्यागी (78 रन), अनिरुद्ध (50 रन) और हितेश कुमार (3/34) के शानदार प्रदर्शन से पैरागन क्लब (280/5) ने दूसरे राधे श्याम शर्मा इनविटेशनल ओपन क्रिकेट टूर्नामेंट में दिल्ली क्रिकेट क्लब (251/10) को 29 रन से हराया। दिल्ली की ओर से रोहन राठी (42 रन) ने संघर्ष किया।

आदित्य ने मारा 'पंजा'

आदित्य

आदित्य सिंह (5 विकेट), ऐश्वेय (3 विकेट), अर्जुन सूरी (72 रन) और विराज कुमार (65 रन) के शानदार प्रदर्शन से एससीए जूनियर स्टार्स (257/9) ने तीसरे एससीए क्रिकेट लीग में एससीए वॉरियर्स (120 ऑल आउट) को बड़े अंतर से हराया। वॉरियर्स की ओर से सक्षम पांडे (50 रन) ने संघर्ष किया।

अजय का ऑलराउंड खेल

अजय कुशिक (123* रन, 66 बॉल, 24 फोर) के शानदार शतक की बदौलत टाइम्स ऑफ इंडिया (221/1) ने डीडीसीए लीग में मिनिस्ट्री ऑफ आईटीडी (220/4) की टीम को नौ विकेट से शिकस्त दी। अजय के अलावा पार्थ कुमार ने भी 75* रन की उम्दा पारी खेली। इससे पहले एलआईसी (116/10) के खिलाफ अजय ने पांच विकेट निकाले, जिससे टाइम्स ऑफ इंडिया (186/5) ने 70 रन से जीत दर्ज की।

अजय

अर्जुन का ऑलराउंड खेल

अर्जुन (33 रन, 3 विकेट), अर्जुन राणा (50 रन) और निखिल भट्ट (3/30) के शानदार प्रदर्शन की बदौलत अरुण सिंह क्रिकेट अकैडमी (179/8) ने पहले आरपीएस टी20 टूर्नामेंट में दिल्ली ब्लूज सीसी (134/10) को 45 रन से हराया। दिल्ली ब्लूज की ओर से क्षितिज नेगी (32 रन) ने सर्वाधिक रन बनाए।

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 23-03-2026 Zone: Mahanagar Edition: 2 Page: NBTMAH05 User: cci Time: 03-22-2026 23:51 Color:

आज खीर रस्म, बजट आएगा कल

उपराज्यपाल के अभिभाषण से शुरू होगा बजट सत्र, पहले दिन पेश होगा आर्थिक सर्वेक्षण

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में हुए एक कार्यक्रम में आध्यात्मिक गुरु श्री श्री रवि शंकर और CM रेखा गुप्ता रहे मौजूद

दिल्ली विधानसभा का बजट सत्र आज से शुरू होकर 25 मार्च तक चलेगा। कल बजट पेश किया जाएगा। तीन दिनों तक चलने वाले इस सत्र में वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए सरकार अपने विकास और आर्थिक प्राथमिकताओं का खाका पेश करेगी। सत्र के पहले दिन की शुरुआत उपराज्यपाल तरणजीत सिंह संधू के अभिभाषण से होगी। इसी दिन आर्थिक सर्वेक्षण भी सदन में रखा जाएगा।

सत्र के दूसरे दिन, यानी 24 मार्च को मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता वित्तीय वर्ष 2026-27 का बजट पेश करेंगी। सरकार का फोकस शिक्षा, स्वास्थ्य, आधुनिक सड़कें, बुनियादी ढांचे और जनकल्याणकारी योजनाओं पर रहने की उम्मीद है। इसके साथ ही रोजगार सृजन, महिलाओं और युवाओं के सशक्तिकरण के लिए नई योजनाओं का भी ऐलान किया जा सकता है। तीसरे दिन (25 मार्च को) बजट पर विस्तृत चर्चा होगी। इस दौरान पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी बहस के आसार हैं।

सरकार का फोकस शिक्षा, स्वास्थ्य, आधुनिक सड़कों पर रहने की उम्मीद

सूत्रों का कहना है कि बीजेपी सरकार का यह दूसरा बजट सत्र कई मायनों में अहम माना जा रहा है। इस बजट में बड़े ऐलान हो सकते हैं, जिससे दिल्ली के इन्फ्रास्ट्रक्चर और सेवाओं को नई दिशा मिल सकेगी। पिछले साल सरकार ने एक लाख करोड़ रुपये का बजट पेश किया था, ऐसे में इस बार भी बड़े आकार के बजट की उम्मीद जताई जा रही है।

सत्र शुरू होने से पहले विधानसभा अध्यक्ष ने सदन की व्यवस्थाओं और सुरक्षा का जायजा लिया, ताकि कार्यवाही सुचारू रूप से चल सके। इस बार सदन में तकनीक के इस्तेमाल पर खास जोर दिया गया है। सभी विधायकों को टैबलेट उपलब्ध कराए गए हैं, जिससे उन्हें दस्तावेज और कार्यवाही की जानकारी रियल-टाइम में मिल सकेगी। इसके अलावा 'विधान साथी' नाम का एआई चैटबॉट भी लॉन्च किया गया है, जिससे विधायक किसी विधेयक, कानून और नीतियों से जुड़ी जानकारी तुरंत हासिल कर सकेंगे। पहली बार सत्र की शुरुआत 'वंदे मातरम' के पूर्ण गायन से होगी और सदन में लगी स्क्रीन पर इसके बोल भी प्रदर्शित किए जाएंगे।

खीर सेरेमनी के साथ होगी शुरुआत

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली:** पिछले साल जब दिल्ली में 27 साल बाद BJP की सरकार आई थी, तब सीएम रेखा गुप्ता ने केंद्रीय बजट से पहले होने वाली हलवा सेरेमनी की तर्ज पर दिल्ली का बजट पेश करने से पहले खीर सेरेमनी के आयोजन की शुरुआत की थी। इस बार भी उसी तर्ज पर खीर सेरेमनी का आयोजन होने जा रहा है। सोमवार को सुबह खीर रस्म अदा की जाएगी। रेखा गुप्ता सरकार ने अपने पहले बजट सत्र में विधानसभा में पहली बार खीर सेरेमनी का आयोजन किया था।

विकसित व्यापार-समृद्ध दिल्ली का सुझाव

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली:** चांदनी चौक से सांसद और कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने सीएम रेखा गुप्ता को एक पत्र भेजा है। इसमें उन्होंने दिल्ली के व्यापारिक तंत्र को सशक्त बनाने के लिए में विकसित व्यापार-समृद्ध दिल्ली का सुझाव दिया है। खंडेलवाल ने बताया कि प्रमुख सुझावों में सिंगल-विंडो क्लीयरेंस सिस्टम लागू करना, छोटे-मोटे अनुपालनों का डी-क्रिमिनलाइजेशन निरीक्षण प्रक्रियाओं का पूर्ण डिजिटलीकरण शामिल है, जिससे व्यापार करने में आसानी होगी।

बजट सत्र के पहले दिन निंदा प्रस्ताव पेश होगा

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली:** सोमवार से शुरू हो रहे दिल्ली सरकार के बजट सत्र के पहले दिन सदन में एक निंदा प्रस्ताव पेश किया जाएगा। दिल्ली विधानसभा सचिवालय की तरफ से एक बयान जारी कर इसकी पुष्टि की गई है। बताया गया है कि यह निंदा प्रस्ताव विधायक शिखा रॉय की ओर से लाया जाएगा। यह निंदा प्रस्ताव लोकसभा में कुछ विपक्षी दलों द्वारा ओम बिरला के खिलाफ लाए गए हटाने के प्रस्ताव के जवाब में लाया जा रहा है।

आतिशी की विधायकों का निलंबन वापस लेने की मांग

NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: आम आदमी पार्टी (AAP) की वरिष्ठ नेता और सदन में नेता प्रतिपक्ष आतिशी ने विधानसभा अध्यक्ष से पार्टी के निलंबित चारों विधायकों का निलंबन तत्काल वापस लेने की मांग की है। साथ ही उन्होंने चेतावनी दी है कि अगर विधायकों का निलंबन वापस नहीं लिया जाता है तो विपक्ष बजट सत्र का पूरी तरह बहिष्कार करेगा और 'आप' का कोई भी विधायक सदन की कार्यवाही में शामिल नहीं होगा। आतिशी ने स्पीकर विजेंद्र गुप्ता को चिट्ठी लिखी है। उन्होंने कहा कि चारों विधायकों को सिर्फ इसलिए निलंबित कर दिया गया, क्योंकि उन्होंने अपने एक साथी विधायक को सदन में आने से रोके जाने के खिलाफ आवाज उठाई थी। विधायक अजय दत्त के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस कर आतिशी ने कहा कि इस देश के संविधान में विपक्ष की बहुत महत्वपूर्ण भूमिका है। लेकिन बीजेपी हर स्तर पर विपक्ष की आवाज को दबाना चाहती है। एक तरफ एजेंसियों का इस्तेमाल करके विपक्ष पर केस किए जा रहे हैं ताकि कोई भी विपक्षी नेता जेल के डर से कूदकर बीजेपी में चला जाए।

कहा, निलंबन वापस न लेने पर विपक्ष सदन का बहिष्कार करेगा

नीतियां बनाने पर ध्यान नहीं दिया: BJP

NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: दिल्ली बीजेपी अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि विधानसभा में विपक्ष की नेता आतिशी इस बात को पचा नहीं पा रही है कि पहली बार विधानसभा में विधेयक पारित हो रहे हैं, जनहित से जुड़े प्रश्न और दिल्ली से संबंधित मुद्दे उठाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि 'आप' सरकार ने केवल राजनीतिक भाषण देने के लिए विधानसभा का उपयोग किया, जबकि दिल्ली के मुद्दों को समझने और दिल्ली को प्रभावी ढंग से चलाने के लिए नीतियां बनाने पर ध्यान नहीं दिया।

43% बजट भी खर्च नहीं कर पाई दिल्ली सरकार: कांग्रेस

NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: दिल्ली प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने दिल्ली सरकार की कार्यशैली पर सवाल उठाया है। पिछले बजट में की गई घोषणाओं की वास्तविक स्थिति को सामने रखने का दावा करते हुए उन्होंने कहा कि दिल्ली के विकास के लिए योजनाओं, परियोजनाओं और कार्यक्रमों के लिए निर्धारित 57,850 करोड़ रुपये के बजट में से लगभग 43 प्रतिशत राशि खर्च ही नहीं की जा सकी है, जो कि रेखा गुप्ता सरकार की कार्यप्रणाली और प्रशासनिक क्षमता पर गंभीर सवाल खड़े करती है।

देवेंद्र यादव ने दिल्ली सरकार पर उठाया सवाल

तीन अस्पतालों के जुड़ने से बढ़ेंगी MBBS सीटें, रिसर्च के रास्ते खुलेंगे

GTB, DSCI और राजीव गांधी अस्पताल का होगा एकीकरण: CM

NBT 3 मिनट में पढ़ें

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

क्या होगा फायदा?

- AIIMS की तर्ज पर बनेगा नया मेडिकल हब, तीन अस्पतालों का होगा एकीकरण
- सरकार के इस कदम से मेडिकल एजुकेशन और रिसर्च को भी मिलेगा बढ़ावा
- एम्स की तर्ज पर 3 अस्पतालों को मिलाकर एक ऑटोनॉमस बॉडी बनाने की तैयारी

AI Image

दिल्ली सरकार स्वास्थ्य सेवाओं और चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में एक बड़ा कदम उठाने जा रही है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने घोषणा की है कि गुरु तेग बहादुर अस्पताल (GTB), दिल्ली स्टेट कैंसर इंस्टिट्यूट (DSCI) और राजीव गांधी सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल (RGSSH) का एकीकरण कर 'एम्स मॉडल' की तर्ज पर एक स्वायत्त संस्थान (Autonomous Institute) के रूप में विकसित किया जाएगा। इसके साथ ही, इंस्टिट्यूट ऑफ ह्यूमन बिहेवियर ऐंड एलाइड साइंसेज (IHBAS) को 'निम्हंस-2' (NIMHANS-2) के रूप में अपग्रेड किया जाएगा। मुख्यमंत्री के अनुसार, इन प्रमुख संस्थानों के एकीकरण से न केवल हेल्थ केयर में सुधार होगा, बल्कि मेडिकल एजुकेशन और रिसर्च को भी नई ऊंचाइयों पर ले जाया जा सकेगा। इससे एमबीबीएस सीटों में भी बढ़ोतरी होगी।

योजना का पहला मकसद मेडिकल संसाधनों और फैकल्टी की क्षमता का पूरा इस्तेमाल करना है

क्या है इसके पीछे का मकसद?: इस योजना का पहला मकसद मेडिकल संसाधनों और फैकल्टी की क्षमता का पूरा इस्तेमाल करना है। वर्तमान में ये तीनों संस्थान अलग-अलग कार्य कर रहे हैं, जिससे कई विभागों में ह्यूमन रिसोर्स और आधुनिक उपकरणों का इस्तेमाल नहीं हो पाता। इस इंटीग्रेशन के बाद, इन संस्थानों के असिस्टेंट प्रोफेसरों, असोसिएट प्रोफेसरों और प्रोफेसरों की जॉइंट फैकल्टी तैयार होगी।

मेडिकल नियमों के मुताबिक, एक असोसिएट प्रोफेसर दो पीजी सीटों का तो एक प्रोफेसर तीन पीजी सीटों का मार्गदर्शन कर सकता है। ऐसे में फैकल्टी को एक मंच पर लाने से पोस्ट ग्रेजुएट (पीजी) सीटों में अपने आप बड़ी बढ़ोतरी होगी। सरकार का लक्ष्य अधिक से अधिक स्पेशलिस्ट डॉक्टर तैयार करना है ताकि मेडिकल सेक्टर की भविष्य की चुनौतियों का सामना किया जा सके।

कई विभागों में बढ़ जाएंगी सीटें: सीटों के अनुमानित आंकड़ों पर गौर करें तो रेडियोलॉजी, पैथोलॉजी और एनेस्थीसिया जैसे विभागों में बड़ी बढ़ोतरी की उम्मीद है। रेडियोलॉजी में जहां वर्तमान में सीटें सीमित हैं, वहां एकीकरण के बाद संख्या 22 तक पहुंच सकती है। इसी तरह पैथोलॉजी में 26 और एनेस्थीसिया में 48 तक सीटें बढ़ने का अनुमान है। यह विकास केवल एकीकरण से ही नहीं, बल्कि खाली पड़े पदों को भरने से भी संभव होगा। दिल्ली कैंसर इंस्टिट्यूट और राजीव गांधी अस्पताल के उन विभागों में भी पीजी कोर्स शुरू किए जाएंगे, जहां अभी इनकी सुविधा नहीं है। रेडिएशन ऑन्कोलॉजी, न्यूक्लियर मेडिसिन और कार्डियोलॉजी जैसे विभागों में भी नई सीटें बनेंगी।

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि बेड और मरीजों की संख्या के साथ फैकल्टी बढ़ने से भविष्य में एमबीबीएस सीटों में बढ़ोतरी का रास्ता भी साफ होगा। यह पहल दिल्ली को मेडिकल रिसर्च और केयर का राष्ट्रीय केंद्र बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी।

औद्योगिक क्षेत्रों को लीज होल्ड से फ्री होल्ड करने की मांग

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली :** दिल्ली सरकार 24 मार्च को अपना दूसरा बजट पेश करने जा रही है। इसको लेकर व्यापारी संगठन चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (सीटीआई) ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से रविवार को मुलाकात की, जहां व्यापारियों ने बाजारों और औद्योगिक क्षेत्रों में सर्किल रेट की विसंगतियों को लेकर चर्चा की और औद्योगिक क्षेत्रों को लीज होल्ड से फ्री होल्ड करने की मांग भी की गई।

सीएम से व्यापारी संगठन सीटीआई ने की मुलाकात, रखीं कई मांगें

सीटीआई चेयरमैन बृजेश गोयल ने बताया कि हमने दिल्ली की 700 मार्केट असोसिएशन और 56 इंडस्ट्रियल एरिया के फैक्ट्री मालिकों की सभी प्रमुख समस्याओं को ध्यान में रखकर 11 सुझावों का मांगपत्र सीएम रेखा गुप्ता को भेजा है। उन्होंने कहा कि व्यापारियों की मांग है कि बवाना, मंगोलपुरी, झिलमिल, बादली जैसे औद्योगिक क्षेत्रों को लीज होल्ड से फ्री होल्ड किया जाए, दिल्ली में 50 से ज्यादा जगहों पर सर्किल रेट की विसंगतियां हैं, इनको ठीक किया जाए। उन्होंने बताया कि इंडस्ट्रियल एरिया को लीज होल्ड से फ्री होल्ड करने की दिशा में सरकार तेजी से काम कर रही है और जिन में बाजारों और औद्योगिक क्षेत्रों में सर्किल रेट में विसंगतियां हैं उनको लेकर भी सरकार जल्द निर्णय लेगी।

साहित्य प्रेमियों के लिए 'ढाई आखर साहित्योत्सव'

साहित्य प्रेमियों के लिए हिंदी भवन की ओर से साहित्योत्सव का आयोजन किया जा रहा है। 'ढाई आखर साहित्योत्सव- विरासत से भविष्य तक' नाम से आयोजित यह उत्सव 27 से 29 मार्च 2026 तक चलेगा। इस कार्यक्रम में तमाम सिलेब्स भी हिस्सा लेंगे। इनमें सौरभ शुक्ला, चितरंजन त्रिपाठी, राहुल मित्रा, दिव्यप्रकाश दूबे, नीलोत्पल मृणाल, पीयूष मिश्रा, अमित सियाल और सुधीर मिश्रा शामिल हैं।

पीयूष मिश्रा

सौरभ शुक्ला

नवभारत टाइम्स अपने चुनिंदा पाठकों को दे रहा है इस साहित्योत्सव में शामिल होने का मौका। इसका हिस्सा बनना चाहते हैं तो 7003890071 पर साहित्य/Sahitya लिखकर मैसेज करें या वॉट्सऐप करें। चुनिंदा पाठकों को इसमें शामिल होने के लिए पास दिया जाएगा।

पुलिस की मिलीभगत से अवैध शराब की बिक्री का AAP ने लगाया आरोप

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने आरोप लगाते हुए दावा किया कि एमसीडी में स्टैंडिंग कमिटी की अध्यक्ष सत्या शर्मा ने चांदनी चौक में खुलेआम अवैध शराब की बिक्री का खुलासा किया है। रविवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए सौरभ ने कहा कि सत्या शर्मा साफ तौर पर पुलिस पर मिलीभगत का आरोप लगा रही हैं। इसी तरह, कुछ दिन पहले भरत नगर थाने के एसएचओ ने कहा था कि जब भी पुलिस इन कारोबारियों को पकड़ती है, तो उन्हें छोड़ने का आदेश आ जाता है।

सौरभ भारद्वाज ने कहा कि आज सोशल मीडिया पर एक विडियो वायरल है। यह विडियो बीजेपी की एमसीडी की स्टैंडिंग कमिटी की अध्यक्ष सत्या शर्मा का है। उन्होंने अपनी ही सरकार की दिल्ली पुलिस पर बहुत गंभीर आरोप लगाए हैं। मुझे नहीं लगता कि पिछले कई दशकों में किसी ने अपनी सरकार की पुलिस पर इस तरह के सीधे आरोप लगाए हैं। सौरभ ने कहा कि यह मामला चांदनी चौक स्थित पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन का है। स्टेशन के बिल्कुल सामने खुलेआम एक चारपाई पर अवैध शराब और बीयर बेची जा रही थी। वहां एक-दो नहीं, बल्कि सैकड़ों शराब की बोतलें थीं, जिन्हें चादर से ढककर रखा गया था। जैसे ही चादर हटाई गई, वहां बीयर के कैन रखे मिले। खुलेआम चल रहे अवैध व्यापार पर सत्या शर्मा ने कहा कि यह सब दिल्ली पुलिस की मिलीभगत से किया जा रहा है। उन्होंने स्पष्ट रूप से मिलीभगत शब्द का इस्तेमाल किया है। उनका वह ट्वीट अभी भी मौजूद है और हो सकता है कि बाद में डिलीट हो जाए। यह कोई छोटा मामला नहीं है, बल्कि बहुत गंभीर विषय है। उन्होंने अपने व्यक्तिगत अकाउंट से सबसे पहले रेखा गुप्ता को टैग किया है। इसके अलावा उन्होंने मुख्यमंत्री कार्यालय, प्रधानमंत्री और गृह मंत्री के कार्यालय को भी टैग किया है।

स्टैंडिंग कमिटी की अध्यक्ष ने ही पुलिस पर लगाए हैं आरोप: सौरभ

जनहित से जुड़े मुद्दों पर भी AAP कर रही राजनीति : सत्या शर्मा

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

एमसीडी स्थायी समिति की अध्यक्ष सत्या शर्मा का कहना है कि आम आदमी पार्टी (AAP) जनहित से जुड़े गंभीर मुद्दों पर भी अनावश्यक राजनीति कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि 'आप' के प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज भी इस विषय को बिना कारण राजनीतिक रंग देने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन के सामने स्थित पार्किंग क्षेत्र में संदिग्ध और अवैध गतिविधियों का खुलासा करना पूरी तरह से जनता की सुरक्षा, पारदर्शिता और प्रशासनिक जवाबदेही से जुड़ा विषय है, न कि राजनीति का।

स्टैंडिंग कमिटी चेयरमैन ने कहा कि उन्होंने अपने कर्तव्य का निर्वहन करते हुए दिल्ली के हित में यह मुद्दा उठाया, लेकिन 'आप' इसे भटकाने और राजनीतिक रंग देने की कोशिश कर रही है। इससे यह स्पष्ट होता है कि पार्टी हर गंभीर विषय को भी राजनीतिक चश्मे से देखने की आदी हो चुकी है। उन्होंने सौरभ भारद्वाज को सलाह दी कि वह हर मुद्दे पर बयानबाजी करने की जगह दिल्ली की जनता के हित में सकारात्मक कार्यों पर ध्यान केंद्रित करें।

स्टैंडिंग कमिटी की चेयरमैन ने 'आप' को घेरा

'बीजेपी हमेशा उठाती रही है जनहित के मुद्दे': उन्होंने कहा कि बीजेपी ने हमेशा जनहित के मुद्दों को प्राथमिकता दी है और अवैध गतिविधियों के खिलाफ आवाज उठाना उसका दायित्व है। चांदनी चौक क्षेत्र में किए गए निरीक्षण के दौरान कई गंभीर अनियमितताओं और संदिग्ध गतिविधियों का खुलासा हुआ है, जो प्रशासनिक सख्ती और पारदर्शिता की आवश्यकता को दर्शाता है। उन्होंने आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी को इस तरह के एक्शन से पता नहीं क्यों दिक्कत हो रही है।

ऐतिहासिक पोलो ग्राउंड को खाली करने के नोटिस पर जताई चिंता

File Photo

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

दिल्ली के ऐतिहासिक जयपुर पोलो ग्राउंड को खाली करने का नोटिस मिलने पर बीजेपी और कांग्रेस, दोनों दलों के सांसदों ने चिंता जताई है। यहां रविवार को इंडियन ओपन पोलो चैंपियनशिप के फाइनल के दौरान मुद्दा उठाया गया। इसमें हिस्सा लेने के बाद बीजेपी सांसद और पोलो खिलाड़ी नवीन जिंदल ने कहा कि इसे खाली करने का नोटिस सरकार से दो हफ्ते पहले मिला था। कहा गया है कि अगले तीन दिन में जयपुर पोलो ग्राउंड को सौंप दिया जाए। 100 साल से ज्यादा समय से ये इतना ऐतिहासिक मैदान मौजूद है। यह सिर्फ दिल्ली ही नहीं, भारत के लिए हेरिटेज है। पोलो दुनिया को भारत का तोहफा है। इंडियन पोलो असोसिएशन इसे यूनेस्को हेरिटेज साइट बनाने की ख्वाहिश रखता है। दूसरे विश्व युद्ध से पहले जयपुर के महाराजा ने इसे पोलो के लिए गिफ्ट के तौर पर दिया था। इस पोलो ग्राउंड के न रहने पर दिल्ली का चेहरा बदल जाएगा। दिल्ली में और कोई इस तरह की खुली जगह नहीं है। यह दिल्ली के लिए लंग्स का काम करती है। हमने सरकार से गुजारिश की है, हमें यकीन है कि सरकार हमारी बात में ये वजह देखेगी कि ये ग्राउंड अहम है। कांग्रेस सांसद और बीसीसीआई के अधिकारी राजीव शुक्ला ने कहा कि मैं नवीन जिंदल की बात का समर्थन करता हूं। सरकार को इस पर विचार करना चाहिए।

बीजेपी और कांग्रेस दोनों दलों के सांसदों ने इसे लेकर अपनी चिंता जाहिर की है

VML 2607 2026

CAPF पर बिल आज, विरोध भी हो रहा

Maneesh.Aggarwal
@timesofindia.com

■ नई दिल्ली : सीएपीएफ में शामिल सीआरपीएफ, बीएसएफ, सीआईएसएफ, आईटीबीपी और एसएसबी में सीएपीएफ कैडर अधिकारियों और आईपीएस अधिकारियों के बीच प्रमोशन और डेप्युटेशन का चल रहा विवाद अब और बढ़ने की आशंका है। इसके पीछे की एक बड़ी वजह 23 मार्च को राज्यसभा में आ रहे 'द सेंट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्सेस (जनरल ऐडमिनिस्ट्रेशन)' बिल, 2026 को माना जा रहा है, जिससे सीएपीएफ के कैडर और रिटायर्ड अधिकारी संतुष्ट नहीं हैं।

बिल के बारे में इस संघर्ष की कमान संभालने वाले मुख्य एक्सपर्ट में से एक सीएपीएफ से रिटायर्ड एडीजी संजीव कृष्ण सूद का कहना है कि हम इससे संतुष्ट नहीं हैं। बिल में सीएपीएफ कैडर अधिकारियों के अधिकार ही छीन लिए गए। बिल में सुप्रीम कोर्ट के आदेशों को नजरअंदाज किया गया है। इसमें आईपीएस को तरजीह दी गई है। बिल पूरी तरह से सीएपीएफ कैडर अधिकारियों के अधिकारों के खिलाफ है।

राज्यसभा में आज CAPF से संबंधित बिल पेश करेंगे अमित शाह।

जानें इस बिल की खास बातें...

- 'द सेंट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्सेस (जनरल ऐडमिनिस्ट्रेशन)' बिल, 2026 में DIG पोस्ट के लिए कोई स्पष्ट बात नहीं की गई है।
- बिल में IG की पोस्ट के लिए 50 फीसदी IPS को डेप्युटेशन पर रखे जाने का प्रावधान है। बाकी बची 50 फीसदी पोस्ट फोर्स के कैडर अधिकारियों के लिए।
- बिल में ADG पोस्ट पर मिनिमम 67 फीसदी IPS को डेप्युटेशन पर रखने की बात कही गई है। इसका साइलेंट फीचर यह है कि इसमें बाकी बची 33 फीसदी पोस्ट पर भी बल के कैडर अधिकारियों से भरे जाने की बात स्पष्ट नहीं की गई है।
- बिल में स्पेशल DG और DG की पोस्ट पर केवल IPS को ही डेप्युटेशन पर लाने का प्रावधान है।
- बिल में यह भी कहा गया है कि इसके अमल में आने के बाद फिर जितने भी पुराने कोर्ट ऑर्डर और समिति रिपोर्ट हैं, वह सब नल एंड वाइड मानी जाएंगी।
- इस बिल के अमल में आने के बाद CAPF के लिए सारे अधिकार केंद्रीय गृह मंत्रालय के पास ही सुरक्षित होंगे।

अफसर की खुदकुशी में पूर्व मंत्री की गिरफ्तारी पर अड़ा परिवार

विपक्षी दलों का मिला साथ, CM ने कहा- यह जांच का विषय

■ NBT न्यूज, चंडीगढ़

पंजाब सरकार के गले की फांस बने वेयरहाउस के जिला प्रबंधक (DM) आत्महत्या मामले में शनिवार को रात तक अमृतसर में हंगामा चलता रहा। विवाद बढ़ता देख पंजाब पुलिस ने देर रात पूर्व परिवहन मंत्री लालजीत सिंह भुल्लर, उनके पिता और निजी सचिव के खिलाफ केस दर्ज कर लिया। वहीं, पीड़ित परिवार पूर्व मंत्री की गिरफ्तारी पर अड़ा है। विपक्ष ने भी भुल्लर की गिरफ्तारी को लेकर चंडीगढ़ में प्रदर्शन किया। इससे पहले पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने मुख्य सचिव और डीजीपी से इस मामले में रिपोर्ट ली।

पंजाब वेयर हाउसिंग के जिला प्रबंधक गगनदीप सिंह रंधावा ने पंजाब के निवर्तमान परिवहन मंत्री लालजीत सिंह भुल्लर पर प्रताड़ित करने का आरोप लगाते हुए आत्महत्या कर ली थी। रंधावा की मौत के बाद पंजाब की राजनीति गरमा गई। अकाली दल प्रधान सुखबीर बादल, नेता प्रतिपक्ष प्रताप सिंह बाजवा, बीजेपी अध्यक्ष सुनील जाखड़ अमृतसर पहुंचे और सरकार के खिलाफ आंदोलन का ऐलान कर दिया। विपक्ष की धमकी के बाद सरकार ने तुरंत प्रभाव से भुल्लर का इस्तीफा ले लिया। रंधावा के परिजन और विपक्षी दल लालजीत भुल्लर, उनके सहयोगियों के विरुद्ध मामला दर्ज करने की मांग पर अड़े रहे। शनिवार देर रात पंजाब के पूर्व मंत्री लालजीत सिंह भुल्लर, उनके पिता सुखदेव भुल्लर और निजी सचिव दिलबाग सिंह के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है।

रंधावा की पत्नी की शिकायत पर दर्ज हुआ केस: पुलिस ने रंधावा की पत्नी उपिंदर कौर की शिकायत पर यह केस दर्ज किया। पत्नी ने कहा कि भुल्लर ने उन्हें धमकाया कि गैंगस्टर मेरे पाले हुए हैं। तेरे परिवार को खत्म करने के लिए एक इशारा ही काफी है। अगर तू मेरे नियमों को नहीं मान सकता तो तुझे जिंदा रहने का हक नहीं, तू जहर खा ले। इसके बाद पति ने खुदकुशी कर ली।

इस मसले पर CM भगवंत मान ने कहा कि अगर कोई गलत करता है, तो यह जांच का विषय है। चाहे हमारा मंत्री हो या कोई और, कानून सबके लिए एक जैसा है।

Nitin Sharma
राजनीतिक दलों के कार्यकर्ताओं ने पंजाब के CM आवास की तरफ कूच का प्रयास किया, चंडीगढ़ पुलिस ने उन्हें रोक लिया। पुलिस ने वॉटर कैनन से भीड़ को तितर-बितर किया।

कांग्रेस, BJP, अकाली दल ने एकसाथ सरकार को घेरा

■ NBT न्यूज, चंडीगढ़: पंजाब के अमृतसर में वेयरहाउस के जिला मैनेजर द्वारा आत्महत्या किए जाने के बाद रविवार को राज्य के तमाम विपक्षी दल चंडीगढ़ की सड़कों पर उतरे। अकाली दल, भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री आवास की तरफ कूच करने का प्रयास किया। सभी कार्यकर्ताओं पर चंडीगढ़ पुलिस ने पानी की बौछारें कीं और सैकड़ों कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया।

रंधावा आत्महत्या के बाद विपक्षी दल पूर्व मंत्री लालजीत भुल्लर की गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं। पंजाब पुलिस द्वारा शनिवार रात पूर्व मंत्री भुल्लर उनके पिता और निजी सचिव के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया। इधर, रंधावा के परिजनों ने गिरफ्तारी नहीं होने तक अंतिम संस्कार करने से इनकार किया है।

रविवार की सुबह शिरोमणि अकाली दल के वरिष्ठ नेता बिक्रमजीत सिंह मजीठिया और एनके शर्मा के नेतृत्व में अकाली दल कार्यकर्ता, बीजेपी अध्यक्ष सुनील जाखड़, कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग और नेता प्रतिपक्ष प्रताप बाजवा अपने अपने दलों के कार्यकर्ताओं के साथ एमएलए हॉस्टल पहुंचे। वहां सभी दलों ने आम आदमी पार्टी के विरुद्ध घेराबंदी तेज करते हुए पूर्व मंत्री भुल्लर की गिरफ्तारी की मांग की। सभी राजनीतिक दलों के कार्यकर्ताओं ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के आवास की तरफ कूच करने का प्रयास किया तो चंडीगढ़ पुलिस ने बैरिकेडिंग पर रोक लिया। इसके बाद हंगामा बढ़ा तो पुलिस ने वॉटर कैनन से भीड़ को तितर-बितर कर दिया। इसके बाद सभी नेताओं को हिरासत में ले लिया। चंडीगढ़ पुलिस सभी नेताओं को सेक्टर-3 के पुलिस थाने में लेकर आई। जहां बिक्रमजीत मजीठिया, प्रताप बाजवा और अन्य नेता धरने पर बैठ गए और पंजाब सरकार के विरुद्ध नारेबाजी की।

- चंडीगढ़ में सभी दलों ने किया सीएम आवास पर कूच का प्रयास।
- बाजवा, राजा वड़िंग, सुनील जाखड़, मजीठिया समेत कई नेता हिरासत में।

TIMES TRIBUTE
PAYING HOMAGE TO THE DEPARTED SOUL
To book your ad | Logon to: ads.timesofindia.com or Call: 18001205474 (Toll Free) Scan QR Code

शोक सन्देश
प्रार्थना सभा

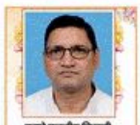

हमारे पूजनीय पिताजी
स्व. किशन सहाय जी
अपनी सांसारिक यात्रा पूर्ण करके शनिवार, 14 मार्च 2026 को प्रभु चरणों में लीन हो गए हैं।
श्रद्धांजलि सभा एवं रस्म पगड़ी
मंगलवार, 24 मार्च 2026
दोपहर 3:00 - 4:00 बजे
ब्रह्म. भोज:
दोपहर 1:00 बजे से
स्थान:
भगवंत धाम (श्री राम मंदिर) Pkt-3, मयूर विहार फेज-1, दिल्ली-91
शोक संतप्त:
अरुण कुमार कल्याणपुरी वाले एवं समस्त मित्तल परिवार

"HONOUR. COURAGE. BRAVERY. Three words that you taught us. Three words that help us cope with your loss".
The silent joy of remembering a loved one.
The moments you shared together.
Little moments that make life beautiful.
Share them. With Friends. Relatives. Neighbours. Colleagues. With all those whose lives the departed Soul has touched. Because while life goes on, when you share memories, they stay on forever.

Publications	Total Outlay
The Times of India Delhi/NCR	5,600
TOI+NBT (Delhi/NCR)	8,800
TOI+ET (Delhi/NCR)	6,600

REMEMBRANCE
SHARING MEMORIES
For any information call
Vinod : 9958992088
Pankaj : 8130604727

TIMES TRIBUTES
RATE CARD

Publications	Rates per sq. cms
TOID Capital + NBT (Delhi+NCR)	1295
TOID Full Run ## + NBT (Delhi+NCR)	1360
THE TIMES OF INDIA (Delhi+NCR)	780
THE TIMES OF INDIA (Delhi) Full Run##	900
NAVBHARAT TIMES (Delhi+NCR)	595
THE ECONOMIC TIMES (Delhi+NCR)	715
SANDHYA TIMES (Delhi)	100

Rates effective 5th June 2019
▸ *Placement on specified obit pages only. ▸ This rate benefit is extended up till the size of 320 sq. cm only. ▸ ## Full run includes Delhi City + NCR (Including Gurgaon + Noida) + Chandigarh + Western U.P. + Uttarakhand ▸ TOI Capital (Delhi & NCR) includes TOI Gurgaon & TOI Noida.

To place an Obituary announcement or Remembrance message please call
Vinod: 9958992088
Pankaj : 8130604727

TIMES interact
Connecting People, Connecting Needs.
To book your ad | Logon to: ads.timesofindia.com or Call: 18001205474 (Toll Free) Scan QR Code

टेंडर और नोटिस
निविदाएं (टेंडर्स)

इंडिया एक्ज़िम बैंक India Exim Bank
निविदा सूचना
भारतीय निर्यात-आयात बैंक (एक्ज़िम बैंक) द्वारा निम्नलिखित के चयन के लिए बोलियां (बिड) आमंत्रित की गई हैं:
एक्ज़िम बैंक के लिए लोन ओरिजिनेशन सिस्टम, ऋण प्रबंधन प्रणाली, व्यापार वित्त, दस्तावेज़ प्रबंधन प्रणाली, पूर्व चेतावनी संकेत प्रणाली, विधिक एवं वसूली, एपीआई मिडलवेयर और ग्राहक पोर्टल के लिए सिस्टम इंटीग्रेटर के चयन हेतु बोलियां (बिड) आमंत्रित हैं।
विस्तृत जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट - https://www.eximbankindia.in/tender देखें।

न्यायालय सूचना

IN THE COURT OF SH. HEM RAJ, JUDGE, FAMILY COURTS, NORTH WEST DISTRICT ROHINI COURT, DELHI
HMA-2466/2025
Manish Kumar ...PETITIONER
VS
Pinki Dey ...RESPONDENT
J (Cd) 3
To,
SMT. PINKI DEY W/O SH. MANISH KUMAR D/O SH. M.C DEY
R/O 193 FIRST FLOOR, POCKET -22, SECTOR 24, ROHINI, RAJA PUR KALAN NORTH WEST DELHI DELHI
Whereas application has been made before me and you are hereby informed through this notice dated 09.04.2026 at 10:00 AM, you are hereby required to appear in person or by pleader.
Judge, Family Court, North-West District, Rohini Courts, Delhi

NOTICES

LOST It is information that my Diploma (PTC) Mark-Sheet Semester1-8 has been lost. Name of ANIKET RANJAN, Roll No 1603046003, Session-2016 2020 GBPIT.FIR LR No: 170731/2026,Add.:B-31 CRRI colony.ND-110065

भर्ती
भर्ती-रिक्त पदों की स्थिति
आईटी संबंधित
आई.टी. प्रोफेशनल

WALK-IN – IMMEDIATE HIRING | Connectivity IT Services Pvt. Ltd. (Gurgaon)
Date: 25 March 2026 | Walk-in location: Delhi
Roles: Wintel, SQL, Citrix, Exchange, Network, Qlik/ Informatica/MuleSoft, DMS NOC, Backup
Exp: L1 (2–5 yrs) | L2 (5+ yrs)
Education: BCA/MCA, B.Sc/M.Sc (CS), BE/ B.Tech (CS)
Note: Immediate Joiners Only
Send CV to
careers@citsrvcs.com

व्यक्तिगत
नाम परिवर्तन

TIKA Ram s/o Teji Ram D O B 08/06/1969 Residence of H.No. 79 Block - H , Near Aara Machine , Sector-3 Tirkha Colony Ballabgarh Faridabad 121004, have Changed My Name Tika Ram Gola s/o Teji Ram vide affidavit Dated 06/03/2026 affidavit date 16/03/2026 at place Ballabgarh Faridabad 121004

I Naga Sravya Pappu W/O, Yashul Srivastava R/o Flat No I 1404, Smondo 3.0 Apartment, Neotown, Maragondanahalli, Electronic City Phase 1, Bengaluru, Karnataka, Pin - 560100 have changed my name to Sravya Pappu.

I ,Girish S, S/o Sreenivasaiah Mayanna Gowda, R/o # P26/1, Tarapore Officers Enclave, Rangpuri Double Storey, Near Nangal Dewat, Vasant Kunj, South West Delhi, Delhi -110070 have changed my name to Girish Sreenivasaiah for all future purposes.

I, Garima D/o Ravish Chandra R/o RZ-2A, Sai Baba Enclave, Tehsil Road, Najafgarh, South West Delhi, Delhi – 110043, have changed my name to Garima Pilania for all purposes

PROPERTY FOCUS TIMES interact
SPACE AVAILABLE FOR
Franchisee/Lease
For
Educational Institutes
in Rama Vihar, Sector-39, Rohini, Delhi-110081
Area: 31200 sq.ft.
2 Staircases including Fire Exit
Ramp, Lift, 23 spacious rooms
1 Multipurpose Hall
Just 750 meter from UER-II
Roads on all the 4 sides
Ample parking space
Contact
9999755533, 9899032230

HEALTH & WELLNESS TIMES interact
स्वस्थ पाचन का आयुर्वेदिक सूत्र
JAVERIAN'S Jivan Mixture
• ८ अत्यंत प्रभावी आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियों का मिश्रण
राहत देता है :
• अपचन
• गैस
• अम्लता (एसिडिटी)
• अनियमित मल त्याग
amazon पर उपलब्ध
हेल्पलाइन ९१५२५ ६६०००
१९१० से भरोसेमंद आयुर्वेदिक उपाय

TO BOOK YOUR PROPERTY ADS
PLEASE CONTACT
SUNIL : 99994 99496
TO BOOK ONLINE LOG ON TO
Ads.timesofindia.com

Since 1928
भरपूर शक्ति
एवं सुखी वैवाहिक जीवन के लिए सलाह लें
सबलोक फार्मेसी
9810041410

BOOK YOUR TENDER & NOTICE ADS
For booking please contact
Aman : 9312633518
TO BOOK ONLINE LOG ON TO
Ads.timesofindia.com

TIMES interact
TO ADVERTISE IN THE CLASSIFIEDS SECTION, FOR ANY OF THE BELOW MENTIONED CATEGORIES
MATRIMONIAL | BUSINESS | PROPERTY
RECRUITMENT, EDUCATION | SHOPPING | SERVICES, VEHICLES, TRAVEL
TENDER, PUBLIC NOTICE | CHANGE OF NAME, LOST & FOUND | BIRTHDAY/ ANNIVERSARY ADS
Please call us at the below mentioned nos.

Area / Zone	Contact Person	Mobile No.
North Delhi	Amit Ghosh	98117 90649
South Delhi + Faridabad	Raghav Arora	99999 95460
Ghaziabad	Sunil Srivastava	99994 99496
West Delhi + Dwarka + Gurgaon	Aman Pasricha	93126 33518
Central Delhi	Amit Ghosh	98117 90649
	Sunil Srivastava	99994 99496
Noida + East Delhi	Sumit Negi	98992 68321

THE TIMES OF INDIA
Readers are recommended to make appropriate enquires and seek appropriate advice before sending money, incurring any expenses, acting on medical recommendations or entering into any commitment in relation to any advertisement published in this publication. All creatives marked as Advertorial, Spotlight and Promotional Features are to be treated as Advertisements. The Times of India Group doesn't vouch for any claims made by the Advertisers of the products and services. The Printer, Publisher, Editor, and the owners of The Times of India Group publications shall not be held liable for any consequences, in the event such claims are not honoured by the Advertisers.

शिपकी ला: तिब्बत संग फिर होगा ट्रेड

■ भाषा, शिमला : हिमाचल प्रदेश के जनजातीय विकास एवं राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी ने रविवार को कहा कि किन्नौर स्थित शिपकी ला दर्रे के जरिए भारत-तिब्बत व्यापार जून से फिर शुरू होने के लिए तैयार है। इसे कोविड के कारण 2020 में स्थगित कर दिया गया था। प्रतिबंधों से पर्यटक और व्यापारी इन क्षेत्रों तक नहीं पहुंच पा रहे थे।

उन्होंने कहा कि पाबंदियों में ढील और व्यापार फिर से शुरू होने से किन्नौर और आसपास के क्षेत्रों में वाणिज्य को बढ़ावा मिलने और रोजगार सृजन की उम्मीद है।

नेगी ने बताया कि पारंपरिक व्यापार कई वर्षों से अधर में लटका हुआ था। स्थानीय व्यापारिक संघ और संगठन इसे फिर से शुरू करने की मांग कर रहे थे। उन्होंने उम्मीद जताई कि मौसम की स्थिति में सुधार होते ही जून में व्यापारिक गतिविधियां फिर से शुरू हो जाएंगी। नेगी ने केंद्र सरकार से कैलाश-मानसरोवर यात्रा की सुविधा के लिए शिपकी ला दर्रे की सड़क को विकसित करने का भी आग्रह किया।

JDU छोड़कर RLD में शामिल हुए केसी त्यागी

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली : जेडीयू के वरिष्ठ नेता रहे केसी त्यागी और उनके बेटे अम्बरीष त्यागी ने राष्ट्रीय लोक दल (RLD) का दामन थाम लिया है। आरएलडी अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी ने दोनों नेताओं को औपचारिक रूप से पार्टी में शामिल कराया।

जयंत चौधरी ने दिलाई सदस्यता।

केसी त्यागी लंबे समय से सक्रिय राजनीति में रहे हैं और संगठनात्मक पकड़ के लिए जाने जाते हैं। माना जा रहा है कि उनके आरएलडी में आने से पार्टी को खासकर पश्चिमी उत्तर प्रदेश में राजनीतिक लाभ मिल सकता है। वहीं, अम्बरीष त्यागी के शामिल होने से युवाओं के बीच पार्टी की पहुंच बढ़ने की उम्मीद जताई जा रही है।

त्यागी ने कहा कि वे 2027 में उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव नहीं लड़ेंगे।

त्यागी ने 16 मार्च को स्पष्ट कर दिया था कि उन्होंने जेडीयू के सदस्यता अभियान के तहत अपनी सदस्यता का नवीकरण नहीं कराया है, जिसके बाद उनके पार्टी छोड़ने की अटकलें तेज हो गई थीं। त्यागी ने कहा कि आरएलडी और जेडीयू में कोई अंतर नहीं है। दोनों पार्टियों के मार्गदर्शक नेता एक ही चौधरी चरण सिंह, डॉ. लोहिया और कर्पूरी ठाकुर हैं। वे 2027 में उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव नहीं लड़ेंगे। कहा कि पहले ही विधायक और सांसद रह चुका हूं।

DMK गठबंधन में सीट बंटवारे पर नाराज़गी बढ़ी

Hemwati.Rajaura1
@timesofindia.com

■ नई दिल्ली : तमिलनाडु में 2026 के विधानसभा चुनाव से पहले डीएमके के नेतृत्व वाले गठबंधन में सीट बंटवारे को लेकर खींचतान तेज हो गई है। गठबंधन सहयोगियों के बीच सहमति नहीं बन पाने के कारण बातचीत अहम मोड़ पर पहुंचकर फिलहाल गतिरोध में फंस गई है। सबसे बड़ा विवाद वाम दल सीपीआई(एम) की सीटों को लेकर है, जो अपनी पिछली हिस्सेदारी के मुताबिक छह सीटों की मांग पर अड़ी हुई है।

दरअसल, 2021 के विधानसभा चुनाव में सीपीआई(एम) ने डीएमके गठबंधन के तहत छह सीटों पर चुनाव लड़ा था और दो सीटों पर जीत हासिल की थी। पार्टी का कहना है कि उसकी जमीनी पकड़ और संगठनात्मक ताकत को देखते हुए सीटों में कटौती उचित नहीं होगी। इसी मुद्दे पर शनिवार को पार्टी के भीतर लंबी बैठकों का दौर चला। राज्य कार्यकारिणी और राज्य समिति की कई घंटों तक चली बैठकों के बावजूद सहमति नहीं बन सकी। आखिरकार, नेतृत्व इस बात पर एकमत दिखा कि छह सीटों से कम पर समझौता नहीं किया जाएगा। वहीं, डीएमके नेतृत्व पर नए सहयोगी दलों के शामिल होने से सीटों का दबाव बढ़ गया है।

DMK प्रमुख एमके स्टालिन।

गठबंधन को झटका

इस बीच, गठबंधन को एक और झटका लगा है। तमिलगा वाझवुरिमै काची के संस्थापक और पनरुति से विधायक टी. वेलमुरुगन ने रविवार को डीएमके गठबंधन से बाहर होने का ऐलान कर दिया। वेलमुरुगन को गठबंधन में वन्नियार समुदाय का प्रमुख चेहरा माना जाता था। उनकी पार्टी पहले भी कम सीट मिलने को लेकर असंतुष्ट रही थी और इस बार भी केवल एक सीट के प्रस्ताव से नाराज थी।

व्यापारी से 20 लाख लेने के आरोप में 4 पुलिसकर्मी सस्पेंड

■ पीटीआई, भोपाल : मध्य प्रदेश के चार पुलिसकर्मियों को गुजरात के एक व्यापारी से कथित तौर पर 20 लाख रुपये लेने के आरोप में निलंबित कर दिया गया है। आरोप है कि यह रकम उन्होंने कार से एक करोड़ रुपये नकद मिलने के बाद मामले को रफादफा करने के लिए ली थी।

पुलिस ने रविवार को बताया कि यह घटना 19 मार्च को गुना जिले के धरनावदा थाना क्षेत्र के तहत रूठियाई चौकी इलाके में हुई। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने मामले में सीधी के जिलाधिकारी स्वरोचित सोमवंशी और गुना के पुलिस अधीक्षक अंकित सोनी को पद से हटा दिया।

सैनिक स्कूलों में PPP मॉडल का विरोध

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली : सैनिक स्कूलों में पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (PPP) मॉडल को लेकर कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। पार्टी के एक्स सर्विसमेन विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष कर्नल (रिट) रोहित चौधरी ने इसे देश की सैन्य परंपरा और सामाजिक समरसता के लिए खतरा बताया है।

फरसा बाबा की मौत के बाद हंगामे में 20 अरेस्ट

■ NBT न्यूज, मथुरा

आगरा-दिल्ली हाइवे पर फरसा बाबा की मौत के बाद हंगामा करने और माहौल बिगाड़ने के आरोप में 20 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। छाता इलाके में शनिवार को हाइवे जाम कर भ्रामक बातें फैलाने और पुलिस पर पथराव करने के मामले में केस दर्ज किया गया है। छाता थाना पुलिस ने रविवार को 15 लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेजा, जबकि थाना बरसाना पुलिस ने बाहर से आए दक्ष चौधरी और उसके 4 साथियों को भी गिरफ्तार किया है। शनिवार सुबह करीब 3 से 4 बजे के बीच थाना कोसीकलां इलाके में 65 साल के चंद्रशेखर उर्फ फरसा बाबा की ट्रक की टक्कर से मौत हो गई थी। हादसे में ट्रक भी क्षतिग्रस्त हुआ और उसका ड्राइवर घायल हो गया था, जिसकी बाद में इलाज के दौरान मौत हो गई। आरोप है कि इस घटना के बाद कुछ लोगों ने गलत जानकारी फैलाकर माहौल बिगाड़ने की कोशिश की। फरसा बाबा के शव को हाइवे पर रखकर जाम लगाया गया और पुलिस पर पथराव भी किया गया था।

मथुरा में हाइवे जाम का भी आरोप।

हाइवे जाम और पथराव के मामले में 300 अज्ञात पर भी FIR दर्ज।

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 23-03-2026 Zone: Mahanagar Edition: 1 Page: NBTMAH07 User: vivek.kumar4@timesofindia.com Time: 03-22-2026 21:40 Color:

उत्तराखण्ड शासन | देवभूमि रजत उत्सव

जन-जन की सरकार 4 साल बेमिसाल

उत्तरोत्तर विकास पथ पर अग्रसर उत्तराखण्ड

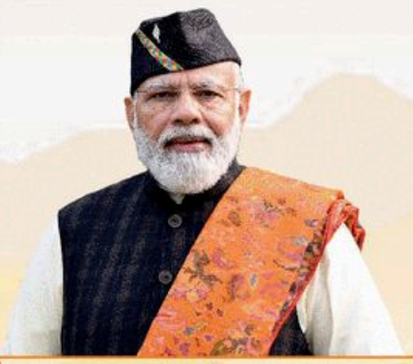

"21वीं सदी के विकसित भारत के निर्माण के दो प्रमुख स्तंभ हैं। पहला, अपनी विरासत पर गर्व और दूसरा, विकास के लिए हर संभव प्रयास। आज उत्तराखण्ड इन दोनों ही स्तंभों को लगातार मजबूत कर रहा है। ये दशक उत्तराखण्ड का दशक है।"

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

"प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के दूरदर्शी मार्गदर्शन में उत्तराखण्ड सर्वांगीण विकास की नई मिसाल बन रहा है। स्थानीय उत्पाद, बेहतर कनेक्टिविटी, उद्योग एवं निवेश तथा हर मौसम पर्यटन सहित देवभूमि अपनी अलौकिक विरासत को संजोते हुए विकास के नए आयाम छू रही है।"

पुष्कर सिंह धामी, मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड

विकसित भारत सशक्त उत्तराखण्ड

विरासत भी, विकास भी

इंफ्रास्ट्रक्चर एवं कनेक्टिविटी

- केदारनाथ–हेमकुंड साहिब रोपवे परियोजना
- दिल्ली–देहरादून एलिवेटेड रोड निर्माण
- ऋषिकेश–कर्णप्रयाग रेल लाइन प्रगति पर
- टनकपुर–बागेश्वर रेल सर्वे स्वीकृत
- सौंग व जमरानी बांध परियोजना
- पर्वतीय जिलों में हेली सेवा विस्तार

अर्थव्यवस्था, निवेश एवं उद्योग

- ₹3.56 लाख करोड़ निवेश समझौते
- ₹1 लाख करोड़+ ग्राउंडिंग
- अर्थव्यवस्था 26 गुना वृद्धि
- ₹1.11 लाख करोड़+ वार्षिक बजट
- खुरपिया में स्मार्ट इंडस्ट्रियल टाउनशिप
- हाउस ऑफ हिमालयाज ब्रांड

हरित ऊर्जा एवं ग्रामीण विकास

- 1 गीगावाट+ सौर ऊर्जा क्षमता
- 42,000+ सोलर रूफटॉप
- वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम (सीमांत गांव विकास)
- महक क्रांति व मिलेट्स मिशन

संस्कृति एवं विरासत का संरक्षण

- केदारनाथ–बदरीनाथ मास्टर प्लान
- मानसखण्ड मंदिर माला मिशन
- शीतकालीन यात्रा का शुभारंभ
- संस्कृत ग्राम पहल
- गीता अध्ययन पाठ्यक्रम में शामिल
- दून विश्वविद्यालय में हिंदू अध्ययन केंद्र
- स्पिरिचुअल इकोनॉमिक ज़ोन (गढ़वाल–कुमाऊं)

सुशासन

- 'जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार' अभियान
- 30,000+ युवाओं को सरकारी नौकरी
- 950+ सेवाएं ऑनलाइन (अपुणि सरकार पोर्टल)
- 12,000 एकड़ अतिक्रमण मुक्त
- पेंशन योजनाओं में वृद्धि एवं मासिक भुगतान

बड़े निर्णय

- समान नागरिक संहिता
- सशक्त भू-कानून
- सख्त धर्मांतरण विरोधी कानून
- नकल विरोधी कानून
- अग्निवीरों को 10% क्षैतिज आरक्षण

संकल्प से शिखर तक

नेशनल लेवल रैंकिंग व प्रोत्साहन

- निर्यात तैयारी सूचकांक में प्रथम (छोटे राज्य)
- एसडीजी इंडेक्स में शीर्ष स्थान
- स्टार्टअप रैंकिंग में 'लीडर'
- खनन सुधारों में देश में दूसरा स्थान
- शहरी सुधारों हेतु ₹264.5 करोड़ प्रोत्साहन

नीतिगत सुधार

30 से अधिक नीतियां

- औद्योगिक नीति, पर्यटन एवं योग नीति
- नई फिल्म नीति (50% तक सब्सिडी)
- मिलेट्स नीति, कीवी नीति (70% अनुदान)
- ड्रैगन फ्रूट प्रोत्साहन योजना
- महक क्रांति 2026-36
- महिला स्वरोजगार एवं लखपति दीदी योजना आदि

प्रधानमंत्री जी के नौ आग्रह

स्थानीय लोगों से: बोली-भाषा का संरक्षण, एक पेड़ मां के नाम, स्वच्छ जल, गांव से जुड़ाव, तिबारी वाले घरों को संवारें

पर्यटकों से: प्लास्टिक के इस्तेमाल से बचें, वोकल फॉर लोकल, यातायात के नियम अपनाएं, तीर्थों की मर्यादा का पालन करें।

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड द्वारा जनहित में जारी

www.uttarainformation.gov.in | DIPR_UK | UttarakhandDIPR | UttarakhandDIPR

NOTE : -

[: राजस्थान पत्रिका , दैनिक जागरण delhi, नवभारत टाइम्स delhi, अमर उजाला delhi, हिन्दुस्तान delhi, Pioneer hindi delhi, जनसत्ता delhi,]

English NEWSPAPERS
[Times Of India delhi, Indian Express delhi, The Hindu delhi, Financial Express delhi, economic times delhi , the Pioneer english delhi , the tribune delhi] ETC.

We are providing all news paper pdf hindi and English want to read daily newspapers by pdf please msg me on telegram

2. आकाशवाणी (AUDIO)

whatsapp Group ka link pane ke liye
Newspaper_pdf_bot par jaye.

Click here to contact:-https://t.me/Newspaper_pdf_bot
Or type in Search box of Telegram
@Newspaper_pdf_bot And you will find a channel
BACKUP GROUP LINK
https://t.me/joinchat/5P9EL1JaqoYzNTI1

Hindi-English News Paper Website:- onlineftp.in